- अक ज्योतिष सुप्रसिद्ध भविष्य-वक्ता ज्योतिषी कीरो (वास्तविक नाम जान ई वार्नर) की विश्व प्रसिद्ध पुस्तक है। विश्व की लगभग सभी भाषाओं में इसका प्रकाशन हो चुका है। खेद है कि हिन्दी म इसका अविकल पूर्ण अनुवाद अभी तक नहीं हुआ है। केवल इसका आंशिक प्रकाशन ही हो रहा है। पहली बार पूर्ण प्रकाशन अविकल रूप से हो रहा है।

- यह पुस्तक व्यक्ति का सम्पूर्ण परिचय है। अकों के द्वारा आप सब कुछ जान सकते है। वास्तव मे यह कीरो की एक चमत्कारिक रचना है। इसका अध्ययन करने के पश्चात् आप स्वयं इसका अनुभव करेंगे।

■ प्रकाशक
साधना पॉकेट बुक्स
39, यू ए बंग्लो रोड दिल्ली-110 007
दूरभाष 2914161, 2516715

सस्करण 1997

■ मूल्य 25 00 रुपये
पच्चीस रुपये मात्र

■ मुद्रक जे० एस० ऑफसेट प्रिंटर्स
जगत पुरी दिल्ली-51

कीरो, अंक ज्योतिष

— प्रस्तुति —

राकेश शास्त्री

साधना पॉकेट बुक्स
दिल्ली - 110007

ज्योतिष सीरीज

हमारा प्रकाशन

महर्षि भृगु रचित—भृगुसहिता

डा॰ नारायणदत्त श्रीमाली

भारतीय अक ज्योतिष
रत्न ज्योतिष
फलित दर्पण
जन्म पत्रिका दर्पण
हस्त रेखा विज्ञान, पचागुली साधना

गोविन्द शास्त्री

मन्त्र सिद्धि रहस्य
यन्त्र विज्ञान
तन्त्र विनान
मन्त्र विज्ञान
आइए ज्योतिष सीख-I
आइए ज्योतिष सीखे-II
भूतबाधा देहरक्षा

राकेश शास्त्री

विवाह और ज्योतिष
कीरो—अक ज्योतिष
कीरो— हस्तरेखा विज्ञान

अंक विधान

भारतीय ज्योतिष तथा अन्य ग्रथों में सख्या तथा शब्द का आपस में घनिष्ठ सबन्ध है। शब्दों का सख्याओं में और सख्याओं का शब्दों में परिवर्तन किया जा सकता है। हमारे पूर्वज ऋषि मुनि सख्या तथा शब्द् के इस पारस्परिक सम्बन्ध सें पूर्ण रूप से परिचित थे। उन्होंने प्रत्येक देवता तथा ग्रह के मन्त्रों के अक्षरों की सख्या निाश्चत की थी। उन मत्रों के जप की कितनी बार आवृत्ति की जाय इसकी भी सख्या निश्चित की थी। किस अनुष्ठान के लिए माला में कितने मनके हों ? इसकी सख्या निश्चित की थी।

सूर्य के मन्त्र की जप सख्या 7000 चन्द्रमा की 11000, मगल की 1000, बुध की 9000, वृहस्पति की 19000 शुक्र की 16000, शनि की 23000, राहु की 18000 और केतु की 17000 । मोक्ष प्राप्ति के लिए 25 मनकों की माला धनप्राप्ति के लिए 30 मनकों की अभिचार कर्म के लिए तन्त्र शासत्रानुसार 15 मनके वाली सेवार्थ के लिए 108 मनकों की माला का प्रयोग करना बतलाया गया है।

ज्योतिष, मन्त्र शास्त्र में गणित शास्त्र यन्त्र विद्या, तन्त्र विद्या हस्त रेखा विज्ञान और अनके विद्या विज्ञान में अकों की सख्याओं का बहुत योगदान है। दक्षिणी भारत में केरल प्रश्न जैसी पुस्तकें हैं। पाश्चात्य ग्रन्थों में इस प्रकार के

उदाहरण मिलते हैं जैसे 13 के अक ने किस प्रकार अमरीका के इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहूदियों के इतिहास में 7 का मूल अक बहुत महत्वपूर्ण रहा है। ईसा मसीह के बलिदान से पहले जो भोज हुआ था, उसमें 13 व्यक्ति थे। इस कारण 13 का अक अशुभ माना जाता रहा है। होटल वाले अपने होटल में 13 नम्बर का कमरा नही रखते क्योंकि 13 नम्बर के कमरे में कोई मेहमान ठहरना पसन्द नहीं करता। वे लोग 13 की जगह बारह ए नम्बर देते हैं या 13 नम्बर को छोड देते हैं।

अमरीका के लिए यह तेरह का अक बहुत भाग्यशाली है। अमरीका की ध्वजा में 13 पत्तिया हैं, 13 बाण हैं ईगल के ऊपर 13 सितारे हैं ईगल के प्रत्येक डैने में 13 पख हैं और झडे में 13 धारिया हैं। अमरीका जब स्वाधीन राष्ट्र बना था तब उसमें 13 राष्ट्र थे और घोषणा पत्र पर 13 प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किये थे।

13 का मूल अक 4 बनता है 4 अक नवीनता का द्योतक है, प्रगति का प्रतीक है और अमरीका का आदर्श वाक्य यही दर्शाता है।

कोई सख्या अपने आप में कोई शुभ या अशुभ नहीं होती। किसी व्यक्ति या राष्ट्र के जीवन में कोई सख्या या सख्याए शुभ होती हैं, कोई अशुभ। यदि कोई सख्या किसी के लिए शुभ है तो वही सख्या किसी अन्य व्यक्ति के लिए अशुभ भी हो सकती है। कोई सख्या विशेष या अक विशेष व्यक्तिगत या राष्ट्रीय जीवन से इतना सम्बद्ध हो जाता है कि उसे सयोग कहकर नहीं टाला जा सकता है।

यहूदियों के धार्मिक इतिहास में 7 के अक ने $7 \times 7 = 49$ की सख्या ने तथा $49 \times 10 = 490$ की सख्या ने बहुत प्रभाव डाला है। पिछली सभी घटनाओं को वर्षों के तारतम्य से मिलाते हुए इस विद्या के महान् विद्वान् कीरो ने भविष्यवाणी की थी कि 1980 तक यह जाति अत्यन्त शक्तिशाली हो जाएगी। यदि कोई व्यक्ति अपने जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं की तारीखें नोट करता जाय तो वह देखेगा कि उनमें कोई तारतम्य है कोई कडी है, जो सबमें है।

वे घटनायें किसी तारीख विशेष को जिनका मूल अक मिलता है या सयुक्त अक मिलता है या किसी एक निश्चित समय के वर्षों के अन्तराल पर घटित हुई हैं और यदि उसने पिछली घटनाओं के क्रम को समझ लिया तो

निश्चित रूप से कहा जा सकता है, भविष्य में भी घटनायें उसी क्रम से उन्हीं विशेष तारीखों तथा वर्षों पर घटित होंगी।

सख्या तथा क्रिया का घनिष्ठ सम्बन्ध है। शून्य इसी प्रकार निराकार निष्क्रिय ब्रह्म का सूचक है और एक ब्रह्म की अद्वैत स्थिति का जब वह सृष्टि रचना की ओर क्रियाशील हो गया था। वैसे तो सभी शब्द ब्रह्म के रुप हैं क्योंकि एक ओंकार से ही सब अक्षरों व शब्दों की उत्पति हुई है।

भिन्न भिन्न शब्दों का अर्थ गुण व प्रभाव भिन्न होता है और क्रिया भी भिन्न होती है। प्रत्येक शब्द व सख्या की एक निश्चित आवृति करने पर वाछित प्रभाव उत्पन्न किया जा सकता है।

जैसे आजकल के वैज्ञानिक प्रत्येक खाद्य पदार्थ को कैलोरी में परिवर्तित करके बताते हैं कि अमुक पदार्थ कितना शक्तिवर्धक है उसी प्रकार व्यक्ति देश या राष्ट्र के नाम को अक्षरों में परिवर्तित करके बताया जा सकता है कि कौन व्यक्ति कितना शक्तिशाली, गुणवान् व बुद्धिमान है। नामाक्षरों की सख्या बनाते समय उसी नाम को लेना चाहिए जिसको सुनकर वह सोते से उठकर जाग जाय। नाम और जन्म की तारीख की सख्या का भी आपस में घनिष्ठ सबध है। व्यक्ति तथा वस्तु सख्या के सामजस्य से ही जीवन की घटनायें घटित होती हैं और उसी प्रकार आगे का भाग्य बनता है।

भगवद्गीता में 18 अध्याय ही क्यों हैं?, महाभारत में अठारह पर्व क्यों हैं? पुराणों की सख्या 18 है। गणेश जी की चतुर्थी दुर्गा माता जी की अष्टमी, सूर्य की सप्तमी, विष्णु की एकादशी और महादेव जी की त्रयोदशी ही क्यों मनाई जाती है? इसका वैज्ञानिक आधार है नाम तथा सख्या का सम्बन्ध।

अक विद्या से हस्तरेखा विज्ञान में भी बहुत सहायता ली गई है। हाथ की रेखाओं पर घटनाओं की तारीख निश्चित करने के लिए अक विद्या की ही सहायता ला जाती है। मन्त्रशास्त्र में मन्त्रों के अक्षरों की सख्या जप सख्या माला के मनकों की सख्या अक विद्या के सिद्धान्तों को दृष्टि में रखकर निश्चित की गई है। 15 का यन्त्र तो दीवाली पर सब जगह बनाया जाता है और आपने देखा ही होगा। इसमें 1 से 9 तक के अकों को 9 कोष्ठकों में इस प्रकार लिखा गया है कि आडे तिरछे, ऊपर नीचे, दायें बायें किसी प्रकार भी गिनो, तो जोड 15 ही होता है।

मूल अक बनाना

मूल जन्म की तारीख से बनाया जाता है। यदि तारीख न हो तो जन्मतिथि से भी बनाया जा सकता है।

यदि किसी की जन्म की तारीख एक है, तो उसका मूल अक 1 हुआ 2 का 2 है तो 3 का 3, 4 का 4, 5 का 5 6 का 6 7 का 7, 8 का 8 9 की जन्म तारीख का मूल अंक 9 हुआ। 10 का मूल अंक 1+0=1 हुआ।

इसी प्रकार 11 का 1+1= 2,12 का 1+2 =3, 13 का 1+3= 4 14 का 1+4 = 5, 15 का 6 16 का 7, 17 का 8 18 का 9, 19 का 10 अर्थात् 1 20 का 2, 21 का 3, 22 का 4 23 का 5, 24 का 6 25 का 7, 26 का 8 27 का 9, 28 का 10 अर्थात् 1, 29 का 11 अर्थात 2, 30 का 3 31 का 4 मूल अक बना। जन्म तिथि से मूल अक बनानें की विधि यह है कि एक महीनें में 30 तिथि होती हैं और मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है। पूर्णमासी के बाद की प्रतिपदा की सख्या 16, द्वितीया की 17, तृतीया की 18। इसी प्रकार अमावस्या की सख्या 30 होती है। शुक्लपक्ष की प्रतिपदा की सख्या 1 से चलकर पूर्णमासी तक 15 कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक 16 से लेकर 30 तक होती है।

आजकल अग्रेजी तारीख सर्वत्र प्रचलित है और पूरी जन्मतिथि मालूम हो तो अग्रेजी तारीख भी निकाली जा सकती है। कभी अग्रेजी तारीख न मिले और तिथि मालूम हो जाय तो तिथि का मूल अक बनाकर फल कथन किया जा सकता है। किसी भी सख्या का मूल अक जानने का आसान तरीका यह है कि उस सख्या में 9 का भाग दीजिए जो शेष बचे वही मूल अक होगा। शून्य बचे तो मूल अक 9 होगा।

मूल अक 1

जिसकी जन्म तिथि या तारीख का मूल अक एक होता है वह व्यक्ति स्थिर चित्त होता है। निश्चय पर दृढ वचनों का पालन करता है और जो राय बना लेता है उस पर कायम रहता है। उसकी स्नेह मित्रता यहा तक कि शत्रुता भी दृढ होती है। स्वतत्र विचार के होते हैं, ऐसे व्यक्तियों का किसी के अनुशासन में रहकर काम करना पसन्द नहीं होता है स्वतत्र रहकर काम करना

इन्हें अच्छा लगता है।

1, 10, 19, 28 तारीखों में पैदा हुए व्यक्तियों का मूल अक 1 होता है। इनका 1ला, 10वां, 19वा 28वां 37वा 55वा, 64वा और 73 वा वर्ष महत्वपूर्ण होता है। और 1 ली, 10 वी, 19वी, तथा 28 वी, तारीख व तिथि महत्वपूर्ण होती है।

शुभ काम और नया काम और महत्वपूण कार्य इन व्यक्तियों को जहा तक हो सके इन्ही तारीखों पर करना चाहिए।

मूल अक 1 की 2, 4, व 7 मूल अकों के साथ मित्रता है। इस कारण इन मूल अको की तारीखें भी 1 मूल अक वाले को शुभ रहती हैं। जैसे 2, 4, 7, 11 13 16, 20, 22, 25 29 और 31 तारीख।

मूल अक 1 का स्वामी सूर्य है। 17 अगस्त से 16 सितम्बर तक तथा पाश्चात्य मत के अनुसार 24 जुलाई से 23 अगस्त तक सूर्य अपनी राशि सिंह में बहुत बलवान व प्रभावशाली होता है।

कोई व्यक्ति 1, 10 19, 28 तारीखों में से किसी भी तारीख को पैदा हुआ है और सूर्य के सिंह राशि में रहते हुए सूर्य मास में पैदा हुआ हो तो उस पर सूर्य का विशेष प्रभाव रहता है। उसमें उपयुक्त गुण विशेष मात्रा में होते हैं। उनके लिए यह सम्य यानी 21 जुलाई से 28 अगस्त तक विशेष सफलतादायक रहता है।

रविवार तथा सोमवार शुभ होते हैं। शुभ तारीखों पर यह वार भी पड जायें, तो और भी अच्छा है। गहरा या हल्का भूरा, पीला तथा सुनहरी रग विशेष अनुकूल होते हैं। पहनने के कपडे कमरों में रंग रोगन परदे सोफे, साज सज्जा में यह रग प्रयुक्त किये जायें, तो स्वभाव व प्रवृत्ति के अनुकूल होते हैं। पुरुषों के लिये गहरा और महिलाओं के लिये हल्का रग प्रयोग में लाना ठीक रहता है। महिलाओं के लिये पीले सुनहरी रग उपयुक्त हैं।

मित्र परिवार के मूल अक 2 4 व 7 में किसी मूल अक की तारीखें या वर्ष ठीक नही गये, तो वे भविष्य में भी ऐसे ही जायेंगे। मूल अक एक वाला व्यक्ति अपने शुभ काम तथा नये कार्यों का प्रारम्भ इन तारीखों पर न करे। लाल बैंगनी प्रिय रंग होते हैं।

मूल अक 2

किसी भी मास की 2 11 20 या 29 तारीख में से किसी तारीख को जन्मे व्यक्ति का मूल अक 2 है।

2 मूल अक्वाला व्यक्ति कलाप्रिय, स्नेहशील स्वभाव का होता है। कल्पना शक्ति बहुत अच्छी होती है। 2 मूल अक का अधिष्ठाता चन्द्रमा है 2 मूल अकवालों पर चन्द्रमा का विशेष प्रभाव रहता है। शारीरिक शक्ति इनमें इतनी नही होती परन्तु दिमाग विवेक अच्छा होता है इसमें यह लोग बाजी मार ले जाते हैं। ये लोग जिस विषय पर विचार पक्का करते हैं उस पर कायम नहीं रहते। रद्दोबदल व काट छाट करते रहते हैं। एक योजना को अधूरी छोडकर नई में लग जाते हैं। धीरज व अध्यवसाय की कमी होती है। किसी विचार को कार्यरूप देना इनके लिए बहुत कठिन है।

आत्मविश्वास बहुत कम होता है। अपने ऊपर भरोसा नहीं होता। थोडी सी निराशा से उदासीन हो जाते हैं और बहुधा असफल रहते हैं।

इनके जीवन का 1ला 10वा 19वा 28वा 36वा 46वा 55वा 64वा वर्ष, 4, 13, 22, 31, 40, 49 58, 67वा वर्ष 2, 11, 20 29, 38 47, 56, 65वा वर्ष तथा 7, 16 25, 34 43, 52 तथा 61वा वर्ष महत्वपूर्ण रहता है।

जीवन की महत्वपूर्ण घटनायें शुभ अशुभ इन्ही वर्षों में घटित होती हैं।

2 मूल अक का 1, 4 व 7 मूल अक से मैत्री सम्बन्ध है। जीवन की अब तक की घटनाओं पर विचार से पता चले कि 1, 4 7 मूल अक के महत्वपूर्ण वर्षों में अशुभ घटनायें हुई हैं तो भविष्य में इन अकों की तारीखों पर कोई शुभ या नया काम प्रारम्भ नहीं करना चाहिए।

यदि इन अकों की तारीख ठीक गई हों तो यह अक या इनमें से कुछ अक उनके लिए भाग्यशाली हैं और इनके महत्वपूर्ण वर्ष भविष्य में भी भाग्यशाली रहेंगे। 2 मूल अक वालों का भाग्यशाली दिन सोमवार है। मैत्री सम्बन्ध से शुक्र तथा रवि भी शुभ हैं।

इस अक की शुभ तिथि पर यह दिन भी हों तो नये काम का मुहूर्त या शुभ काम करने के लिए ऐसी तारीखें अच्छी समझी जानी चाहिए।

इस मूल अक के भाग्यवान् वर्ष 2, 11, 20 29 38 47, 56 व 65 हैं।

उपर्युक्त वर्षों में अन्य भाग्यवान् वर्ष इस अक के 1, 4 व 7 अक के साथ मैत्री सम्बन्ध के कारण दिए गए हैं जो महत्वपूर्ण तो हैं परन्तु शुभ अशुभ की परीक्षा गत जीवन की घटनाओं के आधार पर करनी चाहिये।

चन्द्रमा कर्क राशि में भारतीय मत अनुसार 16 जुलाई से 16 अगस्त तक तथा पाश्चात्य मत के अनुसार 22 जून से 23 जुलाई तक रहता है और इस कारण उपर्युक्त तारीखों (2, 11, 20 व 29) के साथ साथ यदि कोई व्यक्ति इन महीनों में चन्द्रमा के कर्क राशि में होने के समय में पैदा हुआ हो, तो उस व्यक्ति पर चन्द्रमा का विशेष प्रभाव रहता है और उपर्युक्त गुण उसमें विशेष होते हैं।

सफेद काफूरी हरा या अगूरी रग विशेष शुभ व अनुकूल काला, लाल या गहरा रग प्रतिकूल हैं।

मूल अंक 3

इस अक का स्वामी गुरु या बृहस्पति है। जो व्यक्ति 3 12 21 या 30 तारीख को पैदा हुए हों उनका मूल अक 3 होता है। पाश्चात्य मत के अनुसार 19 फरवरी से 21 मार्च तक और 21 नवम्बर से 21 दिसम्बर तक के बीच के समय में तथा भारतीय मत से 15 दिसम्बर से 13 जनवरी तथा 14 मार्च से 12 अप्रैल के बीच जिनका जन्म हुआ हो, उन पर वृहस्पति का प्रभाव रहता है। जो व्यक्ति इस काल में उपर्युक्त तारीखों को पैदा होते हैं उन पर बृहस्पति का विशेष प्रभाव रहता है या पडता है।

3 अक वाले व्यक्ति अनुशासन में कठोर होते हैं। फौज या किसी सरकारी विभाग में अध्यक्ष हों तो अपने अधीन काम करने वाले कर्मचारियों से बहुत सख्ती से काम लेते हैं काम में ढील या शिथिलता बर्दाश्त नही करते और इतनी जल्दी से काम लेते हैं कि मातहत लोग बहुधा इनके शत्रु हो जाते हैं। यह लोग बहुत महत्त्वाकाक्षी और शासन कर हुकूमत करने की इच्छा रखने वाले होते हैं।

19 फरवरी से 21 मार्च तक तथा 21 नवम्बर से 21 दिसम्बर तक के सायन सौर मास का समय तथा 3 12 21 और 30 तारीख बृहस्पतिवार शुक्रवार तथा मगलवार का दिन शुभ तथा महत्वपूर्ण हैं। कोई शुभ काम नया काम इन तारीखों व महीनों में गुरुवार के दिन आरम्भ करें तो सफलता की काफी

आशा रहती हैं। अच्छे वर्ष हैं 3, 12, 21, 30 39, 48 57 तथा 66वा।

3 मूल अक की 6 तथा 9 अक के साथ मित्रता है। इस कारण जिन व्यक्तियों की जन्म तारीख का मूल अक 6 या 9 बनता हो उनके साथ 3 अक वाले की मित्रता ठीक रहती है। साझेदारी या विवाह भी सफल रहते हैं और 6 तथा 9 मूल अकों के शुभ तथा महत्वपूर्ण वर्ष, मास दिन तथा तारीखें भी आमतौर पर अच्छी रहती हैं।

किसी व्यक्ति की यदि यह तारीखें खराब जाती हों तो उसे अपने शुभ व महत्वपूर्ण कार्य इन तारीखों दिनों व मासों में नहीं करने चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को 6 व 9 मूल अक के शुभ वर्ष मास या दिन खराब गए हैं तो आगे भी उनके खराब हो जाने की आशका है और यदि यह वर्ष मास दिन व तारीखें शुभ गई हों तो भविष्य में भी इनके शुभ व अनुकूल ही रहने की सम्भावना है। 3 मूल अक वाले व्यक्तियों को चमकीला गुलाबी रग और हल्का जामुनी रग विशेष शुभ तथा अनुकूल रहता है।

मूल अक 4

4 अक का मूल अधिष्ठाता हर्षल ग्रह है। हर्षल का प्रभाव है सहसा प्रगति आश्चर्यजनक कार्य विस्फोट असम्भावित घटनाए आदि।

जिन व्यक्तियों की जन्म तारीख 4 13, 22, 31 हो उनका मूल अक 4 होता है।

4 मूल अक वाले व्यक्ति सघर्षरत रहते हैं। आम धारणा से उनकी राय प्राय नही मिलती और उनके विचार अलग ही होते हैं। जमाने से बहुत अ ।
अपने विरोध की आदत के कारण ऐसे व्यक्तियों के शत्रु भी बहुत बन जाते हैं। अक्सर यह व्यक्ति सुधारक पुरानी प्रथाओं के विरोधी नयी नयी बातों के पोषक होते हैं। सामाजिक राजनीतिक धार्मिक किसी भी क्षेत्र में हों यह ग पुरानी प्रथा को हटाकर नई स्थापित करना पसन्द करते हैं।

दूसरों के साथ मित्रता जल्दी स्थापित नहीं करते, परन्तु 1 2, 7 तथा 8 मूल अक वालों के साथ सहानुभूति या सौहार्द बहुधा हो जाता है। धन सग्रह करना पसन्द नही। मौज करना और खुश रहना।

21 जून से 31 अगस्त तक के समय में हर्षल का विशेष प्रभाव रहता है

और जिनका जन्म उपयुक्त तारीखों और इस समय में हुआ हो, उन पर हर्षल का विशेष प्रभाव रहता है।

इन लोगों को रविवार, सोमवार तथा शनिवार शुभ होते हैं और 4 13, 22 तथा 31 तारीखें शुभ होती हैं। 21 जून से 31 अगस्त तक का समय भी अच्छा रहता है। नये काम की शुरुआत और अपने महत्त्वपूर्ण कार्य इन्ही तारीखों में करना चाहिए। 2 'र रविवार, सोमवार या शनिवार भी इन तारीखों पर पडता हो, तो और भी अधिक शुभ है।

यदि 21 जून से 31 अगस्त के बीच का समय है तो विशेष प्रभावशाली रहता है। धूप छाह का रग नीला, खाकी भूरा रग वस्त्रों, कमरे, फर्नीचर व परदों के लिए विशेष अनुकूल रहता है।

जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष 4 था 13वा 22वा 31वा 40वा 49वा 58वा और 67वा वर्ष महत्त्वपूर्ण रहता है। 1ला 10वा, 19वा 28वा 37वा, 46वा 55वा तथा 64वा वर्ष भी महत्वपूर्ण होता है। पिछले अनुभव से यदि 2 तथा 7 मूल अक की सख्याए तारीख वर्ष आदि भी महत्त्वपूर्ण रहे हों तो आगे भी इन अकों के वर्ष शुभ हो जाएगे।

मूल अक 5

इसका स्वामी बुध ग्रह है। 5, 14, या 23 तारीख को जन्म लेने वाले व्यक्तियों का मूल अक 5 होता है। 21 मई से 23 जून तक और 21 अगस्त से 23 सितम्बर तक प्रतिवर्ष सूर्य सायन मिथुन तथा कन्या राशियों में रहता है तथा यह राशिया बुध की राशिया हैं। इस कारण इस समय में उत्पन्न व्यक्तियों पर बुध का विशेष प्रभाव रहता है। इन तारीखों और समय के जन्मे व्यक्ति मिलनसार होते हैं और वे शीघ्र मैत्रीभाव करते हैं। 5, 14, 23 तारीखों में पैदा हुए व्यक्तियों से इनकी घनिष्ठता हो जाती है। इनका व्यापार की ओर ज्यादा आकर्षण रहता है। खासकर शीघ्र लाभ वाले व्यापार की ओर। बहुत जल्दबाज फुर्तीले होते हैं और हर काम जल्दी निपटाना पसन्द करते हैं। ज्यादा देर तक किसी बात पर चिंता शोक या पश्चाताप नही करते। मिजाज में चिडचिडापन, जल्दबाजी, शीघ्र क्रोध की प्रवृत्ति होती है और यह लोग अपनी दिमागी ताकत को बहुत अधिक खर्च करने के कारण स्नायु मण्डल की कमजोरी के शिकार हो

जाते हैं। ज्यादा अवस्था पर मूर्च्छा आदि की शिकायत रहती है।

सफेद चमकीला उज्ज्वल रग उनके विशेष अनुकूल रहता है।

बुधवार बृहस्पतिवार तथा शुक्रवार विशेष शुभ होते हैं। नये तथा महत्त्वपूर्ण कार्यों का आरम्भ यह लोग यदि इन दिनों में करें तो सफल होंगे।

इन दिनों में यदि 5,14, या 23 तारीख भी हों, तो और भी अच्छा है और यदि समय 21 मई से 23 जून के या 21 अगस्त से 23 सितम्बर के बीच का हो तो विशेष अनुकूल होगा।

जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष 5वा 14वा 23वा 32वा,41वा 50वा 59वा 68वा तथा 77वा महत्त्वपूर्ण होगा। बुध अपना पूर्ण प्रभाव 32वें वर्ष में दिखाता है। यदि किसी की जन्म कुडली में बुध शुभ पडा है तो जिस भाव में पडा है उससे सम्बन्धित शुभ प्रभाव दिखाएगा और यदि अशुभ भाव या नीच का पडा है,तो उस भाव से सम्बन्धित अशुभ फल दिखाएगा।

मूल अक 6

इसका स्वामी शुक्र है। जिन व्यक्तियों का जन्म 6, 15 या 24 तारीखों में से किसी तारीख को हुआ हो इनका मूल अक 6 होता है। 20 अप्रैल से 24 मई तक तथा 21 सितम्बर से 24 अक्टूबर तक सूर्य सायन वृष तथा सायन तुला राशियों में रहता है और ये राशिया शुक्र की राशिया हैं। इस कारण इस समय में पैदा होने वाले व्यक्तियों पर शुक्र का प्रभाव विशेष रूप से रहता है। इन व्यक्तियों में आकर्षण शक्ति तथा मिलनसारिता बहुत अधिक होती है। इनके साथ रहने वाले लोग इन्हें प्रेम श्रद्धा और मान देते हैं। सुन्दरता की ओर यह लोग ज्यादा आकृष्ट होते हैं। सुन्दर व्यक्ति कला चित्रकला सुन्दर वस्त्र सगात साहित्य की ओर इनकी रुचि अधिक रहती है। अतिथियों का विशेष सत्कार करना हर चीज ढग से सजी हो तथा स्वभाव में हठ होता है अपनी बात चाहे सही हो या गलत मनवाना उस पर अडे रहना इनका स्वभाव होता है। ईर्ष्या की मात्रा अधिक होने के कारण किसी की प्रतिद्वद्विता भी सहन नही कर सकते।

इन व्यक्तियों को हल्का नीला या आसमानी या गहरा नीला रग शुभ होता है। मगलवार बृहस्पतिवार तथा शुक्रवार के दिन शुभ होते हैं। 6 15, तथा 24 तारीखें शुभ हैं। यदि सौर मास भी उपर्युक्त 20 अप्रैल से 24 मई या

24 सितम्बर से 24 अक्तूबर का हो तो और भी अच्छा है और इन्ही तारीखों में मगलवार, बृहस्पतिवार शुक्रवार हों तो विशेष शुभ है। नवीन कार्य का आरम्भ तथा महत्वपूर्ण कार्य इन व्यक्तियों को इन्ही दिनों, तारीखों व मासों में करना चाहिए।

6 मूल अक वालों की 3 तथा 9 मूल अक वालों से मित्रता है। इस कारण 3, 12, 21, 30 तथा 9, 18 व 27 तारीखें भी अनुकूल होती हैं। गत जीवन के अनुभव से यह तारीखें ठीक नहीं रहती हों, तो भविष्य में भी इन अकों की तारीखें, वार व वर्ष अच्छे नही जाएगे ऐसा समझना चाहिए।

इस अक के महत्वपूर्ण वर्ष हैं 6, 15 24, 33, 42 51 60 व 69। जीवन की शुभ अशुभ सभी महत्वपूर्ण घटनाए इन्हीं वर्षों में घटित होती है। वैसे 3 व 9 अक के वर्ष भी 6 मूल अक वाले व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

मूल अक 7

मूल अक 7 का स्वामी नेप्यचून ग्रह है। इसका भारतीय नाम वरुण है। 7, 16 और 25 तारीखों में जन्में व्यक्तियों का मूल अक 7 होता है। नेप्यचून जल प्रधान ग्रह है और चन्द्रमा भी जल प्रधान ग्रह है। इस कारण 2 और 7 अक में मित्रता है।

7 अक वालों को 2, 11, 20, 29 तारीखों में पैदा हुए व्यक्तियों के साथ मित्रता अच्छी निभ जाती है। 7 अक वाले व्यक्ति कल्पनाशील होते हैं और इन्हें चित्रकला तथा कविता में विशेष सफलता प्राप्त होती है। आर्थिक सफलता इन्हें विशेष नहीं मिलती और धन सग्रह में भी सफल नही होते। यात्रा करना घूमना फिरना, सैर सपाटे करना इन्हें अच्छे लगते हैं। दूसरों के मन की बात समझने की शक्ति इनमें विशेष होती है। धार्मिक मामलों में यह रूढिवादी और लकीर के फकीर नही होते। आयात निर्यात के काम में और समुद्री जहाज, नौ सेना आदि के काम में सफलता प्राप्त करते हैं। 7 मूल अक वाली स्त्रियों का विवाह प्राय धनी घरों में होता है।

21 जून से 25 जुलाई तक नेप्यचून का विशेष प्रभाव रहता है। रविवार व सोमवार इसके शुभ दिन हैं। 7 अक (मूल) वाले व्यक्ति अपने महत्वपूर्ण कार्य

या नवीन कार्य 7, 16, 25 या 2, 11, 20, 29 तारीखों में रविवार या सोमवार के दिन प्रारम्भ करें तो ठीक रहता है। यदि समय भी 21 जून से 25 जुलाई का हो तो और भी अच्छा है।

इन व्यक्तियों को हरा काफूरी हल्का पीला और सफेद रंग विशेष अनुकूल पडता है। जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष 7, 16, 25, 34, 43, 52 61 तथा 70वा वर्ष और 2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65 तथा 74वा वर्ष है।

मूल अक 8

इसका स्वामी शनि है जो 8 17, 26 में से किसी भी तारीख को पैदा हुए हों, उनका मूल अक 8 होता है। 21 दिसम्बर से 19 फरवरी तक सूर्य सायन मकर और कुम्भ राशियों में रहता है। यह दोनों शनि की राशिया हैं। इस कारण इन महीनों में पैदा हुए व्यक्तियो पर शनि का विशेष प्रभाव रहता है।

ऐसे लोग बहुत महत्वपूर्ण कार्य करते हैं पर अन्य व्यक्ति उनके महत्व को ठीक से आक नही पाते और उनके साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार नही करते।

इसी कारण इनको कभी कभी उदासीनता हो जाती है और अकेलापन महसूस होता है क्योंकि इनमें बाहरी दिखावा नहीं होता है। यह लोग अपने काम धाम से मतलब रखते हैं और काम को पूरा करने में लगे रहते हैं। यह बहुत महत्वाकांक्षी होते हैं। उच्च पद व उच्च स्थिति प्राप्त करने का प्रयत्न करते रहते हैं और इसके लिए हर प्रकार का त्याग बलिदान व परिश्रम करते रहते हैं।

शनिवार शुभ दिन है। रविवार व सोमवार भी अच्छे हैं। नये काम के लिए शुभ व महत्वपूर्ण कार्यों के लिए इन लोगों को यही दिन व 8 17 व 26 में से कोई भी तारीख ठीक रहेगी। अगर 21 दिसम्बर से 19 फरवरी का काल हो तो और भी अच्छा है। गहरा भूरा काला, गहरा, नीला काकरेजी आदि गहरे रंग अनुकूल रहते हैं। 4 मूल अक वाले से मित्रता हो सकती है जिसका जन्म 4, 13 व 22 तारीखों में से किसी तारीख को हुआ हो या 8 17 26 तारीखों का हो उनमे मित्रता ठीक होती है।

इनके जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष 8 17 26 35 44, 53 62, 71 80 4 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67, 76। सभी महत्त्वपूर्ण घटनायें इन वर्षों म घटित होती हैं।

मूल अक 9

मूल अक 9 का स्वामी मगल है। 9, 18 व 27 तारीखों में पैदा हुए व्यक्तियों का मूल अक 9 होता है। 21 मार्च से 27 अप्रैल तक तथा 21 अक्टूबर से 27 नवम्बर तक सूर्य मेष व वृश्चिक सायन राशियों में रहता है, जो मगल की राशिया हैं।

इन सायन मासों में पैदा हुए व्यक्तियों पर भी मगल का विशेष प्रभाव रहता है। इन मासों में तारीखें भी मूल अक 9 की हों, तो और भी अधिक मगल का प्रभाव रहता है। ऐसे व्यक्ति बहुत साहसी होते हैं और कठिनाइयों से नहीं घबराते। स्वभाव में तेजी फुर्ती व जल्दबाजी होती है। काम को जल्दी जल्दी समाप्त करने की लगी रहती है। जीवन सघर्षमय रहता है और अक्सर इनके काफी शत्रु बन जाते हैं। ये लोग दुसाहस के कामों में काफी सफल होते हैं। शासन व प्रबन्ध व्यवस्था अनुशासन कायम रखने के कामों में सफल रहते हैं। इन्हें क्रोध बहुत जल्दी आता है।'अपनी आलोचना भी बर्दाश्त नहीं होती है। कोई स्त्री प्रेम का अभिनय करके इन्हें आसानी से मूर्ख बना सकती है और चापलूसी व खुशामदी लोगों से भी यह प्रभावित हो जाते हैं। क्रोधी स्वभाव पर कुछ सयम कर सफल व भाग्यशाली हो सकते हैं।

9 अक की 3 व 6 मूल अक के साथ मित्रता है। जो व्यक्ति 9 18, 27 तथा 3 12, 21, 30 और 6, 15 24 तारीखों में पैदा हुए हैं उनके साथ इनकी मित्रता, साझेदारी विवाह सम्बन्ध व प्रेम सम्बन्ध ठीक निभ जाते हैं। यह तारीखें इनको शुभ हैं नये और महत्वपूर्ण कार्य इन व्यक्तियों को मगलवार को करने चाहिए और यदि उस दिन उपर्युक्त तारीखों में से कोई तारीख पडे तो और भी अच्छा है। यदि शुभ सायन मास अर्थात् 21 मार्च से 27 अप्रैल और 21 अक्टूबर से 27 नवम्बर तक का समय भी मिल जाए तो और अधिक शुभ रहता है। इन्हें गुलाबी और गहरे लाल रग विशेष अनुकूल रहते हैं।

जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष 9 18 27, 36 45 54 63 72 हैं।

केवल जन्म की तारीख से जो मूल अक बनाया जाता है उससे उतना सही पता नहीं लगता जितना सयुक्त अक से। किसी की जन्म की तारीख 8 है परन्तु सयुक्त अक बना 8+3+1+9+1+7 = 29 =11 =2। इसमें मार्च

मूल अंक स्वामी	जन्म तिथि या तारीख	महत्त्वपूर्ण दिन	महत्त्वपूर्ण मास	महत्त्वपूर्ण वर्ष	अनुकूल रंग
1 सूर्य	1, 10, 19, 28	रविवार	21 जुलाई	1, 10, 19,	भूरा, पीला,
		सोमवार	से	28, 37, 46	सुनहरी
			28 अगस्त	55, 64, 74	
2 चन्द्रमा	2, 11, 20, 29	रविवार,	20 जून	2, 11 20	सफेद हरा,
		सोमवार,	से	29, 38, 47	अंगूरी काफूरी
		शुक्रवार	25 जुलाई	56, 65, 74	
3 बृहस्पति	3, 12, 21, 30	बृहस्पतिवार	18 फरवरी	3, 12, 21	चमकीला गुलाब
		शुक्रवार	से	30, 39, 48,	जामुनी हल्का
		मंगलवार	21 मार्च	57, 66, 75	
4 हर्षल	4, 13, 22, 31	रविवार	21 जून	4, 13, 22, 31,	धूप छांह
		सोमवार,	से	40, 49, 58	नीला पीला
		शनिवार	31 अगस्त	67	भूरा मिश्रण
5 बुध	5, 14, 23	बुधवार	21 मई से	5, 14, 23,	खाकी, सफेद
		बृहस्पतिवार	23 जून	32, 41 50	चमकीला
		शुक्रवार	21 अगस्त से		

मूल अक स्वामी	जन्म तिथि या तारीख	महत्त्वपूर्ण दिन	महत्त्वपूर्ण मास	महत्त्वपूर्ण वर्ष	अनुकूल रग
			23 सितम्बर	59, 68, 77	
6 शुक्र	6, 15 24	मगलवार गुरुवार	20 अप्रैल से 21 जून	6, 15, 24 33, 42, 51,	नीला, आसमानी
7 नेप्यचून	7, 16, 25	रविवार, सोमवार	से 25 जुलाई	7, 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70	हरा, सफेद काफूरी
8 शनि	8, 17, 26	शनिवार, रविवार, सोमवार	21 दिसम्बर से 19 फरवरी	8, 17, 26, 35 44, 53, 62, 71	गहरा भूरा, काला, नीला काकरेजी
9 मंगल	9, 18 27		21 मार्च से 27 अप्रैल 21 अक्टूबर से 27 नवम्बर	9, 18 27, 36, 45, 54 63, 72	गुलाबी गहरा लाल

मास क्योंकि तीसरा मास है, इस कारण मास का अक 3 जोडा गया है। वैसे भी तारीखें इस प्रकार भी लिखी जाती हैं जैसे 8 3 1917। तारीख, मास व सन् के सब अक जोड़ने से जो अक बनता है उसे सयुक्त अक कहते हैं। इसको भाग्याक भी कहते हैं।

पाश्चात्य अक विद्या विशारदों ने कितने ही व्यक्तियों के जीवन का महावपूर्ण घटनाओं का अध्ययन कर यह सिद्ध किया है कि जिस व्यक्ति का जो भाग्याक होता है उस व्यक्ति के जीवन की महत्त्वपूर्ण व भाग्यशाली घटनायें उसी भाग्याक से सम्बन्धित तारीखों वर्षों में होती हैं। जैसे 8 भाग्याक वाले व्यक्ति की सभी महत्त्वपूर्ण घटनायें शनिवार को या 8 17 या 26 तारीख को 8, 17, 26 35 44, 53, 62 वर्षों में या 8 सयुक्त अक तारीखों में होंगी।

जिन अकों में या जिन जिन अकों के साथ मैत्री सम्बन्ध हैं, तो इन मैत्री सम्बन्ध रखने वाले अकों का तारीख वर्ष सालों में भी महत्त्वपूर्ण घटनायें घट सकती हैं। सयुक्त अक या भाग्याक से सम्बन्धित शुभ वार, मास, तारीख वर्ष व मैत्री सम्बन्ध निम्न सारणी में दिये जा रहे हैं—

भाग्यांक	मैत्री अंक	शुभ वार	शुभ मास	शुभ वर्ष	शुभ तारीख
1	3, 5, 7	रविवार बृहस्पतिवार	जनवरी मार्च, मई जुलाई और अक्टूबर	1991, 1990, 1999, 2008 इत्यादि ।	1, 10, 19 28
2	4, 8	सोमवार, बुधवार	फरवरी, अप्रैल, अगस्त नवम्बर	1992, 1994, 2000, 2009 इत्यादि ।	2,4 8,11, 13, 17, 20 22, 26, 19, 3
3	1, 5	मंगलवार, शुक्रवार	मार्च, मई, जुलाई जून, सितम्बर, दिसम्बर	1993 1999 2001 2010 2019 इत्यादि	3 6, 9 12 15, 18, 21, 24, 27, 30
4	2, 8	बुधवार सोमवार	अप्रैल, फरवरी अगस्त	1995, 1997, 1999, 2021, 2012 इत्यादि	2, 4, 8, 11, 1 17, 20, 22, 2 31
5	3, 7	बृहस्पतिवार, शनिवार	मई, जनवरी, मार्च जुलाई	1996, 1995, 1994 2003, 2012 इत्यादि	1, 5, 7, 10 14, 16, 19 23 25, 28

भाग्यांक	मैत्री अंक	शुभ वार	शुभ मास	शुभ वर्ष	शुभ तारीख
6	3, 9	शुक्रवार, मंगलवार	जून, सितम्बर	1997, 1996, 1995 2004 2013	6, 9, 15, 18, 24
7	1, 3, 5	शनिवार, बृहस्पतिवार	जुलाई जनवरी मार्च व मई	1998 1999 1996, 2005, 2014, इत्यादि	5, 7, 14 16, 23, 25
8	2, 4	सोमवार बुधवार	अगस्त फरवरी, अप्रैल	1999 1988, 1997, 2006 2015 इत्यादि	4, 8, 13, 17, 22, 26
9	3, 6	मंगलवार, शुक्रवार	सितम्बर मार्च, जून	1980, 1989, 1998, 2007, 2016 इत्यादि	6, 9 15, 18, 24, 27

नोट. शुभ वर्ष वह हैं जिनके अंकों का जोड भाग्यांक या संयुक्तांक के बराबर है जिन वर्षों का जोड इनके मैत्री अंकों के बराबर होगा, वे भी अच्छे रहेंगे।

अंक भविष्य

प्रत्येक माह में जो तारीखें होती हैं, उनके मूलांक अनुसार भविष्य फल जिस प्रकार बनता है, इसका संपूर्ण विवेचन प्रस्तुत है। प्रत्येक माह की तारीखों को मिलाकर जो मूलांक बनता है, उसके अनुसार ही यह भविष्य निष्कर्ष प्रस्तुत है। इन तारीखों के मूलांक के अनुसार आप इसके आधार पर अपना तथा औरों का भी भविष्य ज्ञात कर सकते हैं।

जनवरी 1, 10, 19 28 मूलांक 1

सूर्य यूरेनस और शनि (ओज) कारक ग्रह हैं। सूर्य और यूरेनस एक अलग व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। विचारों में बहुत स्वतन्त्र मौलिक और भावनाओं में रचनात्मक, बहुत असाधारण परिस्थितिओं को छोड़ सफलता के बाद में वर्षों तक रुकी रहने की सम्भावना होती है, पर मिलेगी जरूर। हृदय बहुत चिंतनशील और गम्भीर स्वभाव अपने हर काम में अत्यन्त सुचारु, संतुलित और व्यावहारिक, दूसरे व्यक्तियों के विचारों से आसानी से नहीं बहकने वाले। सभी योजनाओं के पीछे निश्चित ध्येय, कठिनाइयों से कभी हतोत्साह न होना, बहुत उदार स्वभाव होने पर भी कोई बात थोपी जाने पर पसंद नहीं होती है।

महत्वाकांक्षी और अपने साथियों तथा परिवार के दूसरे सदस्यों से ऊंचा उठने की संभावना। अनेक बाधाएं पर धैर्य और दृढ़ता से सभी कठिनाइयों को

पार कर लेते हैं।

आर्थिक मामलों में कजूसी और सावधानी, धन, अच्छी आय का आश्वासन देने वाले व्यापार या उद्योगों के प्रति आकर्षण। हर अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने का प्रयास। औरों पर आपका गहरा आकर्षण विशेषकर जन जीवन में। बदनामी का भी सामना करना पड सकता है।

जीवनी शक्ति होती है। यदा कदा तेज सर्दी जुकाम और गठिया की प्रवृत्ति भी।

सबसे महत्वपूर्ण अक है 'एक (सूर्य) और चार' (यूरेनस)। हर महत्त्वपूर्ण काम इन्ही मूलाक वाली तिथियों पर करने से सफलता। जैसे मास की 1 4 10, 13 19, 22, 28 तथा 31 तारीख।

रग सुनहरा पीला नारगी और भूरा, नीले सलेटी या हल्के रंग। रत्न हीरा नीलम और अम्बर।

जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष 10 19 28, 37, 46, 55, 64 73 और 4 13 22, 31, 40 49 58 67, 76। एक या चार' मूलाक वाली तिथियों जैसे 1 4, 10, 13 19, 22 28 तथा 31 को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव होता है।

2, 11, 20, 29 मूलाक 2

शनि के अतिरिक्त कारक ग्रह चद्र और नेप्च्यून हैं। चद्र और नेप्च्यून के कारण स्वभाव उदार और कल्पनाशील, इच्छानुसार काम न होने पर हताश दूसरों की विरोधी कार्यवाही पर सिमिट जाते हैं सवेदनशील और बहुत जल्दी अपमानित महसूस करने की भावना। सवेदनशील होने से एसे प्रोत्साहन की कामना जो योग्यताओं से अधिक लाभ दे। परिस्थितियों के कारण बेचैनी और दुख।

धन का मोह नहीं। यह भावना कि धन की कोई आवश्यकता नही बुद्धि से जो चाहें पा सकते हैं। वास्तविक से अधिक धनी का दिखावा। किसी से मागने पर इकार करने से आपके सवेदनशील स्वभाव को चोट पहुचेगी। प्रतिष्ठा बनाए रखने के प्रयास में हानि है।

मानसिक परिश्रम की अधिकता से टूटन। गठिए से सावधानी कभी कभी

कुम्भ राशि के अधीन आते हैं। उनके अक यही रहेंगे, लेकिन शनि के कारण उन पर अकुश कम होंगे और जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करेंगे।

रग जामुनी बैंगनी या फालसई। रत्न कटैला (अमैथिस्ट या जामुनिया) बैंगनी या जामुनी रग के नग काला मोती, काला हीरा।

4, 13, 22, 31 मूलाक 4

इस मूलाक के कारक ग्रह हैं यूरेनस सूर्य और शनि। यूरेनस शनि के प्रभाव को और बढाता है। विचारों म मौलिक स्वभाव से अति स्वतत्र दूसरे लोगों या जिनके सग साथ हैं उनकी योजनाओं या विचारों से तालमेल नही। घरेलू या वैवाहिक सम्बन्धों में कठिनाई बहुधा गलत समझा जाएगा और अकेलापन का अनुभव। विचारों की परपरा विरोधी, सफलता के लिए अपना मार्ग बनाना पडता है। महत्वाकाक्षाओं के कारण भारी विरोध का सामना धैर्य से ही काम बनता है।

सभी कार्यों के पीछे दूसरों पर अधिकार जमाने की भावना इनमें असाधारण कार्यों विचार की मौलिकता और सनक की गहरी प्रवृत्ति की अधिकता होती है।

आर्थिक दशा में भी असामान्य घटता रहता है। पैसा आएगा। पानी की तरह हाथ से निकल जाएगा। अच्छा हो या बुरा अधिक न टिकेगा। आवश्यकता पडने पर लोगों से कर्जा भी मागना पडेगा।

रोगों की अपेक्षा दुर्घटनाजनित स्थितिया अधिक हैं। प्रमुखत हाथ और पैर प्रभावित होंगे। फिर भी अनेक दुर्घटनाए बच जायेंगी।

महत्वपूर्ण अक हैं चार' (यूरेनस) एव (सूर्य) और आठ (शनि)। चार' और एक सबसे भाग्यशाली। आठ से भी बार बार पाला पडेगा आठ काम में लेने से शनि की सभावना है। योजनाए "चार' या एक मूलाकों वाली तिथियों में करने पर सफलता की अधिक सभावना है।

जीवन के घटनापूर्ण वर्ष 10 13 19, 22, 28 31 37 40 46 49 55 58 64, 67। वर्ष 8, 17 26 आदि भी महत्त्वपूर्ण पर इतने भाग्यशाली नहीं। चार' और 'एक मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे लोग भी जीवन में आएगे किन्तु भाग्यशाली नहीं होंगे। आपको दुख देंगे। रग पीले सुनहरे नीले

सिलेटी या पेस्टल। रत्न हीरा,पुखराज नीलम और कालामोती।

5, 14, 23 मूलांक 5

इस अंक के कारक ग्रह बुध और शनि हैं। बुध अशुभ लक्षणों को कम कर देता या उनका महत्त्व घटा देता है।

इस मूलांक वाला बहुत हरफनमौला होता है। मुख्य कठिनाई प्रतिभा और महत्त्वाकांक्षा के अनुरूप काम ढूंढने की है। जीविका में अनेक परिवर्तन होते हैं, पर किसी एक कार्य में लगातार लगे रहना असंभव है। व्यक्ति और विद्या, दोनों के अनुकूल अपने को ढाल लेने में भारी क्षमता होती है। तीव्र गतिशीलता से प्रेम। यात्रा कर दुनिया का बहुत बड़ा भाग देखते हैं। मैत्री का फायदा बहुत होता है।

मस्तिष्क पैना, शोधपरक और आलोचनात्मक लेकिन पहली बार संपर्क में आने वाले को कुछ सन्देह, क्योंकि लोग दया और सहानुभूति से ही आपको प्रभाविक कर सकते हैं। नीतिकुशल होंगे दूसरों के मन के भेद निकाल लेने में कुशल और व्यावहारिक उद्देश्य से उनके उपयोग की क्षमता। साहित्य में रुचि रखने वाले और पढ़ाकू। विज्ञान रसायन और नई खोजों में भी दिलचस्पी पारलौकिक विद्याओं की ओर भी रुचि उर्वर कल्पनाशील परिचायक यदाकदा निराशा के कारण भारी हानि उठाने के कारण मानसिक अघात की संभावना। रुपए पैसे के मामले में सावधान और कंजूस। पैसा लगाने के बारे में व्यावहारिक विचार लेकिन अनेक सुअवसर हाथ से निकल जायेंगे। पैसा बहुत आएगा, पर रुकेगा नहीं।

तनाव बराबर बना रहेगा। हर बात को गहराई से आशा निराशा के भावों से पीड़ित। कभी निराशा के दौरे पाचन अंगों पर कुप्रभाव। रक्त में अम्लता से जोड़ों, हड्डियों, विशेषकर घुटनों में दर्द की संभावना।

महत्त्वपूर्ण अंक 'पांच है, किन्तु 'चार' और आठ को छोड़ अन्य सभी अंक भी समान रूप से सौभाग्यशाली, योजनाएं पांच मूलांक वाली तिथियों को सफल होने की संभावना।

जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष 5 14 23, 32, 41, 50, 59 68 77 के अतिरिक्त 8, 17 26 35, 44 53 62 और 71 भी।

5, 14, और 23, तारीख को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव। 8 17, 26 तारीख को जन्मे लोगों से भी जीवन प्रभावित किन्तु सौभाग्यशाली नही।

हल्के रगों का उपयोग शुभ और लाभदायक है।

रत्न हीरा और सभी चमकीले नग।

6, 15, 24 मूलाक 6

इस अक के कारक ग्रह शुक्र और शनि है। शुक्र का प्रभाव मकर राशि के लक्षणों को अधिक अनुकूल बनाएगा। इसका प्रभाव अधिक पडेगा।

प्रेम और विवाह की जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। विपरीत लिंगी व्यक्ति का प्रभाव आपके जीवन और वृत्ति के लिए अति घटनापूर्ण रहेगा। प्रभावों में खोने इसके लिए दृढ इच्छाशक्ति और व्यक्तित्व के विकास का प्रयास आवश्यक है। आकर्षक व्यक्तित्व से अनेक कार्य बन जाते हैं।

सगीत कला साहित्य रगमच में अधिक सफलता की सभावना है। सम्पर्कों के कारण भी यह क्षेत्र बढ सकता है। जीवन के प्रारभ में घरेलू परिस्थितियों या सम्बन्धियों के दबाव स या शरीर क किसी भातरी अग के रोग के कारण हानि सभव है। इस अक के व्यक्ति अपने कार्य में सफल होते हैं।

15 या 24 जनवरी को जन्मे व्यक्ति 6 जनवरी को जन्मे व्यक्तियों से अधिक भाग्यशाली होते हैं। प्रारभिक वर्षो में समान कठिनाइया होती हैं, पर आसानी से उन पर काबू पाकर जिस काम को पूरा करने का सकल्प करते हैं उसी में यश और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकते हैं।

6 तारीख को जन्मे व्यक्ति में अनेक अवसर मिलने पर भी पैसा इकट्ठा नही कर सकते हैं। 15 या 24 जनवरी को जन्मे धीरे धीरे अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर लेते हैं तथा भविष्य के लिए अच्छा पैसा जमाकर धनी बन सकते हैं।

इन व्यक्तियों का औसत से अच्छा स्वास्थ्य होता। आग वाहन दुर्घटना आदि से खतरा रहेगा।

इनका महत्वपूर्ण अक 'छ है। महत्वपूर्ण काम छ मूलाक वाली तिथियों को ही करने से सफलता की सभावना है। चार' या 'आठ मूलाक वाली तिथियों में बहुत सावधानी से काम करना चाहिए।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष छ मूलाक वाले ही होते हैं। इसी मूलाक वाली तिथियों के जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव होता है। चार' और आठ' मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति भी जीवन में आते हैं लेकिन उनसे परेशानी ही होगी।

रग हल्के से, हल्के नीले, गहरे से गहरे नीले। रत्न फीरोजा और सभी नीले नग।

7, 16, 25 मूलाक 7

इस मूलाक के कारक ग्रह चन्द्र शनि और नेप्च्यून हैं। यह योग इस राशि के लक्षणों में और वृद्धि करता है। कोई काम अपनाए भक्तिभाव और धर्म के प्रति आस्था दृढ रहती है। कट्टर रुढिवादी स्वभाव होता है। पूजा उपासना में विशेष मन लगता है।

मन रूमानी आदर्शवादी, कल्पनाशील निजी विचारों की दुनिया में रहता है। यात्रा के लिए तीव्र इच्छा रहती है। व्यावहारिक जीवन काल में अनेक बार अपना निवास स्थान बदलना पडता है। जन्म स्थान से दूर दुनिया के किसी दूसरे भाग में जहा आपका वास्ता अपने देश से भिन्न दूसरे देशों के नागरिकों को साथ हो, अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। परिस्थितिया या भाग्य के ऊपर अधिकार या जिम्मेदारी के पदों पर पहुचा देती है, पर घरेलू मामलों में या सम्बन्धियों द्वारा पैदा किए गए दुखों और निराशाओं से जीवन में सकटों का सामना करना पडता है। फिर भी यश लोकप्रियता मिलती रहती है। विवाह सुखमय होता है पर गहरी परेशानियों से गुजरना पडता है। खर्च आमदनी से ज्यादा बराबर बना रहता है। आर्थिक परेशानियों में बहुत मानसिक क्लेश उठाना पडता है।

प्रारम्भिक वर्षों में स्वास्थ्य कुछ नरम रहता है। गले, फेफडों और दिल के रोग अधिक होते हैं। फिर भी यह गभीर नही होंगे।

महत्वपूर्ण अक सात और दो हैं। महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलाकों वाली तिथियों को करने का प्रयास करें। चार' या 'आठ मूलाकों वाली तिथियों का जन्मे व्यक्ति कठिनाइयों अप्रिय प्रसगों को उत्पन्न कर सकते हैं।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष सात और 'दो मूलाकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव भी होता है।

इनसे बडा धोखा भी उठाना पडता है।

रंग सिलेटी और हरे। रत्न हरित मणि (जड) चन्द्रकांत मणि और मोती।

8, 17, 26 मूलाक 8

इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति दुहरे शनि के प्रभाव में माने जाते हैं। शनि का शक्तिशाली प्रभाव राशि के प्रभाव को दुगना कर देता है। दुनिया भर का भार और दर्द यह अपना ही मानते हैं। भारी कठिनाइयों और विरोध का सामना करना पडता है। दूसरों से बहुत थोडी सहायता मिलती। सफलता के लिए स्वय पर ही निर्भर रहना पडता है। अपना कार्य पूरा करने के लिए भारी धैर्य लगन और सकल्प देना पडता है। महत्वाकाक्षा प्रबल होती है। कैसा भी विरोध विचलित नही कर पाता है। अपना काम करते रहते हैं।

कभी कभी निराशा या गम्भीर दौरा होता है। पारिवारिक बन्धन या प्रियजनों की मृत्यु से परेशानी, दुख का सामना करना पडता है। देर से विवाह शुभ होता है। फिर भी कुछ परेशानी रहती है।

श्रमसाध्य साधनों कठोर दिमागी परिश्रम से ही पैसा जमा कर पाते हैं। खानों की खुदाई भूमि के विकास कोयला, सीसा जैसे खनिजों के ककरीट के काम में या बडी बडी इमारतों के निर्माण में भारी लाभ कमा सकते हैं।

स्वभाव प्रकृतित गम्भीर होता है। आप गहन चिंतक होंगे। दूसरों के लिए योजनाए प्रस्तुत करने में कुशल और वाद विवाद में यश मिलता है। फैसला करने में विशेष दक्ष होते हैं। महत्त्वाकाक्षी होते हैं। झूठी शान या सत्ता के प्रेम से नही, बल्कि ठोस उद्देश्य से दूसरों की सहायता करते हैं बशर्ते कि उसे आप उचित मानने लगें।

छोटे व्यक्तियों के साथ अजीब मानसिक और नैतिक लगाव होता है जिनसे खुली आलोचना होती है और विरोध भी। दूसरों के दोषों की ओर से आखें बन्द नही करते फिर भी उनके गलत कामों को सही ठहराने के लिए कोई न कोई बहाना खोज लेते हैं या उनकी जिम्मेदारी अपने कधों पर उठा लेते हैं।

इनका हर जगह अपना एक अलग व्यक्तित्व होता है। कभी-कभी निराशा की गहरी भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे लोगों का भेद पाना कठिन होता है। इस मूलाक के व्यक्ति अपना साथ भीतरी रहस्य छिपाकर रखते हैं।

वृद्धावस्था में अधिक कठिनाई उठानी पडती है। प्राय दूसरे की दया पर जिंदा रहना पडता है। ऐस लोग अपने जीवन में कुछ बचत नही कर पाते हैं। पश्चाताप भरा जीवन व्यतीत करना पडता है।

प्राय आकस्मिक और अप्रत्याशित बीमारिया सम्भव रहती हैं। अदरूनी अगों में रुकावट से आपरेशन भी हो सकता है। फिर भी स्वास्थ्य लम्बे समय तक अच्छा रहेगा। बीमारी के प्रति प्राय लापरवाही भी बरती जाती है। गिरने से या दुर्घटनाओं से पैरों में चोट एडियों में लचक मोड तथा रीढ में चोट लगने की सम्भावना भी रहती है।

इस मूलाक के महत्त्वपूर्ण अक 'चार' और 'आठ' हैं। इन मूलाकों वाली तिथिया जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। इन्ही तिथियों में जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव होता है। घटनापूर्ण वर्ष भी 'चार' और आठ मूलाकों वाले ही होते हैं। रग गहरा जामुनी, काला या नीला काला नीला सिलेटी। रत्न काला मोती काला हीरा, नीलम।

9, 18, 27 मूलाक 9

इसके कारक ग्रह मगल और शनि हैं। मगल जीवन को बहुत घटनापूर्ण, अस्थिर और कुछ भाग्यवादी बनाएगा। सभी मामलों में ऐसी परिस्थितियों का साथ रहेगा जिन पर नियत्रण बहुत कम या बिल्कुल नहीं होता है। जो भी काम हाथ में लेंगे, उसमें आगे बढने का रास्ता बना लेंगे लेकिन भाग्य के उतार चढाव सभव है। कभी ऐसा लगेगा, जैसे हर बात अनुकूल जा रही है, फिर ऐसा लगेगा कि सब कुछ उलट गया है। प्रारम्भिक जीवन बहुत कठोर और कठिन होता है। सभव है। लगभग तैतीस स पैंतीस वर्ष तक के लिए ऐसे सकेत होते हैं इस उम्र से जीवन में स्थायित्व आता है। अति महत्त्वाकाक्षी होते हैं तब तक सतोष नही मिलता जब तक अपने सहयोगियों से अलग और ऊचा कोई पद प्राप्त न कर लें। साहस और आत्म विश्वास काफी रहता है जीवन सग्राम में बल प्रदान करता है।

दुस्साहस और जिज्ञासा के कारण तरह तरह के सकटों का सामना करना पडता है। अनेक दुर्घटनाओं की भी सम्भावना रहती है और असामान्य परिस्थितियों में जीवन पर जोखिम आ जाता है।

औसत व्यक्ति से अधिक काम और सगठन की क्षमता होती है, पर काम के लिए व्यापक क्षेत्र मिले तब। किसी प्रकार का प्रशासन या अर्धसरकारी काम अथवा उद्योग उद्यम में जिम्मेदारी का ऊचा पद अनुकूल रहता है।

परिश्रमी होने से किसी भी काम को बढा लेते हैं लेकिन स्वभाव में दाव लगाने की भावना होने से प्राय भारी हानि उठानी पड सकती है।

विवाह से लाभ होने की आशा रहती हो किन्तु आगे चलकर इस सम्बन्ध में कुछ विचित्र अनुभव होने की सभावना भी रहती है।

शीघ्र क्रोध आ जाता है। हठी और जिद्दी स्वभाव भी होता है। अनजाने में अनेक शत्रु बन जाते हैं। बुढापे में बदनामी की सभावना है।

जिनका 18 या 27 जनवरी का जन्म है वह 35 से 60 वर्ष की आयु तक होते हैं। हाथ में बडी रकम रहेगी या उनसे खर्च होगी। बुद्धिमानी से काम न लेने पर सकट की सभावना है।

स्वास्थ्य प्राय अच्छा रहता है। हा, यदा कदा दिल का दौरा पड सकता है और कुछ दुर्घटनाओं का सभावना रहती है। हा वृद्धावस्था में कोई घातक बीमारी हो सकती है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ही इस मूलाक वाले व्यक्ति का एक गुण रहता है। जल दुर्घटना का प्रबल योग रहता है। अतएव स्नान या तैरते समय सावधानी से काम लें।

जिनका महत्त्वपूर्ण अक नौ है। वह 9 18 या 27 तारीख को योजनाए या महत्त्वपूर्ण काम बना सकते हैं। अक आठ और चार तथा इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति भी जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। निजी तौर पर चार आठ अक वालों से सावधान रहें। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी नौ मूलाक वाले हैं। तीन छ और नौ मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव रहता है।

रग गुलाबी या लाल। रत्न लाल तामडा (गार्नेट) पितौनिया या रक्तमणि (ब्लडस्टोन) है।

फरवरी

फरवरी 1, 10 19 28 मूलाक 1

मूलाक 1 के सूर्य यूरेनस और शनि कारक ग्रह हैं। प्राय पूरा फरवरी मास

शनि (सौम्य) के प्रभाव में रहता है, अत जनवरी की इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की तुलना में जिन पर शनि का प्रभाव है,उन पर भाग्य का दबाव कम रहता है। ऐसे जातक अपनी योजनाओं और महत्वाकाक्षाओं की पूर्ति में अधिक स्वतत्र होते हैं।

प्रारम्भिक वर्ष घटनापूर्ण और हलचल भरे रहते हैं। परिवार में अप्रत्याशित परिवर्तन होते हैं। परिजनों द्वारा सोची गई योजनाओं के पूरी होने की सम्भावना नही होती है। बहुत कम आयु में परिवार का भार सिर पर आ जाता है।

ऐसे जातक प्रतिभा के धनी और लौकिक विचारों से पूर्ण होते हैं। महत्वाकाक्षा दृढ इच्छा शक्ति और सकल्प होते हैं। सफलता पाने के लिए नाना प्रकार के कार्य करते हैं।

जीवन के प्रारभिक भाग में कार्य कई बार बदलते हैं। इसके बावजूद ईर्ष्या और जालसाजी का सामना करना पडता है।

दूसरे लोगों का साथ सौभाग्यशाली नही होता है। साझेदारों या सहयोगियों के साथ व्यवहार अधिक दिन नहीं चलता। योजनाओं पर अकेले काम करना बेहतर होता है न दूसरे लोग आसानी से धोखा भी दे सकते हैं।

ऐसे जातक ऊचे लक्ष्य सामने रखते हैं और उच्च पद की आशा करते हैं।

इन तिथियों से जन्मे वकील डाक्टर कलाकार अभिनेता आदि का व्यवसाय करने वाले के लिए फरवरी का मास धन सचय की दृष्टि से अधिक अच्छा नही होता है। बडे उद्योगों, जैसे व्यवसाय में लगे व्यक्तियों के लिए यह उत्तम है।

28 फरवरी का जन्म लेने पर कुम्भ राशि का प्रभाव खत्म हो चुकता है और मीन राशि का प्रभाव आरम्भ हो जाता है। अत अकुश कम हो जाते हैं और जातक जो भी वृत्ति अपनाएगे उसी में पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं।

1, 10 19 फरवरी को जन्म लेने पर मानसिक शक्ति प्रबल होती है। 28 फरवरी को जन्मे व्यक्ति के समान शारीरिक शक्ति नही होती। पाचन क्रिया बहुत जल्दी गडबडाने लगती है। फिर भी बीमार होने पर बहुत शीघ्र स्वस्थ हो जाया करते हैं।

इसके सबसे महत्त्वपूर्ण अक एक (सूर्य) और चार (यूरेनस) हैं। अपने

सभी महत्त्वपूर्ण काम इन्ही तिथिओं को करने पर सफलता मिलती है। जीवन की महत्त्वपूर्ण घटना इन्ही मूलांकों में होगा।

सूर्य और यूरेनस के रग लाभदायक होते हैं सुनहरा पीला, नारगी भूरा, सिलेटी भी उत्तम है।

रत्न हीरा नीलम अम्बर और पुखराज हैं।

यदि जातक 19 या 28 फरवरी को जन्मे हैं तो आगामी राशि मीन के संधिकाल में रहते हैं। स्वामी गुरु है। कारक ग्रह सूर्य यूरेनस तथा गुरु हैं और महत्त्वपूर्ण अक हैं 'एक' 'चार' तथा 'तीन'। सौभाग्यवर्धक रगों में बैंगनी जामुनी फालसई और रत्नों में कटैला भी उचित है।

सबसे अधिक बदलाव स्वास्थ्य में ही आएगा। 19 या 28 फरवरी को जन्म लेने पर जातक आश्चर्यजनक जीवनी शक्ति होगी। जिगर की बीमारियाँ रक्तदोष तथा शीघ्र सर्दी जुकाम पकडने की सभावना रहेगी। फेफडों में पानी भरने और कमजोरी का भी प्राय खतरा रहता है।

'एक', चार' या तीन मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव होता है।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

इस मूलांक के कारक ग्रह हैं चन्द्रमा और नेप्च्यून। शनि की सौम्य राशि में जन्म होने पर शनि का अधिक अनुकूल प्रभाव रहता है और जातक अपनी योजनाओं तथा महत्त्वाकांक्षाओं को पूरी करने में अधिक सक्षम होता है पर जातक रूमानी तथा आदर्शवादी होंगे। अनेक असामान्य प्रेम प्रसग होंगे। प्रबल महत्वाकांक्षा रहती है। पदोन्नति के अनेक अवसर भी मिलते हैं, पर हाथ से निकल जाते हैं।

शुरू में पारिवारिक जीवन और वातावरण बहुत सौहार्दपूर्ण नहीं रहता है। प्राय जातक अपने पावों पर खडे होने पर मजबूर हो जीवन और वृत्ति में अनेक बदलाव करते हैं। जन्म स्थान से दूर दूसरे देशों की यात्रा करते हैं और उन्हें देखने की स्थिति होती है।

बहुमुखी प्रतिभा होती है नई खोजों में विशेषकर जिनसे लाभ पहुचता हो अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। कला साहित्य नाटक सगीत से अपने

अभिव्यक्ति करने की प्रबल भावना होती है। इसमें सफल भी होते हैं। भावुकता का प्रवाह नियन्त्रण में रखकर अधिक सफलता प्राप्त हो सकती है। ऐसे जातक योग्यता से जीवन के अंतिम वर्षों में धनी होते हैं। वैसे धन या सम्पत्ति विरासत में भी मिल सकती है। फिर अनेक महत्वपूर्ण उपहार और सम्मान प्राप्त होने की सम्भावना रहती है।

यदि 2, 11 या 20 फरवरी का जन्म है तो जीवन के प्रारंभ में धन के मामले में अनेक कठिनाइयां और बाधाएं होती है। अंत में प्रतिभा के कारण सफलता मिलती है किसी व्यवसाय में होने पर पैसा हाथों में रुकता है, पर बुढ़ापे के लिए पर्याप्त भी नही होता। लीप के वर्ष में 29 फरवरी का जन्म होने पर मीन राशि का प्रभाव आ जाता है। तब प्रारम्भिक वर्षों में कम बाधाएं आएगी। भाग्य अधिक प्रबल रहेगा। जातक धनी परिवार का है, तो जीवन के प्रारंभ में मानसिक सुख नही मिलता है।

आयु मही होती है। स्वास्थ्य अच्छा रहता है। यदाकदा ही बीमार पड़ते हैं। मानसिक क्लेशों के कारण शारीरिक थकावट का प्राय अनुभव होता है। पारिवारिक सुख भी भागदौड़ के कारण नही मिलता है।

20 तथा 29 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक दो 'सात और तीन है। सबसे घटना महत्त्वपूर्ण भी इन्ही मूलांकों वाले वर्ष रहेंगी। 'दो और 'सात मूलांका वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति स्नेह रहता है पर त्याग लगाव मानसिक क्लेश का कारण बनता है।

3, 12, 21 मूलांक 3

इस अंक के कारक ग्रह हैं गुरु और शनि। 3 तथा 12 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के राशि का स्वामी शनि है, इसलिए गुण अपना प्रभाव दिखलाया करते हैं। दृढ इच्छा शक्ति संगठन प्रतिभा, संकल्प विशेषकर सार्वजनिक मामलों, सरकारी विभागों या राजनीति में होती है। कुम्भ राशि में पैदा गुरु जातक के लिए सौम्य शनि का गम्भीरकारी प्रभाव सर्वोत्तम होता है। 12 फरवरी को जन्मे जातक विशेष रूप से गंभीर रहते हैं।

21 फरवरी में जो पैदा हुए हैं वह राशि मीन की संधि होती है। तब उसके स्वामी गुरु का प्रभाव महसूस होता है। इस कारण अधिक भौतिक सुख भोगेंगे। महत्त्वाकांक्षाओं की पूर्ति की पूरी सम्भावना रहती है। अपने लक्ष्य में सफलता

प्राप्त कर सकते हैं।

परिश्रम करने पर कोई वृत्ति ऐसी नही, जिसमें सफलता न मिले। गुरु सौम्य होने से महत्त्वाकाक्षा भौतिक से अधिक मानसिक होगी। बडे उद्यमों का सचालन करते हैं, तो सार्वजनिक मान्यता जातक को न मिलकर दूसरों को मिलती है। वैसे 21 फरवरी को जन्मे व्यक्ति पूरी सफलता से अपने कार्यों में धन प्राप्त करते हैं।

12 या 21 को जन्मे व्यक्ति अधिक भाग्यशाली होते हैं। वैसे कभी कभी बुद्धिमत्ता के बावजूद धन हानि का सामना करना पड सकता है।

इस मूलाक के जातक को अधिक परिश्रम से स्नायविक थकान और जिगर में बीमारी सूजन पाव का दर्द रक्त शिराओं और धमनियों का कडा पडना और उच्च रक्तचाप जैसे रोगों का खतरा हो सकता है। उसे सावधानी को बरतना आवश्यक है।

सबसे महत्त्वपूर्ण अक हैं तीन और 'आठ । अक चार' का भी प्रभाव पडता है। सबसे घटनापूर्ण वर्ष तीन के मूलाक है। इसी मूलाक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव होता है और ऐसे व्यक्तियों का जीवन पर प्रभाव पडता है।

रग बैंगनी जामुनी हल्का फालसई। भाग्य रत्न कटैल (अमैथिस्ट) और जामुनी रग के नग।

4, 13, 22 मूलाक 4

इस अक के कारक ग्रह यूरेनस सूर्य शनि हैं। इस ग्रह का बाधक प्रभाव कम है इस कारण अधिक उपलब्धिया मिलनी चाहिए।

'चार' और आठ अकों के प्रयोग से यथासम्भव बचते रहें और इन मूलाकों वाली तिथियों के लिए कोई योजना न बनाए और न महत्वपूर्ण सम्पर्क करें। सर्वोत्तम तिथिया एक वाली रहती हैं।

विचारों में मौलिक और व्यवहार में लीक से हटकर चलने वाले होते हैं। सदा नए विचारों की ओर झुकाव रहता है। नए दर्शन या नए धैर्य नए तरीके और विचार तथा कार्य की स्वतत्रता बहुत अधिक आकर्षित करती है। साथी सगी अजीब विचित्र तथा अपनी किस्म का कह सकते हैं पर सामान्य सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के विचारों से आसानी से मेल नही खा सकते

हैं।

शनि का प्रभाव इस प्रवृत्ति को बढाता है,जो सौम्य होने के बावजूद प्रकृति के वैचारिक पक्ष को अधिक प्रभावित करता है। शनि के तथाकथित भाग्यवादी प्रभाव से काफी हद तक बच सकते हैं।'खिन्नता और दार्शनिकता का पुट रहता है। यूरेनस अपनी विशेषताओं के साथ मिलकर सवेदनशीलता को बढाता है।

22 फरवरी तक इन तिथियों को जन्मे जातक दरअसल 'चार' तथा मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे जातक काफी सूझबूझ और सहानुभूति से पेश आते हैं। सवेदनशील बहुत होते हैं कि हर बात को गहराई से महसूस करते हैं। छिपाने और प्रकट न करने की प्रवृत्ति के कारण अपनी बात को ठीक से समझ नही पाते और उन्हें गलत समझ लिया जाता है। उन पर अनर्गल आरोप लगते हैं। झूठमूठ बदनामी बहुत होती है। बाद में वह मुक्त हो जाते हैं।

22 फरवरी को जन्मे व्यक्ति अधिक भाग्यशाली होते हैं,क्योंकि उन पर गुरु के स्वामित्ववाली मीन राशि का प्रभाव पडता है।

4, 13 तथा 22 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए केवल सूर्य का मूलाक एक लाभदायक है।

4 और 13 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए सौभाग्यवर्धक रत्न और रग वे ही हैं जो जनवरी में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के लिए हैं।

मीन राशि की सधि में होने से 22 फरवरी गुर के अधिकार क्षेत्र में अधिक है। शनि का प्रभाव समाप्त होता है किन्तु इस राशि में गुरु भौतिक की अपेक्षा वैचारिक पक्ष से अधिक सम्बन्धित है। फलस्वरूप इस तिथि को जन्मे व्यक्तियों में अक 'चार' के यूरेनस से जुडे हुए गुरु के उदात्त मानसिक गुणो का विकास पाते हैं। यूरेनस विचारों की स्वतत्रता राजतत्र या सरकार के प्रचलित रूप से विद्रोह परम्परा से विरोध आदि पर अमल के लिए उन्मुक्त है। साथ ही गुरु का प्रभाव विद्रोही को विजयी बनाता है। वह अपनी लडाई में नए विचारों का उपयोग करता है और यूरेनस के गुणों का लाभ उठाता है।

युद्ध की हिंसा से घृणा कर सकता है। लडाई समाप्त होने पर वह शत्रु से उदारता के साथ पेश आता है। गुरु के गुण के कारण उसका व्यवहार अन्यथा हो ही नही सकता।

यूरेनस ने नए को —एक नई स्थिति को जन्म दिया है,किन्तु यूरेनस,सूर्य

तथा गुरु के योग से जो भी होगा, उसका श्रीगणेश असामान्य और लीक से हटकर ही होगा।

22 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों को आमतौर से अपने विचारो या योजनाओं में काफी विरोध का सामना करना पडता है। वे अपनी ही दुनिया में रहते हैं। इसलिए उनको बहुधा गलत समझा जा सकता है। वे प्रदर्शन नही करते और शब्दों में अपने को अभिव्यक्त करने के लिए तैयार नही होते। वक्ता से अधिक वे सगठनकर्ता होते हैं। परम्पराओ या दूसरों की राय की चिन्ता नही करते।

इस मूलाक के जातक को पैसा वैसे उतना आकर्षित नही करेगा जितना एक ओसत आदमी का करता है। कुछ अधिक बुद्धिमत्ता और सतर्कता बरत कर कुछ सीमा तक अपनी रक्षा कर सकता है किन्तु धोखेबाजों से सावधान रहना होगा। धन के मामले हमेशा समस्या बने रहेंगे। खीचतान कर ही सारा खर्च चलता रहेगा।

स्वास्थ्य के मामले में सदा शरीर पर मन का सवाल रहेगा। जब तक मन है और काम में लगन है स्वस्थ रहगे और राग नही फटकेंगे। लेकिन यदि निराशा के विचार भाग लें कभी अपने को स्वस्थ महसूस नही करेंगे। कुछ रोग ऐसे लगते हैं जो ठीक न होंगे।

जीवन के घटनापूर्ण वर्ष 'एक और चार' हैं। एक चार और आठ मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव होगा और उनमे धोखा भी नही होगा।

रग हलका हरा और नीला। रत्न लहसुनिया और नौलखा।

5, 14, 23 मूलाक 5

इसका कारक ग्रह शनि के साथ बुध है। यह योग शुभ है। इसमें बुध के गुण शनि की विवेकपूर्ण प्रकृति से प्रभावित है। मानसिक विकास के लिए यह उत्तम माना गया है।

23 फरवरी गुरु के स्वामित्व वाली मीन राशि की सधि होती है। यदि इस दिन पैदा हुए हैं तो स्वभाव बहुत दबग और स्वतत्र होगा। दुनिया की बिल्कुल चिन्ता नहीं होगी।

इस मूलाक के लोगों में अद्भुत नजर होती है। उत्तेजना में आने वाले लोगों को आसानी से शात कर सकते हैं और उन्हें उचित बात के लिए बाध्य कर देते हैं। जो कुछ पढते या सुनते हैं शीघ्र याद हो जाता है। अवसर आने पर लोगों के लाभ के लिए काम में लेते है। उन्हें विज्ञान और प्रमाणों से प्रेम होता है। सिद्धातों के प्रति शक होते है। फिर भी मन से उनमें दर्शन के प्रति झुकाव होता है। वह सम्पत्ति के पीछे नहा भागते,लेकिन साथ ही महत्त्वाकाक्षी होते हैं। इस अक के जातक आत्मतुष्ट होने पर भी वह प्रोत्साहन की गहरी कद्र करते हैं। प्राय प्रशसा या कृपा के कुछ शब्दों के बदले कुछ कर सकते हैं। महत्त्वाकाक्षा पूरी न होने पर वह उदास हो जाते हैं।

ऐसे जातक आर्थिक मामलों में होशियार होते हैं पर स्वय उन पर अमल नही करते। अक्सर धन कमा लेते हैं,लेकिन बहुत कम उसे रोक पाते हैं या बचा पाते हैं। कार्य पर खर्च बहुत करते हैं। दिखावे के कारण अपनापन नष्ट करते रहते हैं। इस अक के जातक धन का कोई महत्त्व नही रखते हैं। एक तरह से शाह खर्च होते हैं।

आम तौर से स्वास्थ्य अच्छा रहता है लेकिन कभी कभी जिगर तिल्ली, गुर्दा और पित्ताशय की शिकायत हो जाएगी। धनी परिवारों में जन्मे जातक शराब मादक द्रव्यों से अपना स्वास्थ्य बिगाड सकते हैं। ऐसे जातक उद्देश्यहीनता, चचलता और अत्यन्त चिडचिडेपन के कारण पहचाना जाता है। अवस्था के साथ बीमारिया बढती जाती हैं।

इसका सबसे अच्छा अग 'पाच' है। इसी मूलाक के वर्ष जीवन में सबसे घटनापूर्ण रहते हैं। इसी मूलाक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव भी होता है। हल्के रग विशेषकर सफेद या चमकीले और हरे तथा सफेद चमकीले रत्न शुभ होते हैं।

6, 15, 24 मूलाक 6

6 और 15 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए शुक्र और शनि कारक ग्रह हैं 24 फरवरी को जन्मे व्यक्ति मीन राशि की सधि में आते हैं। शुक्र तथा गुरु का भी प्रभाव होता है। 6 और 15 के लिए शुक्र के गुणों पर शनि की छाया रहती है। व्यक्तियों के लिए प्यार ही सब कुछ है फिर भी वह असफल रहते हैं। अति समर्पण भावना से वे अपने प्रेम में सर्वस्व निछावर कर देते हैं। भले ही धोखा

खाना पडे प्रेम में, मनचाहा सतोष नही मिलती है। प्राय वे अपने से निम्न सामाजिक स्तर वाले के साथ प्रेम विवाह होता है। अपने इस लगाव के कारण उन्हें बदनामी भी उठानी पडती है।

फरवरी की इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में प्रेम और आत्मत्याग के आश्चर्यजनक उदाहरण हैं सभी मामलों में उनके जीवन में प्रेम की भावना ही बलवती रहती है।

फरवरी में 6 मूलाक वाली सभी तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में स्वाभाविक कलात्मकता होती है। किसी भी काय में व यश और नाम कमा सकते हैं।

उन्हें कितना पैसा मिलता है इसकी चिन्ता नही करत। उनमें हर काम को बडे पैमाने पर करने का झुकाव रहता है। फलस्वरूप यशस्वी व्यक्ति उनकी ओर आकर्षित होत हैं। वैस जावन साधारणत सुखी हो हाता है।

यह नाता हर प्रकार के सामाजिक जीवन का आर आकर्षित होना है। आसानी से मित्र बना लेते हैं। छोटे और अधानस्थ लाग ऊचे पद वाले और धनी व्यक्ति आकर्षित होते हैं। सम्मान करते हैं। विपरीत लिंगियों पर आपका काफी प्रभाव रहता है। स्वय को आदर्शवादी स्वप्न देखने वाला नायक समझते रहेंगे। फिर भी सफल होंगे इसमें सदेह नही। कभी कभी यह सोचकर कि कुछ भी कर सकते हैं असम्भव काम करने का जोखम उठाते रहेंगे।

जब तक अत्यधिक दृढ इच्छा शक्ति न हो, भोग विलास और अपव्यय से प्रेम की स्वाभाविक प्रवृत्ति रहती है। फलस्वरूप ऋणग्रस्त हो जाते हैं। सकट अनेक आते हैं पर हर बार कोई न कोई हल निकल आता है। दूसरों की सहायता हमेशा मिलती रहती है।

बचपन बीतते ही आप भाग्य को अपने पक्ष में महसूस करते हैं। आर्थिक मामलों में अनेक मूर्खतापूर्ण काम कर सकते हैं और हवाई योजनाओं में भी फस सकते हैं फिर भी पैरों पर खडे हो जायेंगे। सार्वजनिक उद्यमों अथवा जनता के सहयोग वाले कामों से लाभ हो सकता है। योजनाओं के लिए बडी सख्या में समर्थक जुटाकर अच्छी सफलता मिल सकती है लेकिन कभी कभी भारी आर्थिक हानि उठाने का खतरा भी रहता है।

इस जातक का शरीर स्वस्थ रहता है और बीमारी की चिंता कम होती है।

हवा पानी बदलने से सर्दी जुकाम होने का भी खतरा है। निमोनिया श्वास नली और फेफड़ों की कमजोरी और स्नायुविक तनाव की सम्भावना रहती है।

भाग्यशाली अक छ है। इस मूलाक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस होता है। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी मूलाक वाले होते हैं।

रग हलके से गहरे तक नीला। बैंगनी, फालसई या जामुनी रग का भी प्रयोग कर सकते हैं। रत्न पुखराज हीरा है।

7, 16, 25 मूलाक 7

इस अक के कारक ग्रह नेपच्यून (7), चद (2), यूरेनस (4) और शनि (8) हैं। जो लोग 7 या 16 फरवरी को पैदा होते हैं उनका स्वभाव 25 फरवरी को पैदा हुए लोगों से बहुत भिन्न होता है क्योंकि बाद के लोग गुरु की मीन राशि में पैदा होने से उनके जीवन में शनि का बाधक प्रभाव कम हो जाएगा।

7 या 16 फरवरी को पैदा होने पर जातक का स्वभाव विचित्रता लिए हुए अत्यन्त सवेदनशील होता है। ऐसे जातक किसी लक्ष्य के प्रति आकर्षित होने पर पूरे आग्रह और दृढता से उससे चिपके रहते हैं। वातावरण और दूसरे लोगों के स्वभाव का इन पर भारी असर पडता है। इसलिए निवास स्थान और सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के बारे में अधिक से अधिक सावधानी बरतना आवश्यक होता है। उत्तेजना का कारण भी हानिकारक होता है।

जातक में कल्पना, आदर्शवाद और रूमानीपन का असाधारण गुण हो सकता है। पर्याप्त आत्म विश्वास न होने की प्रवृत्ति रहेगी जिससे किसी बाहरी पुकार पर ही आप जनता की नजर में आ सकेंगे। यदि पुकार आई तो अपने कर्तव्य पालन के लिए कोई त्याग या कठिनाई प्रसन्नता से झेल सकते हैं।

ऐसे जातक कला में ध्यान लगाएगे तो एक ही ढर्रे पर चलते रहेंगे। निजी लाभ की अपेक्षा ध्येय से अधिक आकर्षित होते हैं। गुप्त विद्याओं और ज्योतिष में भी रुचि रह सकती है। पीडित और दुखी लोगों के प्रति आपकी असामान्य सहानुभूति रहती है। उनके कल्याण के लिए काम करने वाली संस्थाओं को दान भी दे सकते हैं। असमर्थ और दीन दुखियों की सदा सहायता करते हैं। हृदय से दयालु होने के कारण भी इन्हें आय हानि उठानी पडती है। इसी प्रकार 25 फरवरी को जन्मे व्यक्ति भी अपने जीवन में काफी सफल रहेंगे। जिस किसी

काम में लगते हैं आर्थिक लाभ की चिंता किए पूरे मन से काम करते हैं।

फरवरी में पैदा सात अक वाले सभी व्यक्ति मौलिक अध्ययनशील और साहित्य या कला में प्राय यश प्राप्त करने वाले होते हैं। धर्म के बारे में उनके विचित्र विचार बन जाते हैं और किसी परम्परा का पालन नहीं करते हैं।

इस अक के जातक भौतिक लाभ को चिंता नही करते हं। घर के माम्ले में शायद ही भाग्यशाली हों और सट्टेबाजी में प्राय हानि उठाते हं। उदार स्वभाव परोपकार भावना क कारण रुपया पैसा हाथों से शीघ्र खर्च हो जाता है। रुपया टिक नही पाता है। अनावश्यक खर्च बराबर ही लगा रहता है।

इस अक के व्यक्ति बचपन से ही आम तौर पर बहुत नाजुक होते हैं। डाक्टरों के लिए पहेली रहते हैं और उनके परीक्षणों के शिकार बनते हैं। स्वास्थ्य के बारे में इन व्यक्तियों के अनुभव बहुत विचित्र रहते हैं। वे स्वय तरह तरह की चमत्कारी औषधियों पर पैसा बर्बाद करते हैं। प्राय पट की किसी रहस्यपूर्ण बीमारी से पीडित रहते हैं। उनका भोजन भी विचित्र होता है। किसी एसे व्यक्ति के साथ रहने स जिससे वे चिढते हों और भी बीमार पड जात है। इनका अधिकतर पैसा इलाज पर खर्च होता हे। स्वास्थ्य सदा ही चिंताजनक बना रहता है। मामूली सा भी रोग उनके लिए चिता का विषय बन जाता है।

सबसे महत्वपूर्ण अक 'सात और दो' हैं। सभी महत्वपूर्ण काम इन्ही मूलाकों वाली तिथियों पर करने से लाभ है। 'चार' व 'आठ मूलाकों वाली तिथियों से सावधानी बरतें। जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष 'सात' और 'दो' मूल षाले ही होते हैं। इन्ही मूलाकों और साथ ही 'एक' व 'चार' मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव रहता है। पारिवारिक जीवन प्राय सुखमय रहता है।

रग हरा क्रीम सफेद और कबूतरी। रत्न पुखराज मोती मूगा है।

8, 17, 26 मूलाक 8

इसके कारक ग्रह शनि और यूरेनस हैं। 26 फरवरी को जन्म लेने पर इन दोनों के साथ मीन राशि के स्वामी गुरु का भी प्रभाव पडने लगता है। जातक का अपना व्यक्तित्व होता है। प्रयास न करने पर भी जीवन में अनेक विचित्र परिस्थितियां और अवसर आते हैं। भाग्य के निराले खेल नजर आते हैं। 26 फरवरी को जन्म लेने पर गुरु क प्रभाव से अधिक भौतिक सफलता की आशा

रहती है,अक 'आठ' के प्रभाव के अधीन जन्मे सभी व्यक्तियों को कभी न कभी छिपे शत्रुओं के हमले की और बदनामी तथा तीव्र आलोचना का शिकार बनने की सम्भावना हाती है। सम्पन्नता में न जन्में हा तो भी प्रारम्भिक जीवन कठार तथा कठिन ही रहता है और उससे भविष्य की सफलता का सकत मिलता रहता है। प्रेम प्रसगों और घरलू जीवन में गम्भीर कठिनाइयों और दुखों का सामना करना पड सकता है। इष्ट मित्रों का विछोह उनकी मृत्यु या बीमारी का दुर्भाग्य आगे आ सकता है। विवाह का असाधारण अनुभव होता है और बच्चे हुए तो गम्भीर चिंता का कारण बनते हैं। भौतिक से अधिक मानसिक सताप मिलता है। पैसा कमा सक्ते हैं धनी बन सकते हैं अथवा किसी शक्तिशाली पद पर भी पहुच सकते हैं, लेकिन बहुत परिश्रम के उपरात और काफी सकट उठाने के बाद। विशेषकर 26 फरवरी को जन्मे व्यक्ति यदि पक्का इरादा कर लें तो पैसा अवश्य कमा सकते हैं, लेकिन विपरीत कार्रवाइयों अथवा मुक्दमेबाजी धोखाधडी से उसे गवा देने की भी सम्भावना रहती है।

ऐसे जातक ऊपर से अधिक स्वस्थ दिखाई देंगे। बीमारी की पूर्व चेतावनी तो बहुत कम मिलती है या बिल्कुल नही मिल पाती है। अकस्मात् दिल के दौरे से दिमाग में खून का थक्का जमने से मृत्यु हो जाती है।

अक आठ' के लोगों की अपनी विशेषता यह होती है, वे चाहे जिस मौसम में पैदा हुए हों उन्हें सारी सफलता मिलती है या सारी विफलता। इस पार या उस पार तक पहुचने की प्रवृत्ति है। ये या तो जीवनभर अच्छी या बुरी कोई बडी भूमिका अदा करते हैं। उनसे असाधारण जीवन व्यतीत करने की ही आशा होती है। भाग्यवश ही या अपनी प्रकृति के कारण ध्येयपूर्ति के लिए उन्हें पूरी शक्ति जुटानी पडती है। जीवन में या जीविका में कोई असामान्य काम करने के लिए सारी पीढिया याद करेंगी पर आपका घरेलू जीवन या आसपास का वातावरण भल ही अत्यन्त सुखद न हो पर जहा कहीं होंगे उनका अपना एक 'व्यक्तित्व होता है।

ऐसे जातक किसी भी काम में पैसा कमा सकते है, लेकिन लोग या परिस्थितिया उसे छीन लेती हैं।

सबसे महत्त्वपूर्ण अक चार' और 'आठ हैं। 26 फरवरी को जन्म लोगा के लिए तीन का अक भी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। जीवन के सबसे

महत्त्वपूर्ण वर्ष चार' और 'आठ मूलाकों वाले ही होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथिया को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव भी होता है।

सबसे भाग्यवर्धक रग हैं गहरे नीले लाल को छोड अन्य गहरे रग। भाग्यवर्धक रत्न हैं नीलम काला मोती और काला हीरा।

9, 18, 27, मूलाक 9

इस अक के कारक ग्रह मगल और शनि हैं। 27 फरवरी को जन्म होने पर मगल (सौम्य) के साथ जो लोग 19 फरवरी की सधि के जितने पास जन्मे होंगे उनका व्यक्तित्व उतना ही प्रखर होगा। फलस्वरूप 9 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों की अपेक्षा 18 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों से अधिक आशा की जा सकती है। 27 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए मगल और गुरु ग्रह का योग शुभ होता है। गुरु मानसिक गुणों को उत्साह तथा महत्त्वाकाक्षा प्रदान करता है और मगल हर काम में शक्ति देता है। ऐसे लोग प्राय यश प्राप्त करते हैं। 18 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों में भी बहुत कुछ ऐसा ही गुण होता है। फरवरी में नौ मूलाक की तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों में वैसी ही मानसिक विशेषताए होंगी जैसी जनवरी में इन्ही तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों क लिए होती हैं। उनकी प्रवृत्तिया अधिक मानसिक होती है। वह अपने भाग्य के मालिक आप दिखाई देंगे। उनका साथ भाग्य देता रहता है।

विचार और कार्य की स्पष्ट स्वतन्त्रता रहती है। अपने ध्येय के प्रति दृढ इच्छाशक्ति रहती है तथा हर काम पर अपने स्पष्ट व्यक्तित्व की छाप छोडते हैं।

अच्छी तर्कशक्ति होती है। वाद विवाद में प्रभावी और दबग तर्क देते हैं तथा विपक्षी की कमजोरी का तत्काल लाभ उठा लेते हैं। ऐसे जातक बहुत चालक होते हैं।

मुहफ्ट और अनाप शनाप बातों के लिए आलोचना हो सकती है लेकिन अपनी बात मनवाकर रहेगे तथा व्यक्तित्व के आकर्षण से लोगों को अपने पक्ष में कर लेते हैं।

यह जातक मन से मानवतावादी होते हैं। सदा दूसरों को लाभ पहुचाने में समाज सुधार के काम में भाग लेने के लिए तैयार रहते हैं। इस कारण अनेक दुश्मन भी बना लेते हैं और काफी विरोध भी उठ खड़ा होता है।

अच्छे सगठनकर्ता अपने अधीनस्थों के प्रति बहुत उदार होते हैं। जीवन प्राय सामान्यत सुखी रहता है।

आर्थिक मामलों में भी भाग्यशाली रहते हैं। धन के उपयोग का ढग दूसरों को आश्चर्य में डाल देता है। आमदनी का जरिया बराबर बना रहता है। आर्थिक कष्ट प्राय नही होता है।

स्वास्थ्य में फेफडों और दिल का ध्यान रखना आवश्यक है। आमतौर पर स्वास्थ्य ठीक नही रहता है।

सबसे महत्तवपूर्ण अक नौ' है। नौ मूलाक वाली तिथिया शुभ हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलाक के हैं। 'आठ या नौ मूलाक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आकर्पित होते हैं। 27 फरवरी को जन्मे व्यक्ति 'तीन और 'नौ मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आकर्पित होते हैं।

रग लाल। रत्न लाल, तामडा और सभी लाल नग।

27 फरवरी को पैदा होने पर फालसई, बैंगनी और जामुनी रग हैं। रत्न कटला या नीलमणि।

कुल मिलाकर नौ मूलाक वाला व्यक्ति सफल सुखी जीवन व्यतीत करता है। सामान्य जीवन भी प्राय सुखी रहता है। पत्नी सुन्दर सुशील मिलती है पर सन्तान से दुख उठाना पडता है।

मार्च

मार्च 1, 10 19, 28 मूलाक 1

इस अक के कारक ग्रह सूर्य और यूरेनस हैं। ये जीवन को घटनापूर्ण बनाते हैं मनोविज्ञानी अतर्दृष्टि वाला होता है। वह चर्चा का विषय बनता है। जीवन प्रबल सम्भावनाओं से सयुक्त होगा। जो काम करेंगे उसमें परिश्रमी तथा मौलिक, लेकिन अधीरता और उद्दीपन की प्रवृत्ति रहेगी। जहा तक सम्भव हो धीरज पैदा करें अपनी योजनाओं पर सोचकर समझदारी से कार्य करें।

अत्यधिक आशावादी होने की प्रवृत्ति है। विलम्ब या कठिनाइया आने पर विद्रोह कर उठते हैं पर धीरे धीरे अधिकार और आत्मविश्वास की भावना पैदा कर लेते हैं। यही भावना जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में नही हो सकती है। इस भावना का पैदा होना आपके लिए शुभ रहता है। परिवार वालों के प्रति

गहरा प्यार होने पर भी प्राय उनके साथ मतभेद रहेंगे और उनसे हानि उठानी पड सकती है। कुल मिलाकर एक बहुत घटनापूर्ण भविष्य की आशा कर सकते हैं। कही रहें कोई वृत्ति अपनाए सफलता और प्रमुखता अवश्य प्राप्ति करेंगे।

28 मार्च अगली राशि मेष की पहली तारीख एक मूलाक 'है। सूर्य इस समय अपना उच्च राशि में होता है। अत सफलता की और भी अधिक आशा रहेगी। प्रत्येक कार्य सफल होता है।

पारिवारिक जीवन सुख दुख मिश्रित रहेगा। धन के मामले में भाग्यशाली रहेंगे। सफलता के असाधारण अवसर मिलेंगे विशेषकर व्यापार में जिम्मेदारी का पद और बडे उद्यमों का प्रमुख पद सम्भालते हैं। दूर दृष्टि काफी होगी। निजी प्रेरणा से काम करने पर और भी लाभ है।

सबसे अधिक कठिनाई दूसरे का पिछलग्गू बनने में है। जब तक अगुवा रहेंगे सब कुछ ठीक चलता रहेगा पर स्वभाव इतना दबग कि दूसरे के अधीन काम करना कठिन होगा पर अच्छा धन कमाएगे लेकिन जिस वृत्ति को भी अपनाए उसमें अनेक परिवर्तनों का क्रम प्राय चलता रहेगा।

शरीर सुगठित होगा और जीवनी शक्ति भी होगी लेकिन स्वाभाविक प्रवृति शक्ति का दुरुपयोग और अपव्यय करने की रहेगी। सूर्य गुरु की मानसिक राशि में होने से अपनी महत्त्वाकाक्षाए पूरी करने में दिमाग से अत्याधिक काम लेंगे। ग्रह आशावादी हैं। अधिक समय दबाकर नही रखा जा सकता है। हा स्वय का आलस्य हानिकर होता है।

सबसे महत्त्वपूर्ण अक 1, 4 और 3 हैं। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों पर योजनाए पूरी करने का प्रयास करें। इन्ही मूलाकों के वर्ष जीवन में सबसे घटनापूर्ण रहगे। एक और चार मूलाक वाली तिथियों पर जन्मे व्यक्त्यों के प्रति विशेष लगाव होगा।

रग सुनहरा पीला कास्य भूरा नीला गहरा नीला सिलेटी। रत्न हीरा पुखराज अम्बर नीलम और सुनहरे पीले तथा नीले रग के नग।

2 11 20 29 मूलाक 2

इसके कारक ग्रह हैं चन्द्र और नेप्च्यून। ये ग्रह कल्पनाशील और कलात्मक प्रवृत्तियों को बढाएगे। अपनी प्रतिभा से अधिकतम लाभ उठाने के लिए अपनी इच्छाशक्ति और सकल्प का निकास आवश्यक है। एक निश्चित

लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित कर अन्य सभी बातों को छोड दें। ऐसा करने पर सफलता अवश्य मिलेगी। विशेषकर कला के क्षेत्र में निश्चित है। स्वभाव अपने वातावरण के प्रति विशेष सवेदनशील, अत सौहार्दपूर्ण परिस्थितियो के लिए प्रयास करना चाहिए। अपना छोटा सा शातिपूण घर बेहतर होगा परिवार की भीड भाड रास नही आएगी।

प्राकृतिक सुन्दरता रगों के प्रभाव और सगीत की लय के प्रति प्रेम होगा। मन में चंचलता रहेगी विशेषकर रूमानी ढग की। सगीत चित्रकला सिनेमा या नाटक, लेखन आदि में रुचि। सपने भी असाधारण होंगे।

प्रारम्भिक वर्षो में धन कमाने में कठिनाई का सामना करना पडेगा पर अन्त प्रेरणा से सभी कार्य पूरे होंगे।

29 मार्च को जो मेष की अगली राशि के अतर्गत है, जन्म लेने पर जीवन और भी घटनापूर्ण रहता है। पारिवारिक उथल पुथल बराबर परेशान करेगी।

आर्थिक स्थिति कुछ-कुछ ढीली रहेगी। अकस्मात् धन आने की सम्भावना रहेगी। लेकिन सोच समझकर सावधानी और बुद्धिमत्ता से काम लिए बिना शायद ही रख पाए। विचार बहुत लम्बे चौडे जिसको अमल में लाना आपकी शक्ति से बाहर होगा। जो पूजी लगाएगे उससे सुरक्षा या मानसिक शाति नही मिल पाएगी। दिमाग में तनाव बराबर बना रहेगा।

शरीर स्वस्थ रहने पर भी स्वास्थ्य के मामले में पलती रहेंगी। प्राय हर बीमारी मानसिक होगी। प्रसन्न और सतुष्ट भले चगे रहेंगे पर कलहपूर्ण वातावरण में बीमार हो जाएगे। शाति और स्नेह का वातावरण मिलने पर स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मुख्य प्रवृत्ति कुपोषण रक्त की दुर्बल्ता ठीक से रक्त सचार न होने और रीढ कमर तथा गुर्दो की कमजोरी की है। फिर भी मानसिक रूप से स्वस्थ हो सकते हैं।

सबसे महत्त्वपूर्ण अक 'दो सात और तीन हैं। अपनी योजनाए या कार्यक्रम इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पूरा करने का प्रयास करें। 29 मार्च को पैदा होने पर नौ का अक तीन का स्थान ले लेता है। इसका ध्यान रखें।

सबस घटनापूर्ण वर्ष दो और सात मूलाकों वाले ही होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव रहेगा।

रग सफेद क्रीम और हलका हरा कबूतरी रग या जामूनी।

रत्न हरा जेड मोती चद्रकात मणि उपल कटैला। पारिवारिक शाति ही जीवन सफल बना सकती है अन्यथा परेशानिया बनी रहेंगी।

3, 12, 21, 30 मूलाक 3

यह अक दुहरे गुरु के प्रभाव में रहता है जो बहुत शक्तिशाली योग है। यह कभी न चुकने वाली मानसिक ऊर्जा और भारी महत्त्वाकाक्षा प्रदान करता है। लक्ष्य सिद्ध होने तक एक पल को भी चैन से नही बैठेंगे और कार्य पूरा करके रहगे। दूसरों पर नियत्रण पाने मे सफल हागे। जो भी वृत्ति अपनाएगे उसी में सफलता के पूरे लक्षण होंगे। साझेदारों और सहयोगी के सम्बन्ध में भाग्यशाली रहेंगे। समान रूप से व्यावहारिक और आदर्शवादी होंगे। दानशीलता और मानवता के महान विचारो से भी ओतप्रोत, होंगे पर सोच समझकर।

एक सफल व्यपारी के रूप में प्रचुर सम्पत्ति प्राप्त करने पर दानी वृत्ति के कारण अच्छे सामाजिक कार्यों में ज्ञान देकर यश प्राप्त करेंगे। ट्रस्ट या सामाजिक सस्थाओं में विशेष रुचि होगी। धर्म या सम्प्रदाय का विचार किए बिना सदा बीमारों की सहायता के लिए तैयार रहेंगे। चाहे जिस जाति के हों सम्मान पाने की आशा कर सकते हैं। बडी बडी कम्पनियों विशेषकर उद्योग भूमि विकास खान परिवहन और जहाजरानी में भी सभी कम्पनियों के सम्पर्क से भाग्य चमकेगा सफलता मिलेगी।

30 मार्च को पैदा हुए हैं जो मेष राशि में गुरु के प्रभाव में है तो यह सफलता के लिए और भी शुभ माना गया है।

इन तिथियों को पैदा होने पर वस्तुओं तथा व्यक्तियों के प्रति स्वाभाविक अतर्ज्ञान रहेगा। सभी लेन देन में उसी के अनुसार काम करने का प्रयास करें। दिखावा पसद नही करेंगे। आप पशुआ तथा मैदाना खेलों के शौकीन होंगे और स्वभाव स्वतत्र होगा। किसी का नियत्रण स्वीकार नही होगा।

धन कमाने की आकाक्षा होगी लेकिन अपने नाम और प्रतिष्ठा के बारे में बहुत सावधान रहेंगे। ठोस उद्यमों से विशेष लाभ होगा। धनी बनने की पूरी सम्भावना है। सभी कार्मो में उत्साही भावना होगी। और जो भी कार्य अपनाएगे उसी में प्रमुखता तथा ऊचा पद प्राप्त होता रहेगा।

समाज में लोक प्रिय रहेंगे। मान सम्मान बढता रहेगा। लोग एक आदर्श मानकर सदैव श्रद्धा आदर देते रहेंग। विदेश यात्रा करने पर प्रचुर लाभ रहेगा।

जब तक सक्रिय रहेंगे स्वस्थ और ठीक ठीक रहेंगे। किसी कारण से यदि निष्क्रिय होना पडा तो विलासप्रिय हो जाएँगे मोटापा चढने की प्रवृत्ति बन जाएगी और जीवन की डोर हाथ से खिसक जाएगी। वैसे स्वास्थ्य बराबर ठीक चलेगा। दबंग स्वभाव का होने के कारण और दूसरों का दृष्टिकोण न समझ पाने के कारण घरेलू या विवाहित जीवन में अधिक सफल होने की आशा नही है। संतान से सुख मिलने की पूरी आशा रहेगी।

तीन सबसे महत्त्वपूर्ण अंक है। सभी योजनाएं और कार्यक्रम इसी मूलांक वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास करें। सबसे महत्त्वपूर्ण वर्ष तीन मूलांक वाले होंगे। तीन छ नौ मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव रहेगा।

रंग बैंगनी, फालसई या जामुनी। रत्न हैं कटैला या बैंगनी व जामुनी नग तामडा और लाल नग भी पहन सकते है।

4, 13, 22, 31 मूलांक 4

इसके कारक ग्रह यूरेनस गुरु और सूर्य हैं। यूरेनस का प्रभाव कुछ मानसिक संतुलन गडबड करता रहेगा। इस कारण स्वभाव सनकी झक्की जैसा रहेगा।

वैसे जीवन के प्रारम्भ में काफी दुख और विपदाएं आ सकती हैं। सम्बंधियों घरवालों और ससुरालवालों के साथ मन मुटाव होगा। लोग देने के बजाय लेंगे ही पर अपनी योजनाएं पूरी करने के लिए अपने पर ही निर्भर रहना होगा। किसी का भरोसा नहीं होगा। अपने विचारों में मौलिक और बहुत कुछ गैर परम्परावादी होंगे। काम में बहुत स्वतंत्रता होगी। गुप्त विद्याओं और मनोविज्ञान के प्रति आकर्षित होंगे। सामान्य अनुभव भी रहेंगे।

साहित्यकला और संगीत में अथवा पुरातत्व की वस्तुएं चित्र आदि खरीदने में विशेष उत्साह रहेगा। दूर दृष्टि और पूर्वाभास रहेंगे। व्यक्तियों और वस्तुओं के बारे में गहन अंतर्ज्ञान होगा। रुपये पैसे के लेन देन में पूरा सावधानी का परिचय देंगे। मित्र असाधारण होंगे। बहुत कम व्यक्ति पसन्द होंगे और व्यापार में अन्तर्मुखी रहेंगे।

घटनाओं और मनोविज्ञानी खोज के लिए इच्छुक किन्तु गुप्त प्रवृत्ति रहेगी। स्वयं ऐसा करने के बजाय दूसरों से कराएंगे। आत्मलीन संवेदनशील

स्वभाव के कारण अपने निजी अनुभवों को छिपाकर रखेंगे। स्वभाव गभीर मितभाषी होगा।

31 मार्च को पैदा होने पर अपने उपायों से अधिक दबग होंगे लेकिन अधिक विरोधी भी होंगे। क्रोध की मात्रा अधिक होगी। तीक्ष्ण बुद्धि और दूसरों पर अविश्वास आर्थिक मामलों में रक्षा करेंगे। धन या सम्पत्ति अर्जित करने के बजाय विरासत में मिलने की सम्भावना अधिक है। ऐसा होने पर उसका रक्षा का प्रयास करेंगे। साहित्य सगीतकला अथवा अन्वेषण या वैज्ञानिक खोज में बहुत सफल हो सकते हैं बशर्ते उस ओर ध्यान जाए। लगन और परिश्रम की मात्रा अधिक रहेगी।

अपने स्वास्थ्य के मामले में अपने डाक्टर स्वय बन जाएगे। भोजन और चर्या के बारे में अपने नियम बना लेंगे। 'खब्ती' समझे जाने का खतरा है। घर में मनमुटाव और रोष भी पैदा हो सकता है क्योंकि अपने विचार अन्य व्यक्तियों पर लादने का प्रयास करेंगे।

वैसे अपने को बहुत सबल या हृष्ट पुष्ट महसूस नहीं करेंगे पर ऐसा आयु के साथ आप में निराशावादी प्रवृत्ति बढने और आलोचना को बहुत गम्भीरता से लेने के कारण सभव है पर कुल मिलाकर स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। महत्त्वपूर्ण अक 4 1 और हैं। सभी महत्त्वपूर्ण काम इन्हीं मूलाकों वाली तिथियों को करने का प्रयास करें। 31 मार्च को पैदा हुए लोगों के लिए नौ तीन का स्थान ले लेगा। इन तिथियों को विचित्र घटनाएं घटने की भी आशा रहती है।

सबसे महत्त्वपूर्ण वर्ष 'एक' तथा 'चार' मूलाक वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। 31 मार्च को पैदा हुए जातक 'नौ' मूलाक वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति भी 'चार' तथा 'आठ' मूलाक वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं।

रग गहरा नीला सिलेटी सुनहरा पीला भूरा नारगी बैंगनी।

रत्न नीलम सभी गहरे नीले नग हीरा अम्बर पुखराज और कटैला।

5, 14, 23, मूलाक 5

इसका कारक ग्रह बुध है। गुरु के लाभकारी प्रभाव के साथ मिलकर बुध का प्रभाव इस मास की बुरी प्रवृत्तियों को कम करेगा। उनका बुरा प्रभाव रोकता

है। इस कारण या तो भारी सफलता मिलेगी या भारी विफलता। यह इस पर निर्भर है कि अपने चरित्र की दृढ़ता का कितना विकास करते हैं या कमजोर पक्ष को हावी हो जाने देते हैं।

दृढ पक्ष का विकास होने पर असाधारण बुद्धि प्राप्त होगी। अपनी रुचि के कामों के लिए अपने को ढाल सकेंगे। आमतौर से वस्तुओं की बहुमुखी समझ होगी, पर बहुत निष्कपट खोजपरक हाजिर जवाब और कठिनाइयों से भी लाभ उठा लेने वाले गुण होंगे।

आर्थिक मामलों के प्रति अच्छे विचार होंगे, दाव लगाना आपको बहुत प्रिय होगा और हमेशा जोखिम उठाने के लिए तैयार रहेंगे। लेकिन रुपया पैसा हाथ में नही रहेगा और जीवन में अनेक बार आर्थिक उतार चढाव आएगे। आर्थिक दशा बराबर भाग दौड कराएगी।

चरित्र के कमज़ोर पक्ष को हावी होने दिया तो किसी बात पर देर तक नही टिके रहेंगे। हर काम में टाग अडाएगे, पर विशेषता किसी में प्राप्त नही होगी। अवसर पद और पैसे सभी को दाव पर रखकर गवा देंगे। आत्म रति की प्रवृत्ति होगी और बुद्धि को बर्बाद करते रहेंगे।

सुदृढ पक्ष का विकास करें तो व्यक्तियों और वस्तुओ को परखने का गहरा अतर्ज्ञान का विशाल भडार अर्जित कर सकेंगे। फिर भी मन कुछ-कुछ चचल रहेगा। नियत्रण नही किया गया और एकाग्रता पैदा नही की तो यह दशा हानिकारक होगी।

इन तिथियों के जन्मे लोग प्राय अपने आवास बदलते रहते हैं। वे तब एक जगह से बधना या एक घर में रहना पसद नही करते। हमेशा बदलाव या यात्रा के लिए तैयार रहते हैं और उसके लिए कोई न कोई बहाना खोज लेते हैं।

उनका ज्ञान सर्वतोमुखी होता है और वह किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से बोल सकते है। पर्याप्त आर्थिक सुदृढता होती है। आर्थिक क्षेत्र में सफल भी है बशर्त अपनी लम्बी चौडी योजनाओं को अपने काबू से बाहर न जाने दें।

जीवन सुखमय होता है पर शानदार प्रतिभाओं के धनी होते हुए भी मरते समय तक शायद ही रुपए पैसे वाले रहें। पैसा काटने लगता है और बुढापे के लिए वे बहुत कम बचाकर रखते हैं। आर्थिक दृष्टि से भविष्य के प्रति सावधान

नही रहते हैं। कल की चिन्ता न करना स्वभाव बन जाता है।

शरीर मानसिक दुर्बलता से पीडित रहेगा और विरोध के कारण स्वभाव में चिडचिडापन। इसे काबू करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा वैचारिक योजनाओं के पूरी होने में बाधा पडेगी। प्रतिभा सर्वतोमुखी होगी। उसका वास्तविक स्वरूप पहचानने म बहुत कठिनाई होगी। आपके स्वास्थ्य पर इसका बुरा प्रभाव पडेगा। यदि स्नायुआ को पूरे काबू में नही रखा तो मन से टूट सकते हैं तब सारा कार्य बिगड सकता है।

महत्त्वपूर्ण अक पाच और तीन हैं। इन्ही मूलाकां वाली तिथियों पर अपनी योजनाए पूरी करने का प्रयास करें। सबसे महत्त्वपूर्ण वर्ष पाच मूलाक रहेंगे। इसी मूलाक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव होगा।

रग बैंगनी या फास्लई फलक लिए हलके रग।

रत्न हीरा और सभी चमकीले नग काच के।

6,15,24, मूलाक 6

इस अक के कारक ग्रह गुरु और शुक्र हैं। इस योग का शुभ प्रभाव अशुभ लक्षणों से बचता है। शुभ सहयोग में यदि सफलता नही हो, तो यह स्वय का ही दोष है।

सभी क्षेत्रों में सुरुचि की ओर आकर्षित होंगे। चित्रकला कविता, सगीत साहित्य मूर्तिकला अन्य ललित कलाओं और नाटक के लिए प्रेम होगा। किसी एक विद्या में पथ भी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही आर्थिक लाभ भी।

सासारिक सुखों और सुन्दर वातावरण से भी प्रम होगा। अनेक प्रेम प्रसग रहेंगे। प्रम के प्रति रुचि बदलती रहेगी। विवाह एक से अधिक होंगे और विवाहित जीवन में कुछ अनुभव होने की पूरी सभावना है। इस कारण भारी कठिनाई में भी पड सकते हैं और शत्रु अनेक इस कारण बन सकते हैं। स्वभाव से भावुक पीडितों के प्रति सवेदनशील दानशील और उदार आदर्शवादी मित्रों के सत्कार के प्रेमी तथा अच्छे सामाजिक मेजवान होंगे अनावश्यक खर्च की प्रबल प्रवृत्ति रहेगी। अनेक लोगों को अपना मित्र बना तो लेंगे जो आपके प्रति परम भक्ति भाव रखेंगे, पर उनसे ही धोखा होता रहेगा।

ऐसे धधों में पैसा कमा सकते हैं, जिनका सम्बन्ध आनद से हो जैसे मनोरजन के साधन, होटल रेस्तरा, भोजों का आयोजन पुरातत्व या कला वस्तुओं की खरीद बिक्री आदि। वैसे अकर्मण्यता आत्म रति तथा अपव्यय से बचना चाहिए।

सपत्ति के मामले में भाग्यशाली होंगे। रुपया पैसा कीमती उपहार अप्रत्याशित ढग से आएगे पर खर्चीले स्वभाव के कारण गरीबी में बीतने का खतरा रहेगा। नियत्रण रख सकें तो यह सकट टल सकता है, यह शुक्र का प्रभाव अधिक रहने से बहुत दृढ सकल्प से ही ऐसा सभव है।

शरीर आरम्भिक वर्षों में बहुत स्वस्थ रहेगा, लेकिन फिर भोग विलास का जीवन बिताने से बर्बाद होने का भय है। वृद्धावस्था में दिल की बीमारी और उच्च रक्त चाप का शिकार होने की सम्भावना है।

सबमे महत्त्वपूर्ण अक 'तीन'और 'चार' हैं। अपनी योजनाए इन्ही मूलाकों वाली तिथियों का पूरी करने का प्रयास कीजिए। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे और जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण वर्ष छ मूलाक वाले ही रहेंगे।

रग नीले और गहरे। रत्न और इन्ही रगों के नग धारण कीजिए।

7, 16, 25 मूलाक 7

इसके कारक ग्रह नेप्च्यून चन्द्र तथा गुरु हैं। नेप्च्यून तथा चन्द्र का प्रभाव राशिगत गुणों में और भी वृद्धि करेगा। अतएव अत्यन्त अप्रत्याशित घटनाओं का कारण यही बनेगा। जीवन में आश्यर्चजनक घटनाए हो सकती हैं। वैसे उच्च आदर्श और भारी महत्त्वाकाक्षा होगी पर स्वतन्त्र जीवन बिताने की ओर झुकाव रहेगा। उदार मन होंगे, किन्तु धर्म के बारे में विचित्र विचार होंगे और देखने का अपना ढग होगा। प्रकृति क रहस्यों को खोजने की स्पष्ट प्रवृत्ति रहेगी। जो भी काम करेंगे उसमें बडे बडे सपने और असाधारण प्रेरणा रहने की पूरी सम्भावना है।

इसलिए रुपए पैसे के मामले में बहुत सावधानी से काम लें, हालाकि कुछ परिस्थितियों में व्यावसायिक मामलों में अतर्ज्ञान के कारण बहुत धनी भी बन सकते हैं।

वैसे स्वभाव विरोधों से पूर्ण होगा। एक ही समय सबल और दुर्बल दोनों होंगे। दूसरे लोग हावी हो सकते हैं लेकिन उनकी बातों में नही आएंगे। ऐसे अवसर अपने निजी हित के विरुद्ध भी हठ का परिचय देंगे। इस प्रकार तनाव बना रहेगा।

मन कला प्रेमी और कल्पनाशील होगा। लेखन सगीत, चित्रकला नाटक और उच्च कलाओं में सफलता मिलनी चाहिए। उनका सबसे अच्छा विकास एकात में कर सकते हैं जहा साथ हो इसमें थोडा परिश्रम करना पडेगा।

दाम्पत्य जीवन मिश्रित फल वाला रहेगा।

उदार तथा दानशील होंगे और जनसेवा में लगी सस्थाओं की सहायता करना चाहेंगे। पैसा पास में होने पर कलाकारों की सहायता करेंगे, उनकी कलाकृतियों को खरीद लेंगे। अपनी प्रशसा सुनकर प्रसन्न होंगे और उसमें काफी पैसा खर्च करते रहेंगे। आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। किसी भी काम से पैसा कमा लेंगे। कभी कभी अति उदार हो सकते हैं या अपने विचारों से दूसरों को आर्थिक लाभ कमाने दे सकते हैं पर धन सग्रह के जीवन का लक्ष्य नही होगा। व्यापार के द्वारा आय प्रत्युत्तर सम्पत्ति प्राप्त कर सकते हैं। विदेशों से व्यापार और भी लाभदायक होगा। इसमें मन परिश्रम से अधिक धन लाभ की सम्भावना है।

स्वस्थ शरीर बाहर से स्वस्थ पर भीतर से दुर्बल रहेगा। मानसिक तनाव में रहेंगे और कभी कभी गहरे दिल के दौरों से गुजरेंगे। परिवर्तन की इच्छा करेंगे। थकान या बीमारी म यात्रा से लाभ पहुचेगा। वैसे स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

सबसे महत्त्वपूर्ण अक 'तीन और सात' हैं। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को सभी महत्त्वपूर्ण काम कीजिए। सबसे महत्त्वपूर्ण वर्ष दो और सात मूलाकों वाले रहेंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों में जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। एक और चार मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति भी लगाव रहेगा।

रग (कबूतरी) विशेषकर शोख सिलेटी हरे सफेद व क्रीम और बैगनी फालसाई जामूनी। रत्न हैं—हरा जेड कटैल चद्रकात मणि, मोती और जामुनी नग।

8, 17, 26 मूलांक 8

इसके कारक ग्रह शनि और गुरु हैं। शनि का प्रभाव स्वभाव की गम्भीरता को बढ़ाता है। यह ग्रहयोग प्रारम्भिक वर्षों में जीवन को बहुत कठोर और कठिन बनाता। किन्तु 33 व या 35 वें वर्ष मे इसमें पर्याप्त सुधार की पूरी आशा है। '

वैसे इन लोगों को प्राय गलत समझा जाता है और उसमें काफी बदनामी होने की सभवना रही है। ऐसी बातें योजनाए और महत्त्वाकाक्षाए पूरी करने के लिए धनाभाव से नाते रिश्तों से या दूसरों के सपर्क से हो सकती हैं।

अतएव इन प्रच्छन्न दुखों तथा निराशाओं का सामना करने के लिए स्वय को तैयार रखना चाहिए। इच्छाशक्ति के विकास सकल्प और महत्त्वाकाक्षाओं पर अडिग रहकर, अत में सभी कठिनाइयों से पार हो सकते हैं। कधों पर भारी जिम्मेदारिया डाली जा सकती हैं। सफलता या पद प्राप्त करने में योग्यता के अभाव में कठिनाई नही होती वरन् ऐसी परिस्थितियों के कारण होंगी, जो योग्यता और पुरस्कार छीनने के लिए उठ खडी हो जाती हैं।

इस जातक का यदि विवाह जल्दी हुआ, तो घरेलू बधनों के कारण या जीवन साथी की बीमारी के कारण गतिविधियों पर अकुश लगने की सम्भावना होती है। विवाह बहुत सुखद अनुभव नही रहेगा प्राय उसमें कटुता रहेगी।

इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में असाधारण कर्तव्य भावना और घर तथा परिवार के प्रति गहरा प्रेम पाया जाता है। विशेषकर जनता के लिए उनके उच्च आदर्श होते हैं और वे प्राय मानव के कल्याण की बडी बडी योजनाओं को सोचते हैं। व कोई भी वृत्ति अपनाए अपनी आतरिक भावनाओं को छिपा रखने के लिए मार्यादा और गम्भीरता का वातावरण बनाए रहते हैं। आमतौर से प्रतिष्ठा और जिम्मेदारी वाले ऊचे पदों पर पहुच जाते हैं तथा सम्मान और यश प्राप्त करते हैं।

उक्त ग्रहयोग में जन्मे व्यक्ति शायद ही कभी धन को निजी दृष्टिकोण से देखते हों। वे अपने ध्येय की प्राप्ति के लिए पैसा चाहते हैं और प्राय प्राप्त कर भी लेते हैं। अपने निजी खर्च के मामले में जल्दबाजी से और सट्टेबाजी क जोखिम से बचना चाहिए। हालाकि दूसरे क्या करें इस बारे में अच्छा अतर्दर्शन रहेगा तथा स्वय अपनी ही सलाह पर नही चलेंगे। ऐसे लोगों के प्रभाव में आ सकते हैं, जो बजाय अपने लाभ की बात अधिक सोचें। जीवन पर भाग्य में

आकस्मिक विपदाए आने की सम्भावना है और ऐसी परिस्थितियों के लिए सुरक्षित कोष रखने का प्रयास करना चाहिए।

स्वास्थ्य के सभी मामलों में मानसिक दशा का भारी प्रभाव पडगा। चिन्ता बीमारी के विरुद्ध आपकी लडने की शक्ति को ताड देगी। उदासी तथा निराशा के दौड पडेंगे। आप दर तक परेशान करने वाले जुकाम सर्दी और दुर्बल रक्त सचार के शिकार हो सकते हैं विशेषकर 7 या 16 मार्च को जन्म होने पर।

शुष्क जलवायु में रहना चाहिए। अधिक से अधिक घर से बाहर रहें मात्रा करें और सम्भव हा तो हवा बदलें नहीं ता गठिया और वायु के शिकार हो सकते हैं विशेषकर पावों एडियों और घुटनों म। सबसे महत्वपूर्ण अक चार' 'आठ तथा तीन' हैं। ये अक और इनके मूलाको वाली तिथिया जीवन में बार बार आएगी और गम्भीर परिणामों के साथ सम्बन्द्ध हागा। निजी लाभ के लिए तीन अक से काम लीजिए। जीवन के सबस घटनापूर्ण वर्ष चार' और आठ मूलाकों वाले होंगे। इन अकों या 'तीन के मूलाक वाली तिथियों को जन्म व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

मन अधिकतर गहरे रगों के कपडे पहनने को हागा लेकिन हमेशा बगनी फालसई या जामुनी रग का कोई वस्त्र अपने परिधान में अवश्य रखिए।

भाग्य रत्न काला मोती और काला हीरा। इसके साथ कटैला या नीलम भी धारण कीजिए।

9, 18, 27, मूलाक 9

इसके कारक ग्रह मगल और गुरु हैं। मगल के प्रभाव से अशुभ लक्षणों से लडने की शक्ति आएगी। शरीर भी तगडा होगा जिससे सम्भावित रोग के प्रतिरोध में सहायता मिलेगा। कभी अपने सोचने और काम करने में जल्दबाजी और आवेश से भी काम लेंगे। स्वभाव कुछ चचल हागा। अशात रहेंगे, अपने धधे या वृत्ति में अनेक बार परिवर्तन करेंगे। उचित किए बिना नई योजनाओं की आर दौड पडने की प्रवृत्ति रहेगी। अपने स्वभाव पर विशेषकर छोटी छोटी बातों पर काबू पाना सीखना चाहिए। अपने आसपास के लोगों और सहकर्मियों के साथ सहिष्णु बनने का प्रयास करना चाहिए। गुप्त शत्रुओ बदनामी और झूठी खबरों स काफी नुकसान उठाना पडेगा। यदि मुकदमेबाजी में फसना पडा

समय यही सहायक होंगे। अगर पत्नी का मूलांक 9 एवं 3 है तो दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा अन्यथा पारिवारिक तनाव बराबर बना रहेगा। संतान का सुख वृद्धावस्था में प्राप्त नहीं होगा।

सम्पत्ति के मामले में लगभग परेशानी बनी रहेगी। जीवन उतार चढाव वाला ही रहता है।

अप्रेल

अप्रेल 1, 10 19, 28 मूलांक 1

इसके कारक ग्रह-सूर्य और मंगल ओज हैं। यह एक प्रबल योग है, जिससे अपनी योजनाएं और महत्वाकांक्षाएं सफलता से पूरी कर सकेंगे। शक्तिशाली गुणों का परिचय वृत्ति के प्रारम्भिक काल में ही मिल जाएगा। अपनी योजनाओं में अति रचनात्मक और मौलिक रहेंगे तथा लक्ष्य प्राप्ति के लिए भारी निडरता और संकल्प से काम लेंगे। निश्चय ही महत्वाकांक्षी होंगे। साथियों से ऊपर उठेंगे। परिवार में या सम्बन्धियों में सबसे अधिक प्रमुख रहेंगे। साझेदारों के सहयोग के बजाय उनके बिना अधिक सफल होंगे। किसी भी प्रकार के अंकुश को नापसंद करेंगे। अपना कानून आप होंगे और फलस्वरूप जीवन संघर्ष में जूझते हुए अनेक दुश्मन पाल लेंगे।

यदि मनमानी करने दी गई तो अत्यंत उदार होंगे किन्तु विरोध होने पर जरा भी लाभ उठाने का प्रयास होने पर लोहे जैसे कठोर हो जाएंगे। प्यार के भूखे रहेंगे लेकिन जब तक महत्वाकांक्षा में अनुकूल बैठने वाले व्यक्ति नहीं मिलेंगे इसके लिए तरसते ही रहेंगे। बच्चों के साथ और घरेलू मामलों में आपका विवाद रहेगा।

घर से बाहर जीवन बिताने और हर प्रकार के खेल-कूद के लिए बलवती इच्छा होगी। लेकिन बंदूक ले जाते समय अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है। आग विस्फोट मोटरकार दुर्घटना तथा ऐसी ही बातों से काफी बडा खतरा रहेगा।

आर्थिक मामलों में मुख्यतः जल्दबाजी और अपने सामर्थ्य से बाहर के उद्यम अपनाने के कारण अनेक उतार चढाव आएंगे। आकर्षक प्रकृति के कारण दूसरों पर विशेषकर विपरीत लिंगियों पर भारी प्रभाव रहेगा। कम्पनी प्रोमोटर

वक्ता सकठनकर्ता उपदेशक के रूप में या किसी भी सार्वजनिक जीवन म सफल रहेंगे। सदा धन कमाने की योग्यता रहेगी लेकिन अनेक लोगों को अपना कट्टर दुश्मन बना लेंगे।

वैसे बहुत जीवनी शक्ति और सुगठित कार्य होगी, हालाकि कभी कभी अधिक परिश्रम से उसे चोट पहुचा सकते हैं। सबसे अधिक खतरा उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारी या लकवे से रहेगा। सादा भोजन कीजिए और शराब तथा उत्तेजना पैदा करने वाले पदार्थों से बचिए। सबसे महत्वपूर्ण अक एक तथा 'नौ ' हैं। अपनी योजनाए इन्ही मूलाकों वाले तिथियों पर पूरी कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलाकों वाले रहेंगे। चार और आठ के अक भी जीवन में बार बार आएगे लेकिन जहा तक हो सके उन्हें टालना ही बहतर है। उन्हें चेतावनी समझकर काम कीजिए।

'एक चार' आठ या नौ मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

प्रभाव बढाने और भाग्य चमकाने के लिए सूर्य (सुनहरी पीला नारगी भूरा) और मगल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रग धारण कीजिए। रत्न पुखराज अम्बर हीरा लाल तामडा और अन्य लाल नग।

2, 11, 20, 29 मूलाक 2

इसके करक ग्रह मगल ओज के साथ चन्द्र और नेप्च्यून हैं। इनक प्रभाव से चरित्र विरोधाभास से पूर्ण होगा। जबर्दस्त व्यक्तित्व इच्छाशक्ति और सकल्प होगा लेकिन कल्पनाशील और रूमानी गुणों में बहने की प्रवृत्ति रहेगी। विचार मौलिक और परम्परा से अलग होंगे। रचनात्मक और शोधपूर्ण कार्य के लिए काफी कल्पनाशक्ति होगी। किसी एक ढर्रे से बधे रहना पसद नही करेंगे। और अकुशों तथा परम्पराओं से विद्रोह करेंगे। यदि रूमानी भावनाआ पर काबू नही पाया तो घरेलू जीवन में काफी परेशानी अनुभव होने की सम्भावना है। परम्परागत जीवन नही अपनाया तो विवाह सुखद रहने की आशा नही है। हर काम बडे उत्साह से करेंगे लकिन अपनी राय को इतना आगे तक ले जाएगे कि अतत उससे भला होने वाला नही है। व्यवसाय में अनेक परिवर्तन करेंगे और किसी एक विशेष काम से बधे नहा रहेंगे। कोई पद मिल जाए उससे सतुष्ट नही होंगे। अधिकारी पदों पर दबग कुशल और आत्म निर्भर होंगे। राजनीतिक

जीवन या सैनिक सगठन में दिलचस्पी लेने पर एक प्रमुख नेता के रूप में उभर कर आगे आएग। ऐसे मामलों में भाषण या लेख जोशील रहेंग। साथ ही बडी सख्या में लोगों को अपना अनुयायी बना लेंगे। व्यापार या उद्योग में लक्ष्य प्रमुख बनने का रहेगा और अपने मौलिक विचारों के लिए जाने जाएगे।

फिर भी आर्थिक मामलों में बात का वजन और प्रभाव होगा। साझदारों ने राडा नही अटकाया तो सफल भी होंगे। लेखक या कलाकार की योग्यताओं का विकास होने पर काफी यश मिलेगा। कुछ भी करें आपका दबग व्यक्तित्व' बना रहेगा।

वैसे शरीर गठीला होगा, लेकिन उन्नति और उत्साह के दौर में उससे अत्यधिक काम लेने की प्रवृत्ति रहेगी। बुखार और रक्तदाप को बीमारियों जैस फोड फुसी क शिकार हो सकते हैं। अनेक बार शल्यचिकित्सक के चाकू का अनुभव करना पड सकता है। अतडियों मे खतरा रहेगा।

दात मसूडे नाक कान आदि की बीमारियों से सावधान रहिए। अनेक बार दुर्घटनाओं के शिकार होंगे दुश्मनों से जीवन को खतरा रहेगा और हत्या या अकाल मृत्यु का भी खतरा है।

सबसे महत्वपूर्ण अक दो, सात और नौ हैं। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को अपनी योजनाए पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्ही मूलाकों वाले होंगे। दो या 'सात मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव रहेगा।

अपना प्रभाव बढाने और भाग्य चमकाने के लिए चंद्र क्रीम, हरा और सफेद नेप्चून, सिलेटी और मगल गहरे लाल स गुलाबी तक के रगों के कपडे पहनिए। भाग्य रत्न हैं हरा जेड चन्द्रकात मणि लहसुनिया उपल, मोती लाल तामडा और सभी लाल तामडा और सभी लाल नग। 29 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों के लिए आगामी राशि वृष का प्रभाव शुरू हो जाएगा जिसका स्वामी शुक्र है। यह मगल के गुणों को हल्का कर देगा। ऐसे व्यक्ति अधिक आकर्षक और जोशिले होगे लेकिन विपरीत लिंगियों का पैदा की हुई उलझनें बढ जाने का सम्भावना है।

3, 12, 21 30 मूलाक 3

इस अक के कारक ग्रह गुरु और मगल हैं। यह योग सामान्य से अधिक

महत्वाकांक्षी बनाएगा। सभी अधिकारी पदों पर सफल अपने विचारों में बहुत स्पष्ट और कुछ-कुछ तानाशाह होंगे। सगठन व्यवस्था और नियत्रण की अच्छी योग्यता होगी। कानून का पालन इसाफ और कठोरता से करेंगे यहा तक कि दूसरों को उदाहरण पेश करने के लिए जरूरत होने पर अपने निजी सम्बन्धियों का बलिदान करने से भी नही चूकेंगे।

प्रबल शत्रु और उतने ही प्रबल मित्र बनाएगे। स्वभाव असाधारण रूप से स्वतंत्र होगा और किसी बधन या अकुश को पसद नही करेंगे। घर में हर प्रकार मुखिया बनकर रहना चाहेंगे नही तो काफी परेशानी और झगडा होगा। अनेक प्रकार से चमत्कारी जीवन जियेंगे और ऐसी दुर्घटनाओं तथा खतरों से बच निकलेंगे जिनमें दूसरे लोग मारे जाएगे।

मन प्रगतिशील और जोशीला दोनों कहा जा सकता है किन्तु आम भलाई की उच्च भावना रहेगी। अपने समाज में सम्मान मिलेगा उच्च पदस्थ व्यक्तियों में प्रभावशाली मित्र होंगे फिर भी निचले वर्गों के प्रति विशाल हृदयता और उदारता का परिचय देंगे।

जिम्मेदारी के पद मिलेंगे। सरकारी पद भी मिल सकते हैं। सेना और नौसेना में जाने पर तेजी से उन्नति होगी और सम्मान मिलेगा। सम्भावना दो पदों पर रहने की है एक अपने विशेष व्यवसाय में दूसरा नगरपालिका या सरकार में। सतुलित निर्णय और सबके साथ रहने की आतरिक भावना के कारण एक उत्तम न्यायाधीश हो सकते हैं। साहित्य विज्ञान और गम्भीर अध्ययन के प्रति निश्चित प्रेम होगा। परिस्थितियों में सुधार के लिए अनेक मौलिक विचार होंगे।

आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। काफी सम्पति अर्जित करने की सम्भावना है। सट्टेबाजी ठोस सस्थाओं में पूजी विनियोग और उद्योग तथा व्यापार खड़े करने के बारे में सावधान रहेंगे। शरीर सुगठित होगा। बाहरी जीवन और हर प्रकार के खेलों को पसद करेंगे लेकिन जानवरों से दुर्घटना का कुछ खतरा रहेगा। कभी कभी दावतों में उलटा सीधा खा लेने से तीव्र पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। अधेड़ आयु में मुटापा बढने और दिल की बीमारी हो जाने की सम्भावना रहेगी।

सबसे महत्पूर्ण अंक तीन छ, और नौ हैं। लेकिन अंक छ

महत्वपूर्ण होते हुए भी छ अक से सम्बन्धित व्यक्तियों का साथ काफी परेशानी पैदा कर सकता है। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्ही मूलाकों वाली तिथिया को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 30 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति अगली राशि वृष के प्रभाव में होंगे जिसका स्वामी शुक्र है। वे अधिक दयालु स्नेहशील और उदार होंगे।

अपना प्रभाव बढाने तथा भाग्य चमकाने के लिए गहरा बैंगनी फालसई, जामुनी शुक्र नीले तथा मगल लाल के रग के कपडे पहनिए रत्न पुखराज और नीलम।

4, 13, 22, मूलाक 4

इस मूलाक कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और मगल हैं। यह एक शक्तिशाली किन्तु कुछ विचित्र योग है जिसमें जीवन में अजीब विरोधाभासों का सामना करना पडता रहेगा। सफलता के दौरों और विफलता के दौरा से गुजरेंगे। प्रत्याशित के बजाय प्राय अप्रत्याशित ही अधिक घटेगा। परिस्थितियों के अधीन रहेंगे और भाग्य महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

फिर भी जब तक किसी ऐसे निर्णय पर न पहुच जाए जिसमें जी जान से जुट सकें, तब तक अपनी वृत्ति और योजनाओं में अनेक परिवर्तन करेंगे तथा बेचैनी और अस्थिरता महसूस करते रहेंगे। सच्चे मित्र बनाने में भारी कठिनाई होगी और जिन्हें मित्र बनाएगे वे विचित्र और असामान्य होंगे। छिपे दुश्मन होंगे औ काफी विरोध का सामना करना पडेगा। जहा तक भौतिक जीवन व्यतीत करने की बात है, कभी चैन नही मिलेगा।

विचार मौलिक और परम्परा से अलग होंगे। अपने निजी धर्म और दर्शन की रचना करेंगे खोजकर्ता होंगे मशीनों में भी रुचि होगी, किन्तु विशेषकर नए ढग की बिजली की मशीनों रेडियो टेलीविजन आदि में।

स्वभाव में कुछ ऐसी बात है कि साझेदारों के साथ अनेक विवाद टकराव और मुकदमेबाजी होगी। सलाह देना आसान नही होगा क्योंकि जीवन के प्रति एक खास दृष्टि है। तर्क में विरोधी विचार प्रकट करेंगे और इतनी व्यवहार बुद्धि नही होगी कि जिनसे सहमत नही हैं उनके प्रति रोष को छिपा सकें। कभी कभी रूखे और मुहफट व्यवहार से लोगों की भावनाओं को ठेस पहुचा सकते हैं, भले ही वैसा आशय न हो। आमतौर से गलत समझा जाएगा लेकिन इसकी परवाह

नही करेंगे कि कोई क्या चाहता है क्या नही ?

अध्ययनशील होंगे अच्छे साहित्य में गहरी रुचि होगी। अपने हर काम में आप तीक्ष्ण मानसिक शक्ति और जीवटपन का परिचय देंगे। दूसरा के साथ मिलकर आसानी से काम नही करेंगे किन्तु अपने निजी विचारा पर अमल में काफी सफल हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में इतने सतर्क रहेगे कि ख्याति कजूस' के रूप में हो जायेगी।

भविष्य के लिए कुछ अधिक ही चिन्तित रहगे इसलिए बुढापे के लिए अच्छी रकम बचा लेने का प्रयास करेंगे। यदि व्यापार करें ता शीघ्र अवकाश लेने की सम्भावना है।

अपने स्वास्थ्य के बारे में बहुत असामान्य रहेगे। कभी जमकर काम करेंगे कभी प्रयास करने को भी मन नही होगा। रहस्यमय बीमारियों स जिनका निदान मुश्किल होगा शिकार हो सकत हैं। ऐसे में प्राकृतिक जीवन और सादे भोजन से ही मुक्ति मिलेगी।

सबसे महत्त्वपूर्ण अक चार' एक और नौ हैं। आठ का अक भी जीवन में काफी आएगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और अ ठ मूलाका वाले होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए यूरेनस (स्लेटी और शोख) सूर्य (सुनहरा पीला नारगी भूरा) तथा मगल (गहर लाल से गुलाबी तक) के रगा के वस्त्र धारण कीजिए लेकिन 22 अप्रैल को जन्मे होने पर लाल के बजाय नीले रगों को ही काम में लीजिए।

भाग्य रत्न नीलम और नीले नग, पुखराज पीले हीरे और अम्बर हैं। 22 अप्रैल के जन्मे व्यक्तियों को यथासम्भव फीरोजा और नीलम अवश्य धारण करना चाहिए।

5, 14, 23, मूलाक 5

इसके कारक ग्रह बुध और मगल हैं यह योग बहुत शुभ भी हो सकता है बहुत अशुभ भी। यह इस पर निर्भर है कि अपनी इच्छा शक्ति और आप स्वभाव का किस प्रकार विकास कर सकते हैं। बहुमुखी प्रतिभा वाल, चतुर और बुद्धिमान होंगे किन्तु विचारों को सही दिशा मिलनी चाहिए। उच्चाकाक्षाओं को

नियंत्रण में रखने पर ऐसा कुछ नहीं जिस पर काबू न किया जा सके या जिसे पूरा न किया जा सके।

सोचने बोलने और काम करने में शीघ्रता की प्रवृति रहेगी जवाब और दलील देने में तेज रहेंगे लेकिन तर्कशक्ति अच्छी होगी और प्राय सभी विषयों के अनुकूल मन को ढाल सकगे। इस प्रकार क नए विचारों को पसद करेंगे और आख मूदकर परम्परा का पालन करने के विरुद्ध सक्रिय विद्रोह की प्रवृत्ति रहेगी। पढने और इतिहास के गहन अध्ययन में रुचि होगी। तथ्यों और तिथियों को याद रखने की अद्भुत क्षमता होगी। वाणी या कलम के वरदान से दूसरों पर भारी प्रभाव डालगे। इच्छा शक्ति का विकास कर लेने पर भारी जिम्मेदारियों वाले किसी उच्च पद को प्राप्त करेंगे। यदि स्वभाव के अशुभ पक्ष को हावी हो जाने दिया तो बुरे साथियों सामाजिक अपव्यय मद्यपान जुआ खेलने आदि की ओर आकर्षित होगे और लम्पट जीवन भी व्यतीत करेंगे।

दूसरों से भारी प्यार और श्रद्धा मिलेगी, किन्तु स्वय अपनी भावनाओं में निरपेक्ष होगे और प्यार के चक्कर से कुछ दूर ही रह आएगे। एक से अधिक विवाह होने और घरेलू जीवन में काफी परेशानी का सामना करने की सम्भावना है। तत्काल जवाब दे देने और मुहफटपन से लोग दुश्मन बन जाएगे लेकिन सब मिलाकर दूसरों पर आपका उल्लेखनीय प्रभाव रहेगा।

आर्थिक मामलों में स्वय अपने भाग्य के निर्माता होगे लेकिन पहले सफलता आडे आएगी। यदि उच्च धरातल वाले हैं तो अपने ध्येय के लिए अपेक्षित धन कही कभी कमी नहीं रहेगी लेकिन निम्न धरातल वाले मादक द्रवों शराब तथा व्यसनों में अपने असर गवा देंगे।

अपने अत्यधिक सक्रिय मस्तिष्क के कारण स्नायु प्रणाली अत्यत संवेदनशील रहेगी। जीवन में स्थिरता न आने का खतरा है। कभी कभी चेहरे या आखों में तनाव महसूस करगे जो इस बात की चेतावनी होगी कि आप अपनी मानसिक शक्ति को सीमा से अधिक व्यय कर रहे हैं।

पाचन अगों और आतों में भी गडबडी होने की आशका है।

सबसे महत्त्वपूर्ण अक पाच और नौ है। इन्हीं मूलाकों वाली तिथियों को अपनी योजनाए पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी पाच और नौ मूलाकों वाले ही होंगे। किसी मास की 5, 14 या 23 तारीख

को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए आपको जहा तक हो सके हलके रगों के कपडे पहनने चाहिए जिनमें लाल गुलाबी रग की भी कुछ झलक हो। भाग्य रत्न हीरे और लाल और सभी सफेद या चमकीले नग हैं।

6, 15, 24 मूलाक 6

छह के कारक ग्रह शुक्र और मगल हैं। यह एक शुभ योग है जो मगल है। यह एक शुभ योग है जो मगल की शक्ति और उत्साह के साथ शुक्र को मिलनसार और उदार स्वभाव प्रदान करता है। स्वभाव से स्नेहालु प्रदर्शनकारी, सहृदय और कामी होंगे तथा विपरीत लिंगियों की ओर भारी आकर्षण रहेगा। समाज में लोकप्रिय होंगे। जहा जाएगे मित्र बना लेंगे। बहुत उदारमना होंगे और दूसरों की सहायता की पुकार पर दौडे आएगे। धन को दोनों हाथों से खर्च करेंगे। घर और पडोस में उसका अच्छा दिखावा करेंगे। भोग विलास की ओर आय से अधिक खर्च करने की प्रवृत्ति रहेगी अन्यथा मित्रों तथा धन के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे। अपनी उदारता पर नियत्रण लगाने और गरीबी को न न्यौतने के लिए सावधानी के साथ उससे ही काम लेना चाहिए।

वैसे छोटी आयु में ही विवाह की सम्भावना है। तर्क के बजाय भावना में अधिक बहेंगे। विवाह आपके लिए सुखद नहीं रहेगा। बाद में दूसरा विवाह अधिक शुभ हो सकता है।

चित्रकारी सगीत, मूर्तिकला काव्य या साहित्य जैसी किसी कला में सफलता मिलनी चाहिए। नाटक और आपेरा में रुचि होगी और एसे धधो में यश कमाना चाहिए। यात्रा के अत्यत शौकीन होंगे और दूसरे राष्ट्रों के रीति रिवाजों तथा परम्पराओं में गहरी दिलचस्पी होगी।

जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में धन के मामले में बहुत भाग्यशाली रहेंगे लेकिन अपव्यय और भविष्य के लिए जमा पूजी रखने के कारण अत समय आने से काफी पहले ही स्वय को गरीबी की दशा में पाएगे।

स्वास्थ्य के मामले में शरीर सुगठित होगा। बीमारी से शीघ्र स्वास्थ्य लाभ करेंगे लेकिन गला नाक और कान की कमजोरी तथा भयकर सिरदर्द और चेहरे की बीमारियों से पीडित होने की सम्भावना है।

सबसे महत्त्वपूर्ण अक छ 'तीन और 'नौ' हैं। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों का अपनी योजनाए पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष छ और नौ मूलाको वाले रहेंगे। तीन छ' और नौ' मूलाका वाली तिथियों को जन्म व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए शुक्र (नीला) और मगल (लाल) के रगों के कपडे पहनिए। रत्न नीलम तथा अन्य नीले रग।

7, 16, 25 मूलाक 7

इसके कारक ग्रह नेप्च्यून चन्द्र और मगल हैं। यह विचित्र योग आपको बहुत जटिल स्वभाव और बहुत असामान्य जीवन देगा। रहस्यवादी और गुप्त सगठनों के प्रति तथा गुप्त विद्या और अतिभौतिक विषयों के अध्ययन के प्रति भी आकर्षित होंगे और उनकी खोज में जाना चाहेंगे। मन में सगीत के लिए गहरा प्यार होगा और सम्भवत किसी एक वाद्ययत्र को बजाने में काफी कुशल भी होंगे।

धर्म और समाज के बारे में मन में बहुत गहरी भावनाए और मौलिक विचार रहेंगे। न समझने वाले पागल या सनकी कह सकते हैं लेकिन विरोध के बावजूद आप प्रसन्नतापूर्वक अपने मार्ग पर चलते रहेंगे। जन्मस्थान से सुदूर देशों की यात्रा तथा दर्शन की प्रबल इच्छा रहेगी। सबसे बडा दोष स्वभाव में अस्थिरता तथा अपने वातावरण को निरतर बदलते रहने की इच्छा है। किसी कला में या शोधपरक कल्पनाशील योग्यताओं को अभिव्यक्ति देने वाले किसी काम में अत्यधिक सफल हो सकते हैं। अपने व्यापार में आप अनेक परिवर्तन करेंगे। नियमित जीवन प्रकृति के अनुकूल नहीं है। नेप्च्यून भावनाओं को तेज करता है व्यावहारिकता प्रदान नहीं करता। इसलिए नियमित परम्परागत जीवन अपनाना आपके लिए कठिन होगा।

परोपकारी सस्थाओं में दिलचस्पी हो सकती है और ऐसे किसी राष्ट्रीय या राजनीतिक काम से सम्बद्ध हो जाए तो अच्छी सफलता मिल सकती है। सम्पर्क में आने वाले अनेक व्यक्तियों के प्रति गहरी अरुचि हो सकती है। स्वभाव के इस पक्ष पर नियत्रण का प्रयास करना चाहिए अन्यथा आपस में काफी गलतफहमी हो सकती है।

विपरीत लिंगियों के बारे में सपनों तथा भ्रम की दुनिया में रहने की प्रवृत्ति

होगी और अनेक निराशाओं का सामना करना होगा।

आर्थिक प्रश्न बहुत विचित्र रहेगा। धन के मामले में सदा काफी अनिश्चितता और उतार चढाव रहने की सम्भावना है। कभी कभी अपने खोजी विचारो से भारी धनराशि प्राप्त कर सकते हैं। सट्टेबाजी और जुए से बचना चाहिए।

शारीरिक दशा में तेजी से परिवर्तन हो सकते हैं। वातावरण का काफी प्रभाव पडेगा। सर्दी जुकाम नजला बुखार इन्फ्लुएजा और मलरिया से अक्सर पीडित होते रहेंगे। जब आप पर असामान्य भार पडेगा, आप बीमार पड जायेंगे। सबसे महत्त्वर्ण अक सात और दो हैं। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को अपनी योजनाए कार्यक्रम पूरे कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्म व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सबसे भाग्यवर्धक रग नेप्चून (कबूतरी और शोख) चन्द्र (हरा क्रीम सफ़ेद) और मगल (लाल) के रग हैं। रत्न लाल मोती है।

8 17, 26 मूलाक 8

8 व 17 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों के कारक ग्रह शनि और मगल हैं, लेकिन 26 अप्रैल की राशि वृष के प्रभाव मे आ जाने से इस दिन जन्मे व्यक्तियों का भाग्य बहुत भिन्न होगा। शनि और मगल का योग बहुत शुभ योग नही होता है, अत 8 व 17 अप्रैल को पैदा होने पर अपने सभी कामों में भारी सतर्कता और बुद्धिमानी बरतनी होगी। जीवन के प्रथमार्ध में आकाक्षाओं की पूर्ति के मार्ग में भारी कठिनाइया और बाधायें आयगी। घर और परिवार के बधन रखेंगे और अनेक लोगों का भरण पोषण करना पड सकता है।

बहुत महत्त्वाकाक्षी होंगे। परिस्थितियों से जूझने में झुझलाहट पैदा होगी लेकिन सबसे बडी सम्पत्ति आपकी दृढता और सकल्प हैं।

व्यापार और विवाह के साझेदारों के साथ भाग्यशाली रहने की आशा नही है विशेषकर प्रारम्भिक वर्षो में काफी विरोध और अप्रसन्नता का सामाना करना पड सकता है। बडी आयु में साझेदारियाँ और विवाह अधिक शुभ रहेंगे। नये उद्योग शुरू करने और बडे पैमाने पर व्यापार फैलाने के अद्भुत विचार और योजनायें रहेंगी। सबसे बडी कठिनाई दूसरे ऐसे लोग पाने की होगी जो आपसे

सहमत हो सकें। बडे पैमाने पर काम करने का प्रयास कर सकते हैं। अध्यवसाय इच्छाशक्ति और सकल्प से अत में सफलता मिल सकती है। अपने तक सीमित रहेंगे लोगों का आसानी से विश्वास नही करेंगे, अजनबियों के प्रति बहुत कुछ सदेहशील होंगे और सदा अपनी बात छिपाए रखने की प्रवृत्ति होगी। समहशील होंगे आलमारियों और ट्रकों में ऐसी वस्तुए जमा करके रखेंगे जिनका कभी उपयोग नही करेंगे।

8 या 17 अप्रैल को जन्मे लोग आमतौर से नामा डाक्टर शल्यचिकित्सक, वैज्ञानिक रसायनशास्त्री या हर प्रकार के सगठनकर्ता होते हैं। 26 अप्रैल को जन्मे होने पर शुक्र स्वभाव को काफी नरम बना देगा। विरोध होने पर अपने विचारों के लिए अत तक लडेंगे लेकिन लडाई खत्म होने पर अत्यन्त क्षमाशील बन जायेंगे और जल्दीबाजी में कहे गए शब्दों पर पश्चाताप करेंगे।

धैर्य का अभाव होगा ओर जरा ो भडकाने पर आपे से बाहर हो जायेंगे। अनेक मुकदमों में फसने की सम्भावना है। आमतौर से वकीलों से काफी परेशानी और निराशा मिलेगी तथा अपनी लडाई खुद लडेंगे। अधड आयु तक रुपये पैसे के मामले में भाग्यशाली रहने की सम्भावना नही है लेकिन एक बार भाग्योदय होने पर पिछली सब भरपाई हो जाएगी। भूमि क विकास अचल सम्पत्ति मकान आदि से आपको अच्छा लाभ होगा। शुक्र से सम्बन्धित सभी वस्तुए शुभ रहेंगी जैसे इत्र का निर्माण, फल फूल की खती। सगीत चित्रकला और साज सज्जा की कला के भी अत्यत शौकीन होंगे।

मुख्य दोष विचारों तथा कार्यों का अपव्यय, हर काम को बडे पैमाने पर करने की इच्छा बहुत अधिक जिद्दी होने की प्रवृत्ति कब झुकना चाहिए या बल से बुद्धि बेहतर है—की सीख न जानना है। सारा जीवन विरोधाभासों से पूर्ण होगा।

अडियल स्वभाव सदा एक बडी सम्पत्ति होगा लेकिन बहुत कम व्यक्ति ऐसे मिलेंगे यदि मिले तो जिनके साथ मिलकर काम कर पायेंगे। दूसरों से सहायता पाने के बजाय अपने भाग्य के स्वय निर्माता होंगे लेकिन कोई कारण नही कि अतत सफल न हों और सम्पत्तिवान न बनें।

कुछ बहुत विचित्र अनुभव हो सकते हैं जैसे बीमारी का गलत निदान या गलत दवाओं की तजबीज। सभी मादक द्रव्यों शराब तथा नशीली दवाओं स

बचना चाहिए। अपने भोजन की जाच कर आतों को ठीक रखें, नहीं तो भाजन विष फोडे फुसी अदीठ फोडा त्वचा की शिकायतें बदहजमी या रक्त विकार हो सकते हैं और काफी कष्ट उठाना पड सकता है।

अनेक बार आपरेशन होने की भी सम्भावना है विशेषकर जबडे दात और सिर की हड्डियों का। छोटी आयु में टौंसिल का आपरेशन हो सकता है। नाक, गला कान, और फेफडों की भी शिकायतें हो सकती हैं। 'चार' और 'आठ' के अक जीवन में काफी महत्त्वपूर्ण रहेंगे। परामर्श है कि जान बूझकर इन अकों या इन मूलाक वाली तिथियों को अपने काम के लिए मत अपनाइए, किन्तु यदि वे आ ही जायें तो उनसे लाभ उठाइए।

27 अप्रैल को पैदा होने पर शुक्र के अक 6' और सूर्य के अक '1 का अधिक से अधिक उपयोग कीजिए।

जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष चार' और आठ मूलाकों वाले होंगे। इन्हा मूलाकों वाला और एक तथा छ मूलाकों वाली भी तिथियों का जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। अपना प्रभाव बढाने के लिए जहा तक सम्भव हो सूर्य के रगों का और उसके बाद शुक्र और मगल के रगों का उपयोग करें। ये रग हैं सूर्य (सुनहरा, पीला नारगी भूरा) शुक्र (नीला) मगल (लाल)। भाग्य रत्न हैं हीरा पुखराज, अम्बर लाल तामडा लाल नग, नीलम और पन्ना।

9, 18, 27, मूलाक 9

इसका कारक ग्रह मगल है। 27 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि वृष के स्वामी शुक्र के प्रभाव में भी आते हैं। विचारों तथा कार्यों में अत्यत स्वतत्र होंगे। सभी अकुशों और किसी भी प्रकार की सीमा लगाए जाने पर सख्त नाराजगी होगी। दूसरों की भावनाओं की चिन्ता किए बिना अपने विचार और राय व्यक्त करने में बहुत मुहफट होंगे। शीघ्र आवेश में आने वाले झगडालू और क्षणिक आवेश में विवाद या झगडों में उलझ जाने वाले होंगे। हर प्रकार के खलकूद से गहरा प्यार होगा। हर अवसर पर दुस्साहस की खोज में रहेंगे। भारी जोखिम उठाने को तैयार रहेंगे खतरे में भी निडर सभी अवसरों पर लडाई की सच्ची भावना प्रदर्शित करने वाले। सैनिक जीवन के लिए प्रतिभा होगी, अवसर आने पर एक क्षण की सूचना पर युद्ध के लिए जाने को तैयार रहेंगे।

दुर्घटनाओं चोट विस्फोट घाव आग आग्नेयास्त्र और शल्यचिकित्सा के खतरे का सामना किए बिना कभी रह ही नही सक्त। आखों और चेहर तथा सिर के ऊपरी भाग में चोट लगने की सम्भावना अधिक रहेगी। घर से बाहर रहना पसद करेंगे। पशुओं के प्रेमी होंगे लेकिन उनसे काफी खतरा भी उठाएगे।

दूसरे व्यक्तियों के आगे आसानी से घुटने नही टेकेंगे। ऐसी किसी वृत्ति में सबसे सफल रहेंगे, जहा अपनी मर्जी के मालिक हो सकें। प्रबल निजी आकर्षण होगा विपरीत लिगी आमतौर से पसद करेंगे और औसत से अधिक प्रेम प्रसग रहेंगे। इन प्रवृत्तियों क बावजूद यदि ऐसा साथी पा जाते हैं जो आपकी वीरता के गुणों के कारण आपके दोषों को क्षमा कर सके, तब विवाह शुभ रहेगा। कभी कभी मद्यपान भी कर सकते हैं किन्तु शराब से लगाव के बजाय सामाजिक सम्पर्क के प्रेम के कारण।

सभी प्रकार के उद्योगों व्यापार, सगठन या दूसरों की सेवा में धन कमाने की भारी योग्यता होगी। कुछ भी काम करना पसद करें सदा कठिनाइया स निकलने का रास्ता निकाल लेंगे और आत्म निर्भर तथा सकल्पवान होंगे। निडर और साहसी होंग। निडर और साहसी तो हैं किन्तु शायद इतने जिद्दी हैं कि जिससे भला ही नही होगा। हर काम में बड पैमाने पर दाव लगाने वाले होंगे। जीवन को गम्भीरता से लेने क बजाय खेल अधिक समझेंगे। आम तौर स अधिकतर जीवन में भाग्य साथ देगा।

शरीर सुगठित और आप में जीवनी शक्ति होगी। किसी भी बीमारी से शीघ्र उठ खडे होंगे। सबसे अधिक खतरा दुर्घटनाओं से रहेगा विशेषकर आग्नेयास्त्रों, आग विस्फोट या सडक दुर्घटनाओं से। उच्च रक्तचाप दिल की बीमारी और पक्षाघात के भी शिकार हो सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण अक नौ और एक हैं। सबस घटनापूर्ण वर्ष नौ मूलाक वाले रहेंगे। एक या नौ मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। अपना प्रभाव बढाने के लिए मगल (लाल) और सूर्य (पीला सुनहरा भूरा नारगी) के रग के कपडे पहनिए। 27 अप्रैल को जन्मे लाग नीले रग के भी कपडे पहन सकते हैं।

भाग्य रत्न हैं—लाल तामडा लाल नग हीरा पुखराज और अम्बर। 27

अप्रैल को जन्मे लोग फीरोजा और नीले नग भी धारण कर सकते हैं।

मई

मई 1, 10, 19, 28 मूलांक 1

इसके कारक ग्रह शुक्र और सूर्य हैं। यह बहुत शक्तिशाली योग हैं और यदि सोच समझकर काम किया जाए तो आपको काफी सफलता मिल सकती है।

28 मई को बुध के स्वामित्व वाली आगामी राशि मिथुन शुरू हो जाती है। अत इस दिन जन्म लेने पर आपकी मानसिक शक्ति और भी तेज होगी। अपने पर काफी भरोसा होगा। सभी योजनाए रचनात्मक और मौलिक होंगी। यदि ईर्ष्या या गुप्त प्रयासों से आपको क्रोध न दिलाया जाए तो आप बहुत धैर्यवान तथा विनम्र रहेंगे। लेकिन योजनाओं आकाक्षाओं का विरोध होने पर कभी कभी गुस्से से उबल भी पडेंगे। जिस काम में भी लगे हों दृष्टिकोण व्यापक होगा किन्तु किसी प्रकार का हस्तक्षेप चिडचिडापन या आलोचना आपको सहन नहीं होगी। जनता के सामने लाने वाले किसी भी काम में सफल होंग। दफ्तरी या प्रशासनिक काम में ही जैसे अस्पताल सस्थानों और बडे उद्यमों के प्रमुख के रूप में सफलता मिलती रहेगी।

शरीर सुगठित और माप में प्रचुर जीवनी शक्ति होगी। कभी कभी अपनी योजनाओं में अत्यधिक शक्ति लगाने और ठीक से विश्राम या शयन न करने के कारण उसे आघात पहुंचाएगे। जुकाम की उपेक्षा करने से फेफडे और छाती प्रभावित हो सकते हैं किन्तु स्वच्छ हवा और सूर्य स्नान स आप ऐसी बीमारियों से बचे रहेंगे। 28 मई को जन्म होने पर स्नायु प्रणाली अत्यधिक तनावग्रस्त और सवेदनशील हो सकती है। महत्वाकाक्षाए पूरी करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण अक एक दो तथा छ और इन मूलाकों वाली तिथिया हैं।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलाकों वाली तिथियां को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए सूर्य (सुनहरा, नारगी, पीला, भूरा) चद्र (हरा सफेद क्रीम) तथा शुक्र (नीला) के रगों का अधिक से अधिक उपयोग करें। 28 मई को जन्मे व्यक्ति बुध के हलके रगों का प्रयोग कर सकते हैं। भाग्य रत्न हैं

हीरा पुखराज अम्बर चन्द्रकांत मणि जेड और फीरोजा 28 मई वालों के लिए सभी चमकीले नग।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

इसके कारक ग्रह चंद्र, नेप्च्यून और शुक्र हैं लेकिन 29 मई को जन्म लेने पर शुक्र के बजाय बुध के प्रभाव में आते हैं जो नई राशि मिथुन का स्वामी है। चन्द्रमा अपनी उच्च राशि में होने के कारण अधिक प्रभावित करता है। कल्पनाशील रूमानी और कलाप्रिय होंगे। आदर्शवान रहस्यवाद गुप्त विद्याओं और अध्यात्मवाद के अध्ययन की ओर निश्चित झुकाव होगा। ये बातें अपनी ओर आकर्षित करेंगी और जीवन पर काफी प्रभाव डालेंगी। अपनी प्रतिभा को साहित्य कला संगीत और नाटक में व्यक्त करना चाहेंगे।

अपने घर को सुन्दर वस्तुओं से सजाने का प्रयास करेंगे। मनोनुकूल वातावरण से आपके संवेदनशील स्वभाव को संतोष मिलेगा। अपने निवास को कई बार बदलेंगे। मन यात्रा के लिए बेचैन रहा आएगा, लेकिन स्थिर राशि में जन्म लेने के कारण इस इच्छा की पूर्ति में काफी कठिनाई होगी।

20 और 29 मई को पैदा हुए व्यक्तियों के लिए यह कठिनाई इतनी नहीं आएगी। दूसरों के दुख देखकर आपकी सहानुभूति शीघ्र उमड पडेगी। इसमें समय भी खर्च हो सकता है। स्वभाव सहज ही मधुरता लिए होगा। अजनबियों को भी आकर्षित करेंगे और आप नए वातावरण में बहुत जल्द रच खप जाएंगे।

अनगिनत मित्र होंगे इतने कि उनसे भला नहीं होगा लेकिन आमतौर से भाग्यशाली रहेंगे, विशेषकर विपरीत लिंगियों के साथ सम्बन्धों में ही। अद्‌भुत अंत-प्रेरणा होगी और आपके सपने बहुत सच हो सकते हैं।

पृथिवी और उससे पैदा सभी वस्तुएं आपके लिए शुभ रहेंगी लेकिन बहुत अधिक भोग मनोरंजन और अच्छी अच्छी वस्तुएं पाने की इच्छा से सावधान रहना होगा।

आर्थिक दशा बहुत उतार चढाव की रहेगी। कभी भाग्य जोर मारेगा। फिर उतना ही समय उतार का रहेगा। कोई काम ठीक होता दिखाई नहीं देगा।

हर प्रकार की सट्टेबाजी से बचना चाहिए और फिजूलखर्ची की अपनी प्रवृत्ति पर रोक लगानी चाहिए।

स्वास्थ्य के मामले में नजला जुकाम और इन्फ्लुएंजा से सावधान रहना चाहिए। ये श्वासनली फेफड़ों और गल को प्रभावित कर सकती है। मध्यम आयु में नाक की हड्डी बढ़ने की या साइटिक की बीमारी हो सकती है और सुनने में कुछ दोष आ सकता है। सबसे महत्वपूर्ण अक दो सात और छ' हैं। इन्ही मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाए पूरी कीजिए। 29 मई को पैदा हुए लोगों के लिए अक 'पाच' भी इतना ही महत्वपूर्ण होगा।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष दो सात छ मूलाक वाले ही होंगे। एक दो छ और सात मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे। 29 मई को जन्मे व्यक्ति पाच मूलाक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आकर्षित होंगे। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चद्र (हरा सफेद तथा क्रीम) शुक्र (नीला) और नेप्च्यून (कबूतरी तथा शोख) रग के कपडे पहनिए। 29 मई को जन्मे लोग बुध के रग के चमकीले कपड पहनें। आपके भाग्य रत्न हैं जेड पन्ना चद्रकात मणि लहसुनिया मोती फीरोजा, सभी नीले नग। 29 मई वालों के लिए सभी चमकीले नग है।

3 12, 21, 30 मूलाक 3

आपके कारक ग्रह गुरु और शुक्र हैं। यह योग बहुत शुभ है। यदि आप शुक्र या अपने स्वभाव के प्रेम पक्ष को अधिक हावी न होने दें तो बहुत सफल होना चाहिए। अपनी आकाक्षाओं को खुल खेलने का अवसर देना चाहिए और सामाजिक या व्यापारिक क्षेत्र में अपने से ऊचे व्यक्तियों में सम्पर्क बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। हर अन्याय का विरोध करेंगे और जहा सहानुभूति होगी वहा सघर्ष में शोषितों का पक्ष लेने की कोशिश करेंगे। धर्म के बारे में आपके बहुत दृढ और स्वतत्र विचार होंगे। अपना निजी दर्शन बनाना चाहेंगे। अपने सभी विचारों में ओजस्वी और सकल्पवान होंगे तथा अपनी योजनाओं पर अमल में कुछ हठी भी होंगे।

कम आयु में ही विवाह करना चाहेंगे लेकिन सम्भावना यह है कि दो तीन विवाह करेंगे और उनमें आखिरी विवाह सबसे शुभ रहेगा। जीवन में कुछ प्रेम प्रसग असधारण भी हो सकते हैं। स्वभाव हर अर्थ में अत्यत कलाप्रिय होगा। आप चित्रकला सगीत साहित्य और अनेक प्रकार के जनजीवन में श्रेष्ठता का परिचय देंगें किन्तु प्रतिभा इतनी बहुमुखी होगी कि यह निश्चय

करना कठिन होगा कि क्या किया जाये पर और मातृभूमि के प्रति गहरा लगाव होगा। अपने देश के लिए लाभकारी राष्ट्रीय परियोजनाओं को आगे बढाने का प्रयास करेंगे। परोपकारी और धर्मार्थ सस्थाओं की सहायता करग, उनके लिए समय भी देंगे। समाज से सम्मान मिलेगा। अपने सम्प्रदाय के अत्यत सम्मानित सदस्य हो सकते हैं।

आर्थिक मामलों में डर की कोई बात नही। रास्ते में महान अवसर आएगे। न कुछ से भी बहुत कुछ कर लेंगे। एकमात्र खतरा यही है कि दाव लगाने की बडी बडी योजनाओं में अपने साधन गवा सकते हैं। शुरू के वर्ष बीत जाने पर आपका स्वास्थ्य और शक्ति अच्छी रहगी। अधिक परिश्रम और सेवा कार्यों के लिए आपके कार्य ही आपके स्वास्थ्य के एकमात्र दुश्मन होंगे।

आपका मूलमत्र होगा घिसो लेकिन जग मत लगने दो। इसीलिए आप दीर्घायु नही मागेगे। आपमें फेफडों और गले की कमजोरी की प्रवृति रहेगी लेकिन मध्य आयु तक पहुच लेन के बाद आप उससे पार पा लग। सबसे महत्त्वपूर्ण अक तीन और छ हैं। 30 मई को जन्मे व्यक्तिया क लिए पाच भी महत्त्वपूर्ण है। अपनी योजनाए इन्ही मूलाका वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों क प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 30 मई को जन्मे लोगों के लिए पाच अक भी जोड लेना चाहिए। अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु बैंगनी फालसई जामुनी और शुक्र नीला के रग धारण कीजिए। 30 मइ वालों क लिए बुध के हलके और चमकीले रग भी। आपके भाग्य रत्न है कटैला (अमेथिस्ट) बैंगनी रग के नग और फीरोजा। 30 मई वालों के लिए हीरा और चमकदार नग है।

4, 13, 22, 31 मूलाक 4

आपक कारक ग्रह यूरनस, सूर्य और शुक्र हैं। 31 मई को जन्मे व्यक्ति बुध के स्वामित्व वाली मिथुन राशि के प्रभाव में आते हैं। यह विचित्र योग है जो सबसे अलग और असामान्य जीवन की सम्भावना देता है। दार्शनिक लेखकों और सगीतकारों के लिए यह योग अत्यत शुभ है। हो सकता है दुनियावी दृष्टि से आप भग्यशाली न ठहरें। आर्थिक मामलो में अनेक परिवर्तन आते रहने की सम्भावना है लेकिन वे हमेशा आकस्मिक या अप्रत्याशित हांगे।

दूसर लोगों क विचारों क साथ आसानी से मन नही बैठा पाएगे और आपके काम तथा विचारों का आमतौर से विरोध होगा। लेकिन बाधाओं को चीरने और अवसर के अनुकूल ऊपर उठने में अपने सर्वोत्तम गुणों का परिचय देगे। चिंतन में मौलिक होने के कारण नए विचार और तरीके आकर्षित करेंगे। नए आविष्कार या असाधारण बातें भी विवाह भी असाधारण होगा, अधिकतर परीक्षण के लिए या किसी खास उद्देश्य के लिए अपने विचारों और राय पर कट्टर होंगे। निष्कर्ष पर पहुचने के लिए या किसी खास उद्देश्य के लिए अपने विचारों और राय पर कट्टर होगे। निष्कर्ष पर पहुचने के लिए पूरा विश्लेषण और समीक्षा करेंगे। लोगों और वातावरण में आप बहुत रच पच नही सकेंगे। अपने तक अधिक सीमित रहेंगे और कम ही साथियों की चिन्ता करेंगे, लेकिन जिन्हे चाहेंगे उनका पूरा ख्याल रखेगे। बहुत असाधारण कलाकार लेखक या आविष्कारक बनने की क्षमता है लेकिन जो भी करेंगे उस पर आपके गहरे व्यक्तित्व का कुछ न कुछ रंग अवश्य रहेगा। रुपए पैसे के मामले म आपकी अजीब हालत रहेगी। यहा भी अप्रत्याशित के घटने की सम्भावना है। आपके मस्तिष्क से पैदा मौलिक विचार और योजनाए दूसरे लोगों के विचारों से मेल नही खाएगा। असाधारण ढंग से पैसा कमाएगे। आविष्कर्ता या परम्परा से अलग लेखक, चित्रकार या संगीतज्ञ बन सकते हैं। रोजमर्रा का साधारण काम काज आपको आकर्षित नहीं करेगा और दूसरों के साथ मिलकर काम करना अत्यधिक कठिन होगा।

स्वास्थ्य का भी विचित्र दशा रहती है। बीमारी आकस्मिक और अप्रत्याशित होगी। कभी कभी उसका निदान भी कठिन होगा। जैसे पेट में दर्द और मरोड़ अंदरूनी घाव, बिना चेतावनी के नजला जुकाम, इन्फ्लुएंजा फेफड़ों की सूजन आदि का योग है।

हलका लेकिन थोडी थोडी देर में भोजन करना चाहिए और आम भोजन करने के बजाय यह देखना चाहिए कि क्या खाना अनुकूल है?

'चार', 'छ' और 'आठ' अंक आपके मामलों में बार बार आएंगे और महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'छ' मूलांकों वाले होंगे। इन्ही मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 31 मई वालों के लिए 'पांच' का मूलांक भी

महत्त्वपूर्ण है। अपना प्रभाव बढाने के लिए सूर्य (सुनहरा पीला नारगी, भूरा) यूरेनस (सिलेटी और शोख) तथा शुक्र (नीला) के रगों को धारण कीजिए। 31 मई वाले इसमें बुध के सफेद क्रीम और हलके चमकीले रग भी जोड सकते हैं। आपके भाग्य रत्न पुखराज अम्बर हीरा नीलम हैं।

5, 14, 23 मूलांक 5

इसके कारक ग्रह बुध और शुक्र हैं। मानसिक पक्ष के लिए यह एक शुभ योग है। यह मस्तिष्क को असाधारण गहराई मौलिकता और सतर्कता देता है। आप म तर्क करने की अच्छी शक्ति होगी। आलोचना विश्लेषण और निरीक्षण करने वाले रहेंगे। भावना में बहुत स्वतत्र होंगे लेकिन लोगों का और वातावरण का अपने पर किसी तरह का प्रभाव न पडने देकर उनमें बहुत आसानी से रच खप जाएगे। आप बहुमुखी काम वाले होंगे और यदि मन में पर्याप्त दिलचस्पी पैदा कर सकें तो किसी काम में भी सफल हो सकते हैं। किसी एक वस्तु या व्यक्ति से आसानी से लगेंगे नही। फलत जीवन और वृत्ति में अनेक बार परिवर्तन की सम्भावना भी है।

आपके विपरीत लिंगियों का काफी प्रभाव होगा। फिर भी विचित्र बात यह है कि आप उनसे स्वतत्र रहेंगे। आपके अनेक प्रेम प्रसग होंगे लेकिन आप अपने प्रेम पात्रों को बदलते रहेंगे। आप कम आयु में विवाह कर सकते हैं, लेकिन ऐसा विवाह अधिक समय तक टिकने वाला नहीं होगा। उससे आपकी वृत्ति में बाधा और निराशा पैदा होगी।

आर्थिक मामलों में आप अपने मित्रों के लिए और अपने लिए पहेली बने रहेंगे। आप उलट सीधे और असामान्य ढग से पैसा कमाएग। यदि इरादा करें तो आमतौर से पैसा बनाने और सम्पत्ति जमा करने में भाग्यशाली रहेंगे विशेषकर जमीन मकान या सट्टेबाजी के सम्बन्ध में। असामान्य वृत्ति अपनाकर दुनिया में नाम और पद प्राप्त करने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य में आप स्नायुविक परेशानियों के शिकार हो सकते हैं। आपको शल्य चिकित्सक के चाकू का भी कई बार अनुभव करना पड सकता है। सिर चेहरे दातों और जबडे में चोट लगने की सम्भावना है। जननेन्द्रिय कमजोर होगी और सूजन तथा नजले से पीडित होने की प्रवृत्ति रहेगी। लेकिन 23 मई को जन्मे लोगों को ये व्याधिया इतना नहा सताएगी जितना 5 और 14 मई का

जन्मे लोगों को।

सबसे महत्तवपूर्ण अक पाच और छ हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले रहेंगे। इन्ही मूलाकों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव अनुभव करेंगे। अपना प्रभाव बढाने के लिए बुध (हल्के और चमकीले) शुक्र (नीले) और चद्र (हरे क्रीम व सफेद) क रग के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हीरा फ्रीरोजा पन्ना हरा जेड और सभी चमकीले नग है।

6, 15, 24 मूलाक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र और चद्र हैं। आपके लिए आपके स्वभाव का प्रेम पक्ष सम्बन्धी कोई भी मामला या स्वय मानव प्रेम सबसे महत्त्वपूर्ण रहेगा। इसके लिए आप कुछ भी करने कोई भी बलिदान देने या कोई भी कठिनाई झेलने के लिए तैयार रहेंगे ही।

अत्यन्त भावुक समर्पित अपने उद्देश्य के लिए उत्साह में बह जाने वाले होंगे चाहे वह युद्ध या क्राति में घसीट ले जाए चाहे धर्मोपदेशक कलाकार लेखक का शातिपूर्ण मार्ग अपनाए चाहे अपने प्रेमपात्रों के लिए केवल अपना कर्तव्य पालन कर रहे हों कट्टर उत्साह की इस अन्तर्धारा के बिना जीवन में कोई आनन्द ही नही आएगा। वृषभ और शुक्र के सभी गुण और कमजोरिया अपनी पूरी मात्रा में होंगी। आप दुहरे शुक्र के प्रभाव में हैं लेकिन मगल की विरोधी दृष्टि उस पर है। आप पूरी गहराई से या तो प्यार करेंगे या घृणा। आपकी भावनाए आपको देवता बना सकती हैं या शैतान। यदि अपने स्वभाव को अच्छी तरह काबू में नही रखेंगे तो ईर्ष्या से खतरा है। यदि आपका ऐसा खयाल है कि मानवता के भले के लिए क्राति आपके जीवन का उद्देश्य है तो आप उसके लिए कोई कसर उठा नही रखेंगे।

दिल में सुलगती हुई भावना और उत्साह को काबू में रखकर आपका किसी ऊचे आदर्श में अपने को लगाना चाहिए और दुनिया में अपनी निशानी छोड जानी चाहिए। स्वभाव का एक अच्छा पक्ष यह है कि प्रकृति के गहन प्रेमी होंगे।

सुन्दर दृश्यों बागों और फूलों की पूजा करेंगे और अपने घर में अत्यन्त कला प्रेमी होंगे। सगीत और हर प्रकार की कलाए आपको आकर्षित करेंगी और इस दिशा में आप में प्रचुर प्रतिभा होगी। अपने मित्रों को आनन्द प्रदान

करने में सुख अनुभव करेंगे। सामाजिक जीवन में मेलों दावतों और हर प्रकार के तमाशों का आयोजन करने मे विशेष सफल होंगे। बच्चों से बहुत प्यार होगा। अपने बच्चे न होने पर दूसरों के बच्चों को गोद ले लगे। विपरीत लिंगियों के साथ आपकी अनेक दोस्तिया होंगी लेकिन वासना से अधिक उनमे प्रेम और बधुत्व की भावना रहेगी। आप अपनी जवानी बनाए रखेग और जीवन भर युवा दिखाई देंगे।

अनेक सुअवसर प्राप्त होंगे और आम तौर से रुपये पैसे के मामले म अधिक ही भाग्यशाली रहेंगे। यदि व्यापार म जाना पडा तो जीवन को शान शौकत प्रदान करने वाले उद्यमों में अधिक लाभ होगा जैसे घरों की साज सज्जा महिलाओं के शिरोवस्त्र पोशाकें फूल की दूकानें अथवा रेस्तरा या होटल आदि। आपके स्वभाव का दूसरा पक्ष आपको किसी कलात्मक धधे की ओर धकेलेगा जैसे सगीत चित्रकला लेखन रगमच या भाषण कला। इनमें अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। वैसे सुगठित काया से जीवन की शुरुआत करेंगे लेकिन भोग विलास और शान शौकत से रहने की प्रवृत्ति के कारण अपनी कब्र स्वय खोदते दिखाई देंगे। बहुत मिठाइया और गरिष्ठ पक्वान खाकर अपने छरहरे बदन को बर्बाद कर लेंगे।

चर्बी बढ जाने से दिल की बीमारी पकड सकती है। बाद के वर्षों में जलोदर की शिकायत हो सकती है। इच्छा शक्ति से इस पर काबू पाना आपके अपने हाथ म है। फेफडों श्वास नलिका और गले में भी कमजोरी की प्रवृत्ति हो सकती है।

सबसे महतवपूर्ण अक दो तीन और छ हैं। दो का अक बताने का कारण यह है कि चन्द्र मई मास में अपनी उच्च राशि में होता है। नौ का अक इतना शुभ नही है क्योंकि वह आम तौर से विरोध में काम करता है।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष दो और छ' मूलाकों वाले हैं। दो' 'तीन या छ मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी आकर्षण अनुभव करेंगे। अपना प्रभाव बढाने के लिए चद्र (हरे सफेद क्रीम) शुक्र (नीले) और गुरु (बैंगनी फालसई, जामुनी) रग के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न चन्द्रकात मणि, लहसुनिया, जेड उपल पन्ना सभी हरे नग और कटैला भी हैं।

इस अंक के कारक ग्रह नेप्च्यून चन्द्र और शुक्र हैं। 25 मई को जन्म होने पर आप बुध (ओज) के स्वामित्ववाली मिथुन राशि के प्रभाव में भी आ जाएंगे। यह तिथि वृष और मिथुन के संधि काल में है। स्वभाव का विनम्र या अधिक स्वप्नदर्शी पक्ष उभरकर आगे आएगा। 25 मई वालों में प्रबल मानसिक गुण अधिक होंगे। इन ग्रहों का योग आपको विचित्र वस्तुओं के प्रति प्रेम, रहस्यवाद गुप्त विद्या तथा इन विषयों से जुड़ी बातों की ओर प्रवृत्त करेगा। कभी कभी अद्भुत सपने आएंगे अजनबियों के साथ सम्पर्क में विचित्र अनुभव होंगे मानव जाति से सम्बन्धित भावी घटनाओं का आभास होगा। असामान्य ढंग के आविष्कारों की ओर झुकाव होगा। नये विचारों और वायरलैस टेलीविजन रेडियो जैसी वस्तुओं में बहुत सफलता मिलेगी।

किसी प्रकार की एकरसता में आनन्द नहीं आएगा लेकिन असाधारण कामों में या जन कल्याण के मानवीय कार्यों से जुड़ी किसी वृत्ति में सफलता की आशा कर सकते हैं। यदि पास खर्च करने को पैसा हुआ तो उसे क्लीनिक अस्पताल या परोपकारी संस्थाओं की सहायता में लगाना चाहेंगे।

ऐसी गुप्त संस्थाओं या राजनीतिक संगठनों में रुचि लेने की आशा है जिनका विशाल जनसमुदाय से पाला पड़े। लिखने और बोलने का वरदान होगा, जिससे आपको व्यापक क्षेत्रों में पद और महत्व मिलेगा।

जीवन के सामान्य आनन्दों की परवाह नहीं करेंगे और आपके रहन सहन के ढंग से लोग आपको अजीब या सनकी समझ सकते हैं। स्वभाव से दयालु और उदार होंगे लेकिन आप अपने पैसे का क्या करें इस बारे में आपके अपने विचार होंगे। स्वयं को विवाहित जीवन के अनुकूल ढालने में कठिनाई होगी और यदि बचना सम्भव हो, तो छोटी आयु में विवाह मत कीजिए। असाधारण विचारशक्ति होगी और लेखक कवि चित्रकार संगीतज्ञ या आविष्कर्ता के रूप में सफल हो सकते हैं। प्रारम्भिक वर्षों में आपको अनेक असुविधाओं का सामना करना पड़ेगा। इसके बावजूद श्रेष्ठ मानसिक शक्ति की बदौलत, जो भाग्य या अवसर पर निर्भर नहीं होगी, आप काफी आर्थिक सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

आमतौर से अपने को बहुत शक्तिशाली महसूस नहीं करेंगे और परिश्रम

से शीघ्र थकान महसूस कर सकते हैं। अतडियों के मार्ग में भी कुछ गडबडी हो सकती है। भोजन के बारे में पूरी सावधानी बरतिए। जितना स्नायविक बल, धैर्य और सहनशक्ति होगी उतना शारीरिक स्टैमिना नही होगा। कभी कभी उदासी छा जाएगी। निराशा के मूड से बचने के लिए नशीली और उत्तजना देने वाली दवाओं स दूर रहिए।

सबसे महत्वपूर्ण अक सात दो और 'छ हैं। अपने कार्यक्रम या योजनाए इन्ही मूलाको वाली तिथिया को पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाको वाले रहग। दो सात और एक व चार मूलाकों वाली तिथियों का जन्मे व्यक्तियों के प्रति अधिक आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढाने क लिए नेप्च्यून (कबूतरी, शोख) चद्र (हरे क्रीम सफेद) और शुक्र (नीले) के रग के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न पन्ना मोती चद्रकात मणि और फारोजा है।

8, 17, 26 मूलाक 8

शनि चद्र और शुक्र आपके नारक ग्रह हैं। 26 मई को जन्मे व्यक्ति बुध के स्वामित्व वाली मिथुन राशि के सधि काल से पैदा होने के कारण बुध के प्रभाव में भी होंगे। बहुत असाधारण जीवन और वृति की आशा कर सकते हैं या तो बहुत भाग्यशाली और शक्तिशाली रहेंगे या एकदम उलटे रहेंगे। भाग्य की सन्तान कह सकते हैं। परिस्थितिया और वातावरण आपके जीवन में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। दूसरों स स्नेह के लिए लालायित रहेंगे और जीवन में बहुत अकेला महसूस करेंगे। आप अपनी भावनाओं का प्रदर्शन नहीं करेंगे उन्हें व्यक्त करने में भारी कठिनाई होगी। दूसरों के लिए, विशेषकर अपने सम्बन्धियों और प्रेम पात्रों के लिए भारी त्याग करेंग तथापि महसूस करेंगे कि आपको उसका उचित प्रतिदान नही मिला। सम्बन्धी लोग काफी दुःख और हानि पहुचाएगे। सभी प्रम प्रसगों म अनेक गम्भीर परीक्षणों स गुजरना हागा। अपनी निजी महत्वाकाक्षाए पूरी करने में अनक बाधाए और कठिनाइया आडे आएगी। बहुत उचा पद प्राप्त कर सकते हैं किंतु हमेशा काम का भारी बोय या दायित्व डाल दिया जाएगा। स्वभाव चिंतनशील गहन अपने तक सीमित और निजी वृति के बारे में सावधानी का होगा।

26 मई को जन्मे लोग व्यक्तियों और परिस्थितियों में अधिक रच खप

सकेंगे।

• कठार किफायत सावधानी और बुद्धिमानी से किए गए ठास पूजी विनियाग से आपका लाभ हागा शीघ्र अमीरी के नुस्खों या दाव खेलन से नहा। भूमि और खानों के विकास आर मकान खडे करने की भी काफी योग्यता होती है।

शरीर स्वस्थ और कसा हुआ हागा लकिन काफी कुछ उत्साह से रहित। फोडों आतरिक घावों अपेंडिसाइटिस अतडियों में रुकावट आदि की प्रवृत्ति रहेगी। गठिया के गम्भीर दौरे होने की भी आशका है। जहा तक सम्भव हा ऊचे और शुष्क जलवायु वाले क्षेत्र में रहन का प्रयास कीजिए। 'चार' और आठ क अक अनेक असामान्य तरीकों स आपक जीवन में आते दिखाई देंगे। सबस घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हा मूलाकों वाल रहेंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए सूय (सुनहरा, पीला भूरा नारगी) चद्र (हरा क्रीम सफेद) शुक्र (नीला) के रगों को धारण करें। आपके भाग्य रत्न काला हीरा पुखराज अम्बर हरा जड मोती नीलम और फीरोजा हैं।

9 18, 27 मूलाक 9

आपके कारक ग्रह मगल शुक्र और चन्द्र हैं। 27 मई को पैदा होने पर आप मिथुन राशि क सधि काल या बुध (ओज) के प्रभाव में भी आ जाते हैं।

यह असाधारण शक्तिशाली योग आपके जीवन को बहुत घटनापूर्ण बनाएगा लेकिन वह अधिकतर दुस्साहस खतरा, प्यार और रामास पर आधारित होगा। इन गुणों के पीछे अच्छा या बुरा आपका साहस दृढ इच्छा शक्ति और उद्देश्य का सकल्प रहेंगे।

आपमें पर्याप्त सगठन प्रतिभा, बडी बडी महत्त्वाकाक्षी योजनाओं की इच्छा और धन तथा सम्पत्ति जमा करने की योग्यता है किंतु साथ ही अपने सभी उद्यमों में आपके भारी खर्च से दब जाने की प्रवृत्ति है।

आप शक्तिशाली दुश्मन और भारी विरोध पाल लेंगे। कभी कभी खतरे और हिंसा का भी सामना करना पडेगा। आप लम्बी और खर्चीली मुकदमेबाजी के बाध्य होंगे और भारी आर्थिक हानि भी उठा सकते हैं।

यदि अपने पर काबू पा सकें, तो अपने महान गुणों पर काफी लाभ उठा सकेंगे। लेकिन खतरा यह है कि कही मगल आपको धोखा न दे और आपका जल्दबाजी का स्वभाव आपके निर्णय पर हावी हो विरोध खडा कर द।

विपरीत लिगी आपकी ओर आकर्षित होंगे। ईर्ष्या का भी खतरा है। शायद ही आप चोट घाव और सम्भवत हिंसक मृत्यु के बिना पूरी आयु भोग सकें। इस योग के साथ पैदा हुए स्त्री और पुरुष दोनों में मद्यपान की प्रवृत्ति होगी, सफलता के बजाए विफलता की अवधि में अधिक।

आपमें बहुत व्यावहारिक गुण होंगे। प्रबधक निरीक्षक या किसी दायित्वपूर्ण अधिकारी पद की भारी योग्यता हागी। सेना नौसना या सरकारी कार्य मे आप तेजी से उन्नति करेंगे। इच्छा शक्ति और आत्मविश्वास स अपनी हर महत्त्वाकाक्षा को पूरा करने म सफल होंगे।

आप व्यापार में या उद्याग में अच्छा पैसा कमा सकेंगे। अपने जिद्दी स्वभाव पर काबू पा सकें तो पैसा जमा करने के अनेक अवसर भी मिलेंगे अन्यथा आपका यह स्वभाव खर्चीली मुकदमेबाजी और शक्तिशाली दुश्मनों से आपके अच्छे भाग्य को तबाह भी कर सकता है।

अपनी सगठन शक्ति और जनता को प्रभावित करने की योग्यता से आप पैसा बनाएगे लेकिन व्यक्तियों के साथ निपटने और विवाद टालने में नीति से काम लेना सीखना चाहिए।

आप हाजिर जवाब होंगे और योजनाए बनाने में दूरदर्शिता का परिचय देंगे लेकिन विलम्ब या विरोध होने पर धैर्य खो बैठग।

जून

1, 10 19 28 मूलाक 1

आपके कारक ग्रह सूर्य यूरेनस और बुध हैं। 28 जून को जन्म लेने पर मिथुन के बजाय कर्क राशि के क्षेत्र और उसके स्वामी चद्र के प्रभाव में आ जाते हैं। अत्यधिक दयालु और सहानुभूति दिखाने वाले होंगे। सहानुभूति और प्रशसा से आसानी से प्रभावित हो जाएगे जिससे प्राय अहित भी होगा। बहुत सवेदनशील आदर्शवादी और मुखर कल्पनाशील योग्यता वाले होंग। दिमाग बहुत तेज होगा और किमी आपात स्थिति के लिए सदा तैयार रहेगा।

महत्वाकाक्षी होंग और अपनी महत्वाकाक्षाए पूरी करने में आपको भारी कठिनाइयों से गुजरना होगा। एक ही समय में दो व्यवसायों में लगे होने की सम्भावना है लेकिन अपने ढग से काम करेंगे क्योंकि दूसरों का हस्तक्षेप सहन नहा कर सकते। दुहरे स्व नाव के होंगे आर दूसरे लोगों के लिए समझना कठिन होगा।

चचल हमशा गतिशील और यात्रा तथा परिवर्तन की तीव्र इच्छा लिए रहेंगे। इसके बावजूद विज्ञान का सभी समस्याओं में गहरी दिलचस्पी लेते रहेंग। अच्छा तर्क करने वाले और बाल की खाल निकालने वाल होंगे।

अध्ययनशील भी होगे और स्वय को लेखक के रूप में अभिव्यक्त करना चाहेंगे। मन में सुखद घरेलू जीवन की इच्छा होगी और उसके लिए पूरा प्रयास भी करेंगे लेकिन इसमें भारी कठिनाइया आने की सम्भावना है। हर समय किसी न किसी काम में लगे रहेंगे और बहुमुखी प्रतिभा वाले होंगे।

28 जून को पैदा होने पर आपका व्यक्तित्व बडा आकर्षक होगा और अपने विचारा म असाधारण रूप से स्वतत्र होंग।

अपनी आर्थिक सफलता के लिए लेकिन अपन ही मानसिक प्रयासों से आपके सहयोग बहुत अच्छे हं। शेयरों और उद्योगों के उतार चढाव क बारे म पूर्वाभास हो जाया करेगा। सट्टेबाजी और दाव लगाने की ओर प्रबल झुकाव होगा। अपने निजी विचारों और अतप्रेरणा पर चलें, ता सफल होने की सम्भावना है।

शरीर तगडा न होकर—दुर्बल और मोटा न हाकर छरहरा होगा। अपने स्नायुओं से काम लेंगे और कभा कभी अत्यधिक परिश्रम से बिजली की तरह चुक लेंगे। फिर स शक्ति लाने के लिए विश्राम और निद्रा का आवश्यकता होगी।

अपच के अलावा कोई खास बीमारी नहीं हागी। बचपन में फेफडों में परेशानी की भी शिकायत हो सकती है।

सबस महत्वपूर्ण अक एक 'चार' और पाच हैं। महत्वपूर्ण योजनाए और कायक्रम इन्हीं मूलाकों वाली तिथियों पर करन का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्ही मूलाकों वाल रहेंगे। इन्हा मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे 28 जून को जन्मे व्यक्ति दो

और सात मूलाकों वाले व्यक्तियों के प्रति भी ऐसा ही अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला भूरा नारंगी) यूरेनस (सिलेटी) ओर बुध (हलके-चमकीले) के रंगों के कपडे पहनिए।

28 जून को जन्मे लोग हरे विशेषकर हलके रंग के कपडे भी पहन सकते हैं। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा पुखराज अम्बर नीलम और चमकीले नग। 28 जून वालों के लिए चन्द्रकांत मणि महसुनिया और मोती भी।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

आपके कारक ग्रह बुध ओज के साथ चंद्र और नेप्च्यून हैं। 29 जून को जन्म लेने पर बुध के बजाय चंद्र के प्रभाव में आते हैं। अधिक नम्र और कल्पनाशील गुणों की अधिकता रहेगी। आम तौर से नए विचारों को ग्रहण करने के लिए तैयार रहेंगे। उदार विचार वाले और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाले है। लडाई झगडे या युद्ध से आपको स्पष्ट घृणा होगी। कूटनीति से या बातचीत से झगडे निपटाने में कुशल होंगे लेकिन प्राय कठिन परिस्थितियों में फस जाएगे। कूटनीति या कला से जुडा व्यवसाय अपनाना चाहिए। पुस्तकों साहित्य और इतिहास से आपको गहरा प्रेम होगा।

बहुत यात्राए करेंगे और अनेक बार स्थान तथा लिबास बदलेंगे। साहित्य में सफल हो सकते हैं। समरस या व्यापारी ढंग का जीवन अनुकूल नही होगा। आजीविका के लिए लेखकों के या कलाकारों के लिए लिखा पढी करना स्वय साहित्य रचना विशेषकर कल्पनाशील ढंग का ठीक रहगा।

आर्थिक मामलों में आप बहुत समझदार नहीं हो सकते। धन खींचने के काम के नही हैं। मानसिक बुद्धिजीवी वर्ग के हैं और यदि तत्काल जरूरतें पूरी करने लायक पैसा मिल जाए तो धन की अधिक चिंता नहीं करेंगे। सपनों की दुनिया में रहने वाले आशावादी वर्ग से हैं किन्तु अक्सर सपने सच में बदल जाने की सम्भावना है।

आपको ग्रह योग बहुत तगडा या शारीरिक दृष्टि से मजबूत होने का आश्वासन नहीं देता। पेट का ऊपरी भाग कमजोर होने की सम्भावना है।

भोजन पर ध्यान देना और सोच समझकर खाना ठीक रहेगा। इससे आप गम्भीर बीमारी से बचे रहेंगे और लम्बी आयु भोग सकेंगे हालांकि बहुत ताकतवर कभी नहीं रहेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण अक योजनाए और आकाक्षाए पूरी करने के लिए 'दो और सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष दो और 'पाच' मूलाकों वाले रहेंगे। दो पाच और सात मूलाकों वाली तिथियों को और एक तथा चार' मूलाकों वाली तिथियों को भी पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

प्रभाव बढाने के लिए चद्र (हरा, क्रीम, सफेद) नेप्यचून (कबूतरी शोख) और बुध (हलके चमकीले) के रगों के कपडे पहनिए।

आपके भाग्य रत्न हैं जेड चन्द्रकात मणि लहसुनिया मोती, नीलम हीरा और चमकीले नग।

3, 12, 21, 30 मूलाक 3

इसके कारक ग्रह बुध के साथ गुरु हैं। 30 जून को जन्मे व्यक्ति कर्क राशि के प्रभाव में आते हैं जिसके स्वामी चन्द्र और नप्यचून है। सबसे प्रमुख गुण अपने काम को सफलता तक पहुचाने की आकाक्षा होगा। इसमें काफी ऊचाइयों तक पहुच सकते हैं फिर भी कभी सतुष्ट नही होंगे। अत तक उस दिशा में सोचते रहेंगे। पर्याप्त सगठन कुशलता है। बडे व्यापार के प्रभुत्व या सरकारी नगरपालिकाओं बडे निगमों आदि के अधिकारी रूप में अच्छा काम कर सकते हैं छोटे तौर पर यात्री या किसी व्यापारिक सस्थान के प्रतिनिधि के रूप में और नए आविष्कारों का प्रचार कर सफल होंगे। जहा जाएगे दोस्त बना लेंगे और लोगों को शीघ्र प्रभावित कर लेंगे। अपनी बहुमुखी प्रतिभा से आप श्रोताओं को मत्रमुग्ध कर लेंगे।

किसी भी विषय पर बोल सकते है। दिमाग में आविष्कार का रुझान है। विमान यात्रा टेलीविजन बायरलेस या खोज सम्बन्धी सभी मामलों में आपके दिलचस्पी लेने की सम्भावना है। इसमें और साहित्यिक तथा वैज्ञानिक काय में आपको भाग्यशाली रहना चाहिए।

आसानी से धन कमाने, सम्पत्ति जमा करने और ऊचे पद प्राप्त करने की स्थिति में होना चाहिए लेकिन फिर भी कभी सतोष नही होगा और कुछ ऐसी बात की लालसा करते रहेंगे, जो पहुच से बाहर होगा। रुपए पैसे के मामले में अत्यत उदार होंगे।

परोपकारी सस्थाओं को पैसा देकर और अपने सम्बन्धियों तथा

ससुरालिया की सहायता कर जमा पूजी कम कर लेने की प्रवृत्ति बनी रहेगी।

अधिक परिश्रम या थकान से आपमें स्नायुविक टूटन की प्रवृत्ति रहेगी। शीघ्र बीमार पड जाएगे लेकिन उतनी ही जल्दी ठीक भी हो जाएगे।

भारी सिरदर्द मानसिक रोगों फफेडे में गडबड या श्वास लेने में आम परेशानी से आप पीडित हो सकते हैं। आखों के प्रति विशेष सावधाना बरतनी चाहिए।

चश्मा पहनना पडे तो बदलते रहिए जिससे आखों पर जोर न पडें। बदन इकहरा होगा आप लम्बे समय तक थकान का अनुभव करते रहेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण अक तीन और पाच हैं। 30 जून को जन्म व्यक्ति 2 6 अकों को भी काम में ले सकते हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष तीन के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

30 जून को जन्मे व्यक्ति दो सात मूलाकों वालों के प्रति भी आकर्षित होंगे। अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु (बैंगनी फालसई जामुनी) और बुध (हलके चमकीले) के रगों को धारण कीजिए। 30 जून वाले इनमें हरे रग के वस्त्र जोड सकते हैं।

आपके भाग्य रत्न कटैल बैंगनी नग हीरे और चमकीले नग हैं। 30 जून वालों के लिए कटैला और बैंगनी नग के साथ मोती चन्द्रकात मणि और लहसुनिया भी ठीक है।

4, 13 22 मूलाक 4

इस अक के कारक ग्रह बुध के साथ यूरेनस और सूर्य हैं। यूरनस और बुध के प्रभाव से जीवन असामान्य रहने की सम्भावना है। अलग व्यक्तित्व होगा। खास लोगों या वस्तुओं को ही पसन्द करेंगे। आकस्मिक और अप्रत्याशित घटनाए जीवन में सबसे बडी भूमिका निभाएगी। अपने सभी कामों में भारी मौलिकता का परिचय देंगे। नई खोजों नए विचारों समाज सुधार और अमममान्य अध्ययन के लिए अद्भुत अतःप्रेरणा या रुझान प्राप्त होने की सम्भावना है। टेलीविजन, टेलीपैथी बिजली वायु तथा विमान यात्रा सम्बन्धी खोजों जैसे विषयों की ओर आकर्षित होंगे। सरकारी समस्याओं और सामाजिक प्रश्नों के बारे में विचित्र विचार होंगे। विमानों तूफानों बिजली और हवा से जुडी सभी वस्तुओं से खतरा हो सकता है। जब तक अपनी विचारधारा

वाला साथी ही न मिले विवाह आपके लिए शुभ रहने की सम्भावना नही है।

रहस्यवाद की किसी शाखा की ओर आकर्षित होने की सम्भावना है। ऐसा हुआ तो साहित्यिक कृतियों द्वारा और सम्भवत भाषणों द्वारा भी उसे जनता के सामने ला सकेंगे।

सम्बन्धियों की ओर से काफी चिढ और परेशानी होने की सम्भावना है। बहुत स्वतन्त्र स्वभाव के होने के कारण उनसे अलग होकर रहना पसद करेंगे। काफी मुकदमेबाजी का सामना करना पडेगा।

कुछ अजीब और अनिश्चित हालत होगी। अकस्मात् धन प्राप्त कर सकते हैं लेकिन उसे हाथ में रख पाने की सम्भावना नही है। विचार अपनी पीढी से बहुत आगे होंगे। दाव खेलन की इच्छा होगी लेकिन आम तौर से आप पिछडे लोगों की सहायता करना चाहेंगे। आपके सबसे अच्छे अवसर बिजली सम्बन्धी खाजों वायरलेस रेडियो टेलीविजन टेलीफोन सिनेमा कोई असाधारण इमारत बनाने में और साहित्य या अत्यन्त कल्पनाशील रचना में भी हैं।

तगडे होन की सम्भावना नही है लेकिन रहस्यमय बीमारिया होगी। डाक्टरों की बातों म आसानी से नही आएगे और बार बार उन्हें बदलेंगे। दवाओ के प्रति अत्यत सवेदनशील रहेंगे। जरा सी दवा भी शरीर पर बडा असर करेगी।

अपने पर अनेक प्रयोग करेंगे विशेषकर मानसिक उपचार में। नए ढग के अच्छे डाक्टर बन सकते हैं लेकिन काफी विरोध और गलतफहमी होगी। तब गए अब गए, वाली स्थिति म रहने पर भी दीर्घजीवी होने की आशा है।

सबस महत्त्वपूर्ण अक चार' और पाच हैं।

तीन का अक और तीन मूलाक वाली तिथियों को पैदा हुए लोग भी आपके जीवन में अक्सर आएगे लकिन विरोध की परिस्थितियों में अधिक।

आप इस अक का काम म लेने स बचिए। 'आठ के अक को भी टालिए।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष चार' और पाच मूलाकों वाले होंगे। चार' और एक मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। अपना प्रभाव बढाने के लिए बुध (हलके चमकीले) और यूरनस

(सिलेटी व शाख) के रगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न नीलम हीरे और सभी सफेद या चमकीले नग हैं।

5, 14, 23, मूलांक 5

यह अक दुहरा बुध होने से इन तिथिया को पैदा हुए व्यक्तियों पर बुध का प्रभाव दुगना हो जाता है। दिमाग अत्यत चचल साधन सम्पन्न और तत्काल सोचने तथा अमल करने वाला हागा। धीमी गति से आगे बढ़ेंगे और एकरस काम को नापसद करेंग। ऐसे साझेदार या सहयागी पाना कठिन होगा जिनके साथ जमकर काम करें। फलस्वरूप यह आशा करनी चाहिए कि जीवन या वृत्ति अनेक बार परिवर्तनों से प्रभावित होगा। शीघ्र धन कमाने की सभी योजनाए आकर्षित करेंगी विशेषकर जब जून के मध्य में जन्म हो।

रुझान सट्टबाजी में हागा। शेयरों में या ऐस व्यापार म जोखिम उठाना चाहेंगे जिसमें तत्काल पैसा आने का आश्वासन रहे। कभी भारी सफलता भी मिलेगी और फिर अनेक दुर्भाग्यों से पाला पडगा। फलस्वरूप यदि सम्पन्न परिवार में पैदा नही हुए है ओर सम्पत्ति दूसरों के नियत्रण में नही है तो दुर्दिनों के लिए जो आते ही हैं पैसा बचाकर रखना चाहिए।

अत्यन्त चचल होंगे। कई बार घर बनाएगे लेकिन उनमें अधिक काल तक टिकंगे नही। यात्रा की बलवती भावना होगी, एक क्षण की सूचना पर चल देने के लिए तैयार रहेंगे और सबस तेज वाहन पकडेंगे।

विमान एक्सप्रेस गाडी और तीव्रगामी कारों से चलना नियति का अग होगा।

गति के लिए हर क्षण जीवन को खतरे में डालने को तैयार रहेंगे। कई बार बाल बाल बचगे लेकिन आमतौर से ऐसे मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। लोगों में दिलचस्पी अधिक समय तक नही रहेगी। अपनी सवेदना में अति उदार होंग लेकिन मुख्य गुण आखों से दूर होगा।

दुहरे स्वभाव वाले होंगे। प्राय सदा दो या अधिक कामों में उलझे रहगे। एक ही साथ दो व्यक्तियों को प्यार करेंगे और यह निश्चय नही कर पाएग कि किसे अधिक प्यार करते हैं। जीवन में किसी समय दो परिवार रखने और दो विवाह करने की भी सम्भावना है। शीघ्र सोचने वाला कुशल दिमाग भारी अवसर प्रदान करेगा।

कभी बहुत सम्पन्न होने की आशा और कभी इसका ठीक उलटा। जब पैसा होगा आप दानों हाथों से लुटाएगे। जब नही होगा तो विपन्नता म ही गुजारा कर लगे। दरअसल सबसे बडा खतरा यही है कि स्वभाव से दूसर व्यक्तिया और परिस्थितियों में तत्काल रच खप जाते हैं।

अपने स्वभाव पर काबू पा सके तो जिस उद्यम उद्योग या काम से सम्बद्ध हाग उसी में आसानी से सफलता प्राप्त करेगे। यह उन सभी लोगों के लिए बहुत शुभ लोगों के लिए बहुत शुभ ग्रहयोग है जिन्हें जनता की निगाह में आना हाता है।

आप स्वास्थ्य के मामले में अपने दुश्मन स्वय हागे। शरीर उत्तम किन्तु अति सवेदनशील होगा। हर प्रकार से अपनी शक्ति का बहुत अपव्यय करगे। चलते रहने के लिए कभी कभी उत्तेजक दवाओं का भी प्रयोग करगे, जो पाचन अगों को हानि पहुचाएगी। कायदे कानूनों से घृणा करते हैं इसलिए अपनी चर्या में नियमित नही होंगे।

दिन रात में कभी खा सक्ते है और जब मिल जाए सो सकते हैं। इस प्रकार अपने शानदार स्वास्थ्य को चौपट कर सकते हं। आपको स्नायुओं की परशानी पलकें झपकाने जिह्वा या बोलने में कुछ दोष गडबडी छाजन और त्वचा की बीमारिया हो मकती हैं।

सबसे महत्त्वपूर्ण अक पाच है। सबसे घटनापूर्ण वप इसी मूलाक वाले रहेंग। इसी मूलाक वाली तिथिया को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे। आपको बुध के हल्के चमकीले रगों के कपडे पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हीरा ओर सभी सफेद चमकीले नग हैं।

6 15, 24 मलाक 6

कारक ग्रह शुक्र और बुध हैं। जहा तक जनता की निगाहों में आने की बात है यह एक बहुत शुभ ग्रह योग है। आप एक से अधिक सूत्रों से धन प्राप्त करेंग और जीवन में बडे बड अवसर पाएगे। इस ग्रहयोग वाला एक वर्ग निश्चित रूप से कल्पनाशील होता है और सगीत कला या साहित्य में और अच्छे वक्ता या धर्म प्रचारक के रूप में सफल होता है।

सफलता और यश की आशा कर सकते हं किन्तु भाग्यवाद की अतर्धारा के साथ जो कभी कभी आपको निराशा और उदासी के दौर से गुजारगी।

आप में प्रबल आकर्षण है विपरीत लिंगी आपकी ओर सबसे अधिक आकर्षित होंगे। अनेक असाधारण प्रेम प्रसंग और रोमांस होंगे तथा जीवन घटनापूर्ण रहेगा। किसी प्रकार के अंकुश को पसन्द नहीं करेंगे। मन में स्वतंत्रता की तीव्र उत्कंठा और अपने साथियों को ऊपर उठाने की आकांक्षा रहेगी।

रुपए पैसे के मामले में आपके भाग्यशाली रहने की अधिक सम्भावना है। आपको अनेक उपहार और सम्पत्ति विरासत में मिलेगी।

आपके संवेदनशील स्नायुओं के पीड़ित होने की सम्भावना है। कभी कभी हाई फीवर श्वास नली में सूजन और दमे की शिकायत हो सकती है। सबसे महत्त्वपूर्ण अंक छः और पांच है। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका लगाव होगा। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हलके चमकीले) और शुक्र (नीले) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा मोती पन्ना फीरोजा सभी नीले और चमकीले सफेद नग।

7, 16, 25 मूलांक 7

कारक ग्रह नेप्च्यून चंद्र और बुध हैं। आपका स्वभाव दूसरों के विचारों के लिए अति ग्रहणशील होगा हालांकि अपने स्वभाव के इस पक्ष को आप तानाशाही ढंग से छिपाने की कोशिश कर सकते हैं। दिल में आप असाधारण आदर्शवादी संवेदनशील उदात्त विचारों वाले काव्य प्रतिभा के धनी स्वप्नदर्शी और भावी घटनाओं का पूर्वाभास पा जाने वाले होंगे। रहस्यवाद के प्रति मन में गहरा आकर्षण होगा। इस दिशा में आपके अनेक असामान्य अनुभव रहेंगे। आप की आकांक्षाएं आम नहीं होंगी। वे इतनी प्रबल होंगी कि अपने आस पास के व्यक्तियों को भी प्रभावित कर सकेंगी।

आप नए विचारों के किसी रूप मनोविज्ञान झाड़ फूंक और ऐसे अध्ययनों में ठीक रह सकते हैं। इन पर अच्छी तरह बोल या लिख सकते हैं या इन गुणों को आप लोगों में छिपाकर रख सकते हैं।

आप में लम्बी यात्राओं के लिए विशेषकर जल मार्ग से प्रबल उत्कंठा रहेगी। समुद्र नदी या झील के निकट रहना आपको सबसे भला लगेगा। इस सहयोग में पानी से दुर्घटनाओं या डूबकर मृत्यु की भी सम्भावना है। सांसारिक दृष्टि से निकट सम्बन्धियों द्वारा पैदा की गई परेशानियों के कारण पारिवारिक

जीवन काफी अस्त व्यस्त रहने की सम्भावना है। विवाह के बहुत शुभ होने की आशा नहीं है। ऐसे मामलों में आपके बारे में काफी गलतफहमी रहेगी।

जितना हो सके बुढापे के लिए पैसा बचाकर अलग रख लेने का प्रयास करना चाहिए। आपको षडयत्रकारी बेईमान् लोग धोखा दे सकते हैं। आप प्रकृति के हर रूप में प्यार करेंगे। कला में आकी गहरी रुचि होगी और आप विचित्र तथा सुन्दर वस्तुओं का सग्रह करना चाहेंगे।

25 जून को कर्क राशि के सधि काल में जन्म लेने पर आपके खून में और भी अधिक घुमक्कड प्रवृत्ति होगी और आप परिवर्तन तथा समुद्र यात्राओं में प्रेम करेंगे।

रुपए पैसे के मामले में विचित्र अनुभव होने की सम्भावना है। आपके लिए वसीयत में छोडा गया धन धोखा देकर कोई आपसे ले लेगा और आपको उसका उचित भाग मिलने में कठिनाई होगी।

आर्थिक दशा बहुत अनिश्चित सी रहेगी। आपको सट्टेबाजी के फेर में कभी नही पडना चाहिए जो कुछ पास हो उसे सावधानी से बचाकर रखना चाहिए।

मन के शरीर पर प्रभाव से आपको कुछ विचित्र अनुभव होने की सम्भावना है। चिन्ता या दुखद वातावरण से पेट और पाचन अग शीघ्र गडबडा जाएगे। समय समय पर निराशा और उदासी की प्रवृत्ति आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। आप जुकाम फेफडों की कमजोरी और दुर्बल रक्त सचार के शिकार होंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक दो पाच और सात हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष दो और सात मूलाकों वाले रहेगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति आप आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए चद्र (हरा क्रीम सफेद) दूध (हलके चमकीले) और नेप्च्यून (कबूतरी) के रग के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, मोती, चद्रकात मणि हीरा।

8, 17, 26 मूलाक 8

आपका बुध के साथ शनि कारक ग्रह है। 26 जून को पैदा होने पर आप कर्क राशि के सधि काल में आते हैं और उसके गुण आपके स्वभाव में प्रमुखता

से रहेंगे। आप में भाग्यवादी गुण अधिक प्रकट होंगे। आपके सभी काम प्रबल व्यक्तिवाद से प्रेरित रहेंगे। आप बहुत कुछ भाग्य की सतान रहेंगे और आप पर ऐसी परिस्थितियों तथा दशाओं का प्रभाव होगा, जिन पर आपका बहुत कम या बिल्कुल काबू नहीं होगा।

दुर्भाग्यपूर्ण कानूनी मामलों में फसने की सभावना है और यदि आप अधिकतम सावधानी नहीं बरतेंगे तो वे आपके विरुद्ध जा सकते हैं।

आप दुष्प्रचार बदनामी और गुप्त शत्रुओं से अपना बचाव करने के लिए बाध्य होंगे तथा पड़ोसियों, सजातीयों और निकट सबन्धियों के साथ परेशानी में उलझेंगे। आप महसूस करेंगे कि सकट काल में बहुत कम मित्रों पर आप भरोसा कर सकते हैं। आप बधनकारी वातावरण से मुक्त हो सकें और दूसरे लोगों के मामलों से स्वतन्त्र हो जाए तो आप पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं विशेषकर विज्ञान गणित, गम्भीर साहित्य में और दर्शन या किसी धर्म के अध्ययन में।

अपने व्यवसाय या ध्येयपूर्ति में आपका अकेले रहना ही अच्छा है क्योंकि दूसरे लोग आपको काफी गलत समझेंगे। अपने विषय के आप गहन चिंतनशील छात्र होंगे। हर बात में बाल की खाल निकालेंगे। छोटी छोटी गलतियों से काफी चिढ महसूस करेंगे।

नए विचारों के शौकिन होंगे, लेकिन आपके विचार आपके आसपास के लोगों से अलग रहेंगे।

परेशानियों और गलतफहमियों के बीच अपने को शान्त रखने के लिए आपको जीवन के प्रति दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जहा तक सम्भव हो विमान से यात्रा करने से बचें।

धन के बारे में आप समय और सतर्कता से काम लेंगे। व्यापार में धीर गम्भीर उपाय पसद करेंगे और धीरे धीरे तथा कुछ कष्ट के साथ भी पैसा बनाएंगे।

अपने में सीमित रहेंगे और बहुत कम लोगों का विश्वास करेंगे। सावधानी के बावजूद आपको हानि उठानी पडेगी और जहां रहेंगे वहा नौकरों तथा भाडे पर लगे लोगों द्वारा चोरी के शिकार हो सकते हैं। स्नायुविक प्रणाली आपको सबसे अधिक परेशान करेगी। क्रोध चिन्ता या निराशा के प्रभावों से

आप शीघ्र अस्त व्यस्त हो जाएगे और आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पडेगा। अतडियों में गडबड रक्त में विष और नशीली वस्तुओं से पीडित हो सकते हैं। हरी शाक सब्जिया खूब खाइए और ढेर सा पानी पीजिए। आप सिर दर्द से भी पीडित हो सकते हैं। आखों की ठीक से देखभाल कीजिए।

सबसे महत्वपूर्ण अक 'आठ और चार' हैं लेकिन आपको यथासभव उनसे बचने का प्रयास करना चाहिए। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्ही मूलाकों वाले रहेंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति आपका लगाव होगा।

प्रभाव बढाने के लिए गहरे काले रगों के वस्त्रों से बचिए और हलके रगों के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न काला मोती काला हीरा काला नीलम है।

9, 18 27 मूलाक 9

इसमें बुध (ओज) के साथ मगल आपका कारक ग्रह है। आपको गहरी तीक्ष्ण बुद्धि प्रदान करेगा लेकिन मानसिक रूप से आपको झगडालू और बहस करने वाला बना सकता है। मुहफ्ट होंग और वाग्बाणों से चोट पहुचाकर लोगों को शत्रु बना लेगे। आविष्कारक, यान्त्रिक और विचक्षण बुद्धि वाले होंग। रसायन गणित और विज्ञान से आपका प्रेम होगा। डायनमो जैसी बिजली रहेगी जिसकी चिनगारिया चारों ओर छिटकती दिखाई देंगी। लेखन और आत्म अभिव्यक्ति में अपनी साफगोई और व्यग्य शैली से आप काफी विरोध पैदा कर लेंगे। सम्बन्धियों से आपका तनाव रहेगा और भाइयों बहनों तथा परिजनों से परेशानी।

बहुमुखी प्रतिभा वाले और कुशल होंगे किन्तु लीक पर चलना आपके बस का नही होगा। आप स्वतत्रता प्रेमी होंगे और किसी भी अकुश का विरोध करेंगे।

जुलाई

1, 10, 15, 28 मूलाक 1
व
2, 11, 20, 29 मूलाक 2

आपके कारक ग्रह चद्र सूर्य, यूरेनस और नेप्चून हैं। आप में

कल्पनाशील गुण अधिक प्रकट होगे। आप बडे बडे सपने देखेंगे और सम्भावना यह है कि पूरे होगे। आप अपना हर काम उत्साह से करगे और दूसरों के लिए कायदे कानून बनाने म अत्यन्त तानाशाही रुख का परिचय देंगे। आप ऐसी नाटकीय परिस्थितिया पैदा कर देंगे जिनमें आपकी प्रमुख भूमिका रहेगी ओर आपका नाम फैलेगा।

मन से आप कलाप्रिय ज्ञानी और भावुक होगे। आप कविता साहित्य सगीत और नाटक के प्रेमी होंगे। दूसरो की भावनाओं को जगाने की आप में काफी योग्यता रहेगी। आप एक रस जीवन को नापसद करेंग। अन्य देशों को देखने के लिये समुद्र यात्राए करना चाहेंगे और सफलता प्राप्त करगे। कभी कभी आप तेज तर्रार भी हो सकते है ओर अपनी रूखी वाणी मे लागों को दुश्मन बना लेंगे।

लेखक सगीतज्ञ या कलाकार के रूप में आप भारी कल्पनाशक्ति का परिचय दगे और आपकी प्रतिभा बहुमुखी होंगी।

आप क्यूरियोज पुरावस्तुओं पुराने फर्नीचर आदि क शोकीन होगे और जहा तक हो सकेगा उनका अधिक मे अधिक सग्रह करेंगे। आप नदियों झीलों और समुद्र के निकट रहना पसद करेंग। यात्रा कथाए पढने क बहुत शौकीन होंग और विदेशा के बारे में काफी जानकारी पैदा कर लेंग आप अपना कोई अलग रास्ता बनाएगे। जो भी वृत्ति अपनाएगे, उसके आपके किसी प्रमुख पद पर पहुचने की सम्भावना है।

आर्थिक दशा भी बदलती हुई रहेगी। अनिश्चय की भावना रहने की सम्भावना है। पैसा पैदा करने के लिए किसी भी अवसर का लाभ उठा लेन की इच्छा होगी। अत में एक दुश्चक्र बन जाने की सभावना है जो आयु के साथ बदतर हो सकता है। आपको आर्थिक मामलों में अत्यन्त सावधानी स काम लेना चाहिए। सट्टेबाजी और दाव लगाने के सभी प्रयासों से बचिए। वैसे मूलाक 1 पर यह लागू नही होता है।

धीरे धीरे ही सही पूजी जमा करने का प्रयास कीजिए। शीघ्र धन कमाने की योजनाओं से दूर रहिए। हो सके तो जमे-जमाए कारोबार से अपने को जोडिए या उसके लिए काम कीजिए। आपके मह जहाजरानी आयात निर्यात माल तथा मनुष्यों की ढुलाई या अविकसित देशों की खोज जैसे कामों क लिए

शुभ है।

स्वास्थ्य का विश्लेषण कर पाना कठिन है या तो बहुत तगड़े और गठीले होंगे, या एकदम उलटे। 29 जुलाई वाले व्यक्ति दूसरे वर्ग में आते हैं। ये अगली राशि सिंह में प्रवेश कर चुके होते हैं। यह बहुत सम्भावनाओं वाली राशि है लेकिन सफलता के लिए उनकी प्रबल महत्त्वाकांक्षा को जगाना होगा।

आप 2, 11 या 20 जुलाई को पैदा हुए हैं तो चंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगा। आप अपने वातावरण के प्रति अत्यंत संवेदनशील होंगे। यदि [illegible] भाग्यशाली और अनुकूल हुआ तो आप बीमारी में अधिक परेशान [illegible] जीवन काट देंगे।

इसके विपरीत यदि निराशाजनक या दुखद परिस्थितियां [illegible] बीमारियों से काफी कष्ट उठाना होगा। आम प्रवृत्ति अदरूनी [illegible] ऐंठन की रहेगी। आंतों में फोड़े रुकावट या बंध की भी [illegible] तिथियों को पैदा हुए पुरुष और स्त्री दोनों के लिए बहुत [illegible] अधिक से अधिक पानी पीना लाभकारी रहेगा। [illegible] बन्धन नहीं है।

सबसे महत्त्वपूर्ण अंक एक दो और [illegible] दो और सात मूलांकों वाले रहेंगे। एक, [illegible] तिथियों को जन्म व्यक्तियों के प्रति आप [illegible] के लिए 3 5, 9 शुभ हैं और प्रिय।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र [illegible] नारंगी भूरा) और नेप्च्यून (कनुदरे व [illegible], [illegible] भाग्य रत्न हैं जेड, मोती, चंद्रकांत [illegible] लिए नीलम।

आप अपने से छोटे और समकक्ष दोनों लोगों में लोकप्रिय होंग विशेषकर यदि आप समय समय पर मिलन वाले दायित्वों को कधे पर ले लें। आप जीवन को अधिक ऊचे और बौद्धिक धरातल स देखेंगे। दूसरों पर अधिकर के पदों सरकारी नगरपालिका या सार्वजनिक कार्यों या बडे उद्यमा क प्रमुख के रूप में आपका अच्छी सफलता मिलनी चाहिए। परिवार और देश के प्रति आपके मन म बहुत गहरा प्रेम हागा और साथ ही यात्रा कर दूसरे देशों की दशा जानकर ज्ञान बढाने की मन में प्रबल उत्कठा होगी।

आप उद्यम या व्यापार खडे करन में बहुत सफल होंगे, किन्तु इतनी ही आसानी से किसी पेशेवर सार्वजनिक या राजनीतिक जीवन को अपना सकगे। प्रारम्भिक जीवन म सम्भवत आपको ऊपर उठन में कठिनाई हो और हर लाभ के लिए अपने भरोसे रहना पडे।

ऐसा हुआ ता करीब 30 या 35 वर्ष की आयु तक आपका मार्ग कठिन हा सकता है उसके बाद भाग्य आपका पूरी तरह साथ देगा। आप अपन समाज या देश से सम्मान और जिम्मेदारी क पदों की आशा कर सकते हैं। रुपए पैसे के मामले म डरने की कोई आवश्यकता नहीं। एक बार प्रारम्भ क वर्ष कटे और नीव फल मिलने शुरू हुए आप सम्पत्ति आर पद दोनों प्राप्त करगे।

शरीर स्वस्थ होगा और जीवन के प्रति प्रसन्न दृष्टिकोण से ठीक रहेगा। आप सयमी और नियम से चलने वाले होंगे और बहुत गम्भीर बीमारियों के शिकार होंगे। यथासम्भव अधिक से अधिक बाहर जाते रहग। आपके साथ सबसे बडा खतरा यह है कि अपन कधों पर बहुत अधिक जिम्मेदारिया उठा लेंगे और अतिश्रम से अपनी आयु का कम कर लेंग।

सबसे महत्त्वपूर्ण अक ता दो और 'सात है। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले रहेंग। इन्ही मूलाकों वाली तिथिया को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु (बेंगनी फालसई जामुनी) और नप्पचून कबूतरी व शोख वे रगा के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं कटैला बैगनी रग के नग हीरा चन्द्रकात मणि मोती।

4 13, 22, 31 मूलाक 4

आपके कारक ग्रह यूरेनस सूर्य नप्पचून और चद्र हैं। यह ग्रहयाग

आपको बहुत असाधारण व्यक्तित्व प्रदान करेगा, लेकिन सम्मानित घटनाओं या सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के साथ उसका तालमेल बैठना आसान नहीं होगा।

आप में मौलिकता के प्रति प्रबल रुझान होगा जो सनकीपन की ओर झुकाव लिए होगा। सम्बन्धियों द्वारा अथवा उन्हें माध्यम बनाकर और घरेलू मामलों में आपके लिए काफी परशानी और तनाव पैदा होने की सम्भावना है।

आप अनेक मुकदमों में फस सकते हैं और अनेक बार भारी अन्यास का अनुभव करना पड़ेगा। आपका साझेदारियों सम्बन्धों और विवाहों के मामलों में अत्यत सावधान रहना चाहिए। आप में उच्च अतप्रेरणा होगी और स्वप्न पूर्वज्ञान आदि के मामलों में विचित्र अनुभव होंगे, लेकिन इतने सवेदनशील होंगे कि उसका रहस्य कुछ चुने हुए मित्रों को ही बताएगे। आप में सामान्य मानसिक योग्यता होगी और जो वृति अपनाएगे उसमें ऊचा पद प्राप्त करेंगे। अत्यत सफल होने पर भी आपको काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और आराम नहीं मिलेगा।

आप बहुत कम व्यक्तियों के साथ आर्थिक मामलों में जुड़ना पसद करेंगे। आप में पसदगी और नापसदगी की तीव्र भावनाए होंगी और आपको अपनी अतप्रेरणा के अनुसार चलना चाहिए।

सबसे अच्छा यह होगा कि आप अपनी योजनाओं पर अकेले काम करें। आप कुछ विचित्र आविष्कार भी कर सकते हैं जो आपके लिए भाग्यशाली होंगे। आपके विचित्र ढग से लीक से हटकर पैसा पैदा करने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य के बारे में आपके अनेक असामान्य अनुभव होंगे। डाक्टरों के लिए आपको समझने में कठिनाई होगी। वे आपके बताए लक्षणों पर विश्वास नहीं करेंगे। आपके अपने सम्बन्धियों को भी आपके बारे में काफी गलतफहमी होगी। कहीं विष का प्रभाव न हो जाए इसके लिए आपको अपने भोजन में भारी सतर्कता बरतनी चाहिए। मछली घोंघें केंकडे आदि समुद्री भोजन के बारे में विशेष सावधानी की जरूरत है और इनसे बचना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण अक 'चार' और 'आठ' रहेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्ही मूलाकों वाले होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे अच्छे रग नीले या सुनहरी, पीला नारगी व भूरा रहेंगे। आपके भाग्य रत्न नीलम, मोती, हीरा चन्द्रकात मणि हैं।

5, 14, 23 मूलाक 5

आपके कारक ग्रह बुध चन्द्र और नेप्च्यून है। आप व्यक्तियों और वातावरण दोनों के प्रति अत्यत सवेदनशील और उन पर अपनी छाप छोडने वाले होंगे। दया के सभी कामों से आप तत्काल प्रभावित होंगे। आपके स्वभाव के लिए प्रशसा और प्रोत्साहन वही काम करेंगे जो फूलों के लिए पानी करता है। प्रारम्भिक वर्षों में आप स्वय में और अपनी योग्यताओं में विश्वास करने में अत्यत कठिनाई महसूस करेंगे। एक बार पाव पर खडे हो जाए फिर आगे बढते ही जाएगे और अपनी उद्देश्यपूर्ति में कभी नही लडखडाएगे। आपका दिमाग बहुत तेज होगा। बौद्धिक वस्तुओं के लिए प्रबल इच्छा होगी और जो भी वृत्ति चुनेंगे उसमें दूसरों पर प्रभुत्व पाने की बलवती आकाक्षा होगी। परलोक विषयक प्रश्नों को खोजबीन के लिए आपके मन में ललक होगी।

आपका सबसे बडा दोष यह होगा कि आप अपनी योजनाओं पर आवश्यकता से अधिक जोर देकर लोगों को दुश्मन बना लेगे और भारी विरोध पैदा कर लेंगे। आपमें यात्रा की विशेषकर जलमार्ग से तीव्र लालसा रहेगी और जहा तक परिस्थितिया अनुमति देंगी आप इसे पूरा करेंगे। रुपए पैसे के मामले में आपका भाग्य कभी कभी चमकेगा लेकिन उसे हाथ में रखने में आपको भारी कठिनाई होगी।

आप दृढ इच्छाशक्ति और आत्म विश्वास पैदा कर सकते हैं क्योंकि आपको असाधारण बुद्धि का वरदान मिला हुआ है।

आप में काफी नीति कुशलता है। यदि आपकी दिलचस्पी जाग जाए तो आप राजनयिक के रूप में बहुत सफल हो सकते हैं। आप दूसरे देश के लोगों के अनुरूप स्वय को ढाल सकते हैं और उनका दृष्टिकोण समझ सकते हैं भले ही उनके विचार आपके विचारों के विपरीत क्यों न हों।

आप अपनी अतप्रेरणा पर चलें और अपने ढग से काम करें तो पैसा कमाने में बहुत सफल हो सकते हैं। आपका दिमाग इतना तेज और बहुमुखी है कि आप लीक वाले या एकरस जीवन से शीघ्र ऊब जाएगे। आप गम्भीर बीमारी से भी शीघ्र उठ खडे होंगे। प्रमुख कठिनाई अत्यत सवेदनशील

स्नायुओं और पर्याप्त विश्राम न कर पाने से ही होगी, बुढापे में चेहरे और आखों *का नसों में तनाव आ सकता है। टागों तथा पैरों में चाट या पक्षाघात का भी खतरा है।

सबसे महत्त्वपूर्ण अक पाच और दो तथा सात हैं। अपने महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम या योजनाए इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष पाच मूलाक वाले होगे। पाच, तथा सात' मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सबसे शुभ रग हैं बुध (हलके रग) चद्र (हरा, सफेद क्रीम) नेप्यचून (कबूतरी)। आपको काले या गहरे रग के वस्त्र नही पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हीरा मोती सफेद चमकीले नग, जेड हैं।

6, 15, 24 मूलाक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र चद्र और नेप्यचून हैं। इस ग्रहयोग में आपका जीवन दिलचस्प और असामान्य रहेगा लेकिन प्यार रोमास और महत्वाकाक्षा बडी भूमिका अदा करेंगे। दयालु उदार दूसरों पर अपनी छाप डालने वाले और अत्यत आकर्षक होंगे किन्तु अत में आपकी सफलता का राज आपकी महत्त्वकांक्षा ही होगी, रहस्यवाद के प्रति आपकी काफी रुचि होगी लेकिन इसे अच्छी तरह नियत्रण में रखेंगे और बेकार के अधविश्वास को हावी नही होने देंगे। साथ ही आप भाग्य में विश्वास करने वाले होंगे।

परिवार को, विशेषकर मातृ पक्ष को, बहुत प्यार करेंगे। आप सम्बन्धियों के हितों को साधेंगे और इससे आपके कधों पर जो बोझ आएगा उससे घबराएगे नही। विवाह और आपका निजी घरेलू जीवन विशेष भाग्यशाली रहने की आशा नही है।

आर्थिक मामलों में आप अधिक भाग्यशाली रहेंगे। विपरीत लिंगिया के साथ भाग्यशाली होंगे। विवाह से पैसा मिलने की सम्भावना है।

विरासत में सम्पत्ति भी मिल सकती है अथवा आप अपनी निजी मनोशक्ति से पैसा कमाएगे।

प्रारम्भिक वर्षों में शरीर कसा हुआ और शक्ति से भरपूर होगा। लेकिन बाद में अधिक परिश्रम और तनाव से आप अपने स्वास्थ्य को चौपट कर सकते

हैं। आपको आतरिक बीमारिया हो सकती हैं जैसे आतों में रुकावट ट्यूमर अपेंडीसाइटिस हार्निया आदि। सावधानी से रहने और सादे भाजन से य शिकायतें ठीक की जा सकती हैं।

महत्त्वपूर्ण अक छ दो और सात हैं। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को अपने कार्यक्रम और योजनाए पूरी कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष छ मूलाक वाले रहेंगे। छ तीन नौ मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आकर्षण महसूस करेंगे लेकिन इनम 'नौ का मूलाक इतना शुभ नही है।

आपके महत्वपूर्ण रग हैं सफेद हलका नीला (आसमानी) और हलका हरा। रत्न जेड हलका नीलम और श्वेत (स्फटिक) मोती।

7, 16, 25 मूलाक 7

कारक ग्रह नेप्च्यून और चन्द्र हैं। यदि आप चरित्र बल और इच्छाशक्ति का विकास करें भी तो यह ग्रहयोग आपकी बौद्धिक उपलब्धियों से आपका दूसरों से अधिक लाभकारी स्थिति में पहुचाएगा। आप असामान्य मानसिक व्यवसाय की ओर झुकना चाहेंगे। भावुक कलाप्रिय और कल्पनाशील होंगे तथा आपको ऊचे दर्ज की प्रेरणा और आध्यात्मिक शक्ति का वरदान होगा। इस पृष्ठभूमि में आप चित्रकार लेखक, सगीतज्ञ वक्ता या धर्म प्रचारक के रूप म काफी सफल हो सकते हैं।

आपकी इच्छाए भौतिक धरातल की न होने के कारण आपको प्रारम्भिक वर्षों में अपने काम से पैसा कमाना बहुत कठिन होगा जब तक कि आप साधन सम्पन्न न हों। आपकी रुचि और आदर्शों में परिष्कार की भावना होगी और आपका जीवन किन्ही दशाओं या परिस्थितियों में प्रारम्भ हुआ हो आपकी इच्छाए महान होंगी।

अध्ययन से अपने मानसिक गुणों का हर प्रकार का विकास करने का प्रयास करेंगे। यह ग्रहयोग दार्शनिक और गम्भीर धार्मिक स्वभाव प्रदान करता है। 25 जुलाई को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि सूर्य के स्वामित्व वाली सिंह राशि के सधि काल में प्रवेश कर जाने से भौतिक दृष्टिकोण स अधिक सफल हो सकते हैं। वे सार्वजनिक मामलों में अधिक प्रकाश में आएगे लेकिन दार्शनिक रुझान फिर भी पृष्ठभूमि में रहा आएगा।

7, 16 या 25 जुलाइ को पैदा हुए सभी लोगों म समुद्र यात्रा या लम्बी भूमि यात्राओं की तीव्र उत्कठा रहती है। परिस्थितिया अनुकूल होने पर वे अज्ञात देशों क अन्वेषक बन सकते हैं। घर क प्रति गहरा लगाव होने पर भी घरेलू जीवन में उनक अनुभव असाधारण होते हैं। विवाह होता है तो विचित्र परिस्थितिया म। जितना दर हा उतना ही अधिक उसके सफल रहने का अवसर होता है।

आर्थिक मामलो मे इन लोगों के अत्यत असाधारण अनुभव रहने की सम्भावना है। एकदम अजनबी व्यक्ति सहसा उनके जीवन में आकर उनमें और उनकी प्रतिभा में गहरी दिलचस्पी लेने लगते हैं और फिर अकस्मात् छोडकर चल दते हैं।

यही बात सम्बन्धियों के बारे में है कभी भारी दिलचस्पी लेंगे और सहायता करेंगे कभी इसका उलटा होगा। उन्हें सशर्त विरासत मिलने की सम्भावना होती है। आत्मविश्वास पैदा करने का प्रयास करें अपनी प्रतिभा को बनाए रखें और अपने हृदय में सदा आशा आकाक्षा की ज्योति जगाए रखें।

इस नियम पर चलने से कभी न कभी उनके बौद्धिक गुण उन्हें वाछित पद तक पहुचा देंगे।

स्वास्थ्य की दशा मनःस्थिति पर निर्भर रहती है। आप शरीर से इतने मोटे ताजे नहीं होगे लकिन यदि आपका दिमाग किसी निश्चित उद्देश्य को पूरा करने में जुट जाए तो आप भारी सहनशक्ति का परिचय देंगे। शरीर से आप किसी विचित्र बीमारी क शिकार हो सकते हैं। ट्यूमर, आतरिक अगों में घाव और नजला जुकाम और इन्फ्लुएजा की सम्भावना है। लेकिन प्रसन्न मुद्रा में रहने पर ये प्रवृत्तिया गायब हो सकती हैं।

सबसे महत्वपूर्ण अक सात और दो हैं। इन्हीं मूलाकों वाली तिथियों को अपने काम या योजनाएं पूरी कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलाकों वाले होंगे। इन्हीं मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 25 जुलाई को जन्मे लोग एक-चार' मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति भी आकर्षित होंगे।

प्रभाव बढाने के लिए नेप्चून (कबूतरी) और चद्र (हरा क्रीम सफेद) क रगों के वस्त्र पहनिए। 25 जुलाई वाले लोग सुनहले पीले नारगी तथा भूरे रग को

भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आपके भाग्य रत्न हरा जेड, चन्द्रकात मणि लहसुनिया मोती है।

8, 17, 26 मूलाक 8

8 और 17 जुलाई को पैदा हुए लोगों के लिए कारक ग्रह हैं शनि नेप्चून तथा चन्द्र। 26 जुलाई को सूर्य कर्क राशि छोडकर अपनी राशि सिंह में प्रवेश कर लेता है।

यह तिथि उन लोगों के लिए बहुत शुभ है जो पादरी, लेखक आदि के रूप में काम करते हैं जिनका काम आम जनता को आकर्षित करना है।

यदि आप 8 या 17 जुलाई को पैदा हुए हैं, तो बहुत गम्भीर स्वभाव दृढ इच्छा शक्ति वाले और अपनी राय में बहुत स्पष्ट होंगे। मध्य आयु तक दूसरे लोगों के बाधा डालने से आप पर अकुश और जिम्मेदारिया रहने की सम्भावना है। आप पिंजड में बद कैदी के समान होंगे जो सीखचों से बाहर की दुनिया को देख तो सकता है लेकिन अपनी हालत नही बदल सकता। कम या अधिक भाग्य की सतान होंगे जहा आप की परिस्थितियों का निर्माण दूसरे लोग करेंगे। आप अपनी भावनाओं में अत्यत गम्भीर और ईमानदार होंगे लेकिन प्रदर्शन नही करेंगे और न यह व्यक्त कर पाएग कि आपके मन में क्या है ?

प्रारम्भिक वर्षों में दूसरों के लिए आपकी बलि चढाई जाएगी और आपको अपने काम के लिए बहुत कम लाभ या श्रेय मिलेगा।

प्यार के मामले में आपको कुछ बहुत कडे परीक्षणों और भारी जिम्मेदारियों से गुजरना होगा। मध्य आयु तक आपको अपनी आकाक्षाए पूरी करने में अनेक बाधाओं का सामना करना पडेगा लेकिन अत में आप अपने सकल्प और दृढता का पुरस्कार मिलने की आशा कर सकते हैं।

दो बातें हो सकती हैं। आप उन व्यक्तियों में हो सकते हैं, जिन्हें वातावरण और पारिवारिक मजबूरिया किसी लीक वाले काम में धकेल देती हैं और जहा उन्हें दूसरों के लिए काम करते हुए अपने जीवन का अधिकाश भाग व्यतीत होता है। आप अधिक भाग्यशाली वर्ग में से हो सकते हैं, जैसे धीरे धीरे धन जमा करने और भाग्याधीन शक्ति बनने का अधिक शीघ्र अवसर मिल जाता है। आमतौर से इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों का प्रारम्भिक जीवन भारी कठिनाई में बीतता है। ऐसे व्यक्ति या तो अत्यत धार्मिक स्वभाव के होते हैं या उससे

बिल्कुल उलटे। उनके लिए सनसे अच्छा काम किसी ठोस धधे को अपनाना रहेगा, वैसे भूमि या खान का विकास तेल या धरती से निकलने वाले द्रवों का व्यापार।

यदि आप सट्टेबाजी के फेर में न पड़े, तो आपका अध्यवसाय और सकल्प आपको पैसा बचाने और बनाए रखने का अवसर देगा। 'चार' और आठ अकों को बार बार अपने जीवन में देख पाएगे। वे और उनसे जुडे व्यक्ति आपके मामलों म महत्त्वपूर्ण भूमिका निबाहेंगे।

पाचन अगों, गुर्दा, जिगर और बडी आतों का प्रभावित करने वाली बीमारियों के शिकार होंगे। आपके अन्दर अम्ल का प्रकोप होने और विशेषकर घुटनों, एडियों और पावों में गठिया की शिकायत होने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अक चार' और 'आठ हैं। आपको जहा तक हो सके नौ नम्बर से बचने की सलाह है। 26 जुलाइ वाले लोगों क लिए एक और चार' के अक अधिक महत्वपूर्ण होंगे, किन्तु आठ का अक भी समान महत्व का रहा आएगा। आपके सबसे घटनापूर्ण 'चार' और आठ' के मूलाकों वाले होंगे। रग हलका हरा और पीला शुभ हैं।

भाग्य रत्न काला मोती, काला हीरा, गहरे रग का पन्ना या हरे रग विशेषकर चादी प्लेटीनम में जड हुए हैं।

9, 18, 27 मूलाक 9

9 या 18 जुलाई को जन्म लेने पर कारक मह मगल चन्द्र और नेप्च्यून होंगे। 27 जुलाई को जन्मे व्यक्ति सूर्य और मगल के प्रभाव में आते हैं। यह एक बहुत प्रबल योग है और जो भी वृत्ति आप अपनाएगे उसी में बहुत सफलता और यश की आशा कर सकते हैं।

आप किसी भी जिम्मेदारी और उच्च पद के लिए उपयुक्त रहेंगे। आपका स्वभाव हसमुख आशावादी और हिम्मत वाला होगा। आपात् या सकट काल में अपने सर्वोत्तम गुणों का परिचय देंगे। कर्क में मगल अपनी नीच राशि में होता है। अत यदि आप 9 या 18 जुलाई को पैदा हुए हैं तो आपका जीवन विरोधाभास से पूर्ण होगा और अपने लक्ष्य का आकाक्ष को पूर्ति के लिए दृढ इच्छा शक्ति और चरित्र बल का विकास जरूरी है।

आपमें अकुशों के विरुद्ध विद्रोह करन की प्रवृत्ति होगी। व्यवहार में व्यवहार कुशलता और समझदारी लानी होगी। आप निडर और आजाद हाग लेकिन प्रारम्भिक जीवन में आवेश के दौरे पडने की सम्भावना है। उन पर ठीक से काबू पाकर प्ररक शक्ति क रूप म उनसे काम लेना होगा। आप अपने सभी कामों में दबग और उद्यमी होंगे। एक प्रकार की नेतृत्व भावना और दुस्साहस से प्रेम होगा।

अपने निवास को बार बार बदल भी सकते हैं और अधिक समय तक एक स्थान पर जमकर बैठना आपके लिए आसान नही है। सम्बन्धियों से आपका काफी मन मुटाव रहने की सम्भावना है। विवाह कम आयु में न करना होगा। जहा तक खतरों और दुर्घटनाओं की बात है आपके जीवन में विचित्र घटनाए घटेंगी विशपकर आग्नेयास्त्र तूफान भूकम्प और पानी से।

आपको सदा अच्छा बीमा कराकर रखना चाहिए और बुढापे के लिए पैसा बनाकर अलग्र रख छोडना चाहिए नही तो आर्थिक कठिनाइयों का सामना भी करना पड सकता है।

बचपन में और जवानी के प्रारम्भ में अनेक छोटी मोटी बीमारिया हो सकती हैं विशपकर बुखार गठिया रक्त में हीनता फोडे फुसी आदि। करीब 28 वें वर्ष से आप स्वस्थ और जीवत हो जाएगे।

वैसे भी सबसे महत्त्वपूर्ण अक एक और चार हैं। महत्त्वपूर्ण योजनाए या कार्यक्रम पूरे करने के लिए इन्हें काम में लीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी एक और चार मूलाकों वाले ही रहेंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए आप सूर्य (सुनहरा पीला, नारगी भूरा) और यूरेनस (सिलेटी गहरा नीला शोख) के रगों के कपडे पहनिए। रत्न पुखराज और नीलम हैं।

अगस्त

अगस्त 1 10, 19, 28 मूलाक 1

इस मूलाक के कारक ग्रह सूर्य यूरेनस मगल हैं। 28 अगस्त को जन्म लेने वाले आगामी राशि कुभ के क्षेत्र में प्रवेश कर चुके होते हैं। ग्रहयोग मिश्रित

फल वाला होता है। अतएव जीवन में उतार चढाव आता रहता है। वैसे जातक भाग्य विश्वासी अधिक होते हैं। अगस्त को जन्म लेने वाले जातक अधिक भाग्यशाली होते हे। अपने जीवन मे वह प्राय अनेक सफलताए प्राप्त करते हैं पर अपनी उग्रता,क्रोध के कारण हानि भी कर बैठते हैं। बना बनाया काम बिगड जाता है।

10 अगस्त को जन्मा जातक कितना ही निर्धन क्यों न हो अपने जीवन का अतिम भाग वह सुख पूर्वक व्यतीत करता है। व्यापार में सफल होता है। उसके जीवन में अनेक चमत्कारिक घटनाए होती हैं। वह अपने को अनायास सफल या असफल पाता है। उसका वैवाहिक जीवन सुखी सम्पन्न होता है। स्वास्थ्य अवश्य ऊचा-नीचा चलता रहता है।

19 अगस्त को जन्म लेने वाले व्यक्ति स्त्री या पुरुष श्रेष्ठ पद प्राप्त करते हैं। अत्यन्त कुशाग्र बुद्धि और व्यापार कुशल होते हैं। वह समाज में प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्ति माने जाते हैं। सरकारी नौकरी या राजनीति में वह सफलता अवश्य प्राप्त करते हैं।

मूलाक 1 वाले व्यक्ति अगर धैर्य सयम से काम लें तो बहुत कुछ धन यश,सफलता प्राप्त कर सकते हैं। जल्दबाजी या क्रोध के कारण अकारण अपनी हानि कर बैठते हैं और बाद में पश्चाताप करते हैं।

इनके जीवन में 3 5, 7 मूलाक वाले बडे सहायक शुभचितक होते हैं। 1, 2, 4 6 8, 9, मूलाक वाले सदा शत्रु के समान व्यवहार करते हैं। 2 4 मूलाक वाले विपरीत किसी समाज से उनको विशेष आकर्षण होता है। वैवाहिक जीवन मिश्रित सुख दुख वाला होता है। स्वास्थ्य प्रारभ में अच्छा रहता है पर बुढापे में नाना प्रकार के रोग घेर लेते हैं। वैसे उच्च या न्यूनतम रक्तचाप की बीमारी सारे जीवन रहती है। खान पान पर विशेष नियत्रण रखना पडता है।

इस मूलाक वाले दर्शन,साहित्य विज्ञान शिक्षा लाभ के क्षेत्र में प्राय बडा यश प्राप्त करते हैं। इनमें देशभक्ति की भावना होती है। विदेश यात्रा का बहुत कुछ सयोग है। सन्तान से कोई सुख प्राप्त नही होता है।

रग सलेटी हलका हरा और बैंगनी शुभ है। रत्न नीलम मूगा और माणिक हारा उत्तम हैं।

इसके कारक ग्रह चद्र नेप्यचून और सूर्य है। 29 अगस्त को जन्म लेने पर आप आगामी राशि कन्या के क्षेत्र में प्रवेश कर चुके होते हैं और तब सूर्य के प्रस्थान पर बुध के प्रभाव में आ जाते हैं। ग्रह योग बहुत शुभ है। यह मानमिक और सामाजिक रूप से ऊपर उठाएगा और लोगों का विश्वाम पैदा करेगा और आपकी वृत्ति में आगे बढने के अनेक अवसर प्रदान करेगा। विपरीत लिंगियों में लोकप्रिय होंगे, आदर्शवादी प्रेम प्रसग रोमास आपके जीवन में विचित्र और असाधारण घटनाओं को जन्म देंगे।

सगीत साहित्य कला या नाटक में आप काफी प्रतिभा का परिचय दे सकते हैं। अपने जीवन वृत्त में आप प्रमुख पद प्राप्त करेंगे और भारी व्यवहार कुशलता कूटनीति तथा सुप्रबधक का परिचय देंगे। आप अपने मित्रों और प्रेम पात्रों के प्रति अत्यत वफादार होगे। इतने उदात्त और विशाल हृदय कि कोई दुश्मन नहीं होगा। भले ही वह विचारों से मतभेद रखने वाला होगा।

दूसरों में सर्वोत्तम गुणों को ही देखना चाहेंगे और सम्भव हुआ तो उन्हें निखारने में सहायता भी करेंगे। भाषण या लेखन कला के वरदान से विकास करने में समर्थ होना चाहिए। धर्म प्रचारक शिक्षक या जज के रूप में सफल हो सकते हैं। आम लोगों के बारे में गहरा अतर्ज्ञान होगा। कठोर आलोचना की दृष्टि से नही उन्हें समझने और समझाने की दृष्टि से।

रुपए पैसे क मामले में भाग्यशाली होंगे फिर भी आपके लिए उसका अधिक मूल्य नही होगा।

पैसा विचित्र ढग से आएगा, उपहार से विरासत से वसीयत से लेकिन कभी कभी अपनी उदारता से स्वय को गरीब बना सकते हैं। अपने मानसिक गुणों से जैसे भाषण देना कला, सगीत लेखन आदि से व्यापार की अपेक्षा अधिक धन प्राप्त कर सकते हैं।

स्वास्थ्य के बारे में सदा सावधान रहना चाहिए और अपनी अपनी शक्ति तक हो सके सचित रखना चाहिए।

फेफडों और गले में कमजोरी दिल की धडकन में अनियमितता और रक्त का ठीक से सचार न होना आदि की शिकायतें हो सकती हैं। आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अक 2 7 और उसके बाद 1-4 हैं। 29 अगस्त वालों के लिए भी ये

ही अक ठीक रहेंगे। घटनापूर्ण वर्ष 'दो और 'सात' मूलाकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलाकों और एक तथा चार' मूलाकों वाली तिथियों को जन्म व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव होगा। अपना प्रभाव बढाने के लिए चद्र (हरा क्रीम सफेद) नेप्यचून (कबूतरी) सूर्य (सुनहरा पीला, नारगी भूरा) और यूनेरस (सिलेटी और शोख) के रगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न मोती, चद्रकात मणि, जेड, पुखराज, नीलम और अम्बर हैं।

3, 12, 21, 30 मूलाक 3

कारक ग्रह गुरु सूर्य और यूरेनस हैं। 30 अगस्त को आगामी राशि कन्या का क्षेत्र आरम्भ हो जाता है अत उस दिन जन्म लेने वालों के कारक ग्रह गुरु और बुध (सौम्य) हैं। स्वभाव में प्रबल महत्त्वाकाक्षा है साधारण सफलता से आपको कभी सतोष नही होगा।

देर सबेर आपके मन में अपने समाज के प्रमुख और जिम्मेदार पदों पर पहुचने की तीव्र इच्छा जाग उठेगी। आप पूरी क्षमता और ईमानदारी से अपना काम करेंगे और उसमें अपने को भी नही बख्शेंगे। फलस्वरूप आप अपनी शक्ति को कम कर लेंगे। बहुत आदर्शवादी होंगे अनेक मित्र भी बनाएगे लेकिन प्रेम के मामले म अनेक निराशाओं और दिल टूटने का सामना करना पडेगा।

ग्रहयोग हर प्रकार की सरकारी नौकरी अथवा राजनीति या नगरपालिका के कामों में सफलता का आश्वासन देते हैं।

अधिकारी पदों पर दूसरों से अधिक योग्यता का परिचय देंगे। आपके आस पास के लोग आपको सराहेंगे, प्रशसा और बढावे से आप बिगडेंगे नही उलटे इनसे और आगे बढने के लिए बल मिलेगा। स्वभाव बहुत स्नेह भरा है। आप में पारवारिक जीवन की गहरी समझ है। बच्चों से भारी प्यार है या उन्हें सिखाने पढाने की भावना है। आपकी उच्च आकाक्षाए हैं। चाहे झुग्गी में पैदा हुए हों, लेकिन स्वभाव में कुछ-न कुछ राजसीपन अवश्य रहेगा। ऊचे पद भी प्राप्त करेंगे।

एकमात्र खतरा यह कि महत्त्वाकाक्षा की कोई सीमा नहीं होगी। अपने कधों पर बहुत अधिक बोझ उठाने का प्रयास करेंगे ऐसे काम हाथ में लेना चाहेंगे जिनके भार से दबकर और अत्यत परिश्रम कर आप अपने को खत्म कर

प्रकार से लीक से हटकर चलना चाहेंगे। बहुत कुछ सनकी समझा जाएगा और आप दूसरों की योजनाओं में आसानी से नहीं बैठ सकेंगे। आपके अपने लोग और निकट के सम्बन्धी ही आपका साथ देने में सबसे अधिक कठिनाई महसूस करेंगे।

अकुश और आलोचना सहन नहीं करेंगे। यदि ऐसा करने की स्थिति में हुए तो घर बार छोडकर लम्बी यात्राओं पर चल देंगे। भारी धैर्य के विकास की जरूरत होगी विशेषकर निकट के सम्बन्धियों के साथ व्यवहार में। शायद किसी असामान्य कार्य या वृत्ति में सफलता प्राप्त करेंगे। धर्म और जीवन के प्रति आपके विचार लीक से हटकर होंगे। अपने मुहफट स्वभाव से आप अनेक लोगों का दुश्मन भी बना सकते हैं।

जीवनकाल में अनेक दुस्साहसिक अभियान करेंगे। प्रेम प्रसगों में अनेक निराशाओं का सामना करना पडेगा विशेषकर पारिवारिक जीवन में। 31 अगस्त को जन्मे व्यक्तियों पर यह बात इतनी लागू नहीं होती है।

आर्थिक दशा को समझ पाना कठिन होगा। प्रकृत आप रुपए पैसे की परवाह नहीं करेंगे फिर भी उसकी शक्ति से प्रभावित होंगे। व्यापार में या तो सम्बद्ध व्यक्तियों पर आख मूदकर भरोसा करेंगे या उनके प्रति सन्देहशील होंगे। आपके लिए अकेले काम करना अच्छा रहेगा। हर प्रश्न के दोनों पहलू देख सकते हैं और उन पर समान रूप से वाद विवाद भी कर सकते हैं।

साहूकार के रूप में सफल हो सकते हैं। देर सबेर आपके दिमाग में कोई ऐसा नया विचार आने की सम्भावना है जो आपको बहुत धन की प्राप्ति करा सकता है।

स्वास्थ्य अच्छा होगा किन्तु अधिकतर इस पर निर्भर होगा कि वातावरण सौहार्दपूर्ण है या नहीं।

मन की स्थिति का स्वास्थ्य की अच्छाई बुराई पर भारी प्रभाव पडेगा। दुखी होने पर चिन्ता करेंगे, उदास हो जाएंगे और अपने में सिमट जाएंगे। विष फैलने रुकावट और कठिनाई से निदान होने वाली बीमारियों की भी प्रवृत्ति होती है।

चोट से विशेष सतर्क रहना होगा। रीढ में कमजोरी या चोट की भी सम्भावना है। आपमें दो वर्ग विशेष रूप से मिलते हैं। एक वर्ग उन लोगों का है

जिन्हें मध्य आयु के बाद तेजी से मोटापा चढने लगता है।

यदि आप इस वर्ग में से हैं, तो दिल की बीमारी या मस्तिष्क के ज्वर से अपनी रक्षा कीजिए। इसके विपरीत यदि आप उन लोगों में से हैं जो मध्य आयु के बाद तेजी से पतले होने लगते हैं तो सभी प्रकार की स्नायुविक बीमारियों से सावधान रहिए। ऐसा न करने पर बाद में पक्षाघात का खतरा रहता है। आपका सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'चार' है जो जीवन भर महत्त्वपूर्ण रहेगा। 21 जून से अगस्त के अंत तक और 21 दिसम्बर से 19 फरवरी तक 'आठ' का अंक विशेष महत्त्वपूर्ण होगा।

आप उक्त मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। पायेंगे कि आपके भाग्य में उनकी बहुत कुछ निर्णायक भूमिका रहती है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांक वाले ही होंगे। आपको सफलता प्रदान करने वाले रंग वे ही हैं जो जुलाई में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के लिए हैं गहरा नीला या समुद्री नीला और सुनहरा पीला नारंगी तथा भूरा। भाग्य रत्न नीलम, हीरा लाल और पुखराज है।

5, 14, 23, मूलांक 5

कारक ग्रह बुध सूर्य और यूरेनस हैं। यह एक अच्छा मानसिक ग्रह योग है। इससे बौद्धिकता और निर्णय की शक्ति बढती है। मुख्य खतरा यह है कि यह व्यक्ति को जल्दबाज़ बनाता है।

यह महत्वकांक्षी स्वभाव प्रदान करता है। लेखकों कलाकारों अभिनेताओं आदि के लिए यह योग विशेष लाभकारी है। बुध और सूर्य का योग आत्म विश्वास और आर्थिक योग्यता देता है लेकिन कभी कभी सट्टेबाजी में भारी जोखिम उठाने की प्रवृत्ति भी देता है।

इस प्रवृत्ति को ठीक से काबू में रखने पर यह एक भाग्यशाली योग है। बुध और यूरेनस का योग जीवन में आकस्मिक और अप्रत्याशित परिवर्तन लाएगा वृत्ति या व्यवसाय में भी।

साथ ही स्वभाव में चंचलता और स्थान परिवर्तन या यात्रा की बलवती उत्कंठा देता है। आप अत्यंत संवेदनशील और आमतौर से भारी तनाव की स्थिति में रहेंगे।

छोटी अवधि के किसी निश्चित लक्ष्य की सिद्धि के लिए काम करने में आपमें इच्छा शक्ति और आत्मसंयम दोनों रहेंगे।

देर तक चलने वाले कामों या एकरसता से घृणा करेंगे। सबसे अधिक सफलता आकस्मिक आपात् स्थिति में काम करने अथवा अपनी मनपसद योजना उद्देश्य या आदर्श के लिए धुआधार गति से काम करने में मिलेगी। प्रेम प्रसर्गा में भी आप परिवर्तन चाहेंगे। नया चेहरा सदा आपको लुभाएगा। नयापन रहने तक आप व्यक्तियों और परिस्थितियों में खूब रच खपकर रहेंगे।

नृत्य गति और चचलता या शीघ्रता चाहने वाले सभी खेलों के शौकीन हागे। विमानों और तेज मोटरकारों में दरअसल दूरी घटाने वाले सभी साधनों में दिलचस्पी लेंगे।

सलाह देना या समझना आसान नही होगा क्योंकि आपमें अपने ही कायदे कानूनों पर चलने की प्रवृति है।

दूसरों के लिए योजनाए बनाने में आप अत्यधिक कुशल होंगे। इतने बहुमुखी और हर काम के अनुरूप अपने को ढाल लेने वाले होंगे कि कोई काम आपसे छूटेगा नही। सबसे बडा खतरा ऐसे अवाछनीय परिचितों से होगा जो सम्हलने से पहले ही आपको बहुत परेशानी में डाल सकते हैं।

अपनी स्नायुओं स बहुत अधिक काम लेंगे और अपने को थका लेंगे। शरीर के विभिन्न भागों में नसों के दर्द से पीड़ित हो सकते हैं। कभी कभी अपचन की तीव्र शिकायत और अदरूनी अगों में गडबडी की शिकायत होगी।

इस स्थिति में आप ऐसे उपायों की ओर दौडेंगे जो आपको जल्दी से जल्दी आराम दे सकें। आप मादक द्रवों या उत्तेजक दवाओं के आदी हो सकते हैं। आपका सबसे महत्त्वपूर्ण अक विशेषकर जून और सितम्बर में पाच है। इसके बाद एक है।

आपको अपने कार्यक्रम और योजनाए इन्ही मूलाकों वाली तिथियों पर पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। जहा तक अक का नियम है पाच अक वाले व्यक्ति उससे सबसे कम प्रभावित होते हैं। वे सभी अंकों और व्यक्तियों के अनुरूप अपने को ढाल लेते हैं। यही बात रगों के बारे में है। आप कोई भी रग पहन सकते हैं किन्तु दिल से हल्के रगों को पसद करेंगे। आपके भाग्य रत्न हीरा मोती और चमकीले नग हैं।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष पाच मूलाक वाले होंगे। इसी मूलाक वाली तिथिया को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप कुछ लगाव भी महसूस कर सकते हैं।

6, 15, 24 मूलाक 6

शुक्र सूर्य, और यूरेनस कारक ग्रह हैं। जीवन और वृत्ति में शुक्र का स्नेही या प्रेमी स्वभाव प्रमुख रूप से प्रकट होगा। आप स्वभावत सम्पर्क में आने वाले सभी व्यक्तियों के साथ सहानुभूति और उदारता से पेश आएगे। विपरीत लिंगी आपकी ओर आकर्षित होंगे।

आपमें प्रेम की तीव्रता इतनी अधिक होगी कि उसके किसी न किसी रूप के बिना जी नही सकेंगे। इसका यह मतलब नही है कि वासना या पाशविक वृत्ति आप के जीवन में छायी रहेगी।

इसके विपरीत यह योग आपको परिवार के प्रति आशा से अधिक स्नेहालु और उच्च आदर्शों वाला बनाएगा। आप जहा कही होंगे आसानी और तेजी से मित्र बना लेंगे। आप सामाजिक जीवन के लिए तरसेंगे।

मित्रों का सत्कार करना सामर्थ्य के अनुसार उन्हें अच्छे से अच्छा खिलाना पिलाना चाहेंगे।

पूरा सम्भावना यह है कि अपनी इस इच्छा क कारण आप शुक्र का एक या अधिक गुण अपना लेंगे जैसे सगीत कला विशेषकर मचकला फिल्मी दुनिया साहित्य कविता गायन नृत्य आदि। आप युवकों में गहरी दिलचस्पी लेंगे और सदा उनसे घिरे रहेंगे। शायद इसीलिए न कभी बूढे दीखेंगे और न बुढापा महसूस करग। इस पक्ष को जीवत रखन के लिए आप इस बात के लिए लालायित रहगे कि आपका घर हमेशा नए नए चेहरों स भरा रहे।

आपको बहुत गलत भी आका जाएगा और यही आपकी जीवन नौका क ध्वस्त होने का खतरा है।

यूरेनस के प्रभाव से आप विचित्र लीक से अलग चलने वाले लोगों को काफी आकर्षित करेंगे। उदार स्वभाव के कारण आप अपने मित्रों के दोषों की उपेक्षा कर देंगे और जिस बदनामी को आप टाल सकते हैं, उसे अपने सिर पर ले लेंगे। फिर भी यह ग्रह शुभ है और आप आशा से अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

अपने मित्रों और सम्बन्धियों के प्रति अति उदार मत बनिए, दिखावे के चक्कर में अपव्यय कर अपने आर्थिक कोष को खाली मत कीजिए। लेकिन आम तौर से आप भाग्यशाली और सफल जीवन बिताएंगे तथा जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसी में महत्त्वपूर्ण पद प्राप्त करेंगे।

धन कमाने के बारे में आश्वस्त हो सकते हैं। पूंजी लगाना आपके लिए आम तौर से भाग्यशाली रहेगा और आप धनी व्यक्ति बनेंगे।

संगीत साहित्य नृत्य रंगमंच आदि अपनी किसी प्रतिभा को विकसित कर भी धन कमाएंगे।

बहुत स्वस्थ जीवन होना चाहिए। कुछ और खतरा पशुओं से भी रहेगा। शायद उनके प्रति आपका प्रेम इसका कारण हो। बुढ़ापे में दिल की कमजोरी से कुछ परेशानी हो सकती है।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'छ' एक और 'चार' हैं। अपनी योजनाएं पूरी करने के लिए 'चार' अंक को काम लेने की आवश्यकता नहीं है। इसके प्रभाव पर नजर रखिए।

यह आपके जीवन में बार बार आएगा लेकिन आशा के बजाए चेतावनी के रूप में। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष एक और छ मूलांकों वाले रहेंगे। एक 'चार' तीन या छ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके लिए सबसे शुभ रंग नीला और सुनहरा पीला नारंगी भूरे हैं। आपके भाग्य रत्न फीरोजा सभी नीले रंग हीरा पुखराज और अम्बर हैं।

7, 16, 25 मूलांक 7

नेप्च्यून चन्द्र सूर्य और यूरेनस आपके कारक ग्रह हैं। यह एक बहुत विचित्र ग्रहयोग है। नेप्च्यून आपको अत्यंत महत्वाकांक्षी बनाएगा लेकिन सामान्य ढंग से नहीं। यह महत्त्वाकांक्षा दूसरों पर प्रभुत्व या शासन की नहीं होगी बल्कि आपके काम से सम्बन्धित होगी, आपकी सफलता के लिए। आपके मन में गुप्त विद्याओं और दार्शनिक विषयों के साथ ही सभी ललित कला के प्रति प्रेम होगा जैसे संगीत चित्रकला काव्य मंचकला ऑपेरा आदि। आपका व्यवहार शान्त और शालीन होगा।

आपस में भावुकता होगी, जिसका झुकाव बहुत कुछ आध्यात्मवाद की

ओर होगा। अपने साथियों के प्रति आप सहृदय और उनका भला करने वाले होंगे।

आपके प्रेम प्रसगों में अनेक दर्द और निराशाए होंगी लेकिन उनके कारण आप अपनी भावनाओं को कठोर और कटु नही होने देंगे। आप अपने विचारों और दूसरों की राय के बारे में मौलिक लीक से हटकर और स्वतत्र होंगे।

स्पष्ट पसद और नापसद वाले होंगे। आपके जीवन में लोमहर्षक अभियान और असामान्य तथा विचित्र प्रेम प्रसग आएगे जिनकी आलोचना होगी तथा आपको परेशानी होगी।

किसी ऐसे काम में सफल होंगे जिसमें आप विशुद्धत अपने व्यक्तित्व पर निर्भर रहें, व्यापार व्यवसाय में नही। सदा यात्रा और स्थान परिवर्तन की तीव्र इच्छा रहेगी लेकिन आपको अपने स्वभाव की चचलता को अच्छी तरह नियंत्रण में रखना चाहिए। आप व्यक्तियों और वातावरण दोनों के प्रति अत्यत सवेदनशील होंगे।

प्रेरणा और अतर्ज्ञान का वरदान होगा। रहस्यवादी या गुप्त विषयों पर लिखने में या कल्पनावादी चित्रकारी में या अपने निजी व्यक्तिवादी दृष्टिकोण से साहित्य रचना में अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

आपका न तो रुपए पैसे से मोह होगा और न लीक वाले व्यापारिक जीवन से। फिर भी दूसरों के कल्याण के लिए आत्मत्याग की भावना से धन कमाना चाहेंगे और अपने मन को पसन्द पद स्वीकार कर लेंगे।

इसका यह मतलब नही कि आप धन नही कमा सकेंगे बल्कि आपके लिए स्वभाव के अनुकूल कुछ कर पाना कठिन होगा। जो प्रयासों से अगर कोई आये तो *सट्टेबाजी से या दूसरों की सलाह पर चलकर उसे बढाने का प्रयत्न* कीजिए।

स्वास्थ्य का प्रश्न पूरी तरह आपके मन पर निर्भर होगा। आप देखने में बहुत तगडे नही होंगे पर तगडे दीखने वाले लोगों से आपमें सहन शक्ति अधिक होगी।

भोजन के बारे में विचित्र धारणा रखेंगे और इसमें आपको अपनी अन्त-प्रेरणा के अनुसार चलना चाहिए।

आपके लिए सात और दो अक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। 21 जून से

30 अगस्त तक और 25 दिसम्बर से मार्च के अंक तक उनका और भी विशेष मतलब होगा।

अपने कार्यक्रम निश्चित करने में इन अकों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। आपको इन्हा अकों वाले मकानों में रहने का प्रयास करना चाहिए।

जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष दा और सात के मूलाकों वाले होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सबसे भाग्यवर्धक रग हलके हरे, कबूतरी नारगी पीले या सुनहरी हैं। नीला रग भी चलेगा, लेकिन गहरे और काले रगों से यथासभव बचिए। आपके भाग्य रत्न चद्रकात मणि हीरा मोती जेड और अम्बर हैं।

8, 17, 26, मूलाक 8

आपके कारक ग्रह शनि यूरेनस और सूर्य हैं। 'चार' और आठ के अकों का आपके जीवन या वृत्ति में भारी महत्त्व रहेगा। यह एक बहुत विचित्र योग है। यदि आपको अपने जीवन से अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करना है तो अधिकतम समझदारी से काम लेना होगा।

यह योग आपके चरित्र और जीवन को विरोधों से पूर्ण बनाएगा जिससे दूसरे लोगों के लिए आपको समझना या आपके लिए परिस्थितियों का लाभ उठाना बहुत कठिन होगा। स्वभाव उदार और दूसरों का भला करने वाला होगा लेकिन आपको उसका उचित श्रेय नही मिलेगा। अत्यधिक दृढ इच्छा शक्ति होगी लेकिन कठिनाई या विरोध को देखते हुए आप में हठी होने की प्रवृत्ति रहेगी। आपमें भारी महत्वाकाक्षा होगी, लेकिन दूसरों की योजनाओं से उसका मेल नहीं बैठगा। इसलिए आपके लिए सभी प्रकार की साझेदारियों से दूर रहना अच्छा रहेगा।

एकदम विरोधी दो विचारधाराओं में आप एक पक्ष को चुनेंगे। आप या तो धर्म के प्रति अनास्थावान और नास्तिक बन जाएगे अथवा इसके एकदम उलटे अर्थात् बहुत कुछ कट्टर और अध श्रद्धा वाल।

अपने हर काम में तीव्र भावनाओं तथा इच्छाओं का परिचय देंगे। दरअसल अपनी प्रसन्नता और भौतिक सफलता के लिए तो बहुत ही अधिक।

एक विचित्र विरोध की बात यह होगी कि यदि आप प्रारम्भिक आयु म अनास्थावादी या भौतिकतावादी हैं तो बाद में आपको इसका ठीक उलटा बन आने की पूरी सम्भावना है।

इसी प्रकार यदि प्रारम्भ में कट्टर और अंध श्रद्धा वाले हैं तो बाद में अनास्थावादी या भौतिकतावादी हो जाएगे। हर हालत में आपको विचित्र अनुभव हो सकते हैं। आपके अनके गुप्त शत्रु होंगे और अनेक बार बदनामी तथा घोटालों का सामना करना होगा।

आप किसी पद पर पहुँच जाए जिसे हमलों का खतरा रहेगा ही। अत आपके लिए सभी प्रकार की क्षतियों और दुर्घटनाओं के लिए बीमा करा लेना अच्छा रहेगा। पारिवारिक जीवन और विवाह दोनों में असामान्य अनुभव होने की सम्भावना है। अपने और ससुराल वाले सम्बन्धियों से दुख या परेशानी हो सकती है। आपके सबसे अच्छे मित्र या साथी असामान्य लोग या साधारण धधों म लगे लोग होंगे। निराशा या गलत समझे जाने की भावना से सावधान रहना चाहिए।

रुपए पैसे के लेन देन में आपको भारी सतर्कता बरतनी होगी। दूसरों पर भरोसा नही कर सकेंगे। नौकर या छोटे लोग आपको लूट सकते हैं या धोखा दे सकते हैं। सफल होने के लिए अपने कारोबार को अपने हाथ में रखना चाहिए।

पुराने जमे जमाए कारोबार में अथवा भूमि मकान खान और खनिज के व्यापार में आप पैसा कमा सकते हैं।

स्वास्थ्य के सम्बन्ध में भी परस्पर विरोधी बातें होंगी। असाधारण रूप से तगडे होंगे या इसके उलटे। कुछ रहस्यमय मानसिक प्रभाव ऐसे व्यक्तियों के जीवन का नियत्रण करते हैं। अपने विरोधियों का विचार ही आपको बीमार कर सकता है।

ऐसी हालत में बीमारी भी विचित्र होगी और साधारण उपायों से उसे ठीक कर पाना आसान नहीं होगा। बढ़िया से बढ़िया डाक्टर भी गलत इलाज कर बैठेंगे। आप अदरूनी दर्दों से पीडित हो सकते हैं जिनका निदान बहुत कठिन होगा। आप पर दवाओं का विष शीघ्र प्रभाव करेगा।

आतों में रुकावट होने की सम्भावना है। इसके बावजूद आप उतने ही रहस्यपूर्ण उपायों से ठीक हो जाएगे। सभावना लम्बी आयु भोगने की है।

अनेक दुर्घटनाओं के शिकार भी हो सकते हैं। इनमें पैरों की हड्डिया टूटने या मोच आने की सम्भावना है। गठिया से भी यातना भोग सकते हैं। आपके महत्त्वपूर्ण अक 'चार' और आठ हैं। इनके भाग्यवर्धक होने का आश्वासन नही है, क्योंकि ये बहुत कुछ भाग्याधीन हैं। उनका सामना करने के लिए आप पहले से तैयार रहें।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और आठ मूलाकों वाले रहेंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

गहरे रग, विशेषकर गहरा जामूनी काला गहरा नीला, आपके लिए अनुकूल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न काला हीरा काला नीलम काला मोती और सभी काले नग हैं।

9, 18, 27 मूलाक 9

आपके कारक ग्रह मगल, सूर्य और यूरेनस हैं। मगल आपको काफी ऊर्जा शक्ति देगा लेकिन अपने काम को बहुत आवेशी भी बनाएगा। बोलने में जल्दबाजी से काम लेंगे बहुत मुहफट होंगे शीघ्र क्रोध में आने वाले होंगे और अपने अड़ियल कामों से लोगों को दुश्मन बना लेंगे। आपका स्वभाव अत्यन्त स्वतत्रप्रिय होगा।

किसी प्रकार का अकुश या आदेश दिया जाना पसद नहीं करेंगे। न्याय और कानून की गहरी समझ होगी और सभी विवादों में आम तौर से कमजोर पक्ष का साथ देंगे। आप बहुत ईमानदार होंगे और दूसरों से सीधे व्यवहार पर बल देंगे। उद्यमी भावना के कारण अपने कधों पर बहुत अधिक बोझ उठा लेने का रुझान होगा।

अपनी सुरक्षित शक्ति को नियत्रण में और बचाकर न रखेंगे तो अपने को थका डालेंगे और औसत आयु नहीं भोग पाएगे।

सबसे अच्छा उपयोग व्यापार में या नगर पालिका सरकारी दफ्तर राजनीति सरकार में या सैनिक मामलों में जिम्मेदारी के पदों पर भी हो सकता है।

जीवन में अनेक उतार चढ़ाव आने की सभावना है। सभी उच्च पदों पर आसीन हो सकते हैं और कभी प्रकटत घटनाचक्र से मेल न खाने के कारण

निष्क्रिय होकर बैठ सकते हैं। जाने अनजाने में आप जो कुछ करगे उसमें काफी दुश्मनी और अपनी योजनाओं का विरोध पैदा कर लेंगे। आप ऐसे दुश्मन पाल सकते हैं, जिनकी दुश्मनी जीवन भर चलेगी। दिल से आप वास्तव में उदात्त और उदार होंगे, लेकिन लडाई जारी रहने तक इन गुणो को प्रकट नही कर सकेंगे। जब दुश्मन पिट चुकेगा, तब सभवत आप उसे अपने पैरों पर खडे रहने में उसे सहायता करें।

अनेक सामान्य स्थितिया हिंसा, आग, विस्फोट आग्नेयास्त्रों से खतरा आदि का मामना करना पड सकता है। दुर्घटनाओं में सिर या पावों को चोट पहुच सकती है। लेकिन मृत्यु का सबसे बडा खतरा अत्यधिक परिश्रम के फलस्वरूप मूर्च्छा से या दिल के दौरे से हो सकता है।

अनेक विचित्र प्रेम प्रसग गुप्त मैत्रिया और रूमानी सम्बन्ध रहने की सम्भावना है लेकिन आमतौर से गलत आदमियों के साथ। उनमें प्राय खतरे का भी कुछ तत्त्व रहेगा। दमदार खेलों और जोखिम से भरे दुस्साहसपूर्ण अभियानों के शौकीन होंगे। आपमें मशीनों से काम लेने उनका कारोबार करने और उनसे सम्बन्धित आविष्कारों की काफी योग्यता होगी।

आपको अपने स उच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों से मेल रखना चाहिए। आपको सबसे अधिक परेशानी छोटे लोगों या अपने नौकरों से होगी।

रुपए पैसे के मामले में शुरू के वर्षों में काफी कठिनाइयों और निराशा का सामना करना पडेगा।

36 वर्ष के बाद व्यापारिक सगठनों और वित्तीय मामलों में आमतौर स बहुत सफल होने की आशा है। सभी प्रकार की सट्टेबाजी और शयरों की खरीद से बचना चाहिए।

शरीर तगडा और जोशीला होगा लेकिन अकस्मात् तापमान बढने और बुखार चढने की प्रवृत्ति रहेगी। कमर में लचक या चोट की सम्भावना है। अनेक दुर्घटनाओं और हाथ पैरों में चोट की भी प्रवृत्ति रहेगी।

सबसे भाग्यवर्धक अक नौ और एक हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष नौ मूलांकों वाले रहेंगे। नौ और एक मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आपके भाग्यवर्धक रग लाल सुनहरा पीला नारंगी भूरा है। आपके

भाग्य रत्न,लाल,तामडा रक्तमणि हीरा पुखराज हैं।

सितम्बर

1, 10, 19, 28 मूलांक 1

आपके कारक ग्रह सूर्य यूरेनस और बुध (सौम्य) हैं। इस राशि में सूर्य आपको बहुत सक्रिय मस्तिष्क देगा जिसमें ज्ञान को आसानी से ग्रहण कर सकेंगे।

आप जो भी काम या अध्ययन हाथ में लेंगे उसी में विचारशील प्रकृति के सच्चे अध्येता और परिश्रमी होंगे।

आपका भाषा पर अच्छा अधिकार होगा। सुन्दरता के हर रूप को प्यार करेंगे। लेकिन अपना सच्चा व्यवसाय चुनने में भारी कठिनाई होगी। आप अनेक दिशाओं में प्रयास करेंगे। अतत जिस रास्ते पर चलना है उस पर पाव जमाने के लिए मध्य आय या उसके बाद तक प्रतीक्षा करनी होगी। आपमें सम्पत्ति प्राप्त करने की काफी उत्कठा होंगी,लेकिन शुरू के वर्षों में इसका संग्रह करने में भारी कठिनाई होगी।

आपका मुख्य दोष यह है कि बडी आसानी से ऊब जाते हैं और बहुत अधिक चिन्ता करने लगते हैं। आपको एकाग्रचित होने अपने मं तथा अपने लक्ष्य में विश्वास पैदा करने और अपनी योजनाओं के अमल में विलम्ब या उत्साह भग को बाधक न बनने देने का प्रयास करना चाहिए। इस प्रकार करने से अत में आप अधिकाश अन्य लोगों से अधिक सफल होंगे।

पैसा कमाने के लिए आपकी परिस्थितिया आम तौर से बहुत शुभ हैं। आप आसानी से दूसरों का विश्वास प्राप्त करगे और वे आपको विश्वास तथा जिम्मेदारी के पदों पर बिठाएंगे। स्वय पूजी लगाने में और उद्योग या व्यापार जमाने में भाग्यशाली होंगे।

आप अच्छे स्वास्थ्य और शक्ति की अपेक्षा कर सकते हैं लेकिन एकदम ठीक रहने के लिए अधिक से अधिक ताजा हवा और व्यायाम कीजिए। स्वभाव से आप तग बस्तियों में या घर में घुसकर रहने वाले व्यक्ति नही हैं।

आपका सबस महत्त्वपूर्ण अक 'एक है। पाच भी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। सबस घटनापूर्ण वर्ष एक मूलाक वाले रहेंगे। एक दो चार'

और सात मूलाकों वाली तिथियों को जन्में व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सभी हलके रग भाग्यवादी रहेंगे, विशेषकर हल्का पीला सुनहरी, नारगी और हलका नीला। आपके भाग्य रत्न हीरा पुखराज नीलम।

2, 11, 20, 29 मूलाक 2

आपके कारक ग्रह चन्द्रमा नेप्च्यून और बुध हैं।

आप में बहुत उर्वर कल्पना शक्ति और उत्तम मानसिक क्षमता होगी किन्तु बार बार परिवर्तन का चाव आपको अपनी योग्यताओं से पूरा लाभ उठाने नही देगा। आपमें सभी बौद्धिक अध्ययनों की गहरी इच्छा होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में जाने के बजाय अन्य काम करना अधिक पसन्द करेंगे।

आप में आडम्बर नही होगा बल्कि बिना दिखावे का शान्त जीवन पसद करेंगे। जिस काम में भी लगे होंगे पूरे भरोसे और ईमानदारी से काम करेंगे लेकिन पर्याप्त आत्मविश्वास और अपनी योग्यता में यकीन न होने के कारण उत्साह का अभाव रहेगा। प्रयत्न से आप अपनी इस दुर्बलता को दूर कर सकते हैं।

आप शोध छात्र के रूप में साहित्य में कलात्मक काम में और कैमिस्ट या किसी विज्ञान के काम में अच्छी सफलता पा सकते हैं। आपको फूलों बागवानी और प्रकृति से घनिष्ठ रूप में जुडी वस्तुओं तथा धरती के पदार्थों से प्रेम होगा लेकिन, व्यावसायिक भावना न होने से उनसे आर्थिक लाभ न उठा सकेंगे।

आपमें मित्र बनाने और मित्रता बनाए रखने की क्षमता है विशेषकर अपने विपरीत लिंगियों से। आप अनेक बार स्थान परिवर्तन और यात्राए करेंगे।

अपने जीवन साथी के चुनाव में विशेष सावधानी वरतिए और जल्द बाजी से निर्णय मत कीजिए। अच्छा हो यदि बडी आयु में विवाह करें क्योंकि मध्य आयु के लगभग या बाद में आपके विचारों में क्रातिकारी परिवर्तन हो सकता है।

कभी कभी आपकी निराशा और उदासी के दौरे पडने की भी सभावना है। उनके अध्ययन से पता चलेगा कि चन्द्रमा का आप पर कितना प्रभाव है। आपका सबसे अच्छा समय शुक्ल पक्षा का होगा। इसी में अपनी योजनाए पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। कृष्ण पक्ष में चुपचाप रहते आना बेहतर होगा।

निराशा और उदासी स दूर रहिए, क्योंकि इसका आपके पाचन अगों और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पडेगा।

आप दूसरों का मन पढने के गुणों का विकास कर सकते हैं किंतु उन्हें बहुत कुछ अपने तक सीमित रखेंगे।

आप व्यापार के बजाय दिमागी काम स धन कमाएगे, किंतु धन की इच्छा से आकर्षित होने पर बडे उद्यमों के प्रमुख के रूप में भी अच्छा काम कर सकते हैं। आप साहित्य अलाचक पुस्तक समीक्षक प्रूफरीडर के रूप में शिक्षक सचिव या नई नई वस्तुओं के लिए यात्री के रूप में अच्छा काम कर सकते हैं। आप अल्पव्ययी और पैसे को सावधाना स खर्च करने वाल होंग। भविष्य के बारे में बहुत चिन्तित रहेंगे लेकिन अपनी आवश्यकताओं के लायक आपके पास काफी धन होन की आशा है।

पाचन अगों पेट और आतों की गडबडी से आपको अनक धक्के लगग। भोजन का अध्ययन कर ओर अपने शरीर के अनुकूल पदाथ चुन कर उनमे बच सकते हैं। कच्चे पक्के खाने के प्रति आप अत्यधिक सवदनशील होंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक दो और सात हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष दो के मूलाक वाले रहगे। दो सात मूलाकों वाले व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपक लिए भाग्यवर्धक रग हैं हलक हरे सिलेटी और नील। आपको काले गहरे रगा से बचना चाहिए। आपके भाग्यरत्न जड चद्रकात मणि मोती पर हरा जेड सर्वोत्तम रहेगा।

3, 12, 30 मूलाक 3

आपके कारक ग्रह गुरु और बुध है।

दिल स आप अत्यन्त महत्त्वाकाक्षा होंगे और अपने जन्म के तथा प्रारम्भिक जीवन के वातावरण से ऊचे उठने के लिए सकल्पबद्ध होंगे। आप किसी पद पर पहुच जाए आसानी से सन्तुष्ट नही होंगे। आप बेतहाशा गति से आगे बढना चाहेंगे। यदि इस प्रवृत्ति पर नियन्त्रण नही लगाया तो कभी कभी निढाल होकर बैठ जाने का खतरा है।

आपके लिए अपने आस पास के लोगों पर प्रभुत्व जमाना एकदम स्वाभाविक है। अपनी योजनाए पूरी करने के लिए आपमें दृढ इच्छाशक्ति और सकल्प होगा, लेकिन साथ ही दूसरों के विरोध के मुकाबले में बहुत आगे तक नही बढेंगे और अपने को वश में रखेंगे।

सम्पत्ति जमा करने की इच्छा में आप सासारिकता बरतते दिखाई देंगे किन्तु अपने ढग से उदार और उदात्त भी होंगे। अपने व्यवहार में आप विवेक और समझ से काम लेंगे। आपका मस्तिष्क व्यावहारिक ढग का होगा और सामने आने वाले किसी भी मामले का शीघ्र विश्लेषण कर देंगे।

आप वैज्ञानिक जाच पडताल और शोध से आकर्षित होंगे, लेकिन अपनी लक्ष्यपूर्ति के लिए लापरवाह की भाति उपयोग करेंगे। यदि सम्पत्तिवान हुए तो विश्वविद्यालयों को दान देंगे और शोध कार्य में छात्रों की सहायता करेंगे। आपका सबसे अच्छा काम उत्तरदायित्व अधिकार और विश्वास के पदों पर होगा।

आप अच्छे सगठनकर्त्ता होगे। दूसरों के लिए कानून बनाएगे लेकिन अपने कानून आप स्वय होंगे। सम्भवत आपको अपनी योजनाए पूरी करने में कुछ भी अनुचित या लीक से हटकर दिखाई नही देगा। आप उच्च श्रेणी के बुद्धिजीवी होंगे। कार्यकाल के विभिन्न चरणों में सामने आने वाली कठिन से कठिन समस्याओं को भी मन से स्वीकार कर लेंगे।

आप दूसरों की जमकर आलोचना करने वाले मित्रों तथा परिचितों के चुनावों में सावधान होंगे। कुछ ही लोग आपके निकट आ पाएगे। विचित्र अनुभव रहने की सम्भावना है। विवाह अपने से नीचे काम करने वाले या ऐसे व्यक्ति से करेंगे जिस पर आप मानसिक रूप से छाए हुए हों।

आपको भूमि या मकान में पूजी लगाने अथवा देश के विकास में पहल करने अथवा विदेशों या जन्म स्थान से बहुत दूर के स्थानों में सम्पर्कों से लाभ होगा। आप जन जीवन में या जनता के सामने लाने वाले किसी धंधे में भी सफल होंगे।

आपके जीवन का पूरा रुख सफलता का रहेगा। एकमात्र खतरा सीमा से बाहर निकलने या किसी अति महत्त्वाकांक्षी योजना में सब कुछ दाव पर लगा देने का है। यदि आप अपने को नियत्रण में रखेंगे तो अपने साथियों से कहीं

ऊचे उठने की आशा कर सकते हैं।

आपको अधिक डरने की आवश्यकता नही है, हालांकि आप अति चिन्तित हो सकते हैं। आप किसी ढग के काम से चिपके नही रहेंगे लेकिन कई कामों में अपने पाव फसाए रहेंगे। आप में अपार दूरदर्शिता और निर्णय बुद्धि होगी तथा अपने काम में सदा अपने प्रतिस्पर्धी स एक कदम आगे ही रहने का प्रयास करेंगे।

स्वास्थ्य के सम्बन्ध में प्रमुख प्रवृति पेट के ऊपरी भाग जिगर तिल्ली और पाचन अगों में गडबडी और मधुमह की होगी। आप अपने को मशीन समझकर अपना इलाज खुद करना चाहेंगे और डाक्टर को उसी भाति बुलाएग जैसे मशीन ठीक करने के लिए मकेनिक को बुलाते हैं।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अक तीन पाच और छ हैं। अपनी योजनाए इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष तीन मूलाक वाले रहेंगे। तीन पाच या छ मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति के प्रति गहरा लगाव महसूस करने की सम्भावना है।

30 सितम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए आगामी राशि तुला शुरू हो जाती है। आपमें सितम्बर की तीन मूलाक वाली अन्य तिथियों को जन्मे व्यक्तियों जैसे ही गुण होंगे, लेकिन उनसे अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

आपके लिए सभी हलके रग और उनके साथ जामुनी फालसई तथा बैंगनी रग भाग्यवर्धक रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हीरा, सभी चमकीले नग और कटैला।

4 13, 22 मूलाक 4

आपके कारक ग्रह यूरेनस सूर्य और बुध हैं। यूरेनस के प्रभाव का बडा दिलचस्प महत्त्व है। यह आपको विचारों और कार्य में इतना मौलिक और स्वतन्त्र बनाएगा कि अधिकाश लोग शायद आपको विचित्र और सनकी समझें। यदि आपको दूसरे लोगों से घुलने मिलने के लिए विवश होना पडा तो आमतौर से इसे बहुत कठिन और परेशानी वाला पाएग।

आप आसानी से मित्र बनाने वाले व्यक्ति नहीं होगे और जिन्हें मित्र बनाएगे उनके आपके और आपकी योजनाओ के लिए सहायक होने की आशा नही है। आप जीवन को अधिकाश लोगों स भिन्न कोण से देखेंगे। अन्य लोगों

के और विशेषकर अपने परिजनों के विचारों से आपके विचार मेल नहीं खाएगे।

आप असाधारण रूप से प्रबल इच्छा शक्ति और सकल्प वाले होंग। हठी भी हो सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से आप दूसरों जैसे सफल नही रहंगे क्योंकि प्राय अपने हितों के विरुद्ध काम करग और सामने उठने वाले प्रश्न के भौतिक या आर्थिक फलितार्थ की अधिक चिन्ता नही करेंगे।

आप अनेक लोगों को दुश्मन बना लेंग, क्योंकि आपके उद्देश्यों को ठीक से नही समझा जाएगा। आपको एस लोगों से विचित्र अनुभव होंगे। वे आपको गिराने की योजना और षडयत्र रचेंगे और कभी कभी आपको भारी परेशानी में भी डाल सकते हैं।

आपके बारे में झूठी कहानिया और गुमनाम पत्र प्रचारित किए जाएगे। बार बार गुप्त सूत्रों से घोटाले और बदनामी की खबरें उडने की भी सम्भावना है। आपके लिए यथासम्भव मुकदमेबाजी से दूर रहना उचित होगा क्याकि आपको निजी तौर पर या अपने उद्देश्य के लिए न्याय मिलना कठिन है।

किसी अदृश्य कारण से दूसरे लाग आपके मामलों में एक के बाद एक तालमेल पैदा करेंगे और मामलों को सीधा करने के आपक प्रयासों में भारी रोडा अटकाएगे। ऐसा होने पर यदि आप अपनी पहल पर काम करें और अपने निर्णय तथा अत-प्रेरणा पर भरोसा करें तो आप अधिक भाग्यशाली रहेंग।

आप किसी प्रश्न पर वाद विवाद की गर्मी में फैसला न करें। आपका स्वभाव तर्क के उलटे पक्ष का देखने का है। इससे मामला उलझेगा ही और लोग आपके विरोधी हो जाएगे।

यदि आप किसी स्वतन्त्र पद पर हैं और दूसरे लोगों के विचार के अनुसार नहीं चलना होता तो आप अपने लीक से हटे विचारों पर अमल कर पाएगे और अपनी मौलिकता से सफल होंग। लेकिन यदि आप इतने शक्तिशाली नही है कि दूसरे लोगों के विचारों की चिन्ता न करें तो हर हालत में आलाचना के शिकार बनगे। आपके साथ और आपके लिए सब कुछ अप्रत्याशित ही घटेगा।

इस महयोग के साथ साझेदारी या विवाह से प्रसन्नता मिलना बहुत सन्देहास्पद है। विवाह में सफलता तभी मिल सकती है जब आपका जीवन

साथी आपके विचारों और योजनाओं को अपना ले।

आप सबसे अधिक बौद्धिक वस्तुओं की चिंता करेंगे। आप नए विचारों पर चलेंगे। दर्शन, विज्ञान, रसायन शास्त्र बिजली टेलीविजन या रेडियो दरअसल लीक से हटकर किन्ही भी काम से सम्बन्धित बातों में आपको सफलता मिलने की आशा है।

वसीयत में कमी या मुकदमबाजी से आपका रुपया पैसा छिन सकता है। धन कमाने के लिए अधिकतर अपने प्रयासों पर निर्भर रहना होगा। लीक से हटकर रचनात्मक कार्मा से आप ऐसा कर सकते हैं लेकिन सदा अकल काम करते हुए ही सफल होंगे। आपको कर्मचारियों नौकरों और अपने से छोटे लोगों की धाखाधडी का शिकार भी होना पड सकता है।

आप डाक्टरों के लिए पहेली रहेंगे। अधिकाशत दुर्बाध ढग की आकस्मिक और असामान्य बोमारिया होंगी। जितनी जल्दी बीमार पड़ेंगे उतना ही जल्दी ठीक होते जाएगे। मन के सकल्प से आप अपेक्षाकृत दूसरों से अधिक स्वय को ठीक कर लेंगे।

ये सभी लक्षण 22 सितम्बर को जन्मे व्यक्तियों के बारे में इतने प्रबल नही होंगे। देर सवेर ये लोग अपने जीवन में 'चार' और 'आठ' अकों के महत्त्व को देखेंगे। इन्हे भाग्यवर्धक अक नहीं माना जाता, क्योंकि आमतौर से उनके गम्भीर या भाग्याधीन परिणाम होते हैं।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलाकों वाले होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आप नीले सुनहरे, पीले और भूरे रगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न नीलम पुखराज, हीरा और चमकीले नग हैं।

5, 14, 23 मूलाक 5

इसका कारक ग्रह बुध है जिसका मूलाक पाच है। आप इस अक से अन्य लोगों की अपेक्षा अधिक प्रभावित होंगे।

वैसे इस अक में अन्य सभी अकों के अनुरूप अपने को ढाल लेने का विचित्र गुण है। 'पाच' अक वाला व्यक्ति भी अपने सम्पर्क में आने वाले

तरह तरह के लोगों के अनुरूप अपने को बना लेने की क्षमता रखता है। 21 अगस्त से 23 सितम्बर तक जन्मे व्यक्तियों पर अन्य वर्गों की अपेक्षा भाग्य का प्रभाव कम पडता है। उनको काम करने की अधिक स्वतंत्रता रहती है। सम्भवत इसी कारण यह किसी विशेष कार्यक्षेत्र में न मिलकर सभी कार्यक्षेत्र में मिलत हैं।

आप ऐसे किसी काम से सफल हो सकते हैं,जिसमें दिमाग और मानसिक योग्यता चाहिए। लेकिन आपका सबसे बडा दोष यह है कि आप बहुमुखी होंगे कई नावों पर सवार रहेंगे और अनेक बार अपना रास्ता बदलेंगे।

आप किसी भी एकरस काम को नापसन्द करेंगे। आपको सबसे अधिक लाभ ऐसे व्यवसाय में होगा जिसमें आप शीघ्र पैसा कमा सकें। दूसरों के प्रभाव में आए बिना यदि आप अपने रुझान का काम अपनाए तो बहुत सफल होंगे लेकिन दूसरों के प्रभाव में आना बहुत कुछ निश्चित ही है क्योंकि सौम्य बुध के प्रभाव के कारण आप में ओज का अभाव रहेगा। आप दूसरों की सलाह से बहकर या तात्कालिक सनक में अपना धधा बदलकर अपने सर्वोत्तम अवसर गवा देंगे। अत इन तिथियों में पैदा होने पर आपको अधिक दृढ और आजस्वी बनने का प्रयास करना चाहिए और जो भी काम करें प्रयास जारी रखने की आदत डालनी चाहिए।

आप जहा भी जाएगे आसानी से मित्र बना लेंगे। विदेशों की परिस्थितियों के अनुसार अपने को ढाल लेंगे। आप भाषाए सीखने के बजाए बोलना पसन्द करेंगे। आप किसी क्षण चल देने के लिए तैयार रहेंगे। आपके अनेक घर होंगे,लेकिन स्वय उनमें रहने के बजाय कम से कम कुछ समय तक टिककर दूसरों के लिए घर बनाने की ओर आपका झुकाव होगा।

आपमें काफी व्यवहार कुशलता और कूटनीतक प्रतिभा होगी। आप मिलनसार और कुशल सत्कारकर्ता होंगे। जहा जाएगे वही लोग आपके आसपास घिरे रहेंगे।

लेकिन अब आप अपना दूसरा पहलू देखिए—यदि आप सावधान नहीं रहे तो आपके स्वभाव के ये ही गुण आपके पतन का कारण बन जाएगे। आपके मिलनसार स्वभाव पर दूसरे लोग आसानी से छा सकते हैं। कुशल बहुमुखी दिमाग और शीघ्र पैसा कमाने की भावना का लाभ आर्थिक मगरमच्छ उठा

सकते हैं मित्र बनाने और दूसरों के अनुरूप अपने को ढालने की प्रवृत्ति से आप हर प्रकार के खतरे में पड सकते हैं। उनमें कुछ आपको परिवर्तन के लिए गहरी उत्कठा और आवेश के फलस्वरूप हो सकते हैं। यदि आप अपने को ठीक से अकुश म रखें तो यह सब कुछ घटना जरूरी नहा है।

आपमें नई नई बातों की खोज के लिए काफी प्रतिभा मानसिक योग्यता और अपनापन है। अत आप साहित्य या पत्रकारिता में अच्छा काम कर सकते हैं। कठिनाई यही है कि आप जमकर प्रयास नही करना चाहते और किसी भी अकुश या एकरस काम को नापसन्द करते हैं।

विवाह बहुत भाग्यशाली रहने के सकेत नही हैं और एक से अधिक विवाहों की निश्चित सम्भावना है।

धन कमाने के लिए कोई एक धधा अपनाना प्राय असम्भव होगा। आप किसी पद और किसी काम में पैसा कमा सकते हैं। कभी कभी सौभाग्य के क्षण भी आएंगे, लेकिन आप बुढापे के लिए पैसा जमा नही कर सकेंगे। मेरी सलाह है कि अच्छे दिनों में वार्षिकी ऋणपत्र आदि खरीद रखिए जो भविष्य में जरूरत के समय काम आ सकें।

आप आम तौर से कृशकाय होंगे और अपनी स्नायुओं से बहुत काम लेंगे। सदा ऊचे तनाव की स्थिति में रहेंगे जिसका परिणाम स्वाभाविक टूटन में हो सकता है। आपके चेहरे के किसी भाग में फडकन, हकलाहट जिह्वा की नसों में परेशानी और बुढापे में पक्षाघात या पावों में ऐंठन हो सकती है। आप कम सोने वाले या अनिद्रा के शिकार हो सकते हैं और आपको पर्याप्त विश्राम तथा नींद नही मिल पाएगी।

आप अपनी योजनाए या कार्यक्रम पाच मूलाक वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए हालाकि अकों और तिथियों का आपके लिए इतना महत्त्व नही होगा। आपके जीवन में सबसे घटनापूर्ण वर्ष पाच मूलाक वाले रहेंगे। इसी मूलाक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेषकर आपके अपने महान—जून और फरवरी में पैदा हुए लोगों के प्रति लगाव महसूस कर सकते हैं।

आप किसी खास रग तक सीमित नही रहेंगे लेकिन आम तौर से सभी हल्के रग अधिक शुभ रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हीरा और सभी चमकीले नग हैं

6, 15, 24 मूलांक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र और बुध हैं। शुक्र के गुण विशेष रूप से परिलक्षित होंगे।

आपका स्वभाव अत्यन्त सहानुभूतिपूर्ण होगा कि ऐसा जहा प्यार और रोमास महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। लेकिन प्रेम प्रसगों से काफी कठिनाइया आने की सम्भावना है। प्राय सदा एक साथ दो प्रेम प्रसग चलगे। प्रारम्भिक वर्षों में आप गलत व्यक्ति की ओर झुकते दिखाई देंगे—पहले से विवाहित या आपके पद स छोटा व्यक्ति। बाद में आप इन सबको उलटकर ठीक से विवाह करेंगे।

आपमें शीघ्र वयस्क होने की प्रवृत्ति होगी—'जवान कधों पर बुजुर्ग सिर'। शुरू से ही आपके सामने दो रास्ते खुले होंगे। एक भक्ति भाव या गहरे धर्मभाव के रुझान वाला बहुत कठोर शुद्ध जीवन होगा जिस पर आपके परिवार और लालन पालन का भारी प्रभाव होगा। दूसरा घर के वातावरण से मुक्ति की भावना का दुस्साहसिक अभियान और सक्रिय जीवन से प्रम का रास्ता होगा। प्रारम्भिक जीवन की परिस्थितियों और प्रेम सम्बन्धों के अनुसार उनमें से आप एक या दूसरा रास्ता चुनेंगे।

आप खुले जीवन में शौकीन, हर प्रकार के खेलो में उत्तम और कुत्तों, घोडों तथा जानवरों से भारी लगाव रखने वाले होंगे। आप खती बाडी में या किसी बडे कृषि विकास कार्य में या दशा की खोज में बहुत सफल हो सकते हैं।

आपके स्वभाव का एक दूसरा पक्ष भी है, जो इतना ही प्रबल होगा। शुक्र और बुध के ग्रहयोग में जन्मे होने के कारण आप सगीत चित्रकारी या मच जैसा कोई कलात्मक व्यवसाय अपना सकते हैं। इनमें आपको काफी सफलता मिलगी। कुछ भी हो आप जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसी में कोई ऊंचा पद प्राप्त करेंगे।

आपके लिए यह भाग्यशाली सवाल है। कठिनाई के समय लोगों या मित्रों से सहायता मिलेगी। विरासत और उपहारों से लाभ मिलेगा। अपनी ओर से अच्छी जगह पूजी लगाएंगे विशेषकर घर भूमि सम्पत्ति आदि में।

इस सवाल को अधिक परेशान नहीं करना चाहिए, क्योंकि आपका काम बढिया होगा लेकिन शान शौकत से लगाव के कारण आप उसे आघात पहुचा

सकते हैं। बीमारियों से आपको गले श्वास नलिका और फेफड़ों की परेशानी छाती कधों, भुजाओं तथा पार्वा में घाव या चोट की सम्भावना है।

आपके लिए सबसे महत्त्वपूर्ण अक 'पाच और छ हैं। आपकी योजनाए और कार्यक्रम जहा तक हो सके इन्हीं मूलाकों वाली तिथियों में पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए भाग्यवर्धक रग नाले सफेद क्रीम और चमकील हैं। भाग्य रत्न फीरोजा और नीले नग, हीरा मोती और हलके चमकीले नग हैं।

7, 16, 25, मूलाक 7

आपक कारक ग्रह नेप्च्यून, चन्द्र और बुध हैं। जून की इन्हीं तिथियों का पैदा हुए व्यक्तियों क स्वभाव से भी आपक स्वभाव की बहुत सो बातें मिलती जुलती रहेंगी। उनके साथ आपकी पटरी भी बैठेगी, लेकिन आप उन जैसे ओजस्वी नही होंग। आपमें वैसा ही आदर्श विचारों का परिष्कार और कल्पना क्षमता होगी, किन्तु आप उनसे अधिक भौतिकवादी होंगे।

आप भी रहस्यवाद और गुप्त विद्याओं की ओर काफी आकर्पित होंगे लेकिन आलोचना करने वाले और शक्की होंगे। हर बात को तर्क से समझना चाहेंगे। एक बार सन्तुष्ट हो जाने पर अपने विश्वास में अत्यन्त ईमानदार रहेंगे, लेकिन अपने विचार दूसर लोगों पर लादेंगे नही। इन विपयों पर शोधकार्य में आप काफी समय लगाएगे। ऐसी सम्भावना है कि अपने विश्वास पर अन्तिम रूप से पहुचने से पहले आप अनेक धर्मों और विश्वासों की छानबीन करेंग।

आप मनोविज्ञान और ऐसे अन्य विषयों में और लेखक सगीतज्ञ रसायन शास्त्री या उद्योगों के सगठनकर्ता के रूप में भी अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

भौतिक दृष्टि से जीवन के प्रारम्भिक वर्ष अच्छे रहने की सम्भावना नही है लेकिन बाद की आयु में अपनी वृत्ति में धन, अच्छा पद और सफलता सभी का आश्वासन रहेगा।

आप बूढ़ों को अपनी ओर अधिक आकर्षित करेंगे और आपके सबसे अच्छे मित्र विचित्र सनकी और अपने काम तथा विचारों में सबसे अलग लोग होंग।

आर्थिक मामलों में आप अति चिंताग्रस्त दिखाई देंगे। आप दूसरे लोगों के हिसाब किताब की अच्छी व्यवसथा करेंगे और उन्हें धन कमाकर दे सकते हैं लेकिन निजी मामलों में इतने सतर्क रहेंगे कि मार्ग में आने वाले अवसरों का पूरा लाभ नही उठा पाएगे।

आपके स्वास्थ्य पर भी आपके मन का भारी प्रभाव पडगा। चिंता से शीघ्र अस्त व्यस्त और तनावग्रस्त हो जाएगे। पाचन अग भी आपको काफी परेशान कर सकते हैं।

आपका सबसे महत्त्वपूण अक सात और उसके बाद दो है। अपनी योजनाए और कार्यक्रम इन्हा मूलाकों वाली तिथियों पर पूरे करने का पूरा प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्ही मूलाकों वाले होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस कर सकते हैं।

अपना प्रभाव बढाने और भाग्य चमकाने के लिए नेप्चून (कबूतरी व हलके) और चन्द्र (हलका हरा क्रीम सफेद) के रगों के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हरा जेड मोती चन्द्रकात मणि चमकीले नग हैं।

8, 17, 26 मूलाक 8

आपके कारक ग्रह शनि और बुध (सौम्य) हैं। आपके स्वभाव में भी बहुत सी बातें ऐसी होंगी जो जून में इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के स्वभाव में हैं। आपकी उनके साथ अच्छी पटरी भी बैठेगी अन्तर यही होगा कि आप अपने विचारों में उनके जैसे ओजस्वी या उग्र नहीं होंगे।

प्रारम्भिक वर्षों में लगभग 35 वर्ष की आयु तक आपको अनेक बाधक प्रभावों का सामना करना पडेगा। उसके बाद आप अपने प्रतिकूल वातावरण से मुक्त हो जाएगे और आपकी आकाक्षाए पूरी होंगी।

आप धीर गम्भीर होंगे, पर असामान्य विषयों का अध्ययन करना चाहेंगे और आप में अपने ही खोल में रहे आने की प्रवृत्ति होगी। आम लोगों के बारे में आपका रुझान उनकी अति आलोचना करने और शकालु होने का होगा।

अपने काम में आप पूरे ईमानदार होंगे, लेकिन उसमें जितना दिमाग लगाएंगे, उसका आपको उचित श्रेय नहीं मिलेगा। आप पुरानी पुस्तकें पुस्तकालय और सग्रहालय पसन्द करेंगे और ऐसे विषय पर पुस्तकें लिखना या सकलित करना चाहेंगे।

लेकिन यदि आप 26 सितम्बर को पैदा हुए हैं, तो आप आगामी राशि तुला के संधि काल में इतने आगे बढ चुके होंगे कि ये सभी गुण पृष्ठ भूमि में पडने के साथ ही आप भौतिक दुनिया में अधिक आगे आएगे। आपकी आम वृत्तिया भी अधिक प्रकट होंगी।

हर हालत में अति सतर्कता की भावना के कारण आप धन कमाने के अनेक अच्छे अवसर गवा देंगे। इसके लिए आप प्राय पश्चात्ताप भी करेंगे। लेकिन आप कुछ ठोस धधों में या कोयला खान भूमि और मकान जैसी सम्पत्ति में अच्छी पूजी लगाएगे।

आप शरीर से बहुत तगडे होंगे और दिमागी काम में भी भारी सहन शक्ति और क्षमता होगी। बहुत अधिक बैठकर काम करने से आतों की रुकावट हर्निया, खुजली जैसे रोगों के आप शिकार हो सकते हैं। खुले में जितना व्यायाम कर सकते हों कीजिए। अनेक दुर्घटनाओं का सामना करने और मृत्यु की भी आशका है।

'चार' और आठ के अक आपके जीवन में बार बार आते रहेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले रहेंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति काफी लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए गहरे रगों से बचिए और हलके रगों के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं काला मोती काला हीरा, गहरा नीलम और सभी काले नग।

9, 18, 27 मूलाक 9

9 या 18 सितम्बर को जन्मे होने पर आप मगल और बुध के प्रभाव में आते हैं। आपके गुण बहुत कुछ वैसे ही होंगे जैसे जून में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के। अतर इतना ही होगा कि आप विचारों में या अपनी योजनाए पूरी करने में अधिक कूटनीति दिखाएगे।

मेरे मत से मगल और बुध एक दूसरे के मित्र हैं। मगल बुध को अपना काफी जोश ऊर्जा और सकल्प प्रदान करता है। यह सहयोग आपको मन से बहुत सक्रिय बनाएगा और जोखिम तथा दुस्साहस से प्रेम देगा। 9 और 18 जून को पैदा हुए व्यक्तियों की तरह आप भी अपने मुहफटपन से और वाणी से

सीधी चोट कर दूसरों को अपना दुश्मन बना लेंगे।

कभी कभी आप व्यग्य में बात करेंगे। बहुत पारखी आलोचक और छोटी छोटी बातों पर चिढ जाने वाले होंगे। उद्यमों में या इजीनियरी में या कारखाने के निर्माण में रचनात्मक काम के लिए आप बहुत उपयुक्त रहेंगे। अपने उद्यमों में मशीनों का काफी उपयोग करेंगे।

शल्य चिकित्सक या दत चिकित्सक के रूप में और महीन औज़ारों से काम लेने में भी आप में काफी योग्यता होगी। सभी नई वैज्ञानिक खोजों में आपकी गहरी दिलचस्पी होगी। दार्शनिक विचारक, या लेखक के रूप में अपने को अभिव्यक्त करने में आपको सफलता मिलेगी।

अपने स्वभाव के एक और पक्ष से आप में कृषि भूमि के विकास में या रुई मशीनों से काम लेने में माहिर होंगे।

जून की इन्ही तिथियों को पैदा हुए लोगों की भाति आप दुर्घटनाओं और मशीनों से कुछ अधिक ही दुर्घटनाग्रस्त होंगे। पशुओं विमानों और विमान यात्रा में भी खतरा हो सकता है।

27 सितम्बर को पैदा होने पर दुर्घटनाए अधिक गम्भीर होंगी। आग और आग्नेयास्त्रा से भी खतरा है। आपके कारक ग्रह मगल बुध के साथ शुक्र भी हैं। वैसे 9 18 तथा 27 सितम्बर को पैदा हुए व्यक्ति जो भी काम करेंगे उसी में सफल होंगे।

आप पैसा कमाने में आमतौर से सफल होंगे। जो काम करेंगे उसी में अपने नए विचारों से बहुत धनी हो जाएगे।

आप बीमारी के बजाय दुर्घटनाओं के अधिक शिकार होंगे। 27 सितम्बर को पैदा होने पर अनेक बार शल्य चिकित्सक के चाकू का भी अनुभव करने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अक नौ और पाच हैं। हो सके तो अपनी महत्त्वपूर्ण योजनाए और कार्यक्रम इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पूरा कीजिए। 27 सितम्बर को जन्मे लोग छ और नौ अकों को सबसे महत्त्वपूर्ण पाएगे।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष नौ मूलाक वाले होंगे। आपक तीन छ और नौ मूलाकों वाले व्यक्तियों के प्रति आकर्षित होने की सम्भावना है।

अपना प्रभाव बढाने के लिए लाल गुलाबी और हल्के रगों के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं लाल तामडा लाल या गुलाबी नग हीरा रक्त मणि।

अक्तूबर

1, 10, 19, 28 मूलांक 1

आपके कारक ग्रह सूर्य यूरेनस शुक्र और शनि हैं लेकिन 28 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति वृश्चिक राशि के प्रभाव में आते हैं जिसका स्वामी मगल है। 28 अक्तूबर तक शुक्र अपनी सौम्य राशि में है शनि उच्च का है मगल अस्त राशि में है और सूर्य नीच का है।

यह ग्रहयोग बहुरूपी स्वभाव प्रदान करेगा। साधारणत यह यश के लिए शुभ योग है। अपने निजी गुणों के विकास की दृष्टि से आपको अनेक सुअवसर मिलेंगे।

सूर्य न्याय से प्यार और सतुलन देगा। अपने वातावरण में शाति और सौहार्द पैदा करने की भावना होगी। आपमें शाति दूत की प्रवृति होगी। जब तक अपनी प्रबल न्याय भावना से इसके लिए विवश ही न हो जाए आप हर प्रकार के रक्तपात और युद्ध से घृणा करेंगे। शुक्र अपने सौम्य भाव में होने से आप प्यार के लिए तरसेंगे। आप त्याग करेंगे और फिर भी आपको बहुत कम सतोष मिलेगा।

आप में भारी महत्त्वाकाक्षा रहेगी लेकिन उसे पूरा करने में अनेक बाधाए आएगी। आपकी योजनाओं का हमेशा काफी विरोध होता रहेगा।

दूसरों के प्रति न्याय की भावना आपके स्वभाव में इतनी समाई हुई है कि आप कानून के अध्ययन में भारी योग्यता प्राप्त कर सकते हैं। आप ईमानदार वकील या जज के रूप में प्रसिद्ध होंगे। आप किसी प्रकार के राजनीतिक जीवन में भी सफल हो सकते हैं लेकिन साधारण राजनीतिज्ञ की दृष्टि के बजाय कानूनों में सुधार की दृष्टि से। आप चिकित्सक और सभी तरह के शोध कार्य में भी सफल रहेंगे।

अपने इकट्ठे किए प्रमाणों को जोरदार ढंग से पेश करने की तीव्र उत्कठा से आप अनेक लोगों को शत्रु बना लेंगे। जो लोग तर्कपूर्ण ढंग से बात नहीं कर

सकते उनका आपके लिए कोई उपयोग नहीं है। अक्तूबर में इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति अनेक प्रकार की वृत्तिया अपना सकते हैं।

यदि आप 28 अक्तूबर को जन्मे हैं तो आपका सूर्य तुला क मधिकाल से निकलकर वृश्चिक में प्रवेश कर चुका है। अपने बारे में जानकारी के लिए आप नवम्बर में एक मूलाक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की भी जानकारी प्राप्त कीजिए।

आपके लिए साधारण ढग के कामों की अपेक्षा मानसिक व्यवसायों से पैसा कमाने और अपनी निजी महत्वाकाक्षाए पूरी करने की सम्भावना अधिक है। आप निजी सग्रह के बजाय अपने ध्येय के लिए सम्पत्ति की इच्छा करेंगे।

औसत शक्ति से आपको स्वास्थ्य के बारे में कम शिकायत होगी। जब तक पूरे तनाव से काम करेंगे ठीक रहेंगे। निष्क्रियता का आपके लिए मतलब है मौत। यदि कभी कष्ट हुआ तो दुर्घटनाओं से चोट लगने के कारण ही होगा। दुर्घटनाओं के घाव सिर और कध पर आने की अधिक सम्भावना है लेकिन आपको पेट और आतों का आपरेशन कराना पड सकता है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक एक और छ है। 'चार' 'आठ तथा नौ' भी जीवन में बार बार आएगे लेकिन मैं आपको इन्हें अपना अक चुनने की सलाह नहा दूगा। सबस घटनापूर्ण वर्ष एक छ और 'आठ, मूलाकों वाले रहेंगे। एक 'चार' छ और आठ' मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए सूर्य (सुनहरा पीला नारगी भूरा) यूरेनस (सिलेटी या शोख) और शुक्र (नीला) के रग के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हीरा पुखराज अम्बर नीलम।

2, 11, 20, 29 मूलाक 2

आपके कारक ग्रह चन्द्र नेप्च्यून शुक्र और शनि हैं। आप कोई वृत्ति अपनाए आपको प्रेरणा का वरदान प्राप्त होगा। आपातकाल में आप में पूर्व ज्ञान की गहरी समझ रहेगी। आप अपनी योजनाओं के निष्कर्ष को पहले से ही भाप लेंगे और फिर विरोध के बावजूद उन्हें पूरी करेंगे।

आम बातों में आप में अति संवेदनशील होने और आलोचना को महसूस करने की प्रवृत्ति होगी लेकिन आपात् स्थिति पैदा होते ही आपके स्वभाव का

प्रबल पक्ष गति में आ जाएगा। इसलिए महत्वपूर्ण मामलों पर फैसला उस समय लीजिए जब आप अकेले हों और दूसरों के विचारों के प्रभाव से मुक्त हों। कभी कभी आपको निराशा के दौर पड़ेंगे और आपको अपनी कार्यक्षमता पर ही संदेह होता दिखाई देगा।

दिल मे आपका स्वभाव बहुत स्नेही है और आप प्यार की गहरी आवश्यकता महसूस करेंगे। लेकिन इन मामलों में आप इतने संवेदनशील और कटु आलोचक होंगे कि अच्छे अवसर गवा सकते हैं। 2, 11, 20 या 29 तारीखों को जन्मे लोग यदि कम आयु में विवाह नही कर लेते तो प्राय कुआरे ही रहे आते हैं। आगामी राशि वृश्चिक में 29 अक्तूबर का पैदा हुए लोग अपने विपरीत लिंगियों से काफी प्रभावित होंगे और उनके जीवन में अनेक रूमानी प्रसग आएगे। वे यात्रा के और जन्म स्थान से दूर देशों में रहने के भी बहुत शौकीन होते हैं। समुद्र या विशाल जल राशि मे इन्हें मोह होता है लेकिन यात्रा के दौरान डूबने या दुर्घटनाग्रस्त होने का काफी खतरा रहता है।

आपके मन में सगीत चित्रकला, काव्य और सभी ललित कलाओं के प्रति गहरा प्रेम होगा। यदि इन्हें वृत्ति के रूप में अपनाने का अवसर मिला तो काफी सफलता मिलेगी। कपड़ों में आपकी गहरी रुचि होगी। भोग और दूसरों की नकल की भी इच्छा होगी।

20 अक्तूबर को पैदा हुआ व्यक्ति जब सूर्य वृश्चिक के सधि काल में प्रवेश कर रहा होता है 2 या 11 अक्तूबर को पैदा हुए व्यक्ति से अधिक आत्मविश्वासी होगा। 19 अक्तूबर को पैदा हुए लोग और भी आत्मविश्वासी होंगे। उनके लिए सफलता की संभावना भी अधिक रहेगी, विशेषकर कला, साहित्य सगीत काव्य या नाटक में।

जब तक आप से लाभ उठाने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों से आत्मरक्षा के लिए आप नाकेबदी नही करेंगे आपके लिए यह विषय शुभ नहीं होगा। व्यवसाय और लीक वाला काम आपको अरुचिकर होगा लेकिन आपात् स्थिति में कल्पना तथा प्रेरणा के वरदान से आप धन कमा सकते हैं और सफल हो सकते हैं। परिस्थितिया अनुकूल होने पर आप बहुत यात्राए करेंगे विदेशों में रुचि लेंगे और उनके सम्बन्ध में सफलता प्राप्त करेंगे।

प्रारम्भिक वर्षों में आपके मोटे ताजे या शक्तिशाली होने की सम्भावना

उच्च पदस्थ लोगों को विशेषकर धर्म, कानून या सरकार के महत्त्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों को शीघ्र अपना मित्र बना लेंगे। आप कानून और व्यवस्था के उत्साही समर्थक होंगे, साथ ही अपने नीचे काम करने वालों के लिए एक अच्छे मालिक सिद्ध होंगे।

आपके वैवाहिक सम्बन्ध और घरेलू जीवन सुखद रहने की आशा है। बच्चों से भारी सुख मिलेगा।

कभी कभी शत्रुता का भी सामना करना पड़ेगा और ईर्ष्यालु प्रतिस्पर्धी आपके सम्मान को चोट पहुचाएगे। ऐसी बातों की आप कम ही चिंता करेंगे और अपने ध्येय से तिल भर नही डिगेंगे।

21 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियों का सूर्य वृश्चिक क संधि काल में पहुच चुका होता है। उनमें बहुत कुछ 3 और 12 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियों जैसे ही गुण होंगे, किंतु पारिवारिक जीवन इतना सुखद नही रहेगा। 30 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति वृश्चिक राशि में प्रवेश कर गए होते हैं। उनको भी सासारिक सफलता के लिए शुभ परिस्थितिया हैं।

आप व्यापार आर्थिक लेन देन या उद्योग में आमतौर से काफी भाग्यशाली रहेंगे। शक्तिशाली मित्रा विपरीत लिंगियों या विवाह से लाभ होगा।

प्रारम्भिक वर्षों के बाद स्वास्थ्य आमतौर से अच्छा रहेगा। 21 वर्ष की आयु इस बारे में मोड हो सकती है। किसी बीमारी का नाम लेना कठिन है लेकिन दुर्घटनाओं स चोट खा सकते हैं विशेषकर कार रेल या ट्रक दुर्घटना से।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अक तीन और छ हैं। 'आठ और चार' के अक भी जीवन में आएगे लेकिन आमतौर से विरोध या दुख लेकर आएगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष तीन और छ मूलाकों वाले ही होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु (बैंगनी फालसई जामुनी) तथा शुक्र (नीला) के रगों के कपडे पहनिए। आपक भाग्य रत्न कटैला, सभी जामुनी नग फीरोजा, सभी नीले नग हैं।

नही है। मन से आप बहुत सक्रिय होंगे और दिवास्वप्न वास्तविक लगेंगे। आप कमर या रीढ़ की विचित्र कमजोरी के शिकार हो सकते हैं और कमर झुक सकती है, आपको शीघ्र सर्दी जुकाम पकड सकता है और सावधानी नही बरती तो गले फेफडों, नासिका रन्ध्रों और कानों में परेशानी हो सकती है।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अक हैं दो और सात। अपनी योजनाए और कार्यक्रम इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूण वर्षों में दो और सात मूलाकों वाले ही होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढने के लिए चद्र (हरा क्रीम सफेद) शुक्र (नीला) नेप्चून (कबूतरी हलके और शोख) के रगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हरा जेड मोती चद्रकात मणि पुखराज अम्बर फीरोज।

3, 12, 21, 30 मूलाक 3

इसके कारक ग्रह गुरु, शुक्र और शनि हैं। गुरु क प्रभाव के कारण आपके दृढतर गुण अधिक प्रकाश में आएगे जैसे महत्त्वाकाक्षा इच्छा शक्ति सकल्प। यह ग्रह योग इतना शुभ है कि आपका कोई ध्येय हो आपका जीवन में काफी सफलता मिलेगी।

आपमें इतनी महत्त्वाकाक्षा होगी कि कोई साधारण पद आपको सतोप नहीं दे पाएगा, किन्तु महत्त्वाकाक्षा बहुत उदात्त ढग की होगी। अपने साथियों से ऊचे उठकर आप जिम्मेदारी तथा विश्वास के पदों पर पहुचेंगे लेकिन आपका सबसे अधिक प्रयास आम मानवता के कल्याण के लिए होगा।

कुछ भी करें स्वभाव से आप ईमानदार होंगे। आप न्यायप्रिय अत्यन्त उदार और दानशील तथा सार्वजनिक सस्थाओं अस्पताल, अनाथालय आदि में समय और धन लगाने वाले होंगे। व्यक्ति के बजाय सस्थाओं का अधिक सहायता करेंगे। यदि आपके परिवारजन आपकी सलाह पर चलेंगे तो उनके प्रति भी इतने ही उदार होंगे।

मूर्ख और लम्पट व्यक्तियों से आपको कुछ लेना देना नही होता। आपकी जेब उनके लिए एक बार खुल सकती है, दो बार नही। आप न्यायप्रिय ही होंगे लेकिन साथ ही कठोर भी होंग। किसी का आप स लाभ उठाने का प्रयास आपका अच्छा नही लगेगा।

उच्च पदस्थ लोगों को, विशेषकर धर्म कानून या सरकार के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों को शीघ्र अपना मित्र बना लेंगे। आप कानून और व्यवस्था के उत्साही समर्थक होंगे साथ ही अपने नीचे काम करने वालों क लिए एक अच्छे मालिक सिद्ध होंगे।

आपके वैवाहिक सम्बन्ध और घरेलू जीवन सुखद रहने की आशा है। बच्चों से भारी सुख मिलेगा।

कभी कभी शत्रुता का भी सामना करना पडेगा और ईर्ष्यालु प्रतिस्पर्धा आपक सम्मान को चोट पहुचाएगे। ऐसी बातों की आप कम ही चिंता करेंगे और अपने ध्येय से तिल भर नही डिगेंगे।

21 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियों का सूर्य वृश्चिक के सधि काल में पहुच चुका होता है। उनमें बहुत कुछ 3 और 12 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियों जैसे ही गुण होंगे किंतु पारिवारिक जावन इतना सुखद नही रहेगा। 30 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति वृश्चिक राशि में प्रवेश कर गए होते हैं। उनको भी सासारिक सफलता के लिए शुभ परिस्थितिया हैं।

आप व्यापार, आर्थिक लेन दन या उद्योग में आमतौर से काफी भाग्यशाली रहेंगे। शक्तिशाली मित्रों विपरीत लिंगियों या विवाह से लाभ होगा।

प्रारम्भिक वर्षों क बाद स्वास्थ्य आमतौर से अच्छा रहेगा। 21 वर्ष की आयु इस बारे में मोड हो सकती है। किसी बीमारी का नाम लेना कठिन है लेकिन दुर्घटनाओं से चोट खा सकते हैं विशेषकर कार, रेल या ट्रक दुर्घटना से।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'तीन और छ हैं। आठ और 'चार' के अक भी जीवन में आएगे, लेकिन आमतौर से विरोध या दुख लेकर आएगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष तीन और छ मूलाकों वाले ही होंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु (बैंगनी फालसई जामुनी) तथा शुक्र (नाला) के रगों के कपड पहनिए। आपके भाग्य रत्न कटैला, सभी जामुनी नग, फीरोजा सभी नीले नग हैं।

4, 13, 22, 31 मूलांक 4

आपके कारक ग्रह यूरेनस सूर्य शुक्र और शनि हैं। 4, 13, या 22 अक्तूबर को जन्मे होने पर यूरेनस तथा शनि के मिले जुले प्रभाव से जीवन असामान्य होने की सम्भावना है। अनेक ऐसे परिवर्तन और विचित्र अनुभव होंगे जिन पर आपका नियन्त्रण नही रहेगा। शुक्र के अपने सौम्य भाव में होने से प्रेम और विवाह के सम्बन्ध में अनोखे अनुभव होंगे। आप विचित्र और बहुत कुछ सनकी व्यक्तियों की ओर आकर्षित होंगे जो सासारिक दृष्टि से आपके लिए भाग्यशाली नही रहेंगे।

यदि आप किसी को गहराई से चाहगे तो उसके कामों की कितनी ही आलोचना हो आपके प्रेम में कमी नही आएगी। ऐसे मामालों में आप काफी जिद्दी होंगे। अपने परिवार के सदस्यों के विरोध और मनमुटाव का भी सामना करना पड सकता है। सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों क कारण आपको दुखात या सनसनीखेज अनुभव हो सकत हैं और निर्दोष होते हुए भी बदनामी या घोटालों की सम्भावना है।

आपके विचार लीक से हटकर कुछ सनकीपन लिए हुए होंगे। आपको साहित्यिक और कलात्मक कार्य में अपने को अभिव्यक्त करने का खासा वरदान मिला हुआ है इसका आप लाभ उठा सकते हैं।

साझेदारिया या विवाह सम्बन्ध तभी ठीक हो सकते हैं जब असामान्य परिस्थितियों में हों और आप काफी आत्म त्याग का परिचय दें।

आप में गुप्त विद्याओं के अध्ययन की प्रवृत्ति और सम्मोहन—या दूसरों के मन को पढने की योग्यता हो सकती है। आपको आग्नेयास्त्र विस्फोटों आदि से दुर्घटना का खतरा है। तूफान बिजली विमान दुर्घटना जैसे हवाई खतरे भी आपके जीवन में आ सकते हैं।

यदि आप 31 अक्तूबर को पैदा हुए हैं तो आपका सूर्य वृश्चिक राशि के प्रारम्भ में होगा। जहा तक निजी प्रगति और भौतिक सफलता की बात है यह आपके लिए अधिक शुभ है।

आपके प्रारम्भिक वर्ष आमतौर से आर्थिक कठिनाई में गुजारेंगे या तो मा बाप आपके लिए अधिक पैसा नहीं छोडेंगे या आप कोई ऐसा धधा चुनेंगे जिसमें शुरू में योग्यता दिखाने की अधिक गुजाइश नहीं होगी। लेकिन बाद में

आप सफल होंगे, विशेषकर यदि 22 या 31 अक्तूबर में पैदा हुए हों। आपका सबसे बडा खतरा यह है कि कितना भी पैसा कमा लें बुढापे के लिए कुछ भी बचाकर नहीं नही रखेंगे और प्राय गरीबी की दशा में मरेंगे।

4 या 13 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति अकस्मात किसी असामान्य बीमारी के शिकार हो सकते हैं। उन्हें गले नाक चहरे और अन्दरूनी अगों का आपरेशन भी कराना पड सकता है।

22 या 31 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति बचपन में आमतोर स कमजोर होंगे लेकिन 31 वर्ष की आयु के बाद बीमारी से लडने की भारी शक्ति पैदा कर लेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक चार' और आठ है। लेकिन कभी भी अपनी ओर से इन अकों स काम लेने की सलाह नही है। एक या छ के अक आपके लिए अधिक भाग्यशाली रहेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष चार' और 'आठ' मूलाकों वाले ही रहेंगे। इन्ही मूलाकों वाला तिथियों को जन्मे व्यक्तिया के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

कपडों में आप सुनहरे पीले, भूरे नारगी और नीले रग का प्रयोग कीजिए। आपके भाग्य रत्न पुखराज हीरा, फीरोजा है।

5, 14, 23 मूलाक 5

आपक कारक ग्रह बुध शुक्र शनि और सूर्य हैं। यह बहुत दिलचस्प ग्रह योग है और आमतौर से आपके चरित्र का बल प्रदान करने में बहुत महत्त्वपूर्ण भी।

उच्च शुक्र के शनि के साथ अपने सौम्य भाग में होने से आप प्रेम प्रसगों में असामान्य परीक्षाओं की आशा कर सकते हैं। अधिकाश जीवनकाल में आप माता पिता या किसी सम्बन्धी के प्रति प्रबल कर्त्तव्य भावना से प्रेरित होकर आत्म त्याग करते रहेंगे। इस उच्च ध्येय के लिए अपनी योजनाओं तथा महत्त्वाकाक्षाओं को भी तिलाजलि दे देंगे। आपके लिए यह इस भावना के कारण और भी कठिन होगा कि आपको औसत से अधिक बुद्धि मिली हुई है और यदि आपको खुलकर काम करने की और अवसरों स पूरा लाभ उठाने की छूट मिले तो आप अपनी प्रतिभा से बहुत कुछ कर सकते हैं।

आपका स्वभाव अत्यन्त शालीन होगा जरा सा भी अक्खडपन या

भद्दापन आपको चुभेगा। हर पीडा के प्रति आपके मन में दया सहानुभूति और करुणा होगी फिर भी आप सही निर्णय और उत्तम तर्क शक्ति की क्षमता से सम्पन्न व्यावहारिक तथा ठंडे दिमाग से सोचने वाले व्यक्ति होंगे। व्यवहार में शांत और सरल सिद्धांतों में पक्के। आपकी सबसे बडी भावना अपने आस पास के लोगों में सौहार्द और शांति स्थापित करने की होगी। आप रक्त बहाने वाले योद्धा नहीं होंगे। आप विवाद या झगडे नापसन्द करेंगे लेकिन अपने सिद्धांतों पर अडिग रहेंगे और अन्याय के विरुद्ध अन्तिम दम तक लडेंगे।

ऐसी तिथियों में जन्मे व्यक्ति बहुमुखी प्रतिभा वाले और परिस्थितियों के अनुकूल अपने को ढाल लेने वाले दोनों होते हैं। जिस काम में भी हाथ डालेंगे कर सकेंगे। ये हर प्रकार के व्यक्तियों में रच खप सकते हैं, केवल उनको छोडकर जो अपनी रुचियों और विचारों में भद्दे और शालीनता रहित होते हैं। वे महल और कुटिया दोनों में एक जैसे धीर गम्भीर रहते हैं। वे धन के लिए मरते नहीं लेकिन भविष्य की चिंता अवश्य करते हैं। इसलिए वे किफायतसारी से सावधानी से खर्च करने वाले होते हैं तथा बुढापे के लिए उचित व्यवस्था करने का जी जोड प्रयास करते हैं।

14 अक्तूबर को जन्मे लोगों में ये गुण सबसे अधिक होते हैं लेकिन प्रेम और सम्बन्धों के कारण सबसे अधिक कष्ट भी ये ही भोगते हैं। वे बहुत युवा और हसमुख दिखाई देते हैं और बुढापे में भी दिल से युवा बने रहने के लिए अपना कोई दर्शन बना लेते हैं।

वे बहुत अच्छे समालोचक और प्रूफरीडर भी होते हैं। दूसरे कामों से समय निकाल सकें तो अच्छे लेखक भी बन जाते हैं।

आप दूसरों को अच्छी आर्थिक सलाह दे सकेंगे लेकिन स्वयं उस पर नहीं चलेंगे। 23 से 50 वर्ष की आयु तक किसी व्यवसाय में या मानसिक योग्यता से अच्छी आय होगी। लेकिन कितना भी धन कमा लेंगे अपनी उदारता के कारण बुढापे के लिए शायद ही अधिक बचा पाए।

आप भारी उत्तेजना के शिकार रहेंगे। काया कृश होगी लेकिन उसमें रोगों से लडने की काफी शक्ति रहेगी। सारी आयु पेट प्रायः नाजुक बना रहेगा पाचन अंग भी। आप अन्य लोगों की भांति नहीं खा सकते और भोजन के बारे में विशेष सावधान रहेंगे। आंखों चेहरे हाथ पैरों में नसों की फडकन हो सकती है। जिह्वा और मुख में विकार तथा तीव्र न्यूरोल्जिया भी हो सकता है।

आपका सबसे महत्त्वपूर्ण अंक पांच और उसके बाद 'छः' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष पांच मूलांक वाले रहेंगे। पांच, छः और आठ मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति काफी लगाव महसूस करेंगे।

रंगों और रत्नों का आप पर अधिक प्रभाव नहीं होगा। सभी हलके रंगों के वस्त्र और हीरे तथा चमकीले नग ठीक रहेंगे।

6, 15, 24 मूलांक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र और शनि हैं। शुक्र अपने सौम्य भाव में आपके जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जहां कहीं रहेंगे, आपके मित्रों की बड़ी संख्या होगी और आप काफी लोकप्रिय होंगे। विपरीत लिंगियों के लिए भारी आकर्षण और प्रभाव होगा।

आप दूसरों का सत्कार करना पसन्द करेंगे और उस पर काफी खर्च भी करेंगे लेकिन घर बर्बाद करने वाले या अल्पखर्च नहीं। आपमें थोड़े से खर्च से बड़े ठाठ बाट पैदा कर देने की क्षमता है।

आपके अनेक प्रेम प्रसंग और एक से अधिक विवाह होंगे। लेकिन ऐसे मामले में अनेक परेशानियों, निराशाओं और विचित्र अनुभवों से भी गुजरना होगा।

अपनी निजी प्रतिभा से आप उच्च सामाजिक पदों पर पहुंचेंगे और उच्च पदस्थ तथा धनी व्यक्तियों से सम्बन्ध बनाएंगे।

साहित्य, संगीत, चित्रकला, काव्य, नाटक और ललित कलाओं में आम तौर से आपकी भारी रुचि होगी। यदि स्वयं नहीं अपनाएंगे तो उन्हें संरक्षण प्रदान करेंगे और कलाकारों में दिलचस्पी लेंगे। यदि आप किसी कला को वृत्ति के रूप में अपनाना चाहेंगे, तो आपको उसमें भारी सफलता मिलेगी।

पूंजी विनियोग और आर्थिक मामलों में आप भाग्यशाली रहेंगे विशेषकर अपनी प्रेरणा के अनुसार चलने पर। आम जनता से जुड़ी साझेदारियां व्यापारिक विनियोग में शुभ होंगी।

आपकी काया में शीघ्र ठीक हो जाने का गुण है अतः आपको खास बीमारी नहीं होगी। कभी कभी खरोंचों से फोड़े बन सकते हैं। प्रारम्भिक वर्षों में टॉंसिल फूलने और जिह्वा के पिछले भाग तथा गले में भी कुछ गड़बड़ी होने की सम्भावना है।

आपका सबसे महत्त्वपूर्ण अक 'छ है विशेषकर मई और अक्तूबर के महीनों में। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलाक वाले होंगे। इसी मूलाक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप भारी लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए शुक्र (नीला) और सूर्य (सुनहरा पीला नारगी भूरा) के रगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हीरा पुखराज अम्बर फीरोजा।

7, 16, 25 मूलाक 7

आपके कारक ग्रह नेप्च्यून शुक्र और शनि हैं लेकिन यदि आप 25 अक्तूबर को पैदा हुए हैं तो आगामी राशि वृश्चिक के सधि काल में काफी आगे निकल चुके होगे और आपके गुण पूर्व तिथियों पर जन्मे व्यक्तियों से अधिक प्रखर होंगे।

आपको उच्च मानसिकता का वरदान है। यदि सतुलन बनाए रख सकें तो जो भी वृत्ति अपनाएगे उल्लेखनीय काम कर दिखाएगे विशेष रूप से काव्य साहित्य चित्रकला सगीत या ललित कलाओं जैसे कल्पनाप्रधान क्षेत्रों में।

7 अक्तूबर को पैदा हुए व्यक्ति प्राय इतने सवेदनशील होते हैं कि वे अपने काम में पीछे हटकर खडे होते हैं। 16 अक्तूबर को पैदा हुए लोग बहुत शीघ्र आपा खो बैठते हैं। 25 अक्तूबर को पैदा हुए लोग अपने काम में अधिक साहसी और आवेश में काम करने वाले होते हैं।

अपने सभी कामों में इन तीनों प्रकार के व्यक्तियों का लीक से हटकर रुझान होता है। विशेषकर उनकी कटु आलोचना और बदनामी होती है। अनेक मामलों में घोटाले भी होते हैं। जब तक भारी सावधानी न बरती जाए यह जन्म काल विवाह तथा साझेदारियों के लिए शुभ नहीं है।

आपके आर्थिक मामलों में काफी उतार चढाव आएगा। कभी काफी अमीरी होगी कभी इसका उलटा। आमतौर से आप सट्टेबाजी में भाग्यशाली नही रहेंगे क्योंकि बेईमान लोग आपका पैसा हडप लेंगे। आपको यही सर्वोत्तम सलाह है कि आप अवश्य सरकारी बाडो में पैसा लगाइए। कम लेकिन भरोसेमन्द ब्याज से गुजारा कीजिए। सबसे अधिक बुढापे के लिए वार्षिकी (युनिट) खरीदकर रखिए।

स्वास्थ्य के बारे में अनक विचित्र अनुभव होने की सम्भावना है। कभी विष का खतरा भी हो सकता है, खाने में सयाग से या आपका अपनी असावधानी स। गुर्दे, तिल्ली और अपेंडिक्स परशान कर सकते हैं।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक सात और दो हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाए तथा कार्यक्रम पूरे करने और इन्ही मूलाका व मकानों में रहने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष दो और सात मूलांकों वाल हो होंगे। इन्हीं मूलांकों वाले व्यक्तियों क प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने क लिए चन्द्र (हरा, क्रीम सफेद) नेप्च्यून (कबूतरी हल्के या खाख) और शुक्र (नीला) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हरा जेड मोती चद्रकात मणि फीरोजा।

8, 17 26 मूलांक 8

आपके कारक ग्रह शनि और शुक्र हैं लेकिन यदि आप 26 अक्तूबर को पैदा हुए हैं, तो आप आगामी राशि वृश्चिक के सधि काल में काफी आग बढ चुके होंगे और आपकी परिस्थिया अधिक अनुकूल होंगा।

यदि विरासत में आपको पैसा नहीं मिला है तो आपका समय आमतौर से आराम स नही बीतेगा और आपका आगे बढने के लिए कठोर परिश्रम करना होगा।

आप उच्च बुद्धिजीवी होंग। सामाजिक जीवन में आने के बजाय किसी गम्भीर अध्ययन में अपना समय लगाना चाहेंगे। पुरुष अच्छे डाक्टर वैज्ञानिक और वकील बन सकते हैं। महिलाए पढाकू प्राय सामाजिक सुधारों पर लिखने वाली होती हैं, व जनता को प्रभावित करने वाले व्यापक राजनीति प्रश्नों में दिलचस्पी लेने लगती हैं अथवा पूरे दिलो दिमाग से किसी ऐसे काम में लग सकती हैं जो मानवता के लिए कल्याणकारी समझती हैं किन्तु स्त्री और पुरुष दोनों कोई मुश्किल वृत्ति चुनेंगे जिसमें अपने विचारों के लिए उन्हें भारी विरोध का सामना करना पडेगा।

सासारिक दृष्टिकोण से आप प्राय पैसे वाले बन जाएगे। ऐसा होने पर अपना पैसा किसी असाधारण काम में लगाएगे जैसे वैज्ञानिक शोध को आगे बढाने के लिए सस्थाओं तथा अस्पतालों की स्थापना अथवा कोई राजनीतिक

सुधार का काम।

इन तिथियों को पैदा हुए लोगों को भारी दुख या कष्ट उठाने पडते हैं। किसी प्रिजयन की क्षति माता पिता या निकट सम्बन्धी की बीमारी तथा मृत्यु या परिवार में तनाव। इस अवधि में शनि इतना शक्तिशाली रहता है कि ये व्यक्ति किस उच्च पद पर पहुच जाते हैं? लेकिन बुढापे में उनके हाथों से सभी कुछ निकल जाता है और उन्हें बदनामी तथा घोटालों का भी शिकार होना पडता है।

ये लाग यदि कर्मचारियों के रूप में काम करेंगे, तो शायद ही कभी मनोनुकूल पदों पर पहुचें और बहुत दुखी जीवन बिताते हैं। दूसरे लोग उन्हें बहुत गलत समझते हैं। शात स्वभाव के होने के कारण ठीक से अपनी सफाई भी नही दे सकते। अक्सर उन्हें कार्यभग और अपने वरिष्ठ अधिकारियों से कठोर व्यवहार मिलता है।

आर्थिक दृष्टि से आप आमतौर से भाग्यशाली नही होंगे। पैसा कमाएगे तो तत्काल खर्च हो जाएगा। आप भविष्य के प्रति प्राय अति चिन्तित रहेंगे। एकाकी रहने पर विचित्र स्थानों पर पैसा जमा करने की प्रवृत्ति होगी। प्राय वह खो जाएगा या लूट लिया जाएगा। हर प्रकार की सट्टेबाजी या जुए से बचिए। वैज्ञानिक डाक्टर वकील जैसे लोगों को भी अपनी मेहनत का पैसा पाने में भारी कठिनाई होगी।

मानसिक निराशा से और अपने साथ हुए अन्यायों के बारे में सोचते रहने से आप अनेक बीमारियों के शिकार हो जाएगे। अनेक मामलों में आप यह विचार मन में पाल लेंगे कि आप शहीद हैं और अपनी गलतियों का वास्तविक या प्राय काल्पनिक चिन्तन करेंगे। इसके फलस्वरूप पैदा होने वाली उदासी के कारण मन और शरीर दोनों की स्थिति बदतर होगी।

आमतौर से स्वास्थ्य सदा विचित्र होगा। खाना आसानी से हजम नही होगा अपच रहेगा मदाग्नि होगी और भारी सिरदर्द रहेगा। सम्भव हो तो खुला जीवन बिताइए ढेर सारा व्यायाम कीजिए, सादा भोजन कीजिए और अधिक से अधिक फल सब्जिया लीजिए।

आपके जीवन में चार और आठ के अक एकदम अप्रत्याशित ढग से आएगे। देर सबेर आप स्वय देखेंगे कि आपके धधे में और निजी जीवन में इन अकों का कितना महत्त्व है। पहले सोचे बिना ही इन अकों वाले घरों की ओर

और उन व्यक्तियों की ओर आकर्षित होंगे, जिनकी जन्म तिथि इन अकों वाली है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'आठ' मूलाक वाले ही होंगे।

आपके लिए सबसे उपयुक्त रत्न काला मोती काला हीरा और सभी काले नग रहेंगे।

9, 18, 27 मूलाक 9

आपके कारक ग्रह मगल शनि और शुक्र हैं। यदि 27 अक्तूबर को पैदा हुए हैं, तो आप आगामी राशि वृश्चिक मे प्रवेश कर चुके होंगे। यह मगल (सौम्य) का भाव है और इसका अक 'नौ' है। यह आप में मगल के गुणों को बढाएगा, जिसकी आपके जीवन की वृत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

आप में जल्दबाजी और आवेश की प्रवृति इतनी अधिक होगी कि उससे अधिक अहित हो सकता है। अपनी विवादप्रियता और अपने विचारों तथा सिद्धातों के लिए लडने की भावना से आप विरोध पैदा करेंगे और अनेक लोगों को अपना दुश्मन बना लेंगे। ऐसे मामलों में अपने मन को काबू में रखना और अधिक कूटनीति से काम लेना बेहतर होगा हालाकि आपके स्वाभाविक गुण आपको सफल वकील या वक्ता बना सकते हैं, तथापि अपनी कटु आलोचना से आप ऐसी वृत्ति से भी मुश्किलें पैदा कर लेंगे।

शल्य चिकित्सक के रूप में भी आप सफल होंगे। मगल आपको शल्य के लिए चाकू चलाने और तेजी से आपरेशन करने की योग्यता देता है। नय विचार और उससे सम्बन्धित विचारों में भी आपका दिमाग खूब चलेगा लेकिन अपने विचारों में भी आप इतने आग्रही होंगे कि उनका काफी विरोध उठ खडा होगा।

यदि किसी व्यवसाय में उतरे तो काफी उद्यमी रहेंगे लेकिन जो भी काम करेंगे उसमें कडी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पडेगा। सगठनकर्ता के रूप में और बडे सस्थानों के प्रमुख के रूप में भी आप अच्छा काम कर सकते हैं और सफल भी हो सकते हैं लेकिन आपको कर्मचारियों के विरोध हडतालों और जान पर हमले तक का सामना करना पड सकता है। सबसे बढिया आप किसी महत्वपूर्ण सरकारी पद पर रहेंगे, जहा अपनी सगठन क्षमता से आपको अच्छा लाभ होगा।

विपरीत लिंगियों को आपके प्रति भारी आकर्षण रहेगा, लेकिन

प्रेम प्रसगों में तनाव से काफी चिन्ता और चिढन होगी। अपनी अधीर प्रवृत्ति के कारण आप कम आयु में ही विवाह की ओर दौड सकते हैं। फिर अपने जीवन साथियों से विवादों तथा असहमति में फसेंगे। विस्तार की बात यह होगी कि बच्चों से आपको काफी सतोष मिलेगा। उनका ऊचा बौद्धिक स्तर होने की सम्भावना है। व्यवसाय में आप अकेले काम करते हुए अधिक सफल होंगे।

आमतौर से आप सफल तो रहेंगे जिम्मेदारी और अधिकार के पदों पर पहुचेंगे किन्तु यदि अपनी अधीर प्रकृति क्रोध और कूटनीति की कमी पर काबू नही किया तो अधिक समय तक वहा नही टिक पाएगे।

प्रारम्भिक वर्षों में नाजुक स्वास्थ्य, बुखार गैस की परेशानी और फोडे फुसी आदि रहेगी, लेकिन इक्कीस वर्ष की आयु से स्वास्थ्य का एक नया चक्र शुरू होगा। आप में शक्ति और ऊर्जा का सचार होगा। आपको आग विस्फोटकों तथा दुर्घटनाओं में जान पर हमले का खतरा है। दातों जबडे और सिर की हड्डी में परेशानी हो सकती है। घाव या चोटें भी लग सकती हैं।

आपका सबसे महत्त्वपूर्ण अक 'नौ' और उसके बाद 'छ' रहेगा। अपनी योजनाए और कार्यक्रम इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयत्न कीजिए। इन्ही तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलाक वाले रहेंगे।

जहा तक हो सके मगल (लाल) और शुक्र (नीला) के रगों के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न लाल लामडा रक्तमणि हीरा फीरोजा।

नवम्बर

1, 10, 19, 28 मूलाक 1

आपके कारक ग्रह शुक्र शनि और यूरेनस हैं। 28 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति विशेष रूप से भाग्यशाली होंगे। नाना प्रकार की सफलताए सरलता से मिल जाएगी। आपका जीवन सीधा सादा रहेगा और वैवाहिक जीवन भी सुखमय। वृद्धावस्था में आपको थोडा कष्ट उठाना पडेगा पर अतिम समय आनद से व्यतीत होगा। अगर 28 नवम्बर की मध्य रात्रि के उपरान्त (28 29 के बीच) आपका जन्म है तो पूर्वार्ध आपका कष्टकारक होगा जबकि उत्तरार्ध उत्तम होगा।

1 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति नेता होंगे या भारी अपराधी। इस तारीख को जन्मे व्यक्तियों का जीवन बडा रोमाचकारी जोखिम भरा या विविधतापूर्ण होगा। जीवन में अप्रत्याशित घटनाए होंगी। साहस भरे कार्यों में यश प्राप्त होगा। शरीर से स्वस्थ रहेगा। जलयात्राए निश्चित रूप से होंगी और समाज में सदा विवाद का केन्द्र बने रहेंगे।

10 नवम्बर को जन्मे जातक का जीवन कभी सुख ही सुख और कभी दुख ही दुख भरा रहेगा। सारा जीवन उतार चढाव में व्यतीत होगा। 30 साल की उमर के बाद कोई न कोई बीमारी शरीर में अवश्य रहेगी। धन के मामले से सदा परेशान रहेंगे। वृद्धावस्था में थोडा सुख मिलने की सम्भावना है।

यदि आपका जन्म 19 नवम्बर का है, तो आप सफल नेता, सफल व्यापारी हो सकते हैं। आपका जन्म निर्धनता में भी होगा, तो भी आप अपने कौशल या व्यापार से 40 साल की उमर के पश्चात् धनी जीवन व्यतीत करेंगे। शरीर आपका दुबला पतला रहेगा, पर आप यदाकदा ही अस्वस्थ होंगे। विदेश यात्राओं का भी बडा योग रहेगा। वैवाहिक जीवन दुख सुख मिश्रित होगा। पत्नी से अधिक अन्य स्त्रियों की और आपका रुझान रहेगा।

नवम्बर के मूलाक 1 में जन्मे व्यक्तियों के महत्त्वपूर्ण अक 1, 2, 4, 7 हैं। जिन वर्षों का योग मूलाक शुरू होगा। वह वर्ष सबसे अधिक सुखद होंगे। एक मूलाक वाले जातक शिक्षक वकील लेखक कवि आदि हैं। बौद्धिक वर्ग में उनकी गणना होती रहेगी। पेट गले छाती और कान सबधी रोग तग करेंगे। पारिवारिक जीवन, जिनका शुक्र प्रबल है कलहपूर्ण रहेगा। शनि यूरेनस वालों का गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। हा, आपको मेरी सलाह है कि बुढापे के लिए बचत करें क्योंकि बुढापा कष्टदायक होने की सभावना है।

रग पीला, सुनहरा, भूरा और नारगी।

- रत्न पुखराज अम्बर हीरा, चन्द्रकात मणि हैं।

2, 11, 20, 29 मूलाक 2

2 11, या 20 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए कारक ग्रह चन्द्र नेप्च्यून और मगल हैं। 29 नवम्बर इस वर्ग में नही है क्योंकि यह तिथि धनु के प्रभाव में है जिसका स्वामी गुरु (ओज) है।

मगल (सौम्य) के भाव वृश्चिक में नीच का चन्द्र विचित्र और परस्पर विरोधी दशाओं वाला ग्रह योग बनाता है। चन्द्र के लिए यह स्थिति शुभ नही है। अत नवम्बर की इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों को अपने सुझावों को बहुत सावधानी से परख करनी चाहिए। उन्हें अपने निर्णयों में स्पष्ट और अधिक आत्म निर्भर बनाना चाहिए। इन लोगों का प्रारम्भिक वर्षों में अपनी वृत्ति का निश्चय कर पाना प्राय असम्भव होता है।

उनमें कलात्मक या कल्पनाशील कार्य के लिए काफी प्रतिभा होती है, किन्तु वे अपने ही सपनों के ससार मे रहे आते हैं और उस प्रतिभा का व्यावहारिक उपयोग नही कर पाते।

दूसरों को सकट से उबारने के लिए वे उन पर भरोसा उनकी सहायता के लिए तैयार रहते हैं। फलस्वरूप उन्हें अनेक कटु निराशाओं का सामना करना पडता है। जीवन उनके लिए एक कठोर युद्ध क्षेत्र बन जाता है जिसके लिए वे बिल्कुल तैयार नही होते। महिलाए पुरुषों से अधिक कष्ट उठाती हैं। अपनी अति भावुकता में वे प्राय गलत व्यक्ति से विवाह कर लेती हैं और अनजाने में अपने सर्वनाश को न्यौतती हैं। 2 नवम्बर को जन्मी फ्रास की रानी मेरी एतोइनी इसका उदाहरण है। उसने राजा से विवाह किया था लेकिन उसका यह कार्य उसे गिलोटीन की ओर खीच कर ले गया।

स्त्री पुरुष दोनों रोमास की चकाचौंध में फसकर अपने तथाकथित प्रेम की भारी कीमत चुकाते हैं। वे विपरीत लिंगियों की ओर शीघ्र आकर्षित हो जाते हैं, लेकिन उनका प्रेम का ब धन बहुत कम टिक पाता है। तलाक से कुछ समय के लिए तो उनके मन को चोट पहुचती है लेकिन आम तौर से यह गलती व हर बार दुहराते हैं।

फिर भी यदि वे अपनी भावुकता पर काबू करने का प्रयास करें और किसी गुप्त प्रतिभा को प्रकट होने का अवसर दें तो वे क्या नही हो सकते। जरा सोचिए कितने कवियों, चित्रकारों, लेखकों या सगीतज्ञों की यह तिथिया छिपी रहती हैं। यदि आप इनमें से किसी तिथि को पैदा हुए हैं तो आपको मेरी नेक सलाह है कि किसी एक विषय पर मन को केन्द्रित कीजिए। उसमें सफलता पाने के बाद फिर जितना जी चाहे प्रेम की पींग बढाइए।

29 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों को 2, 11 तथा 20 दिसम्बर को जन्म

व्यक्तियों के साथ अपनी मूल प्रकृति और स्वभाव की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। वैसे लोगों का चरित्र अधिक ओजस्वी होगा और अपनी योजनाओं को सफलता तक पहुचाने में ये अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

यदि आप पूरी बुद्धिमत्ता और सावधानी से काम नही लेंगे ता आर्थिक मामलों में चिन्ता रहेगी। कभी अपने निजी प्रयासों से अथवा विवाह स आपको धन और सपत्ति मिल सकती है, लेकिन उसके टिकने की सम्भावना नही है। आप अपनी निजी प्रतिभाओं का विकास कर धन कमा सकते हैं दूसरों के वायदों क भरोसे नही।

आपके बहुत मोटे ताजे होने की सम्भावना नहीं है। अपनी शक्ति का अधिक-से अधिक सचय कर रखिए और अपने को अधिक थकाइए नही। आपमें आतरिक दुर्बलता या कामागों में सूजन की प्रवृत्ति होगी। नासिका रघ्रों गले और कानों में परेशान हो सकती है। आप अति सवेदनशील होंगे और दुखद वातवारण का आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडेगा। आपको निराशा के दौरे पर काबू पाने का जी तोड प्रयास करना चाहिए।

आपकी योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए सबसे महत्वपूर्ण अक दो और सात हैं। इन्ही मूलाकों और 'एक व चार' मूलाकों वाली तिथियों का जन्म व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'दो और सात' मूलाकों वाले ही रहेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए चद्र (हरा क्रीम, सफेद) और नेप्च्यून (कबूतरी हलके शाख) के रगों के वस्त्र धारण कीजिए। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, मोती, चन्द्रकात मणि लाल।

3, 12, 21, 30 मूलाक 3

यदि आप 3 12 तथा 21 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आपके कारक ग्रह गुरु और मगल हैं। 30 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति धनु राशि के अन्तर्गत आते हैं और उनके कारक ग्रह गुरु और सूर्य हैं।

गुरु और मगल का योग बहुत शक्तिशाली है। इसक ठीक से उपयोग करने पर आपको अपनी वृत्ति में निश्चय ही सफलता और प्रमुखता मिलेगी। आपमें काफी आत्मविश्वास रहेगा जो देर सबेर कधों पर आने वाली जिम्मेदारिया निभाने में काम आएगा।

जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में अनेक बाधाओं और कठिनाइयों का सामना करना होगा। माता या पिता की मृत्यु फलस्वरूप उसकी छत्र छाया न मिल पाना और सम्भवत धन का अभाव भी, ऐसी बाधाए हो सकती हैं। लेकिन कठिनाइया प्रच्छन्न वरदान सिद्ध होंगी। तब कम आयु में ही आपको जिम्मेदारिया उठाना सिखा देंगी।

बचपन की ओर से आप पाएगे कि प्राय एक या दूसरे कारण से आपके छोटे कधों को दूसरों का भार उठाना पडा। आयु के साथ साथ जिम्मेदारिया भी बढती हैं। एक प्रकार से आप परिवार के मुखिया बन गए। शुरू में इन सब बातों से कठिनाई हुई होगी। आपको योजनाओं और ध्येय की पूर्ति में विलम्ब भी हुआ होगा। लेकिन चरित्र निर्माण के लिए यह आवश्यक था जिसका उद्देश्य शायद अत में वृश्चिक राशि में आपके गुरु और मगल की योग्य सतान बनाना था।

आप पुरुष हों या महिला बिना आत्मभ्रमित या आत्मप्रवचित हुए आपके मन में सदा बडप्पन की चेतना रही है। आप दिल से जानते थे कि आपमें बडे बडे काम करने की क्षमता है और अवसर मिलने पर आप उन्हे करेंगे भी। इसीलिए आपने किसी जिम्मेदारी से मुह नहीं मोडा। जब जो भी जैसा पद मिला कर आपने उसे स्वीकार कर लिया। बाद में उसके अध्यक्ष बन गए। इस प्रकार सदा ऊचे चढते चले गए। महिला होने पर भी आपने शायद यही रास्ता अपनाया अथवा आपको घर की जिम्मेदारिया सम्हालने बच्चे पालने आदि से छुट्टी न मिल पाई हो।

अच्छे लोगों में भी कुछ-न कुछ दोष तो होते ही हैं। आप पुरुष हों या महिला खतरा यह है कि आप कधों पर बहुत अधिक बोझ उठाकर अपने को थका मारेंगे। आपमें अधिकार या तानाशाही की प्रवृत्ति भी आ सकती है जिससे नौकरों कर्मचारियों या अधीनस्थों से परेशानी पैदा हो सकती है। इस कमजोरी से आपने दुश्मन पाल लिए होंगे और आपके मन में कटुता निराशा आ गई होगी। ऐसा है तो आप अपने मूल पर लौट आइए अपने कधों पर दोष लीजिए और सब कुछ नए सिरे से शुरू कीजिए। जान लीजिए कि अपनी कमजोरी को जीतने के लिए आपको यह करना है। यदि आप 30 नवम्बर को पैदा हुए हैं जो गुरु ओज की धनु राशि में मूलाक 'तीन की प्रथम तिथि है तो आप अपने

प्रयासों में काफी सफलता की आशा कर सकते हैं।

ईश्वर ने आपको जो भी काम सौंपा हो उसी में आप पैसा कमा सकेंगे। खतरा यह कि अति प्रयासों से आप सीधा हार मानने लग सकते हैं या स्वास्थ्य में टूट सकते हैं जिससे कुछ समय के लिए धंधे से अलग हो जाएंगे।

यदि आप अत्यत परिश्रम से अपने स्वास्थ्य को खराब कर लें, तो इसके लिए स्वय को ही दोषी ठहराना चाहिए। लेकिन आपको यह जानकर प्रसन्नता होनी चाहिए कि आपका जन्म सम्भवत अन्य सभी राशियों की तुलना में अधिक स्वस्थ परिस्थितियों में हुआ है। केवल चिन्ता और भय से ही आप बीमार हो सकते हैं। लेकिन बीमार होंगे तो काफी गम्भीर रूप से होंगे और पुन स्वस्थ होने में लम्बा समय लगाएंगे। फिर ठीक होंगे।

आयु बढने के साथ दिल परेशान कर सकता है। उच्च रक्तचाप और निरतर सिरदर्द की शिकायतें हो सकती हैं। इलाज और बीमारी आपके अपने हाथों में है—जिम्मेदारिया कम कीजिए, सादा भोजन कीजिए और अधिक-से अधिक सोइए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'तीन और नौ' हैं विशेषकर नवम्बर दिसम्बर फरवरी मार्च, अप्रैल और मई में। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को अपनी योजनाए और कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्ही तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु (बैंगनी फालसई जामुनी) और मगल (लाल) के रगों के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं कटेला, सभी बैंगनी जामुनी और लाल नग।

4, 13, 22 मूलाक 4

आपके कारक ग्रह यूरेनस सूर्य और मगल हैं। वृश्चिक में यह एक विचित्र और जटिल ग्रहयोग है। ध्यान रखना चाहिए कि यूरेनस और मगल सौर मडल के सबसे विध्वसक ग्रह हैं और मगल (सौम्य) के भाव वृश्चिक में उनके साथ साथ रहने से अघटित की ही सभावना करनी चाहिए।

प्रसिद्ध ज्योतिषी विलियम लिली ने 1647 में ही यूरेनस के बारे में लिखा था इस ग्रह के प्रभाव वाले व्यक्ति असामान्य विषयों के अध्ययन में रुचि लेते

· पेशा के कानूनों, या सामाजिक जीवन में सुधार की भावना है।
लोगों को यह सलाह है कि वे अपने वातावरण में सौहार्द और प्रेम पैदा करने
लक्ष्य बनाए। मन में शांति मिल जाने पर वे अपने स्वभाव के सद् औ
आध्यात्मिक पक्ष का विकास करें।

इन लोगों को आर्थिक मामलों में सावधानी और बुद्धि से काम करना
चाहिए। वे दूसरों की सहायता या वायदों पर कम से कम निर्भर रहें।
…कर काम करने या साझेदारियों के लिए यह राशि शुभ नहीं है लेकिन य
…ऱ से अलग अपने मौलिक विचारों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं।
सृजन में या बिजली वायरलेस रेडियो सिनेमा टलीविजन
विकसित ढंग की खोजों में सफल होते हैं।

रखना चाहिए कि अस्वास्थ्य केवल उनकी मन की
वे वृश्चिक में मंगल और यूरेनस विध्वंसक तत्वों
प्रतिबिम्बित बीमारियों के शिकार हो सकते हैं।
की गड़बड़ी आंतरिक घाव भोजन विष
रक्त संचार जैसे रोगों के आ घेरने की
दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और
का प्रयास करना चाहिए।

और नौ है। इन्ही मूलांकों वाली
लगाव महसूस करेंगे। आपके

हैं। उनमें उल्लेखनीय आविष्कारक क्षमता होती है आर उनके द्वारा नई नई खोजें होने की पूरी सम्भावना हैं।

एक अन्य प्रसिद्ध ज्योतिषी इवेंजनील आडम्स का 1930 में प्रकाशित अपनी पुस्तक एस्ट्रोलोजी में वृश्चिक में यूरेनस के बारे में कहना है— यूरेनस ओर वृश्चिक के बीच स्वभावत एक प्रबल आकर्षण है। कुछ व्यक्तियों में वैज्ञानिक खोजबीन प्रबलता से प्रकट होगी जो वृश्चिक का महत्त्वपूर्ण तत्व है कुछ में इस रहस्यमय राशि का कपटी तथा सूक्ष्म बुद्धि वाला गुण प्रकट होगा। और एक तीसरे वर्ग में हम बहुत गहरी कामवासना पाएगे।

31 अक्तूबर (वृश्चिक में चार अक वाली पहली तिथि) 4 13 तथा 22 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति यूरेनस के प्रभाव से उल्लेखनीय काम कर सकते हैं। मैं यहा कह दू कि सम्पूर्ण नभचक्र मे ऐसा कोई ग्रह योग नही है जिस पर इतने आत्मसयम की आवश्यकता हो इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति यदि कोई काम करने का दृढ निश्चय कर लें तो वे आविष्कार के अपने वरदान मौलिकता और सनकीपन तक का जो उनके स्वभाव का निश्चित अग है अच्छा उपयोग कर भारी यश प्राप्त करते हैं। लेकिन उन्हें अपने इन गुणों पर अपनी इच्छा शक्ति और सकल्प की लगाम दृढता से थामे रहना चाहिए। इन लोगों का लक्ष्य अपने मन के आध्यात्मिक पक्ष का विकास करन का होना चाहिए जिससे वे कठोर भाग्य के थपेडों औ प्रहार से मुक्त रह सकें। ऐसा न करने पर दूसरे लोगों के व्यवहार पर उनके मन में कटुता भर जाएगी। उन्हें यह मानकर चलना चाहिए कि उनके विचारों और कामों को गलत समझा जाएगा उनकी मौलिकता तथा सनक का मजाक उडाया जाएगा उनके साथ भारी अन्याय होगा और दुनिया आम तौर से उनके प्रति बहुत कठोर होगी।

यदि उनके महान उद्देश्य पर से उनका विश्वास हिल गया उन्होंने अपन स्वभाव के पीछे रहने वाले मानसिक मगल को यूरेनस की तोड फोडकारी शक्तियो के साथ मिल जाने दिया, तो उनक सभी अच्छाइयों के विरुद्ध उठ खडे होने की सम्भावना है। इससे उनको आम मानवों की तुलना में कहीं बहुत अधिक पीडा भोगनी पड सकती है। इन व्यक्तियों को अपने स्वभाव के सनकीपन को काबू में रखना चाहिए।

इस महयाग में जन्मे व्यक्तियों के अच्छे गुणों में अपने कर्तव्य क प्रति

लगन तथा देश के कानूनों, या सामाजिक जीवन में सुधार की भावना है। इन लोगों को यह सलाह है कि वे अपने वातावरण में सौहार्द और प्रेम पैदा करने का लक्ष्य बनाए। मन में शांति मिल जाने पर वे अपने स्वभाव के सद् और आध्यात्मिक पक्ष का विकास करें।

इन लोगों को आर्थिक मामलों में सावधानी और बुद्धि से काम करना चाहिए। वे दूसरों की सहायता या वायदों पर कम से कम निर्भर रहें। मिलजुलकर काम करने या साझेदारियों के लिए यह राशि शुभ नहीं है, लेकिन ये व्यक्ति लोक से अलग अपने मौलिक विचारों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कभी कभी साहित्य सृजन में या बिजली वायरलेस रेडियो, सिनेमा टेलीविजन आदि के क्षेत्र में विकसित ढंग की खोजों में सफल होते हैं।

इन लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि अस्वास्थ्य केवल उनको मन की भावना का उपज होगा। यदि वे वृश्चिक में मंगल और यूरेनस विध्वसक तत्वों को हावी होने देंगे, तो इन ग्रहों से प्रतिबिम्बित बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। चिन्ता से नर्वस डिस्पेप्सिया पेट की गडबडी, आतरिक घाव भोजन विष ट्यूमर, दिल की कमजोरी दुर्बल रक्त सचार जैसे रोगों के आ घेरने की सम्भावना है। उन्हें जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और वातावरण के अनुकूल अपने को ढालने का प्रयास करना चाहिए।

आपके महत्वपूर्ण अक चार' आठ और 'नौ हैं। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले होंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रग नीले और लाल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं नीलम लाल तामड़ा सभी लाल नग और रक्तमणि।

5, 14, 23 मूलाक 5

आपके कारक ग्रह बुध और मगल हैं। मगल (सौम्य) के भाव में बुध आपको बहुत हाजिर जवाब बनाएगा। आप में भारी मानसिक योग्यता सगठन क्षमता और साथियों की अच्छी परख होगी। आप चतुर लेकिन दूसरों के प्रति संदेही और अविश्वासी होंगे। असाधारण ढग से या किसी असामान्य पेशे या वृत्ति से धन कमाएगे। कला और सौन्दर्य के प्रति आपको गहरा प्रेम होगा और आपको कल्पनाशील कामों का भी वरदान होगा।

हैं। उनमें उल्लेखनीय आविष्कारक क्षमता होती है आर उनके द्वारा नई नई खोजें होने की पूरी सम्भावना है।

एक अन्य प्रसिद्ध ज्योतिषी इवेंजनील आडम्स का 1930 में प्रकाशित अपनी पुस्तक एस्ट्रोलोजी में वृश्चिक में यूरेनस के बारे में कहना है— यूरेनस और वृश्चिक के बीच स्वभावत एक प्रबल आकर्षण है। कुछ व्यक्तियों में वैज्ञानिक खोजबीन प्रबलता से प्रकट होगी जो वृश्चिक का महत्त्वपूर्ण तत्व है कुछ में इस रहस्यमय राशि का कपटी तथा सूक्ष्म बुद्धि वाला गुण प्रकट होगा। और एक तीसरे वर्ग में हम बहुत गहरी कामवासना पाएगे।

31 अक्तूबर (वृश्चिक में 'चार' अक वाली पहली तिथि) 4 13 तथा 22 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति यूरेनस के प्रभाव से उल्लेखनीय काम कर सकते हैं। मैं यहा कह दू कि सम्पूर्ण नभचक्र में ऐसा कोई ग्रह योग नहीं है जिस पर इतने आत्मसयम का आवश्यकता हो इन तिथियों का जन्मे व्यक्ति यदि कोई काम करने का दृढ निश्चय कर लें तो वे आविष्कार के अपने वरदान मौलिकता और सनकीपन तक का जो उनके स्वभाव का निश्चित अग है, अच्छा उपयोग कर भारी यश प्राप्त करते हैं। लेकिन उन्हें अपने इन गुणों पर अपनी इच्छा शक्ति और सकल्प को लगाम दृढता से थामे रहना चाहिए। इन लोगों का लक्ष्य अपने मन के आध्यात्मिक पक्ष का विकास करने का होना चाहिए जिससे वे कठोर भाग्य के थपेडों औ प्रहार से मुक्त रह सकें। ऐसा न करने पर दूसरे लोगों के व्यवहार पर उनके मन में कटुता भर जाएगी। उन्हें यह मानकर चलना चाहिए कि उनके विचारों और कामो को गलत समझा जाएगा उनकी मौलिकता तथा सनक का मजाक उडाया जाएगा उनके साथ भारी अन्याय होगा और दुनिया आम तौर से उनके प्रति बहुत कठोर होगी।

यदि उनके महान उद्देश्य पर से उनका विश्वास हिल गया उन्होंने अपने स्वभाव के पीछे रहने वाले मानसिक मगल का यूरेनस की तोड फोडकारी शक्तियों के साथ मिल जाने दिया तो उनके सभी अच्छाइयों के विरुद्ध उठ खडे होने की सम्भावना है। इससे उनको आम मानवों की तुलना में कहीं बहुत अधिक पीडा भोगनी पड सकती है। इन व्यक्तियों को अपने स्वभाव के सनकीपन को काबू में रखना चाहिए।

इस ग्रहयोग में जन्मे व्यक्तियों के अच्छे गुणों में अपने कर्तव्य के प्रति

लगन तथा देश के कानूनों, या सामाजिक जीवन में सुधार की भावना है। इन लोगों का यह सलाह है कि व अपने वातावरण में सौहाद और प्रेम पैदा करने का लक्ष्य बनाए। मन में शांति मिल जाने पर वे अपने स्वभाव के सद् और आध्यात्मिक पक्ष का विकास करें।

इन लोगों को आर्थिक मामलों में सावधानी और बुद्धि से काम करना चाहिए। वे दूसरों की सहायता या वायदों पर कम से कम निर्भर रहें। मिलजुलकर काम करने या साझेदारियों के लिए यह राशि शुभ नहा है, लेकिन य व्यक्ति लीक से अलग अपने मौलिक विचारों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कभी कभी साहित्य सृजन में या बिजली वायरलेस, रेडियो सिनेमा, टलीविजन आदि के क्षेत्र में विकसित ढग की खोजों में सफल होते हैं।

इन लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि अस्वास्थ्य केवल उनकी मन की भावना की उपज होगा। यदि वे वृश्चिक में मगल और यूरेनस विध्वसक तत्वों को हावी होने देंगे, तो इन ग्रहों से प्रतिबिम्बित बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। चिन्ता से नर्वस डिस्पेप्सिया पेट की गडबडी आतरिक घाव भोजन विष ट्यूमर दिल की कमजोरी दुर्बल रक्त सचार जैसे रोगों के आ घेरने की सम्भावना है। उन्हें जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और वातावरण के अनुकूल अपने को ढालने का प्रयास करना चाहिए।

आपके महत्वपूर्ण अक चार' 'आठ और नौ हैं। इन्हीं मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलाकों वाले होंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रग नीले और लाल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं नीलम लाल तामडा सभी लाल नग और रक्तमणि।

5, 14, 23 मूलाक 5

आपके कारक ग्रह बुध और मगल हैं। मगल (सौम्य) के भाव में बुध आपको बहुत हाजिर जवाब बनाएगा। आप में भारी मानसिक योग्यता सगठन क्षमता और साथियों की अच्छी परख होगी। आप चतुर लेकिन दूसरों के प्रति सदहो और अविश्वासी होंगे। असाधारण ढग से या किसी असामान्य पेशे या वृत्ति से धन कमाएंगे। कला और सौन्दर्य के प्रति आपको गहरा प्रेम होगा और आपको कल्पनाशील कार्यों का भी वरदान होगा।

आप विपरीत लिंगियों के प्रति काफी आकर्षित होंगे। आपके अनेक प्रेमप्रसग होंगे लेकिन आपकी रुचि सदा बदलती हुई अस्थिर होगी। इनमें से किसी प्रसग का आपके स्वभाव पर गहरा या स्थायी प्रभाव नही पडेगा। अपने इस स्वभाव को देखते हुए अच्छा हो यदि आप विवाह न करें कम से कम मध्य आयु निकल जाने तक।

आप अशात रहेंगे परिस्थितियों के अनुसार अधिक से अधिक यात्राए करेंगे और अपना निवास भी कई बार बदलेंगे।

आर्थिक मामलों में आपके बहुत भाग्यशाली रहने की सम्भावना है, कम से कम सौभाग्य के क्षणों में। लेकिन मगल के योग के कारण आप उडाऊ-खाऊ प्रकृति के होंगे और लाभ को हाथ में रख नहीं पाएगे।

प्रारम्भिक वर्षों में सभी बाल रोग आपको परेशान करेंगे। बाद में आप कृशकाय होंगे। बीमारी को शीघ्र उतार फेंकेंगे लेकिन हमेशा भारी तनाव में रहेंगे।

छोटी छोटी बातों पर शीघ्र चिढ जाना और क्रोध करना आपके शरीर में विष घोल देगा। सब मिलाकर आप स्वस्थ जीवन बिताएगे लेकिन सम्भावना लम्बी बीमारी के बिना अकस्मात् जीवन का अत होने की है।

आपके महत्वपूर्ण अक पाच और नौ हैं। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों प्रति आप कुछ लगाव महसूस करेंगे। आपके घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले रहेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रग हलके रग होंगे जैसे सफद क्रीम चमकीले और लाल भी। आपके भाग्य रत्न हैं सभी हलके चमकीले नग लाल तामडा और लाल नग।

6, 15, 24, मूलाक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र और मगल हैं। मगल (सौम्य) के भाव में शुक्र की स्थिति अनेक प्रकार से शुभ है केवल प्रेम में निराशा और आम स्नेह सम्बन्धों में परेशानी उठानी होती है।

ऐसे व्यक्तियों का स्वभाव अत्यत स्नेही होता है। सम्बन्धियों या माता पिता के प्रति उनमें काफी आत्म त्याग की भावना होती है। आमतौर से उन्हें सदा किसी न किसी की देखभाल करना ही होता है। प्रारम्भिक वर्षों में उन्हें

आप बहुत दृढकाय नही होंगे। आप अपने मन पर बहुत बोझ डालेंगे। साथ ही भोजन के सम्बन्ध में अपने किसी विचित्र प्रकार का विकास कर लेंगे जिससे आप औसत से अधिक आयु भोग सकेंगे।

आपके महत्त्वपूर्ण अक दो, सात और नौ हैं। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को अपनी योजनाए या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात मूलाका वाले होंगे। 2 7 और 1 4 मूलाका वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए चद्र (हरा, क्रीम सफेद) नेप्यचून (कबूतरी हलके शोख) और मगल (लाल) के रगों के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं सिलेटी जेड चन्द्रकात मणि मोती लाल तामडा आर लाल नग।

8, 17, 26 मूलाक 8

आपके कारक ग्रह शनि और मगल हैं। मुझे यह कहते हुए खेद है कि इन तिथियों में जन्म लेने वालों के लिए यह ग्रह योग कदापि शुभ नही है जब तक कि आप आत्मसयम से काम न लें अपने कुछ सद्गुणों का पूरा उपयोग करने के लिए कसर न करेंगे। शनि को अनेक ज्योतिषियों ने सौर मडल का बूढा स्कूल मास्टर' कहा है। वह निश्चय ही अपने दावों की जमकर पिटाई करता है विशेषकर प्रारम्भिक वर्षों में।

इस अवधि में मगल अपनी सौम्य राशि मे आपकी पीठ पर है। शनि के भाग्याधीन प्रभाव को दूर करने में वह आपको मानसिकता द्वारा सहायता करता है। अपने मानसिक गुणों का विकास कर ही आप आगे बढ सकते हैं और दूसरों के सामने सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अपने पर विजय ही सबसे बडी विजय है।

यदि आप 8 या 17 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आप मनमर्जी से काम करने वाले होंगे और आपके साथ निर्वाह कठिन होगा। सही हो या गलत आप अपने विचारों पर अडे रहेंगे। आप हर चीज को एक ही आख से देखेंगे। लोगों के काम पर सन्देह करेंगे भले ही वे आपकी भलाई के लिए हों। यह महसूस करेंगे कि सभी लोग आपके विरोधी हैं। यदि आप इस भावना पर काबू नही करेंगे तो आप उत्पीडन भावना से ग्रसित हो जाएगे।

वदनाम प्रेम प्रसगों और गुप्त मैत्रियों से आपका काफी दुख उठाना पड

होंगे,जो आपके जीवन तथा वृत्ति पर एकदम भिन्न प्रभाव डालेगा।

मगल आग का प्रतीक है। आप कह सकते हैं कि दुहरे मगल का क्या मतलब हो सकता है। वृश्चिक म नौ' का अक अथवा मगल 27 अक्तूबर से प्रारम्भ होता है। अमरीका के राष्ट्रपति थियोडोर रुजवेल्ट का जन्म इसी तिथि को हुआ। सभी जानते हैं कि यह व्यक्ति मन से कितना लडाका था। न्यूयार्क के गवर्नर के रूप में दुराचार और भ्रष्टाचार को दबाने के लिए उसने हर विरोध से टक्कर ली। बाद में स्पेनिश अमरीकी युद्ध में उसने रुजवेल्ट्स रफ राइडर्स का गठन किया। अमरीका के राष्ट्रपति के रूप में वह अपने काल का लौह पुरुष था। ऐसे महत्त्वपूर्ण पदों पर पहुचने वाले सभी मगली व्यक्ति जान पर हमले के शिकार होते हैं, वह भी अपवाद नही रहा। 14 अक्तूबर 1912 को एक अराजकवादी द्वारा हत्या क प्रयास में वह घायल हुआ।

दुहरा मगल' मेष राशि में भी आता है और 27 मार्च 9 तथा 18 अप्रैल को जन्मे लोगों को प्रभावित करता है।

यदि आप 27 अक्तूबर, 9 नवम्बर या 18 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आप में भारी कार्यकारी शक्ति और सगठन क्षमता होगी। आप ओजस्वी दृढ सकल्प वाले और सरकारी कार्य तथा प्रशासन में उत्तम होंगे। निजी जीवन में आप शल्य चिकित्सक के रूप में, या ऐसे धधों में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे, जिनमें काटने वाले अजारों को काम में लिया जाता है। इजीनियरिंग से निर्माण काय अथवा व्यापारी उद्यमों में अधिकारी पदों पर भी।

अपने आजाद स्वभाव दृढ इच्छा शक्ति और दबगपन से आप अनेक लोगों को अपना दुश्मन बना लेंगे, लेकिन जो भी काम करेंगे उसमें बढ चढकर सफलता प्राप्त करेंगे। 27 नवम्बर भी जो गुरु के प्रभाव में होता है, इतना ही बलवान है।

प्रारम्भिक वर्षों में कठोर सघर्ष के बाद आप हर काम में सफल होंगे। आप सभी बाधाओं और कठिनाइयों से पार पाने तथा धन और पद प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। 27 नवम्बर को पैदा होने पर आप प्रारम्भिक वर्षों में अधिक भाग्यशाली रहेंगे। बुढापे के लिए सावधानी से पैसा बचाने का प्रयास कीजिए।

सभी प्रकार के ज्वर, उच्च रक्तचाप और दिल पर अधिक तनाव की

सकता है। ऐसे मामलों में आप जिद्दी होंगे और किसी को सलाह मानने को तैयार नही होंगे।

इसके बावजूद आप अति चतुर हैं। अपने व्यय को पूरा करने में आप अपने अडियलपन का अच्छा उपयोग कर सकते हैं। अपने तीव्र प्रेम भाव को आत्म त्याग से सचित विचार तक पहुचा सकते हैं। आपके प्रबल भावुक-स्वभाव को यदि काबू में न रखा जाए तो यह आपके मार्ग की बाधाए दूर करने और आपके लिए समर्थक जुटाने का साधन बन सकता है।

आमतौर से पहले पैंतीस या चालीस वर्ष आपके लिए सबसे कठोर होगा विशेषकर 17 नवम्बर को जन्म लोगों के लिए यह समय बिना किसी दुर्घटना के निकाल देने पर प्रारम्भिक प्रवृतिया दूर हो जाने की आशा है। फिर अगले पैंतीस वप अच्छे होंगे।

यह आप पर निर्भर है कि भारी सफलता प्राप्त करते हैं या विफलता। आपके लिए कोई मध्य मार्ग नही है—इस पार या। उस पार शात स्वभाव से आप अपने ध्येय में आगे बढ सकेंगे।

आप अत्यत सबल होंगे या अत्यत दुर्बल। कार्बंकल फोडे आदि क शिकार हो सकते हैं। गठिया या रुमैटिक बुखार भी हो सकता है। मादक द्रवों या शराब से बचिए। इसका दुष्प्रभाव आपके दिमाग पर पडेगा। कभी कभी भारी तनाव या उत्तेजना से मानसिक सतुलन खो सकते हैं। यह आपके आत्म सयम पर निर्भर है कि आप बीमार रहते हैं या स्वस्थ।

चार आठ और नौ अक आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं पर मैं चार और आठ को चुनने की सलाह नही है। आप सावधानी से उन पर नजर रखिए। आप चार और आठ मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले होंगे।

गहरे रगों के कपडे में बचिए हालाकि उनकी ओर आपका झुकाव होगा। लाल फलक वाले हलके रग के कपडे पहनना बेहतर रहेगा। आपके भाग्य रत्न लाल तामडा, रक्तमणि और सभी लाल नग हैं।

9, 18 27 मूलाक 9

आप दुहरे मगल के प्रभाव वाले हैं लेकिन 27 नवम्बर को जन्मे होने पर आप गुरु (ओज) के भाव धनु राशि के सधि काल में काफी आगे निकल चुके

होंगे जो आपके जीवन तथा वृत्ति पर एकदम भिन्न प्रभाव डालेगा।

मगल आग का प्रतीक है। आप कह सकते हैं कि दुहरे मगल का क्या मतलब हो सकता है। वृश्चिक में नौ का अक अथवा मगल 27 अक्तूबर से प्रारम्भ होता है। अमरीका के राष्ट्रपति थियोडोर रुजवेल्ट का जन्म इसी तिथि को हुआ। सभी जानते हैं कि यह व्यक्ति मन से कितना लडाका था। न्यूयार्क के गवर्नर के रूप में दुराचार और भ्रष्टाचार को दबाने के लिए उसने हर विरोध से टक्कर ली। बाद में स्पेनिश अमरीकी युद्ध में उसने रुजवेल्ट्स रफ राइडर्स का गठन किया। अमरीका के राष्ट्रपति के रूप में वह अपने काल का लौह पुरुष था। ऐसे महत्वपूर्ण पदों पर पहुचने वाले सभी मगली व्यक्ति जान पर हमले के शिकार होते हैं वह भी अपवाद नही रहा। 14 अक्तूबर 1912 को एक अराजकवादी द्वारा हत्या के प्रयास में वह घायल हुआ।

'दुहरा मगल मेष राशि में भी आता है और 27 मार्च 9 तथा 18 अप्रैल का जन्मे लोगों को प्रभावित करता है।

यदि आप 27 अक्तूबर, 9 नवम्बर या 18 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आप में भारी कार्यकारी शक्ति और सगठन क्षमता होगी। आप ओजस्वी दृढ सकल्प वाले और सरकारी कार्य तथा प्रशासन में उत्तम होंगे। निजी जीवन म आप शल्य चिकित्सक के रूप में, या ऐसे धधों में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे, जिनमें काटने वाले अजारों को काम में लिया जाता है। इजीनियरिंग से निर्माण कार्य अथवा व्यापारी उद्यमों में अधिकारी पदों पर भी।

अपने आजाद स्वभाव दृढ इच्छा शक्ति और दबगपन से आप अनेक लोगों को अपना दुश्मन बना लगे लेकिन जो भी काम करेंगे उसमें बढ चढकर सफलता प्राप्त करेंगे। 27 नवम्बर भी, जो गुरु के प्रभाव में होता है इतना ही बलवान है।

प्रारम्भिक वर्षों में कठोर सघर्ष के बाद आप हर काम में सफल होंगे। आप सभी बाधाओं और कठिनाइयों से पार पाने तथा धन और पद प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। 27 नवम्बर को पैदा होने पर आप प्रारम्भिक वर्षों में अधिक भाग्यशाली रहेंगे। बुढापे के लिए सावधानी से पैसा बचाने का प्रयास कीजिए।

सभी प्रकार के ज्वर उच्च रक्तचाप और दिल पर अधिक तनाव की

शिकायतें हो सकती हैं। अनेक दुर्घटनाओं से पाला पडेगा। मुख्यत मशीनों से तथा आग्नेयास्त्रों से भी। आप पर प्राणघातक हमला हो सकता है। दिल के दौरे से या दिमाग में रक्त का दबाव बढ जाने से आकस्मिक भी हो सकती है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अक नौ है। इसी मूलाक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी मूलाक वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए लाल रग का प्रयोग कीजिए। आपके भाग्यरत्न हैं लाल, तामडा और सभी लाल नग।

27 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों के 'तीन' और नौ' के अक अधिक शुभ रहेंगे। रगों में फालसई बैंगनी तथा जामुनी भी शुभ हैं। आप 'तीन' और नौ मूलाकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे।

दिसम्बर

दिसम्बर 1, 10, 19, 28 मूलाक 1

आपके कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस और गुरु हैं। 28 नवम्बर को भी दिसम्बर के क्षेत्र में शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि तब तक धनु राशि प्रारम्भ हो चुकी होती है। वास्तव में 28 नवम्बर इस राशि की प्रथम अक 1 तिथि है। इसी प्रकार 28 दिसम्बर की तिथि धनु राशि के क्षेत्र से निकलकर आगामी राशि मकर के क्षेत्र में प्रवेश कर गई होता है।

इन तिथियों में जन्मे व्यक्ति हसमुख और आशावादा स्वभाव के हाते हैं। कोई कठिनाइ उनक उत्साह को शिथिल नहीं कर सकती। दूसरों के प्रति वे विचार में भी उदार हाते हं यद्यपि बात करने में मुहफट और खुले दिल वाले रहते हैं। वे अत्यन्त उद्यमा और साहसी होते हैं। एक दिशा में विघ्न होने पर दूसरी दिशा में और फिर तीसरी दिशा में प्रयास करेंग और अत में सफलता प्राप्त करके ही रहेंगे।

वे अपना सर्वस्व देने क लिए तैयार रहते हैं। कम भाग्यशाली लोगों की सहायता की इच्छा से स्वय गरीबी आढने के लिए भी उद्यत रहते हैं। साथ ही वे शायद ही धोखा खाते हैं। जा लाग उन्हें झासा दना चाहते हैं उन्हें व अपने अतर्ज्ञान से पहचान लेते हैं। लेकिन उनके प्रति भा दुर्भावना नहीं दिखात और

उनकी सहायता के लिए तैयार रहते हैं।

जातक में अत्यधिक ऊर्जा होती है काम करते समय अपने को बख्शत नही। वे किसी की अधीनता में काम करना पसन्द नही करते इसीलिए आमतौर से अपने बल पर ही आगे बढते हैं। उनमें भारी महत्वाकाक्षा होती है लेकिन उस पर पूरी तरह काबू रखते हैं। कभी असम्भव की माग नही करते अथवा बौने की भाति चन्द्रमा को छूने का प्रयास नही करते।

वे अत्यन्त सम्मानप्रिय होते हैं और ऐसा कोई कर्जा नही लेते जिसे अदा न कर सकें। दिल से वे कानून और व्यवस्था का भारी सम्मान करते हैं। उन पर कर्तव्य पालन में वैध सता की सहायता के लिए भरोसा किया जा सकता है।

वे मैदानी खेलों को पसन्द करते हैं और आम तौर से उनमें महारत हासिल करने की भावनाए होती हैं लेकिन उन्हें वे अच्छी तरह से अपने के वश में रखते हैं।

विज्ञान दर्शन और धर्म के लिए उनके मन में गहरा आदर होता है और वे प्राय उत्तम धर्म प्रचारक या पादरी बनते है लेकिन शब्दाडम्बर तथा पाखड से दूर रहते है। वे अच्छे वक्ताओं को सुनना पसन्द करते हैं, अपने निजी विचार भी प्रकट करना चाहते हैं लेकिन अति सवेदनशील होने के कारण उनकी भाषणकला का जौहर तभी देखने को मिलता है जब वें कोई सदेश देना चाहते हैं। उनका कहा हुआ वाक्य तीर की भाति अपने लक्ष्य पर चोट करता है।

वे हर काम से पैसा पैदा कर सकते हैं, लेकिन उनका झुकाव जोखिम उठाने की ओर होता है और कभी कभी वे सट्टे में भारी रकम गवा बैठते हैं। हानि होने पर भी वे निराश नही होते और न उसके लिए दूसरों को दोष देते हैं। शाति से अपने काम में जुट जाते हैं और पुन रकम जोडना शुरू कर देते हैं।

उन्हें उत्तम स्वास्थ्य का वरदान मिला होता है। एकमात्र खतरा अधिक परिश्रम से स्नायुविक टूटन का है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'एक और तीन हैं। इन्ही मूलाको वाली तिथियों पर अपनी योजनाए आर कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए सूर्य (सुनहरा पीला, नारगी भूरा) और गुरु

(फालसई जामुनी, बैंगनी) क रगों के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हीरा पुखराज अम्बर और कटैला हैं।

2, 11, 20, 29 मूलाक 2

आपके कारक ग्रह चद्र नेप्यचून और गुरु हैं। 29 नवम्बर को इन्ही तिथियों के साथ शामिल कर लेना चाहिए जबकि 29 दिसम्बर धनु राशि के क्षेत्र से निकलकर मकर राशि में प्रवेश कर चुका होता है। उसके गुण भिन्न होते हैं।

इस मास की दो मूलाक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में एक मूलाक वाले व्यक्तियों जैसा दबगपन नही मिलता। वे अधिक विनम्र कम आशावादी और कम आत्म विश्वासी होते हैं। वे भौतिक से अधिक विचारों के आध्यात्मिक धरातल पर रहते हैं। साथ ही उन्हें बहुत उच्च स्तर का मानसिक वरदान मिला होता है। उनमें दर्शन धर्म रहस्यवाद और गुप्त विद्याओं के अध्ययन के लिए रुझान रहेगा। वे स्वप्नदर्शी और भविष्यवक्ता होते हैं। कम से कम घटनाओं के मोड के बारे में उन्हें पूर्वाभास हो जाता है। आमतौर से वे इतने सवेदनशील होते हैं कि अपनी प्रतिभा का जब तक अधिक उपयोग नही कर पाते, जब तक उनके दृष्टिकोण से पूरी सहानुभूति रखने वाले लोग न मिलें।

वे स्वाभाविक गुरु दिखाई देते हैं और इस रूप में अथवा दुर्बोध वैज्ञानिक विषयों के अध्ययन में सफलता प्राप्त करते हैं। वे भारी प्रकृति प्रमी हाते हैं और यात्रा करने तथा दूर देशों में जाकर वहा के प्राकृतिक आचार्यों को देखने के लिए उनका मन सदा लालायित रहता है। उनकी रुचि परिष्कृत हाती है।

अत्यन्त सवेदनशील और कलाप्रिय होने से स्वभावत सुन्दर वस्तुए उन्हें आकर्षित करती हैं जैसे कलाकृतिया सगीत चित्रकला काव्य, उच्च स्तर का साहित्य और भाषण कला। उन्हें इस बात की बहुत कम परवाह होती है कि वे अमीर हैं या गरीब। उनकी सम्पत्ति उनके अपने मन में रहती है और साधारणत वे अपनी दशा से प्रसन्न और सन्तुष्ट रहते हैं। 11 तथा 20 दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति अपने कार्यों तथा विचारों में अधिक ओजस्वी तथा सकल्पवान होते हैं।

यदि आप 29 दिसम्बर को पैदा हुए हैं तो आप शनि (ओज) के भाव मकर में दो अक वाले व्यक्तियों के वर्ग में आते हैं। यह कठोर परिश्रमी स्वभाव प्रदान करता है और आप दूसरों के लिए भारी जिम्मेदारिया ओढने के लिए तैयार रहते हैं।

वे लोग पैसा कमाने के मामले में बहुत कुछ उदासीन होते हैं लेकिन प्राय ऊचे पदों पर पहुच जाते हैं। जीवन में किसी ध्येय के लिए या दूसरों की सहायता लिए वे पैसा कमाने का काम कर सकते हैं लेकिन व्यक्तिगत लाभ के लिए शायद ही ऐसा करें।

बडा चौखट होते हुए भी ये लोग शायद ही दृढकाय होते हों। भोजन से उनको पूरा पोषण नही मिलता। यदि ऊचे और शुष्क स्थानों में नही रहेंगे तो फेफड़ों की परेशानी श्वास नलिका की कमजोरी गले में परेशानी और जोडों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

आपके महत्वपूर्ण अक दो तान और सात हैं। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले ही रहेंगे।

कपडों में हरे, सफेद क्रीम, कबूतरी फालसई, बैंगनी तथा जामुनी रगों का प्रयाग कीजिए। आपके भाग्य रत्न मोती चन्द्रकात मणि हरा सिलेटी जेड कटैला और सभी जामुनी नग।

3, 12, 21, 30 मूलांक 3

आपके कारक ग्रह गुरु और सूर्य हैं। 30 दिसम्बर की तिथि इस वर्ग में नही आती, वह आगामी राशि मकर के अन्तर्गत आती है। 3 12 या 21 दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति गुरु (ओज) के भाव में तीन अक वाले होने के कारण दुहरे गुरु के प्रभाव में होते हैं। 30 नवम्बर को तिथि को भी इन्ही के साथ शामिल किया जाना चाहिए।

यह एक अत्यन्त बलवान ग्रहयोग है। इन तिथियों को जन्मे लोग कोई वृत्ति अपनाए उसी में वह पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं। अपने समाज के नेता के आदोलनों में, आम तौर से सम्मान पुरस्कार और सरकारी ऊचे पद प्राप्त करते हैं। रेलों परिवहन, जहाजरानी के भी उत्तम ठेकेदार निर्माता और डिजाइनर बनते हैं अथवा औद्योगिक सस्थानों के प्रमुख बनते हैं। यदि सरकारी क्षेत्र में जाए तो वहा भी प्रतिष्ठा के पद प्राप्त करते हैं।

उक्त तिथियों को पैदा हुए कुछ लोग आध्यात्मिक और धार्मिक रुझान वाले भी होते हैं अथवा इसके एकदम उलटे सभी धर्मों के प्रति अनास्थावादी हो सकते हैं।

कलम की शक्ति में उनका गहरा विश्वास होता है और प्राय उच्च स्तर के पत्र पत्रिकाओं की स्थापना करते हैं अथवा अपने विशेष विचारों के प्रचार के लिए प्रचार सामग्री का प्रकाशन करते हैं।

अपनी शानदार प्रतिभा के बावजूद बुढापे में अपने धन को अपनी आखों के सामने ही लोप होते देखते हैं और इसे रोकने के लिए कुछ नही कर पाते हैं।

ऐसे लोगों को चेतावनी यह है कि सम्पन्नता के दिनों में कुछ पैसा भविष्य के लिए बचाकर अवश्य रखें। पचास वर्ष की आयु के बाद दुर्दिनों से उनके प्रभावित होने की सम्भावना है।

ये लोग शानदार काया वाले होते हैं और साठ वर्ष की आयु तक बहुत कम बीमारिया उन्हें परेशान कर पाती हैं। उस समय परिवर्तन िखाई पडने लगता है। यदि अपनी जिम्मेदारिया कम नही करेंगे तो स्नायुविक प्रणाली टूटनी शुरू हो जाएगी। कुछ मामलों में रीढ,हाथ और दिमाग का पक्षाघात हो सकता है।

आपका महत्वपूर्ण अक तीन है जिसकी छ और नौ से भी अदला बदली हो सकती है। इन तीनों मूलाकों वाली तिथियों के जन्मे व्यक्ति आपको आकर्षित करेंगे लेकिन 30 दिसम्बर वालों को तीन और आठ वाले सबसे अधिक आकर्षित करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष तीन के मूलाक वाले रहेंगे।

आपके भाग्य रत्न कटैला और बैंगनी नग हैं। इसक बाद फीरोजा लाल, तामडा और लाल नगों का नम्बर है। 30 दिसम्बर वालों को लाल नग न पहनकर उनकी जगह नीलम पहनना चाहिए।

4 13 22 31 मूलाक 4

आपके कारक ग्रह यूरेनस सूर्य और गुरु हैं। 31 दिसम्बर का अक चार है तथा अप्रत्याशित मोड आते रहते हैं। उन पर यूरेनस का प्रबल प्रभाव रहता है जो शनि का जुडवा भाई कहलाता है। शनि के प्रभाव में पैदा हुए व्यक्तियों की भाति वे भी बहुत कुछ भाग्य की सन्तान होते हैं।

वे कुशल अत्यन्त बुद्धिमान अपनी विशेषता लिए हुए अद्भुत मानसिक गुणों वाले होते हैं। उन्हें आश्चर्यजनक कल्पना का और प्राय शोधकार्य का वरदान होता है। वे दूसरों स भिन्न जीवन जीने लगत हैं और आम लोग उन्हें

बहुत गलत समझते हैं। आम तौर से वे क्रूरतम बदनामी के शिकार होते हैं और अपनी सफाई देने में असहाय लगते हैं।

उनके मन का झुकाव दिवास्वप्नों विचित्र सपनों और पूर्वज्ञान की ओर होता है। देर सबेर उनमें गुप्त विद्याओं के अध्ययन के लिए प्रेम जाग उठता है।

उनका स्वभाव अत्यन्त स्वतन्त्र होता है और वे विचार तथा कार्य की स्वतन्त्रता के लिए ललकते हैं। उनका जीवन क्रमश लीक से अलग होता है और वे किसी प्रकार का बन्धन या अंकुश सहन नही कर सकते। शायद इसीलिए उनका विवाहित जीवन कदाचित ही सफल रहता हो। अपने जीवन साथी से उनका मनमुटाव चलता रहता है।

वे शायद ही जोखिम आग और खतरों से मुक्त रह पाते हों और आग, कार लगाम तोडकर भागे घोडों आदि से अनेक दुर्घटनाओं के शिकार हो जाते हैं। उन्हें विमान मे कभी यात्रा नहीं करनी चाहिए। करेंगे तो देर सबेर नुकसान होगा।

वे धार्मिक सम्प्रदायों या गुप्त सस्थाओं के विरोध और आक्रोश के शिकार होते हैं। ऐसी सस्थाओं से जुडना उनके हित में नही होगा। भौतिक दृष्टि से व दिमागी कार्यों से या किसी असाधारण साहित्यिक कार्य से तथा सगीत और चित्रकला से भी धन कमा सकते हैं लेकिन कदाचित् ही हाथ में रख पाते या बचा पाते हों। खुले दिमाग के और अत्यन्त उदार होने पर भी रुचि अरुचि में दृढ होते हैं जिस पर अंकुश लगा पाना उनके लिए कठिन होता है।

इन लोगों के लिए यह बहुत अनिश्चित प्रश्न है। पैसा अचानक या विचित्र ढग से आ सकता है। वे कदाचित ही देर तक उसे अपने हाथ में रख सकें। लेकिन जीवन को दार्शनिक ढग मे देखते हैं—कोई न कोई उनकी सहायता को आगे आएगा ही और आश्चर्य की बात है कि प्राय से ऐसा हो भी जाता है।

इन लोगों में दो वर्ग होते हैं। एक वर्ग जरा भी आभास के बिना सभी प्रकार की विचित्र या रहस्यमय बीमारियों का शिकार होता है, जैसे पेट में मरोड तीव्र सर्दी बुखार फेफडे गले और नाक की परेशानी। दूसरा वर्ग दृढकाय न होते हुए भी किसी गम्भीर बीमारी के बिना जीवन काट देता है, केवल दुर्घटनाओं का शिकार होता है।

इनके महत्वपूर्ण अक चार' और आठ' हैं। लेकिन इन्हें स्वय चुनने की सलाह नही है। आप एक और तीन के अक चुनिए। 'एक 'तीन चार' तथा आठ' मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष चार' और 'आठ मूलाकों वाले रहेंगे।

आपके कपड़ों के लिए सबसे शुभ रग सुनहरा पीला नारगी भूरा फालसई जामुनी, बैंगनी हैं। आपके भाग्य रत्न नीलम, हीरा पुखराज, अम्बर हरा या पीला जेड हैं।

5, 14, 23 मूलाक 5

आपके कारक ग्रह बुध और गुरु हैं। आपके जीवन में बुध का प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। आप मन से असामान्य रूप से चचल कुशल तथा हाजिर जवाब होंगे। आपको दिमाग या हाथों से किसी न किसी काम में लगे ही रहना आवश्यक है।

आप महत्वाकाक्षी आजाद तबीयत और विचारों में ओजस्वी हैं। अपनी रुचि अरुचि में भी आप जल्दबाज तथा आवेशी हैं। साथ ही आपका दिमागी शक्ति का शानदार आधार मिला हुआ है। अपनी चचलता को कानू में रखें तो अपने सभी कार्यों में सफल होंगे।

आम तौर से आप खेलों के बेहद शौकीन होंगे, विशेषकर घुडदौड या पशुओं से सम्बन्धित खेलों के। आप पर गति का भूत सवार होगा। परिस्थितिया ऐसी हुई तो तेज कारों या विमानों में जीवन को या हाथ पैरों का जोखिम में डालेंगे। आप शायद ही किसी भयकर दुर्घटना को टाल पाए। नहीं भी मरे—तो अपग तो हो ही जाएगे।

जमकर बैठने पर आप साहित्य सेवा विमान, चिकित्सा कानून या सकटकालीन नेता के रूप में सफल होंगे। आप तर्क या वाद विवाद के बहद शौकीन होंगे। कटु व्यग्योक्ति भी कर सकते हैं लेकिन जहा बहस समाप्त हुई, आप विरोधी के प्रति कोई शत्रुता या मनमुटाव नही रखेंगे।

विपरीत लिंगियों की ओर आपका काफी आकर्षण होगा। आमतौर से विवाह सुखद रहेगा।

ये व्यक्ति प्राय धन कमाने वाले होते हैं लेकिन किसी विचित्र ढंग से। अपने पूर्व ज्ञान के विनियोग में प्राय भाग्यशाली रहते हैं लेकिन धन को अधिक

महत्व नही देते ।

ऐसे लोग बहुत कम किसी गम्भीर बीमारी के शिकार होते हैं । होते हैं तो अपनी असावधानी और धैर्यपूर्वक भोजन न करने से। आखों या चेहरे में फडकन और बोलने में हकलाहट या तुतलाहट की शिकायत हो सकती है ।

'तीन' और 'पाच' के अक आपके जीवन में बार बार आएगे । आप भी इन्हें अधिक-से अधिक काम में लीजिए । इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे । आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच मूलाक वाले रहेंगे ।

आपके लिए सबसे शुभ रग फालसई या जामुनी फलक लिए हलके रग रहेंगे । आपके भाग्य रत्न कटैला, हीरा और चमकीले नग हैं ।

6, 15, 24 मूलाक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र और गुरु हैं । गुरु (ओज) के भाव में शुक्र की स्थिति अत्यन्त शुभ है । ये दोनों ग्रह एक दूसरे के मित्र कहे जाते हैं ।

6, 15, या 24 दिसम्बर को पैदा हुए व्यक्ति प्रसन्नचित्त और हसमुख स्वभाव के होते हैं । वे प्रकृति के वैभव और सभी प्रकार की सुन्दरता के प्रेमी होते हैं। उनके बारे में कोई ओछी बात नही होती। अपने मित्रों को खिलाने पिलाने में प्रसन्नता का अनुभव करते हैं । मैदानी खेलों और पशुओं से, विशेषकर कुत्तों और घोडों से प्रेम करते हैं । घुडदौड पसन्द करते हैं और आम तौर से घोडे पालते भी हैं । ऐसे उद्यमों में उन्हें भारी सफलता और धन की प्राप्ति होती है। वे अपने आसपास सौहार्दपूर्ण वातावरण पसन्द करते हैं। सबसे अधिक पीडा उन्हें ऐसे लोगों के सम्पर्क में आने से होती है जो कन्धे पर अडगा लिए जीते हैं ।

धनु राशि में पैदा होने से उनकी आय के कई साधन होते हैं । उनके लिए हर बात दुहरी और लाभदायक रहती है । महिला होने पर उसके दो पति और दो बच्चे होना प्राय निश्चित हैं । इन तिथियों को पैदा हुए व्यक्ति प्राय विदेशियों से या अपने जन्म स्थान से दूर पैदा हुए व्यक्तियों से विवाह करते हैं। सभी विपरीत लिंगियों के प्रति तीव्रता से आकर्षित होते हैं—प्रेमी नहीं होते तो भी अच्छे साथी जरूर बन जाते हैं ।

वे कुछ दम्भी होते हैं और उच्च सामाजिक पद या प्रभाव वाले व्यक्तियों

को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, जैसे सरकारी अधिकारी उपाधिकारी या धार्मिक नेता।

वे यात्रा के बेहद शौकीन होते हैं और यात्रा के दौरान आजीवन मित्र बना लेते हैं। नर नारी दोनों बडे बडे विचारक होते हैं और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए प्राय आवश्यक धन खींच लेते हैं।

वे विद्वानों का भारी आदर करते हैं, साहित्य चित्र कला, सगीत आदि में नाम कमाने वालों को अपने घर बुलाते हैं। भले ही स्वय कोई बौद्धिक कार्य न करें लेकिन उसमें काफी रुचि लेते हैं। उनका घर कलाकृतियों और सुन्दर वस्तुओं से भरा रहता है।

धन कमाने का प्रयास करें या न करें प्रारम्भिक वर्षों में आम तौर से भाग्यशाली रहते हैं। उनको विवाह विरासत और उपहारों से लाभ होता है। लेकिन भाग्य जीवन भर साथ नही देता। अच्छा हो वे बुढापे के लिए धन बचाकर रखें।

स्वास्थ्य के मामले में भी वे इतने ही भाग्यशाली होते हैं। केवल जब बहुत अधिक शान से रहने के चक्कर में पडते हैं जो आम तौर से उनकी कमजोरी होती है तो उनका स्वास्थ्य बिगडता है। जीवन के अन्तिम दिनों में प्राय आतों और छाती में कैंसर तथा ट्यूमर की प्रवृत्ति रहती है।

आपके महत्त्वपूर्ण अक तीन छ और नौ हैं। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को अपनी योजनाए या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे। कभी पाच अकवालों के प्रति भी लगाव होगा लेकिन वे आपके जीवन में अधिक काल तक नही रहेंगे और न आपके लिए उतने भाग्यशाली होंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष तीन और छ मूलाकों वाले रहेंगे।

आपके कपडों के लिए सबसे शुभ रग फालसई बैंगनी जामुनी नीले और लाल रग की झलक लिए हुए होंगे। आपके भाग्य रत्न कटैला फीरोजा लाल तामडा और लाल नग।

7, 16, 25 मूलांक 7

आपके कारक ग्रह नप्च्यून चन्द्र और गुरु हैं। 25 दिसम्बर आगामी राशि काफी भिन्न प्रभाव डालेगा।

गुरु (ओज) के प्रभाव में नेप्यचून और चन्द्र की तिथि कुछ बहुत महत्त्वपू संकेत देती है। एक प्रकार से वे परस्पर विरोधी हैं। नेप्यचून और चद्र विन और झुकने वाले हैं जबकि गुरु अपन निजी भाव धनु में दबग महत्त्वाकाक्षा अं तानाशाही स्वभाव रखता है।

नेप्यचून का शरीर से अधिक मन पर प्रभाव है विचित्र सपनों दिवास्वप्न प्रेरणा और रहस्यम अनुभवों से यह व्यक्ति को प्रभावित करता है। यह जाग्र अवस्था में अवचेतन मन पर प्रभाव डालता है। चन्द्र के साथ नेप्यचू रहस्यवादी, कवि, चित्रकार सगीतज्ञ या अध्यात्मवादी लेखक बनाता है। यदि गुरु की महत्त्वाकाक्षी प्रकृति सक्रिय न हों, तो ऐसे गुण, सम्भवत सपनों क दुनिया में खोए रहते हैं।

यहाँ विरोधाभास महसूस होता है। नेप्यचून और चन्द्र के अला अपने अपने स्वभाव के विपरीत कर्म में ठेल दिए जाते हैं। वे पदार्थ पर मन कं शक्ति का अहसास कराने की पुकार सुनते हैं। यदि वे इसी बात मे सन्तुष्ट रहे तो ठीक है। लेकिन इस सहयोग में जन्मे व्यक्तियों का एक वर्ग भी ऐसा होता है जो अपनी अधिकार भावना को दूसरी सभी बातों पर हावी हो जाने देते हैं देर सवेर इससे अपनी मौत बुला लेते हैं।

दूसरा वर्ग जो अध्यात्म को भौतिकता पर हावी होने देता है कवि चित्रकार सगीतज्ञ, लेखक या नेता के रूप में यश कमाकर प्राय दुनिया में अपना नाम छोड जाता है।

इन लोगों के आर्थिक मामले विचित्र रहते हैं। यदि धन कमाते हैं तो कदाचित ही किसी आम व्यवसाय से। बुढापे में विनियोगों से भारी हानि उठाने की सम्भावना है। बेईमान नकली सस्थाओ के शिकार हो जाते हैं या अपनी योजनाओं में सीमा का अतिक्रमण कर बैठते हैं। 25 दिसम्बर को जन्मे व्यक्तियों को अधिक निराशाओं का सामना करना पडता है।

इन लोगों का साथ बहुत अच्छा नहीं होता। उनमें समय बे समय खाने की प्रवृत्ति होती है और वे अपने शरीर का पर्याप्त ख्याल नही रखते। अत्यधिक सवेदनशील होने से वे अपने को पूर्ण स्वस्थ महसूस नही करते। मन से अपने को बहुत अधिक थका लेते हैं और शायद ही कभी ठीक से सोया विश्राम कर पाते हों और कार्यक्रम इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयत्न

उसने यह बगला जब अपनी पत्नी को दे दिया तो तूफान उठ खडा हुआ 3 उसकी लोकप्रियता उसी को भारी पड गई।

ऐसे लोग धीरे धीरे लेकिन लगातार धन सचय कर लेते हैं आम तौर कम सफल सम्बन्धी या पारिवारिक बन्धनों से उनके साधनों का हास हाता। वे प्राय जुए और शीघ्र धन पाने वाली योजनाओं से बचते हैं तथा सरक सिक्युरिटियों में या ठोस उद्यमों में अपना धन लगाते हैं लेकिन सतर्कता बावजूद जीवन के अतिम दिनों मे प्राय गम्भीर हानि उठाते है।

इन लोगों की काया मुख्यत अच्छी और मासल हाती है लेकन आतरिक रोगों के काफी शिकार होते है और प्राय गम्भीर शल्य चिकि करानी होती है।

आपके जीवन पर चार और आठ अकों का और इनसे सम्ब व्यक्तियों का भारी प्रभाव पडेगा। इन लोगा के प्रति आप गहरा लगाव महस् करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष आठ मूलाक वाले रहेंगे।

आपको गहरे रगों के कपडे पहिनने चाहिए और काला मोती काला ही तथा कत्थई नग धारण करन चाहिए।

9, 18, 27 मूलाक 9

आपके कारक ग्रह मगल और गुरु हैं। 27 दिसम्बर की तिथि मकर रा की नौ अक वाली तिथि होने के कारण 9 या 18 दिसम्बर से प्रभाव में भि है। वह मगल और शनि के प्रभाव में है।

9, 18 और 27 दिसम्बर की तिथिया गुरु मगल और शनि जैसे बलवा ग्रहों के प्रभाव से भारी महत्वाकाक्षा तथा सकल्प वाल व्यक्तिया का जन्म दे है। ऐसे लोग अपने विचारों में ओजस्वी और काम में तानाशाही प्रवृत्ति वा होते हैं।

ये आपातकाल में विशेष रूप से सफल रहत हैं। उनमें नैतिक अ शारीरिक साहस होता है तथा डर नाम की चिडिया को जानत भी नहा। मिल पर वे घर से बाहर का परिश्रमी जीवन पसद करते हैं। घोडों और आम पशु पर उनका भारी प्रतिकार होता है। विपरीत लिंगिया के लिए उनके मन में गह आकर्षण रहता है और आम तौर से विवाह के मामले में भाग्यशाली रहते लेकिन एक से अधिक सम्बन्धों की सम्भावना की जा सकती है।

कीजिए। इन्ही तिथियों और कभी कभी तीन मूलांकों वाली तिथियों को जन्म व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी दो और सात मूलांकों वाले ही रहेंगे।

आपको हरे, क्रीम सफेद कबूतरी और हलके रंगों के कपड़ पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड मोती चन्द्रकांत मणि, कटैला तथा जामुनी नग।

8, 17, 26 मूलांक 8

आपके कारक ग्रह शनि और गुरु हैं। 26 दिसम्बर आगामी राशि मकर के संधि काल में बहुत आगे है अत उस पर शनि का प्रभाव अधिक है। वस्तुत यह मकर राशि की पहली आठ अंकवाली तिथि है।

गुरु के भाव में शनि भारी शक्ति और संकल्प बल प्रदान करता है। जीवन के प्रारम्भ में प्राय सदा कठिनाई रहती है और महत्वाकांक्षा की पूर्ति में भारी बाधा आती है। 8 17 या 26 दिसम्बर को पैदा हुए लोगों में प्रबल सहन शक्ति होती है। उनका कोई काम आसानी से नही होता लेकिन अपने धैर्य और अध्यवसाय से वे अपने लिए ठोस स्थिति का निर्माण कर लेते हैं।

वे उत्तम न्यायाधीश, वकील या व्यापारी बनते हैं। दूसरे लोगों के हित में काम करते हुए वे विशेषकर बहुत सतर्क रहते हैं। वे अपने काम में बहुत ईमानदार होते हैं। लेकिन यदि अधिक पहल और आत्मविश्वास से काम लें तो भौतिक दृष्टि से अपना ज्यादा भला कर सकते हैं।

वे आत्म केन्द्रित और अपने रहस्य छिपा लेने वाले होते हैं तथा निंदा या आलोचना से शीघ्र आहत हो जाते हैं। जब अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े होते हैं तो निडरता से उसका प्रतिरोध करते हैं और अपने स्पष्ट रवैये से अनेक लोगों को कटु दुश्मन बना लेते हैं।

वे बहस में तीव्र कटूक्तियों को सदा हथियारों की भांति काम मे लेते हैं।

26 दिसम्बर को जन्मे लोग प्राय बहुत उच्च पदों पर पहुचते हैं और सम्मान प्राप्त करते हैं लेकिन कोई असावधानी कर बैठने से या अतिउदारता दिखाने से ढुलमुल लोगों को अपने विरुद्ध कर लेते हैं और अपना पद खो देते हैं। स्पेनिश अमरीकी युद्ध का हीरो एडमिरल डयूई इसका उदाहरण है। राष्ट्र ने उसे उपहारों से लाद दिया और वाशिंगटन में एक बंगला भी दिया। लेकिन

उसने यह बगला जब अपनी पत्नी को दे दिया तो तूफान उठ खडा हुआ ः उसकी लोकप्रियता उसी को भारी पड गई।

ऐसे लोग धीरे धीरे लेकिन लगातार धन सचय कर लेते हैं आम तौर कम सफल सम्बन्धी या पारिवारिक बन्धनों से उनके साधनों का ह्रास होता वे प्राय जुए और शीघ्र धन पाने वाली योजनाओं से बचते हैं तथा सरक सिक्युरिटियो में या ठोस उद्यमा में अपना धन लगाते हैं लेकिन सतर्कता बावजूद जीवन के अतिम दिनों मे प्राय गम्भीर हानि उठाते हैं।

इन लोगों की काया मुख्यत अच्छी और मासल हाती है लेकन आतरिक रोगों के काफी शिकार होते हैं और प्राय गम्भीर शल्य चिकि करानी होती है।

आपके जीवन पर चार और आठ अकों का और इनसे सम्ब व्यक्तियो का भारी प्रभाव पडेगा। इन लोगों के प्रति आप गहरा लगाव महस् करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष आठ मूलाक वाले रहेंगे।

आपको गहरे रगों के कपडे पहिनने चाहिए और काला मोती काला ह तथा कत्थई नग धारण करने चाहिए।

9, 18, 27 मूलाक 9

आपके कारक ग्रह मगल और गुरु हैं। 27 दिसम्बर का तिथि मकर रा की नौ अक वाली तिथि होने के कारण 9 या 18 दिसम्बर से प्रभाव में भि हैं। वह मगल और शनि के प्रभाव में है।

9 18 और 27 दिसम्बर की तिथिया गुरु मगल और शनि जैस बलवा ग्रहों के प्रभाव से भारी महत्वाकाक्षा तथा सकल्प वाले व्यक्तियों का जन्म दे है। एसे लोग अपने विचारों में ओजस्वी और का म तानाशाही प्रवृत्ति वा होते हैं।

वे आपातकाल में विशेष रूप से सफल रहत हैं। उनमें नैतिक औ शारीरिक साहस होता है तथा डर नाम की चिडिया को जानत भी नहीं। मिल पर वे घर स बाहर का परिश्रमी जीवन पसद करते हैं। घोडों और आम पशु पर उनका भारी प्रतिकार होता है। विपरीत लिंगिया के लिए उनके मन में गहर आकर्षण रहता है और आम तौर से विवाह के मामले में भाग्यशाली रहते लेकिन एक से अधिक सम्बन्धों की सम्भावना का जा सकती है।

हर प्रकार के दुस्साहस के प्रति असाधारण रूप से शौकीन होते हैं और उत्तम खोजकर्ता बन सकते हैं। उनका मन चंचल होता है और उनमें यात्रा की विशेषकर सुदूर या अनजान क्षेत्रों की तीव्र उत्कंठा रहती है। हर समय किसी भी जोखिम के लिए तैयार रहते हैं और अपने ध्येय की पूर्ति में प्रायः भारी खतरे उठाते हैं।

रुपये पैसे के प्रति ये एक प्रकार से उदासीन होते हैं। परेशानी में पड़े लोगों के लिए बहुत उदार होते हैं। पैसा पास हो तो धर्मार्थ संस्थाओं को विपुल दान देते हैं। पैसा पास न हो तो अपना समय तथा दिमाग लगाते हैं।

मशीन के बारे में इनमें काफी जानकारी रहती है विशेषकर गतिशील मशीनों के बारे में।

ये लोग आर्थिक मामलों में आम तौर से भाग्यशाली रहते हैं। इन्हें अप्रत्याशित विरासत विवाह या सट्टे से लाभ होता है। कुछ मामलों में ये काफी पैसा जमा कर लेते हैं लेकिन ऐसा होने पर दानशील बन जाते हैं।

कुछ मामलों में उद्यम में हिम्मत से काम लेकर या शीघ्र आमदनी वाला व्यवसाय खड़ा कर अर्थ प्राप्ति में सफल होते हैं। व्यवसायों की अपेक्षा यह आम तौर से कुछ व्यक्तिगत ढंग के दिमागी काम में अधिक सफल होते हैं। 27 दिसम्बर को जन्मे लोग इनमें सबसे अधिक बुद्धिमान होते हैं। शनि का प्रभाव मंगल के स्वभाव पर अंकुश लगाकर भारी बोझ और जिम्मेदारी सौंपता है।

स्वास्थ्य के मामले में अपने दुश्मन ये स्वयं होते हैं। शायद ही कभी अपने स्वास्थ्य की परवाह करते हों बल्कि हमेशा कुछ करते रहने की भावना से उसे जोखिम में डालते हैं। अठारह वर्ष की आयु के बाद ये तगड़े हो जाते हैं लेकिन चौवन वर्ष से स्नायुविक तनाव अपना प्रभाव दिखाने लगता है। वे शायद ही गम्भीर दुर्घटनाओं से बच पाते हों। आम तौर से ये दुर्घटनाएं बंदूक आग विस्फोट से अथवा कार विमान या पशुओं से होती हैं।

आपका सबसे घटनापूर्ण अंक नौ है। इसी मूलांक वाली तिथियों को अपनी योजनाएं या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी मूलांक वाले रहेंगे। तीन छः और नौ मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव करेंगे।

आपके वस्त्रों के लिए सबसे आपके भाग्य रत्न हैं लाल तामड़ा और सभी लाल नग।

अन्य अक

1 से 9 तक के अकों के लक्षण तथा प्रभाव पहले ही बताये जा चुके हैं। अव 10 से 70 तक क अकों के लक्षण व प्रभाव बताये जाते हैं

10—यह प्रतिष्ठा तथा आत्मविश्वास का अक है। इस अक वाला व्यक्ति अपनी इच्छानुसार बुराई या भलाई के लिए विख्यात होगा। इस व्यक्ति के इरादे तथा महत्वाकाक्षाए पूरी होती हैं।

11—यह अक अशुभ नही है। ऐसे व्यक्ति को अन्य लोगों से भय दगाबाजी आदि की आशका रहती है। असभावित स्थानों से भी अचानक धोखा होता है।

12—यह अक मानसिक चिन्ता या कष्ट का द्योतक है और अन्य लोग अपनी कार्य साधना के लिए अपनी स्वार्थ की वेदी पर इनके हितों की बलि चढा देते हैं।

13—इस अक वाले व्यक्ति क इरादों और कार्यक्रमों में सदैव परिवर्तन होता रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। बहुत स लोगों की यह धारणा ह कि यह अशुभ अक है पर वास्तव में ऐसी बात नहीं है। 13 ऐसी शक्ति का प्रतीक है जो यदि उचित रूप में प्रयुक्त की जाय तो लाभकारी हो सकती है।

अंग्रेजी अक्षर	हिन्दी लिपि	हिन्दी अक्षर	कीरो का मत चाल्डियन	सिफेरियल का मत (हिब्रू)	पाइथोगोरियन मत
A	ए	अ	1	1	1
B	बी	ब	2	2	2
C	सी	स	3	2	3
D	डी	द ड	4	4	4
E	इ	इ	5	5	5
F	एफ	फ	8	8	8
G	जी	ज ग	3	3	7
H	एच	ह	5	8	8
I	आई	ई	1	1	9
J	जे	ज	1	1	6
K	के	क	2	2	1
L	एल	ल	3	3	2
M	एम	म	4	4	3
N	एन	न	5	5	4
O	ओ	ओ	7	7	5
P	पी	प	8	8	6
Q	क्यू	क	1	1	7
R	आर	र	2	2	8
S	एस	स	3	3	9
T	टी	ट	4	4	1
U	यू	ऊ	6	6	2
V	वी	व	6	6	7
W	डब्लू	व	6	6	7
X	एक्स	क्ष	5	6	3
Y	वाई	य	1	1	4
Z	जेड	ज्ञ	7	7	5

14—इस अक से गति तथा जन एव वस्तु की समुदायात्मक प्रवृत्ति प्रकट होती है। आधी पानी, तुफान, भूकम्प आदि भय की आशका होती है। कार्य परिवर्तन धन तथा सट्टे के लिए यह अक शुभ है किन्तु अन्य मनुष्यों की गलती स जातक को कुछ भय की आशका रहती है।

15—यह मन्त्र शास्त्र के रहस्य से सम्बन्धित अक है। यदि किसी नाम के एक शब्द के अकों का योग 15 आये तो शुभ होता है। दूसरों से धन प्राप्ति के लिए यह अक शुभ है। इस अक वाले व्यक्ति सगीत तथा कला के प्रमी और अच्छे वक्ता होते हैं।

16—इस अक वाले व्यक्ति जीवन में बहुत उन्नति करते हैं किन्तु बाद में उनके अधःपतन की आशका रहती है। इनको दुर्घटना से बचना चाहिए। यह लोग बहुत महत्त्वाकाक्षी होते हैं परन्तु इनकी सारी महत्त्वाकाक्षाएं पूर्ण नही होती।

17—यह अक आत्मिक शक्ति से सम्बन्ध रखता है। इस अक वाले व्यक्ति कठिनाइयों और विपत्तियों को पार कर नाम और यश कमाने में सफल होते हैं और उनके जीवन के बाद भी उनकी कीर्ति रहती है। यह एक शुभ अक है।

18—इस अक से कलह और शत्रुता प्रकट होती है। इस अक वाला व्यक्ति कौटुम्बिक कलह तथा अन्य जनों की शत्रुता से पीडित रहता है। प्राय ऐसे व्यक्ति शत्रुता द्वारा तथा ध्वसात्मक प्रवृत्तियों द्वारा भी धन कमाने में प्रवृत्त होते हैं।

19—यह शुभ अक है। यह सूर्य का प्रतीक है। इससे हर्ष सफलता प्रतिष्ठा तथ मानवृद्धि प्रकट होती है।

20—इस अक को भी शुभ ही माना गया है। यह अक जागृति तथा न्याय का प्रतीक है। इससे नवीन योजनाए तथा नई महत्त्वाकाक्षाए प्रकट होती हैं। किन्तु सफलता निश्चित होगी, यह नही कहा जा सकता। कार्य में बाधाए तथा विलम्ब होता है।

21—इससे उन्नति प्रतिष्ठा पद वृद्धि आदि प्रकट होती है। कार्य की सफलता प्रकट होती है।

22—इस अक वाला व्यक्ति बहुधा स्वप्न की दुनिया में रहता है। मिथ्या

अंग्रेजी अक्षर	हिन्दी लिपि	हिन्दी अक्षर	कीरो का मत चाल्डियन	सिफेरियल का मत (हिब्रू)	पाइथोगोरियन मत
A	ए	अ	1	1	1
B	बी	ब	2	2	2
C	सी	स	3	2	3
D	डी	द ड	4	4	4
E	ई	इ	5	5	5
F	एफ	फ	8	8	8
G	जी	ज ग	3	3	7
H	एच	ह	5	8	8
I	आई	ई	1	1	9
J	जे	ज	1	1	6
K	के	क	2	2	1
L	एल	ल	3	3	2
M	एम	म	4	4	3
N	एन	न	5	5	4
O	ओ	ओ	7	7	5
P	पी	प	8	8	6
Q	क्यू	क	1	1	7
R	आर	र	2	2	8
S	एस	स	3	3	9
T	टी	ट	4	4	1
U	यू	ऊ	6	6	2
V	वी	व	6	6	7
W	डब्लू	व	6	6	7
X	एक्स	क्ष	5	6	3
Y	वाई	य	1	1	4
Z	जेड	ज़	7	7	5

14—इस अक से गति तथा जन एव वस्तु की समुदायात्मक प्रवृत्ति प्रकट होती है। आधी, पानी तुफान भूकम्प आदि भय की आशका होती है। कार्य परिवर्तन धन तथा सट्टे के लिए यह अक शुभ है किन्तु अन्य मनुष्यों की गलता से जातक को कुछ भय की आशका रहती है।

15—यह मन्त्र शास्त्र के रहस्य से सम्बन्धित अक है। यदि किसी नाम के एक शब्द के अकों का योग 15 आये तो शुभ होता है। दूसरों से धन प्राप्ति के लिए यह अक शुभ है। इस अक वाले व्यक्ति सगीत तथा कला के प्रमी और अच्छे वक्ता होते हैं।

16—इस अक वाले व्यक्ति जीवन में बहुत उन्नति करते हैं किन्तु बाद में उनके अधपतन की आशका रहती है। इनको दुर्घटना से बचना चाहिए। यह लोग बहुत महत्वाकाक्षी होते हैं परन्तु इनकी सारी महत्वाकाक्षाएं पूर्ण नही होती।

17—यह अक आत्मिक शक्ति से सम्बन्ध रखता है। इस अक वाले व्यक्ति कठिनाइयों और विपत्तियों को पार कर नाम और यश कमाने में मफल होते हैं और उनके जीवन के बाद भी उनकी कीर्ति रहती है। यह एक शुभ अक है।

18—इस अक से कलह और शत्रुता प्रकट होती है। इस अक वाला व्यक्ति कौटुम्बिक कलह तथा अन्य जनों की शत्रुता से पीडित रहता है। प्राय एसे व्यक्ति शत्रुता द्वारा तथा ध्वसात्मक प्रवृत्तियों द्वारा भी धन कमाने में प्रवृत्त हाते हैं।

19—यह शुभ अक है। यह सूर्य का प्रतीक है। इससे हर्ष, सफलता प्रतिष्ठा तथ मानवृद्धि प्रकट होती है।

20—इस अक को भी शुभ ही माना गया है। यह अक जागृति तथा न्याय का प्रतीक है। इससे नवीन योजनाएं तथा नई महत्वाकाक्षाए प्रकट होती हैं। किन्तु सफलता निश्चित होगी, यह नही कहा जा सकता। कार्य में बाधाए तथा विलम्ब होना है।

21—इससे उन्नति, प्रतिष्ठा, पद वृद्धि आदि प्रकट होती है। कार्य की सफलता प्रकट होती है।

22—इस अक वाला व्यक्ति बहुधा स्वप्न की दुनिया में रहता है। मिथ्या

आशाओं में अपना समय बरबाद करता रहता है और जब विपत्ति बिल्कुल सिर पर आ जाती है तब चौकन्ना होता है। इस अक से यह भी प्रकट हाता है कि जो धारणा बना रखी है वह मिथ्या है।

23 – स उच्च अधिकारियों की कृपा या अपने मे श्रेष्ठ जनों की सहायता द्वारा उन्नति तथा सफलता प्रकट होती है।

24 – यह शुभ अक है। अपने कार्य में उच्च पदाधिकारियों के सहयोग तथा उनकी सहायता व्यक्त होती है। किसी पुरुष को किसी स्त्री के प्रेम तथा सहायता से और किसी स्त्री को किसी पुरुष (पति पिता भाई आदि) के स्नेह तथा सहायता से लाभ होता है।

25 – से प्रकट होता है कि अनुभव द्वारा शक्ति इकट्ठी होगी और दूसरों की गतिविधि देखने स लाभ होगा। प्रारम्भिक जीवन में बहुत सघर्ष और कठिनाइयों का सामना करना पडता है तब कही जाकर सफलता प्राप्त होती है। भविष्य विषयक प्रश्न में इसका परिणाम शुभ होता है।

26 – दूसरों के समर्ग या सहयोग से भारी विपत्ति तथा आशका प्रकट होती है। दूसरों की सलाह सयोग साझेदारी विवाह तथा सट्टे आदि से घाटा या भारी नुकसान होने का अन्देशा जाहिर होता है।

27 – से हुकूमत तथा उच्चाधिकारिता प्रकट हाती हैं। बुद्धि चातुर्य क फलस्वरूप अच्छे परिणाम निकल सकते है। ऐसे व्यक्तियो को अपने स्वय के विचारों को कार्यान्वित करना चाहिए। भविष्य प्रश्न में यह सख्या बहुत शुभ फल सूचित करती है।

28 – इस सख्या से दो विरुद्ध दशा में जाने वाली शक्तिया सूचित होती हैं। ऐसे व्यक्तियो का अपने कार्य से बहुत प्राप्ति तथा सफलता की आशा होती है परन्तु सावधानी न बरतें तो उनके पल्ले कुछ नहीं पडता। दूसरों में अन्धविश्वास रखने से व्यापार में प्रतियोगियों के विरोध से अदालत मुकद्दमे या कानूनी कार्यवाही के फलस्वरूप घाटे की सभावना रहती है। भविष्य विषयक प्रश्न में इस सख्या से शुभ परिणाम प्रकट नही होता।

29 – के अक से अस्थिरता या अनिश्चित स्थिति प्रकट हाती है। ऐसे व्यक्ति के मित्र विश्वास के योग्य नहीं होते और उनके कारण उसे अचानक धोखा भय कष्ट और हानि की सभावना रहती है। इस अक वाले पुरुषों को

स्त्रियों से और इस अक वाली स्त्रियां को पुरुषों से धोखा और कष्ट उठाना पडता है।

30—के व्यक्ति बुद्धिमान् तथा प्रतिभा सम्पन्न होते हैं ओर आर्थिक सचय की ओर विशष ध्यान न देकर विद्या सचय की ओर चित्तवृति तथा बुद्धि को लगाते हैं। इस कारण इस अक को न शुभ कह सकते हैं न अशुभ।

31—की सख्या का भी प्राय वही फल है जो 30 का है बल्कि इस सख्या वाला व्यक्ति और भी एकाकी और अन्तर्मुखी वृत्तिवाला सबसे दूर और अलग रहने की प्रवृति के कारण सासारिक सफलता से हीन ही रहता है। इस कारण यह सख्या शुभ नही है।

32—के अक में वही चमत्कार है जा 5 14 की सख्या में है। इससे बहुत व्यक्तियों या राष्ट्रों का समुच्चय या समुदाय इगित होता है। इस सख्या वाला व्यक्ति अपने इरादों को स्वय कार्यान्वित करे तो उसे सफलता मिलेगी परन्तु यदि वह अन्य व्यक्तियों की जिद या मूर्खता से पूर्ण सलाह को मान्यता देगा तो सफलता प्राप्त न होगी। भविष्य विषयक प्रश्न में यह सख्या शुभ है।

33—इस सख्या की अपनी कोई विशेष शक्ति नही है। इसका प्रभाव 24 की सख्या जैसा है।

34—इसका प्रभाव 25 की सख्या जैसा है।

35— 26 ,

36— 27

37—को विशेष शक्ति सम्पन्न सख्या है। ऐसे व्यक्ति को प्रेम (स्त्री पुरुष) तथा मित्रता दोनों में भाग्योदय प्राप्त होता है। ऐसे व्यक्ति किसी की साझेदारी में काम न करें तो उससे उन्हें लाभ होता है।

38—सख्या का प्रभाव 29 के समान है।

39— , 30

40— 31

41— 32

42—इसका प्रभाव 29 के सदृश हैं।

43—यह अशुभ सख्या है। असफलता बाधा, लडाई झगडा गडबड क्रांति आदि अशुभ परिणाम होते हैं।

44—इसका प्रभाव 26 के समान है।

45— [illegible] 27 [illegible]

51—की संख्या में बहुत शक्ति है। इससे साहस तथा विजय का संकेत मिलता है। ऐसा व्यक्ति जो भी कार्य करे उसे सफलता प्राप्त होती है। सैनिक के लिए यह विशेष शुभ है। नेताओं के लिए भी सफलता की सूचक है किन्तु इस संख्या वाले के बहुत से शत्रु भी होते हैं। उनसे भय तथा शारीरिक कष्ट की आशंका रहती है।

52—इसका फल 43 के समान है।

53—अंक वाला व्यक्ति गुप्तचर का कार्य अच्छा कर सकता है। सैनिक नेतृत्व में भी सफलता प्राप्त होती है। यह अंक उन्नतिसूचक है।

54—इस अंक वाले व्यक्ति को बहुत प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। वह क्षणिक धनवान् तथा विद्वान् होता है परन्तु उसके लगड़े होने की आशंका रहती है।

55—का अंक नेतृत्व का है। ऐसा व्यक्ति प्रखर बुद्धि का तथा धार्मिक विचार का होता है और अन्य जनों का नेतृत्व करता है।

56—यह अंक शुभ तथा अशुभ दोनों है। यह व्यक्ति सौभाग्यशाली होता है तथा दूसरों पर हुकूमत करने की चेष्टा करता है। परन्तु कई बार उसकी आकांक्षाएं निम्न प्रकार की होती हैं। वह घबराया हुआ तथा बेचैन सा रहता है। उसे आत्मसंयम का उपयोग करना चाहिए।

57—यह अंक कार्य या व्यवसाय में सफलता का सूचक है। ऐसा व्यक्ति खुशमिजाज व क्रियाशील होता है।

58—इस अंक वाले व्यक्ति अच्छे चिकित्सक हो सकते हैं। यह लोग स्पष्ट व्यवहार करने वाले होते हैं तथा दूसरों से स्नेह करते हैं।

59—इस अंक वाले व्यक्ति की भय और विपत्तियों से सदैव रक्षा होती रहती है। ऐसा व्यक्ति बहुत प्रकार के कार्य करता है और यात्रा भी बहुत करता

है। जल यात्रा विशेष सफलता की द्योतक है। यदि बैंक या दलाली का काम करे ना भी पूर्ण सफल होता है। ऐसे व्यक्ति में थोडी बेईमानी की प्रवृत्ति भी होती है। ऐसा व्यक्ति प्राय विजय प्राप्त करता है और दीर्घजीवी होता है। दोष यही है कि इसकी सट्टे और बेइमानी की ओर प्रवृत्ति होती है।

60—इस अक वाला व्यक्ति खुशमिजाज होता है और डाक्टरी आदि के कार्य मे सफलता प्राप्त होती है।

61—इस अक वाला व्यक्ति यात्रा का शौकीन शान्तिप्रिय तथा आत्म सयमी होता है।

62—इसका प्रभाव 53 अक के समान है।

63—इस अक वाला व्यक्ति स्वस्थ दूसरों की उन्नति चाहने वाला तथा उपकार के कार्य करने वाला होता है। प्राचीन सामाजिक प्रथाओं के सशोधन की ओर उसका विशेष ध्यान रहता है। व्यापार म भी सफल होता है किन्तु फिजूल खर्च भी होता है।

64—इस अक वाले व्यक्ति को व्यापार की अपेक्षा नोकरी या अपना पेशा जैसे डाक्टरी वकालत आदि विशेष लाभप्रद होती है। साहित्यिक प्रवृत्ति भी होती है। वैवाहिक जीवन के बन्धन से अरुचि होती है।

65—इस अक वाले व्यक्ति को बडे मनुष्यों का आश्रय प्राप्त होता है। वैवाहिक जीवन भी सुखमय होता है किन्तु चोट लगने या दुर्घटना की आशका भी होती है।

66—इसका प्रभाव 57 के समान है।

67— ” 58 ”

68— ” 59

69—इस अक से सम्मान प्रतिष्ठा, सौभाग्य तथा कीर्ति सूचित होता है।

70—यह सौभाग्य सूचक अक है पर बहुत शक्तिशाली नहीं।

ऊपर जो विवरण दिया गया है उसम कीरो के मत के हिसाब से जो अक दिए हैं वह चाल्डियन मत से हैं और उनके हिसाब से जो अक श्री जवाहरलाल नेहरू के अग्रेजी नाम के हिज्जों से बने वह जवाहर के 24 और नेहरू के 23 होते हैं। 23 का फल आपने देखा कि श्रेष्ठ जनों की सहायता द्वारा उच्चपद की प्राप्ति हुई। 24 से भी यही सब शुभ फल हुए। श्रीमती इन्दिरा गांधी में इन्दिरा का अक

14 बराबर 5 आया। इस अक मे जन एव वस्तु की सामुदायात्मक प्रवृत्ति प्रकट होती है। परिवर्तन के लिए यह अक शुभ है। इंदिरा गाधी का अक 19 आया यह अक भी शुभ है। हर्ष, सफलता प्रतिष्ठा तथा मानवृद्धि का सूचक है। आर्थिक स्थिति को सुदृढ बनाने में भी 14 का अक सहायक होता है। 19 का अक सूर्य का प्रतीक है। 9 और एक का जोड 10 अर्थात् 1 होता है। इन्दिरा का 5 और गाधी का 1 सयुक्ताक मिलाकर 6 हुआ। अपने पिता की नीतियों को पूरा करने में यह पूर्ण सफल हुए। उनकी जन्म तिथि 19 11 1917 है जिसका जोड 66 होता है। 1966 का वर्ष इनका बहुत भाग्यशाली रहा। (19 जमा 11 जमा 19 जमा 17 बराबर 66) और 66 वर्ष की आयु पर इनका भाग्य बहुत बुलन्दी पर रहेगा। यह हिसाब अंग्रेजी के अक्षरों से ही अधिक ठीक बैठता है और उसी से लगाना चाहिए।

इसी प्रकार शहरों और नगरों के नामों के भी सयुक्ताक बनाए जा सकते हैं और यह देखा जा सकता है कि उस शहर का नाम शुभ है या अशुभ और किसके लिए कैसा है?

अब कीरो के मत से जो चाल्डियन मत है नाम के अक्षरों मे सयुक्ताक इस प्रकार बनाते हैं।

1 J A W A H A R L A L   N E H R U
ज अ व आ ह अ र ल आ ल   न ए ह रु ऊ
1 1 9 1 5 1 2 3 1 3   5 5 5 2 6
सयुक्ताक 23 + सयुक्ताक 23 = 47
मूलाक = 2

2 V I N O B A   B H A V E
व ई न ो व   अ व ए
6 1 5 7 2 1   2 5 1 6 5
22 + 19 = 41 = मूलाक 5

3 I N D I R A   G A N D H I
इ न द ई र आ   ग आ न द ह ई
1 5 4 1 2 1   3 1 5 4 5 1
सयुक्ताक 14 + सयुक्ताक 19 = 33

4 S A N J A Y — G A N D H I

स अ न ज अ य — ग आ न द ह ई

3 1 5 1 1 1 — 3 1 5 4 5 1

सयुक्ताक 12 + सयुक्ताक 19 = 31 × मूलाक 4

5 M A H A T M A — G A N D H I

म अ ह अ त म आ — ग अ न द ह ई

4 1 5 1 4 4 1 — 3 1 5 4 5 1

सयुक्ताक 20 + सयुक्ताक 19 = 39

मूलाक 3

6 J A I P R A K A S H — N A R A I N

ज य प र क अ श — न अ र य अ ण

1 1 1 8 2 1 2 1 3 5 — 5 1 2 1 1 5

3 + 22 + 15 = 40

मूलाक = 4

महात्मा गाधी का मूल अक (नाम से) 3 है। इसका स्वामी बृहस्पति है। अनुशासनप्रियता धर्म में आस्था उत्तम चरित्र ईश्वर में विश्वास आदि गुणों का प्रतीक है। सयुक्ताक 20, 19 39 का फल ऊपर क विवरण म देख सकते हैं। 19 अक सूर्य का प्रतीक है। अद्वितीय सगठन शक्ति व्यवस्था विश्वख्याति, अद्भुत आत्मिक व मानसिक शक्ति ध्येय पर पहुचने का दृढ निश्चय स्वतन्त्र विचार, सफल जीवन। यह इस अक की (मूलाक 1 सयुक्ताक 19) विशेषताए हैं।

श्री जवाहरलाल नेहरू का मूल अक (नाम से) 2 तथा सयुक्ताक 24, 23 व 47 है। मूलाक 2 का फल कलाप्रिय प्रेमी स्नेह शील कल्पना शक्ति उत्तम बुद्धिमान विवेकशील परिवर्तन प्रिय आदि।

सयुक्ताक 23 24 अपने से श्रेष्ठजनों की सहायता द्वारा (महात्मा गाधी) सफलता 47 का फल 29 के समान है।

(श्रीमती इन्दिरा गाधी का मूलाक नाम से 6 है। इसके फलस्वरूप इनमें आकर्षक शक्ति मिलनसारी लोकप्रियता था। इनके साथ रहने वाले लोग इनसे प्रेम करते श्रद्धा रखते तथा मान देते थे सौंदर्य प्रेम कला प्रेम सुन्दर वस्त्र व

वस्तुओं का प्रेम अतिथि सत्कार सजावट पर ध्यान देना आदि फल इसके प्रभाव से हैं। नाम से सयुक्ताक 14 19 तथा 33 हैं। 14 का फल—गतिशीलता जन समुदायात्मक प्रवृत्ति परिवर्तन योग अन्य मनुष्यों की गलती से हानि की आशका थी।

19 अक का फल मूल अक 1 (सूर्य का प्रतीक)। हर्ष सफलता प्रतिष्ठा तथा मानवृद्धि।

33 का फल 24 अक के समान। उच्चपदस्थ श्रेष्ठ व्यक्तियों की सहायता सहयोग किसी पुरुष (पति पिता) आदि के स्नेह तथा सहायता से लाभ।

श्रीमती गाधी की जन्मतिथि 19 11 1917 है जिसका मूलाक 1 है तथा सयुक्ताक 3 है। मूलाक 1 का फल ऊपर दिया हुआ है। 3 का फल भी सहायता गाधी के उदारहण में दिया हुआ है। इसकी एक और मिसाल यहा और दी जा रही है।

श्रीमती गाधी की जन्म तारीख	19 11 1917 = 3
नामाकान पत्र भरने की तारीख	3 12 1979 = 3
चुनाव का दिन	3 जनवरी = 3
जन्म तिथि मूलाक	19 = 1
मतदाता सूची में क्रमसख्या	—649 = 10 = 1
जन्म स्थान इलाहाबाद का सयुक्ताक	— 21 = 3
निवास स्थान दिल्ली का सयुक्ताक	— 11 = 9 (3 × 3)
वर्ष 1980 का सयुक्ताक	—9 = 3 × 3 = 9
जन्म वर्ष 1917 का सयुक्ताक	—9 = 3 × 3 = 9
पार्टी की अध्यक्षा बनी—	11 1 1980 = 31 = 3
आयु वर्ष *(1980 1917)*	*63 = 9*
शपथ ग्रहण	14 1 1980 = 24 = 3 × 3 = 6

(3) श्री सजय गाधी का सयुक्ताक 12, 19 31 तथा मूलाक 4 हुआ।

12 अक का फल मानसिक चिन्ता तथा कष्ट का द्योतक है। अन्य लोग इस अक वाले को अपनी स्वार्थसिद्धि का साधन बनाते हैं। 1977 का वर्ष जिसका योग 6 होता है और जो (12 या 3) का गुणक है यह फल प्रकट हुए।

19 अक का फल यह शुभ सूर्य का प्रतीक है। प्रतिष्ठा सफलता तथा

मानवृद्धि प्रकट होती है। 9 1 1980 का योग, 28 का योग भी एक होता है। इस दिन इनके चुनावों में विजय की घोषणा हुई।

31 अक का फल ऐसे व्यक्ति बहुत बुद्धिमान तथा प्रतिभासम्पन्न होते हैं और आर्थिक सचय का ओर विशेष ध्यान न देकर विद्या सचय की ओर ध्यान देते हैं।

• मूलाक 4 सहसा प्रगति आश्चर्यजनक काय पद्धति अमभावित घटनाय। आम धारणा से भिन्न प्रगतिशील विचारधारा। जमाने से काफी आगे सुधारक पुरानी प्रथाओं के विरोधी नई नई प्रथाओ के पोषक। सामाजिक राजनैतिक धार्मिक किसी भी क्षेत्र में हों नये कीर्तिमान स्थापित करना। खुश रहने का स्वभाव।

श्री जयप्रकाश नारायण मूल अक 4 का फल उदाहरण (4) मे दिया जा चुका है। सयुक्ताक 22 का फल ऊपर के विवरण में देख लीजियेगा। स्वर्गीय जे० पी० ने अपनी धारणायें कई बार बदली थी। आरम्भ मे कम्युनिस्ट विचारधारा फिर काग्रेम, फिर समाजवादी फिर सर्वोदयी और सबके अन्त में सम्पूण क्रान्ति के सूत्रधार बने। सयुक्ताक 15 का फल उत्तम वक्ता दूसरों से धन प्राप्त करने मे यह सख्या शुभ है कली प्रमी। योग अक 40 का फल 31 के ममान है। अन्तर्मुखी वृति सासारिक सफलता से रहित ससारी लोगा के लिए यह सख्या शुभ नही हैं।

श्री विनोबा भावे 22 का अक जे पी के उदाहरण में भी है। कैसा साम्य है। दोनों ही महान् सर्वोदयी ससार त्यागी नेता। 19 का फल श्रीमती गाधी श्री सजय गाधी तथा महात्मा गाधी के अदाहरणों में आ चुका है। इसी अक साम्य के कारण विनोबा जी महात्मा गाधी के अनुगत तथा श्रीमती गाधी तथा श्री सजय गाधी पर कृपालु रहे।

ऊपर जो अक्षरों के अक दिये गए हैं वह अग्रेजी वर्णमाला के हैं। पुराने जमाने में चाल्डियन देश में यह विद्या बहुत प्रचलित थी उनसे हिब्रू लोगों ने प्राप्त की। कीरो ने चाल्डियन अकों को मान्यता दी है। पाइथागोरस यूनानी दार्शनिक था जो सिकन्दर महान् के साथ भारत आया था और सिकन्दर के आदेश पर उसने भारत की अन्य विद्याओं के साथ साथ अक ज्योतिष का भी गहन अध्ययन किया था। पाइथागोरस ने भारत, मिस्र और अन्य देशों की यात्रा

वस्तुओं का प्रेम अतिथि सत्कार सजावट पर ध्यान देना आदि फल इसके प्रभाव से हैं। नाम से सयुक्ताक 14 19 तथा 33 हैं। 14 का फल—गतिशीलता जन समुदायात्मक प्रवृत्ति परिवर्तन योग अन्य मनुष्यों की गलती से हानि की आशका थी।

19 अक का फल मूल अक 1 (सूर्य का प्रतीक)। हर्ष सफलता प्रतिष्ठा तथा मानवृद्धि।

33 का फल 24 अक के समान। उच्चपदस्थ श्रेष्ठ व्यक्तियों की सहायता सहयोग किसी पुरुष (पति पिता) आदि के स्नेह तथा सहायता से लाभ।

श्रीमती गाधी की जन्मतिथि 19 11 1917 है जिसका मूलाक 1 है तथा सयुक्ताक 3 है। मूलाक 1 का फल ऊपर दिया हुआ है। 3 का फल भी सहायता गाधी के उदाहरण में दिया हुआ है। इसकी एक और मिसाल यहा और दी जा रही है।

श्रीमती गाधी की जन्म तारीख	19 11 1917 = 3
नामाकान पत्र भरने की तारीख	3 12 1979 = 3
चुनाव का दिन	3 जनवरी = 3
जन्म तिथि मूलाक	19 = 1
मतदाता सूची में क्रमसख्या	—649 = 10 = 1
जन्म स्थान इलाहाबाद का सयुक्ताक	— 21 = 3
निवास स्थान दिल्ली का सयुक्ताक	— 11 = भ (3 × 3)
वर्ष 1980 का सयुक्ताक	—9 = 3 × 3 = 9
जन्म वर्ष 1917 का सयुक्ताक	—9 = 3 × 3 = 9
पार्टी की अध्यक्षा बनी—	11 1 1980 = 31 = 3
आयु वर्ष (1980 1917)	63 = 9
शपथ ग्रहण	14 1 1980 = 24 = 3 × 3 = 6

(3) श्री सजय गाधी का सयुक्ताक 12 19 31 तथा मूलाक 4 हुआ।

12 अक का फल मानसिक चिन्ता तथा कष्ट का द्योतक है। अन्य लोग इस अक वाले को अपनी स्वार्थसिद्धि का साधन बनाते हैं। 1977 का वर्ष जिसका योग 6 होता हैं और जो (12 या 3) का गुणक है यह फल प्रकट हुए।

19 अक का फल यह शुभ सूर्य का प्रतीक है। प्रतिष्ठा सफलता तथा

मानवृद्धि प्रकट होती है। 9 1 1980 का योग 28 का योग भी एक हाता है। इस दिन इनके चुनावों में विजय की घोषणा हुइ।

31 अक का फल ऐसे व्यक्ति बहुत बुद्धिमान तथा प्रतिभामम्पन्न होत हैं और आर्थिक सचय की ओर विशेष ध्यान न देकर विद्या सचय की ओर ध्यान देते हैं।

मूलाक 4 सहसा प्रगति आश्चर्यजनक कार्य पद्धति असभावित घटनाये। आम धारणा से भिन्न प्रगतिशील विचारधारा। जमाने से काफी आगे सुधारक पुरानी प्रथाओं के विरोधी नई नई प्रथाओं के पोषक। सामाजिक राजनैतिक धार्मिक किसी भी क्षेत्र में हों नये कीर्तिमान स्थापित करना। खुश रहने का स्वभाव।

श्री जयप्रकाश नारायण मूल अक 4 का फल उदाहरण (4) में दिया जा चुका है। सयुक्ताक 22 का फल ऊपर के विवरण में देख लीजियेगा। स्वर्गीय जे० पी० ने अपनी धारणायें कई बार बदली थी। आरम्भ म कम्युनिस्ट विचारधारा, फिर काग्रेस फिर समाजवादी फिर सर्वोदयी और सबके अन्त में सम्पूर्ण क्रान्ति के सूत्रधार बने। सयुक्ताक 15 का फल उत्तम वक्ता दूसरों से धन प्राप्त करने मे यह सख्या शुभ है कली प्रमी। योग अक 40 का फल 31 के समान है। अन्तर्मुखी वृत्ति सासारिक सफलता से रहित ससारा लोगों के लिए यह सख्या शुभ नही हैं।

श्री विनोबा भावे 22 का अक जे पी के उदाहरण मे भी है। कैसा साम्य है। दोनों ही महान् सर्वोदयी ससार त्यागी नता। 19 का फल श्रीमता गाधी श्री सजय गाधी तथा महात्मा गाधी के अदाहरणों में आ चुका हे। इसी अक साम्य के कारण विनोवा जी महात्मा गाधी के अनुगत तथा श्रीमती गाधी तथा श्री सजय गाधी पर कृपालु रहे।

ऊपर जो अक्षरों के अक दिये गए हैं यह अग्रेजी वर्णमाला के हैं। पुराने जमाने में चाल्डियन देश में यह विद्या बहुत प्रचलित थी उनसे हिब्रू लोगों ने प्राप्त की। कीरो ने चाल्डियन अकों को मान्यता दी है। पाइथागोरस यूनानी दार्शनिक था जो सिकन्दर महान् के साथ भारत आया था और सिकन्दर क आदेश पर उसने भारत की अन्य विद्याओं के साथ साथ अक ज्यातिष का भी गहन अध्ययन किया था। पाइथागोरस ने भारत मिस्र और अन्य देशों की यात्रा

की थी और अक ज्योतिष के सिद्धान्तों का सब जगह प्रचार किया था। उसी ने ज्यामिति शास्त्र की शुरुआत की थी। पाइथागोरस के अक शास्त्र पर हम आगे के पृष्ठों में विस्तृत विवेचन करेंगे। इस पृष्ठ में हमने चाल्डियन विधि से जिसे कीरो ने सबसे उपयुक्त समझा नामाक्षरों के अक बनाने की विधि आपको बताई है। अन्य मूल अकों के बारे में आपको कुछ तो बताया जा चुका है और बाकी आगे के पृष्ठों में बताया जाएगा।

आपके मूल अक से मिलने वाला मूल अक सम अक होता है। ऐसी वस्तुए ऐसी तारीखें ऐसे व्यक्ति जिनका मूल अक आपके मूल अक से मिलता हो तो वह आपके लिए शुभ तथा सहायक होते हैं। लाभदायक और अच्छे परिणाम के सूचक होते हैं। जिस मूल अक को आपके मूल अक के साथ जोडने से यदि वह अत्यन्त शुभाक 10 हो जाए तो वह आपका पूरक अक है। उसके साथ भी आपकी मित्रता अच्छी निभेगी इस अक की तारीखें वस्तुयें आदि भी अनुकूल रहेंगी।

मित्र और शत्रु अक नीचे दिए जा रहे हैं।

मूल अक	मित्र अक	शत्रु अक	मूल अक	मित्र अक	शत्रु अक
1	4 व 8	6 व 7	6	3 व 9	1 व 8
2	7 व 9	5	7	2 व 6	1 व 9
3	5, 6 9	4 व 8	8	1 व 4	3 व 6
4	1 व 8	3 व 6	9	2 3 6	7
5	3 व 9	2 व 4			

आपको यदि अपनी जन्म की तारीख मालूम है, तो उसका मूल अक बनाइये और अपने नाम को अग्रेजी के हिज्जे में लिखकर उसका भी मूल अक बना लीजिए। अब देखिए कि नाम का मूल अक आपको जन्म की तारीख से मेल खाता है या नही। यदि नही तो नाम के हिज्जों में थोडा बहुत परिवर्तन करने से अनुकूल अक बनाना चाहिए। यह भी हो सकता है कि नाम के अक्षरों से बना अक शुभ न बनता हो तो ऐसी हालत में भी परिवर्तन करना जरूरी है। जैसे किसी का नाम कैलाश चन्द्र गोयल है।

के ए आई एल ए एस सी एच ए एन डी आर ए जी ओ वाई ए एल
2 1 1 3 1 3 3 5 1 5 4 2 1 3 7 1 1 3

11 21 15

सबका जोड 47 हुआ। 47 का प्रभाव 29 के समान है और 29 अशुभ अक है। अब यदि यह महाशय अपना नाम केवल कैलाशचन्द्र लिखे तो अक 32 बनेगा जा शुभ है या कैलाश के स्थान पर कैलाश करके कैलाशचन्द्र करें तो के ऐ आई एल ए एस एच करने से एच का अक 5 बढ जाएगा और अक बजाय 32 के 37 हा जाएगा जो शुभ है। इस प्रकार नाम के हिज्जा में थाडा परिवतन करने से भाग्य में परिवतन सम्भव है। इसी प्रकार जन्म की तारीख के मूल अक स नाम का मूल अक मेल न खाता हो तो नाम के हिज्जों में उचित परिवर्तन कर लेना चाहिए।

राशि और अक

मेष

पाश्चात्य मत से 21 मार्च से 20 अप्रैल तक तथा भारतीय मत से 13 अप्रैल से 12 मई तक । पजाब व बगाल में एक वैशाख से 30 वैशाख तक और पचाग के अनुसार सूर्य जिस समय तक मेष राशि में रहे तो उन पर यह फल लागू होगा।

इस समय में उत्पन्न व्यक्तियों में मेष राशि के स्वामी मगल के गुण अधिक मात्रा में पाये जाते हैं। साहस उदारता स्वाभिमान धार्मिक भावनाओं के साथ साथ कलात्मक प्रवृत्तिया सुन्दरता की वस्तुओं की परख सिनेमा राग रग चित्रकारी आदि से प्रेम चतुरता व्यापारिक कुशलता दृढता और दूसरे से मुकाबला करने का हौसला होता है। साहस के कामों में सैनिक या पुलिस विभाग से ऐसे व्यक्ति शीघ्र उन्नति करते हैं। खेल कूद के शौकीन होते हैं। किसी भी स्थान पर जहा हुकूमत करने का शासन करने का काम हो मशान अग्नि भट्टी लोहा या अन्य धातुओं का ढालना तपाना आदि होता हो इन लोगों को विशेष सफलता मिलती है। इन लोगों को क्रोध बहुत शीघ्र आता है और शीघ्र ही शात हो जाता है। प्रम सम्बन्ध तथा मित्रता भी यह लोग शीघ्र करते हैं परन्तु वह स्थायी नही होती। कार्य को आरम्भ करते समय तो काफी दिलचस्पी

लेते हैं परन्तु काम की समाप्ति तक वैसी रुचि नहा रहती। आर्थिक स्थिति परिवर्तनशील रहती है। कभी द्रव्य काफी मात्रा में कभी बहुत कम आता है। जमीन जायदाद भी होती है ओर कभी कभी विवाह के द्वारा भी प्राप्त होती है। स्त्रिया के कृपापात्र होने से भी काफी लाभ होता है। व्यापार आर साझदारी भी लाभदायक रहती है। भाई-बहिनो का सुख कम होता है। बचपन म प्रगति के मार्ग मे बाधाये व कठिनाइया आने से बचपन सुखी नही रहता। यदि जन्म आधी रात के बाद और दोपहर 12 बजे से पहले का हो तो पिता का सुख कम मिलता है। यह लोग सैरसपाटे भ्रमण दूसरे स्थानों पर घूमने के काफी शौकीन होते हैं। इनको पहाड पर चढने तथा हवाई यात्रा के अवसर भी मिलते हैं। 17वा 19वा 30वा,40वा वर्ष क्लेशयुक्त जाता है। पति या पत्नी के साथ भी विचार सघर्ष वैमनस्य रहता है और अपने स्वभाव की गर्मी के कारण नाइत्तफाकी पैदा होता है। विवाह प्राय कम अवस्था में हो जाता है और सतान सुख साधारण होता है। एक तो सतान कम होती है या उनस सुख नही मिलता। जीवन में काफी सघर्ष के बाद ही उच्च पद प्राप्त होता है। सेना विभाग न्याय विभाग,वकालत खान विभाग इजीनियरिंग आदि में सफलता मिलती है। यदि जन्म समय मध्याहन से मध्यरात्रि के बीच का हो तो मित्रों की सहायता भी प्राप्त होती है। ईर्ष्या के कारण शत्रु तो उत्पन्न होत हैं परन्तु विशेष हानि करने में असफल रहते हैं। सिर दर्द ज्वर सिर में चोट लगने की आशका रहती है। अधिक अवस्था पर पेट विकार गुर्दे की खराबी उच्च ब्लड प्रेशर(रक्तचाप) की सभावना रहती है।

उनकी इच्छाशक्ति मजबूत होती है। जिस काम के पीछे पड जाए उस करके रहते हैं। बडी से बडी प्रबन्ध व्यवस्था करने में किसी भी विभाग या सस्था के अध्यक्ष क रूप में कामयाब रहते हैं। खुशामद अच्छी लगती है और आलोचना बुरी। इन्हें अगर स्वतत्र रूप स काम करने दिया जाए तो ठाक रहता है। यदि खुशामद और आलोचना से प्रभावित न हों और जल्दबाजी न करें तो बहुत उन्नति कर सकते हैं। जिनका जन्म सिंह धनु तुला के सौर मास में हुआ हो उनके साथ इनकी मित्रता विवाह सम्बन्ध साझेदारी अच्छी निभती है। उनको सरदर्द, नेत्ररोग मिरगी के दौरे, नकसीर सर में चोट लगने शस्त्र व अग्नि से खतरा रहता है। सूर्य मेष राशि के 10 अश पर परमोच्च होता है। 23 अप्रैल को

जन्म हो तो बहुत ऊँची पदवी प्राप्त करता है। मंगलवार का दिन लाल रंग 9 की संख्या विशेष रूप से शुभ है। मूंगा और अन्य लाल रंग के रत्न पहिनना लाभदायक रहता है।

राशि		पाश्चात्य मत से सौर मास	भारतीय मत से सौर मास	राशि
मेष	(1)	21 मार्च से २० अप्रैल तक	13 अप्रैल से 12 मई तक	मेष
वृष	(2)	21 अप्रैल से 21 मई तक	13 मई से 24 जून तक	वृष
मिथुन	(3)	22 मई से 21 जून तक	15 जून से 15 जुलाई तक	मिथुन
कर्क	(4)	22 जून से 23 जुलाई तक	16 जुलाई से 16 अगस्त तक	कर्क
सिंह	(5)	24 जुलाई से 23 अगस्त तक	17 अगस्त से 16 सितम्बर तक	सिंह
कन्या	(6)	24 अगस्त से 23 सितम्बर तक	17 सितम्बर से 16 अक्टूबर तक	कन्या
तुला	(7)	24 सितम्बर से 23 अक्टूबर तक	17 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक	तुला
वृश्चिक	(8)	24 अक्टूबर से 21 नवम्बर तक	14 नवम्बर से 14 दिसम्बर तक	वृश्चिक
धनु	(9)	22 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक	15 दिसम्बर से 13 जनवरी तक	धनु
मकर	(10)	23 दिसम्बर से 20 जनवरी तक	14 जनवरी से 13 फरवरी तक	मकर
कुम्भ	(11)	21 जनवरी से 19 फरवरी तक	14 फरवरी से 13 मार्च तक	कुम्भ
मीन	(12)	20 फरवरी से 20 मार्च तक	14 मार्च से 12 अप्रैल तक	मीन

वृष

21 अप्रैल से 21 मई पाश्चात्य मत—13 मई से 14 जून भारतीय मत से सूर्य वृर्ष राशि में रहता है। वृर्ष राशि का स्वामी शुक्र है और वृष राशि का स्वरूप बैल का है। इस कारण इन व्यक्तियों में जो इस दौरान पैदा होते है इन दोनों के गुण पाये जाते है। यह लोग मेहनती तथा काम में लगे क्रोध जल्दी नही आता परन्तु जब आता है तो देर से शात होता है और बात को वर्षों तक मन में रखे रहते हैं। अपने मन की बात को प्रकट नही करते और जब तक लक्ष्य पर न पहुच जाए काम म लगे रहते हैं। उत्तम भोजन करने के शौकीन हाते हैं और काम समाप्त करके आराम भी सुभीते से करते हैं। अनियमित आहार विहार ज्यादा मेहनत से रोग का डर रहता है। प्रेम सम्बन्ध मित्रता आदि मजबूत व स्थायी नहीं होती। यह लोग जायदाद प्राप्त करते हैं और मित्रों तथा सम्बन्धियों की सहायता व स्नेह भी इन्हें प्राप्त होता है। जीवन के आरम्भ में आर्थिक हालत साधारण रहती है परन्तु अपने परिश्रम से अपना भाग्योदय करने में सफल होते हैं। यदि मध्यरात्रि के बाद और मध्याह्न से पहले का जन्म हो तो पिता की प्रतिष्ठा और स्थिति समाज म अच्छी होती है। बहुत यात्राओं का अवसर आता है और प्रत्येक यात्रा मे साघातिक रोग का भय रहता है।

सन्तान की आर से सावधानी की जरूरत है। प्रथम सतान यदि पुत्र हों तो बचपन में उसको काफी खतरा रहता है। अन्य सन्तानें उन्नतिशील और सन्तोषदायक होंगी। जीवन शान्तिमय रहता है। विशेष बडी घटनायें नही होती। पति या पत्नी में से एक का अन्त दूसरे के जीवन काल में ही हो जाता है। अन्त के कुछ वर्ष अकेले ही बिना जीवन साथी के काटने पडते हैं। आयु लम्बी होती है। परन्तु आहार विहार नियमित रखना चाहिए। यह लोग खुशबूदार उत्तर चीजों उत्तम वस्त्र अच्छा भोजन करने के शौकीन और दूसरों की खातिरदारी खूब करते हैं। गाने बजाने के प्रमी विलासी व्यवहार प्रवीण क्रिया कुशल होते हैं। पानी से डरते हैं। मुख व नेत्र सम्बन्धी रोग अधिकतर होते हैं। गले नाक व गले की नली फेफडे का ऊपरी भाग जल्दी रोग पकडता है। विशेषकर यदि सीलन वाली जगहों पर रहे तो त्वचा व मासपेशियों के रोग भी हो सकते हैं। कोई स्त्री या स्त्रिया या बाझ स्त्री शत्रुता रखती है। ऐसे व्यक्ति वस्त्र सुगन्धित वस्तुओ होटल आदि के व्यापार में तथा नर्स डाक्टर समाजसेवक, जनसेवी

विभागों के सरकारी अफसर के रूप में या सेना में अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इनकी मित्रता विवाह साझेदारी 21 27 अगस्त 20 27 सितबर 21 दिसम्बर से 27 जनवरी 21 अक्टूबर से 27 नवम्बर के दारान जन्मे व्यक्तियों स अच्छी निभ सकती है। शुक्रवार का दिन 6 की सख्या सफेद हल्का पीला रग अनुकूल पडता हे। पन्ना फीरोजा और हीरा इनके पहनने के लिए शुभ रत्न ह।

मिथुन

सूर्य मिथुन राशि म पाश्चात्य मत से 22 मई स 21 जून तक और भारतीय मत से 15 जुलाई तक रहता है। इस समय म उत्पन्न व्यक्तियों में मिथुन राशि और उसक स्वामी बुध क गुण पाय जाते है। पजाब व बगाल म 1 से 30 आषाढ तक यह सौर मास रहता है। यह फलादेश इस समय म जन्मे व्यक्तियों पर लागू होगा। ऐसे व्यक्ति मिलनसार दूसरों क साथ मिलकर काम करने वाल विद्या प्रेमी अध्ययनशील व्यापारिक बुद्धि वाल और गान वाद्य के प्रेमी होते हैं। क्रोध जल्द नही आता आने पर जल्दी शान्त हो जाता है और बाद में पश्चात्ताप प्रकट करते है। ज्यादातर शान्त व चुप्पी अन्तर्मुखी वृत्ति होती है परन्तु अपनी पसन्द के विषय पर खूब बात करते हं। आर्थिक स्थिति परिवर्तनशील रहती हैं। कभी बहुत अच्छी तो कभी द्रव्यहीनता। पद व प्रतिष्ठा में भी इसी प्रकार परिवर्तन होता रहता है। पिता के निमित्त कई कठिनाईया उठानी पडती है। सन्तान कई होती है पर उनकी बहुधा माता पिता स ठीक नहीं बनती। ऐस व्यक्तिया का अपने परिवार कुटुम्ब के लोगा के साथ नौकरों व मातहतों क साथ मनोमालिन्य झगडा फसाद रहता है। प्रेम सम्बन्धों मित्रताओं और साझेदारी में निराशा और कष्ट ही उठाना पडता है। विवाह एक से अधिक हो सकते हैं और पत्नी के अतिरिक्त किसी स स्थायी प्रेम सम्बन्ध भी। अनेक प्रकार के व अनक स्थिति के लोगों से मित्रता हागी जिनमें से कई शत्रुता भी रखगे। 35 वर्ष के आसपास शत्रुता के द्वारा बाधायें उपस्थित की जायेंगी। आमदनी के जरिये एक से अधिक (कम से कम दो) होंग। सहयोगी पडोसी तथा ससुराल क लागों मे भी सम्बन्ध अच्छे नही रहेंगे। ये लाग बडे प्रतिभाशाली फुर्तीले चतुर व राजनीतिज्ञ होत हैं और दूसरा की कमजोरी को फौरन भाप लत हैं। बहुत अच्छे वक्ता मजाकिये व्यग करने वाले और चचल प्रकृति क हात हैं। कुछ न कुछ करते रहना व प्रसन्नचित्त रहना इनका स्वभाव होता है। य लाग बहुत अच्छ व

चतुर अभिनेता बन सकते हैं। वकील वक्ता प्राध्यापक नेता समाजसेवी बन सकते हैं। व्यापार में जल्दी पैसा कमाने की तरकीबों के निकालने में नई कम्पनी बनाने में, सट्टा बाजार शेयर मार्किट म शीघ्र सफलता प्राप्त करत है पर यह एक बात पर ज्यादा तर टिकें तब तो सफल होते हैं। अक्सर व्यवसाय बदलत रहते है हृदय से प्रेम करत हैं और व्यक्तियों के प्रति उदार भी होत हैं। दान सस्थाओं को नही व्यक्तियों को देते हैं। उनके स्वभाव की इन विशपताओं को यदि उन्हें बताया जाय तो कभी स्वीकार नही करेंगे। तीव्रगति इन्हें पसन्द है यात्रायें काफी करते हैं। यदि कर सकें तो तेज से तेज वाहन पसन्द करते हैं। इनकी मित्रता विवाह साझेदारी 21 सितम्बर से 27 अक्टूबर 21 जनवरी से 27 फरवरी 21 नवम्बर से 27 दिसम्बर के मध्य उत्पन्न व्यक्तियों के अच्छी निभ सकती है। रोग इनको पेट जिह्वा हाजमे सम्बन्धी खासी जुकाम निमोनिया व नाडी सम्बन्धी ही होते हैं और श्वास क रोग तथा ठड से बचना चाहिये। सम्भव है कि माता के अतिरिक्त किसी अन्य स्त्री ने इनके लालन पालन में विशेष योगदान किया हो।

हरा या हल्का पीला रग, बुधवार का दिन, 5 की सख्या और पन्ना रत्न शुभ है। चमकदार रग व रत्न भी ठीक करते हैं जैसे हीरा श्वेत चमकदार रत्न।

कर्क

कर्क का सौर मास पाश्चात्य मत से 22 जून से 23 जुलाइ तक तथा भारतीय मत से 16 जुलाई से 16 अगस्त तक पजाब व बगाल में एक से 30 सावन तक रहता है। इस समय में उत्पन्न व्यक्तियों का चित्त चलायमान उद्विग्न और निरन्तर क्रियाशील रहता है। अपने मन की बात को सहसा किसी को नही बताते पवित्र आदर्शों पर कायम रहने की चेष्टा करते है। विचारों में हवाई किले बाधने की प्रवृत्ति अधिक होती है। कर्क राशि का स्वामी चन्द्रमा है और इन व्यक्तियों पर चन्द्रामा का प्रभाव अधिक रहता है। इनकी प्रकृति व मानसिक अवस्था में इतनी चचलता रहती है कि दूसरे के साथ एकरस व्यवहार नहीं कर सकते। एक बात को छोडकर नई के पीछे लग जाने की आदत होती है। ऐसे व्यक्ति विवेकशील, स्वतन्त्र प्रकृति के तथा अनेक कार्यों में दक्ष होते है व्यापार में कुशल होते हैं और धन सम्मान की आकाक्षा करते हैं धार्मिक वृत्ति भी होती है। ऐसी स्त्रिया परिश्रम करने वाली, हुकूमत करने की इच्छा रखने वाली शीघ्र आवेश में आ जाने तथा शीघ्र शान्त हो जाने वाली होती हैं। धन सग्रह कठिनाई

से होता है, क्योंकि जो कमायेंगे, उस सम्बन्धी सन्तान पर खर्च कर देंगे या ताश घुडदौड सट्टा में बरबाद करेंगे। चोरी हो जाने की भी आशका रहती है। धन समह की सम्भावना 35 वर्ष की आयु के बाद ही है। युवावस्था में अपनी पसन्द के काम करने में काफी बाधायें आती हैं। भाई या भाइयों से झगडा हो या किसी भाई की मृत्यु हो। अपने कुटुम्ब के अलावा किसी अन्य कुटुम्ब से विशेष सम्बन्ध हो जैसे ससुराल ननिहाल या गोद लाकर (दत्तक पुत्र)। सन्तान काफी चिन्ता उत्पन्न करती है। उनके विवाह में कारोबार में लगाने, शिक्षा दिलाने में काफी परेशानी उठानी पडती है। सबसे बडी सन्तान उच्च पद पर पहुचती है। ऐसे व्यक्ति प्राय विवाह करना नही चाहते और विवाह हो जाने के बाद भी पति पत्नी में विचार वैमनस्य होता रहता है। पति पत्नी को जायदाद मिलने की भी सभावना रहती है, जिसमें कुछ मुकदमों या बाधाओं के बाद सफलता मिलती है। काफी लम्बी लम्बी यात्रायें करनी होती हैं उनसे लाभ भी होता है। इन व्यक्तियों को स्थान परिवर्तन जहा तक हो सके नही करना चाहिए क्योंकि इससे धन तथा व्यवसाय दोनों की हानि हो सकती है। विशेषकर 14 26 व 30 वर्ष की अवस्था पर। 35 वें वर्ष के लगभग जीवनक्रम में परिवर्तन आता है और उसके बाद एक सा क्रम चलता रहता है। बहुत से मित्र और सहयक होते हैं। उच्च श्रेणी की स्त्रियों या पुरुषों द्वारा लाभ की सभावना होती है। कुछ मित्र जो अन्दर से शत्रुता रखेंगे 20 32 तथा 40 वर्ष की आयु पर नुकसान पहुचाने का प्रयत्न कर सकते हैं। स्वास्थ्य साधारणतया ठीक रहेगा पर फेफडे तथा पेट को सुरक्षित रखना चाहिये। चोट लगने की भी आशका है। जलमार्ग से और समुद्र पार की वस्तुओं से विशेष लाभ रहता है। यह लोग बिना बात चिन्ता करते रहते हैं। इनको चित्त में दृढता रखनी चाहिए। भारतीय मत से वाराहमिहिर आदि के अनुसार ऐसे व्यक्ति तीक्ष्ण बुद्धि शीघ्र कार्य करने वाले दूसरों के अधीन काम करने वाले अपने पक्ष से भी द्वेष रखने वाल पिता आदि की आज्ञा न मानने वाले होते हैं। इन्हें जीवन में काफी परिश्रम करना पडता है। जिस समाज में मद्यपान प्रचलित है उस समाज के लोग मद्यप्रिय भी होते हैं। यह लोग देखने में सुन्दर होते हैं परन्तु इन्हें पति या पत्नी उतने सुन्दर नही मिलते। इन व्यक्तियों की 21 जून से 27 जुलाई 21 अक्टूबर से 27 नवम्बर 19 फरवरी से 27 मार्च के बीच में उत्पन्न व्यक्तियों के साथ मित्रता विवाह सम्बन्ध साझेदारी अच्छी निभ सकती है।

सिंह

जिन व्यक्तियों का जन्म अंग्रेजी मतानुसार 24 जुलाई से 23 अगस्त के बीच भारतीय मत से 17 अगस्त से 16 सितम्बर के बीच सूर्य के सिंह राशि में रहने के समय होता है उनके लिए यह फलादेश लागू होगा। सूर्य इस समय अपनी राशि में होता है। इस कारण इस समय में उत्पन्न व्यक्तियों में सूर्य के गुण ज्यादा मात्रा में पाये जाते हैं। यह लोग उदार धैर्यवान निडर और स्वाभिमानी होते हैं। इरादे के पक्के साहसी व शीलवान होते हैं और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सही तरीकों से काम लेकर आगे बढते हैं। क्रोध जल्दी ही आता है, पर उससे किसी की अकारण हानि नही होती और बुराई का बदला भी भलाई से देते हैं। प्रेम स्नेह, मित्रता दृढ होती है। ऐसे व्यक्ति शासन सम्बन्धी कार्यों में या सेना में अधिक सफल हो सकते हैं। उदार होने के कारण उधार देने की आदत के कारण जुआ या सट्टा में धन नाश की सभावना रहती है। भाई बहिनों से उचित व्यवहार नही मिलता। पति या पत्नी के विचारों में भी सघर्ष के कारण घरेलू जीवन बहुधा सुख शान्तिमय नही रहता। वसीयत के द्वारा धन जायदाद मिलने की आशा रहती है, परन्तु उसमें सम्बन्धी जनों के द्वारा अडचनें पैदा की जाती हैं। जीवन में यात्रायें बहुत करना पडती हैं और एक यात्रा के द्वारा ही भाग्योदय होता है। आमदनी चाहे कम हो पर इन्हें सम्मान व प्रतिष्ठा अच्छी मिलती है। मित्र बहुत होते हैं पर उनसे लाभ की अपक्षा हानि ही अधिक होती है। शत्रु हमेशा परास्त होते हैं। ये लोग स्नेही, जल्दबाज और खुशामदपसन्द होते हैं। जगल पहाडों की सैर अच्छी लगती है और गाव में रहते हों तो गायों से विशेष प्रेम होता है। सारावली के अनुसार ऐसा व्यक्ति गम्भीर विख्यात धनसम्पन्न होता है परन्तु वृद्धावस्था में कम सुनने लगता है। उत्साही शूर क्रोधी तेजस्वी शत्रुओं को परास्त करने में समर्थ होता है।

निमोनिया, वातज व्याधि तिल्ली मसूने तथा हृदय की बीमारियों से सावधान रहना चाहिये। जो लोग इसी सौर मास में पैदा हुए हों या 11 मार्च से 27 अप्रैल के बीच या 21 जनवरी से 28 फरवीर तक या नवम्बर से 28 दिसम्बर तक या किसी भी मास की 1 10 19 या 28 तारीख को पैदा हुए हों उनके साथ इनकी मित्रता साझेदारी या विवाह सम्बन्ध ठीक निभ सकते हैं। यहाँ यह बात याद दिलाई जाती है कि जिस सौर मास में जिस व्यक्ति का जन्म होता है उसकी

उसी सौर मास में जन्मे व्यक्ति से मित्रता आदि ठीक निभती है। यह सभी राशियों पर समान रूप से लागू होती है। पीला नारगी सुनहरा रग इनको अनुकूल रहता है, रविवार का दिन तथा 4 की सख्या शुभ होती है। माणिक इनका शुभ रत्न हैं। पुखराज व अम्बार (तृणमणि) भी शुभ होते हैं।

कन्या

कन्या का सूर्य 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर के बीच रहता है। पजाब तथा बगाल में 1 स 30 आश्विन (असौज) तक। इस समय जो लोग पैदा होते हैं, वह अपनी योग्यता से ही उच्च पद पर पहुचते हैं, न्यायप्रिय और दयाशील होते हैं और हर काम ठण्डे दिमाग से सोच विचार कर करते हैं। कन्या का स्वामी बुध है, इस कारण बुध के अच्छे गुण, विचारशीलता बुद्धिमानी आदि विशेष मात्रा में पाई जाती है, पर नम्रता तथा लज्जा का भी विशेष प्रभाव पडता है। क्रोध सहसा नही आता परन्तु आने पर शात भी देर से ही होता है। क्रोध से किसी को हानि नही पहुचाते और क्रोध पर पश्चात्ताप भी करते हैं। चित्र तथ ललित कलाओं में भी रुचि रखते हैं छोटी छोटी चीजों के समह का शौक होता है। ज्यादा शिक्षित लोगों में दर्शन तथा विज्ञान की ओर रुचि पाई जाती है। बचपन में शारीरिक चोट लगने का खतरा रहता है प्रारम्भिक जीवन में आर्थिक सफलता नहीं मिलती। बहुत परिश्रम व व्यक्तिगत योग्यता के द्वारा ही सफलता मिलती हैं। यात्रायें भाग्योदय में सहायक होती हैं। सम्बन्धी जनों से कोई सहायता की अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए। भाई बहिन कई होंगे पर उनसे किसी सुख की आशा नहीं करनी चाहिए। वैवाहिक जीवन भी पूर्ण सुखी और बाधा रहित नहीं गुजरता। सन्तानों को ऊची जगह से गिरकर चोट लगने से जल से या चौपाये चार पहिए वाले वाहनों से बचाकर रखना चाहिए, खतरे की सभावना रहती है। इनके प्रेम सम्बन्धों में भी बहुत बाधायें आती हैं। जिसको लेकर सम्बन्धी मित्र पति पत्नी में झगडे भी हो जाते हैं। अक्सर विवाह दो होते हैं और दूसरी शादी से जीवन में बहुत बडा परिवर्तन आता है। विरासत में कोई विशेष सम्पत्ति नहीं मिलती। जो मिलती भी है तो काफी झगडे के बाद ही। यात्रायें काफी करनी होती हैं और शायद विदेश भी जाना होता है। किसी उच्च पदाधिकारी की आज्ञा से या धन उपार्जन के लिये। मित्रों से कोई लाभ नहीं मिलता। कलाकार तथा व्यापारियों में से कुछ व्यक्ति शत्रुता करके धनहानि करा सकते हैं। इस

समय में पैदा हुए पुरुष स्त्रियों को और स्त्रिया पुरुषों को अपनी ओर शीघ्र आकर्षित कर लेते हैं। वाराहमिहिर तथा सारावली के अनुसार इनका शरीर चिकना व कोमल होता है। चित्रकारी काव्य, गणित आदि में चतुर होते हैं। लज्जालु मेधावी, गान विद्या प्रिय, मृदुभाषी होते हैं। हाजमे की खराबी, पेट दर्द की आशका रहती है। खुली हवा व धूप इनके लिये ज्यादा लाभकारी है। मद्यपान नहीं करना चाहिये। शराब इन लोगों को विशेष हानिकारक है। पेट जिगर तथा पैरों की विशेष रक्षा करनी चाहिये। अपने सौर मास में या 20 अप्रैल से 27 मई तक या 19 फरवरी से 27 मार्च तक तथा 21 दिसम्बर से 27 जनवरी तक के समय में उत्पन्न व्यक्तियों के साथ इनकी मित्रता, साझेदारी या विवाह सबध अच्छे रहते हैं। बुधवार का दिन 5 की सख्या तथा अगूरी व काफूरी रग शुभ होता है। रत्न इनका पन्ना है। मोती व हीरा भी अनुकूल होते हैं।

तुला

17 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक सूर्य तुला राशि में रहता है और पजाब बगाल में एक से 30 कार्तिक तक। सूर्य इस समय नीच राशि का होता है। तुला राशि का स्वामी शुक्र है। इस समय में पैदा हुए व्यक्तियों में समता, दयालुता और स्नेहशीलता होती है। विचार शुद्ध होते हैं। क्रोध जल्दी आता है और जल्दी शान्त हो जाता है। सूर्य के निर्बल होने से सात्विक शक्ति कमजोर होती है और अन्य ग्रहों का अच्छा प्रभाव भी कमजोर पड जाता है। 27 अक्टूबर को तो सूर्य परम नीच का होता है यानी सबसे ज्यादा कमजोर। यदि सूर्य परम नीच हो तो यानी 18 से 28 अक्टूबर के बीच का जन्म हो तो और अच्छे ग्रहों का प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा हो समय ठीक नहीं चल रहा हो, तो उसका कारण नीच का सूर्य समझना चाहिए और सूर्य की आराधना, सुबह उठ स्नान करने के बाद सूर्यदेव को जल चढाना शुरू कर देना चाहिए। नित्य न कर सकें तो रविवार को अवश्य। ऐसे व्यक्तियों के विचार और कार्य में अनिश्चितता रहती है। दिमाग में उपज तो बहुत होती है और कला विज्ञान मशीनरी के कामों में प्रवृत्ति भी होती है परन्तु निर्बल आत्मिक शक्ति के कारण इन्हें पूरा करके लाभ नहीं-उठा पाते। इनका भाग्योदय जीवन के मध्य भाग में होता है। जलयात्रा से सम्बन्ध रखने वाली वस्तुओं से, जल से चलने वाली मशीनरी से लाभ रहता है। धन सम्बन्धी कोई मुकदमा हो सकता है जिसमें विजय तो हो जाती है, पर स्थायी

शत्रुता भी हो जाती है। पत्नी या पति में मतभेद भी हो सकता है। भाई बहिन कई तथा कुछ सौतेले भी हो सकते हैं। भाई बहिनों के सम्बन्ध प्रेममय नही रहते। माता पिता से विशेषकर पिता के साथ मनमुटाव रहता है। यदि जन्म मध्याह्न के बाद और मध्यरात्रि से पहले का हो तो पिता का सुख बहुत कम होता है। सन्तान कम होती है और उनमें से एक के कारण काफी चिंता उठानी पडती है। सम्भव है ऐसा व्यक्ति किसी को गोद ले या किसी की गोद जाए या किसी अन्य परिवार के साथ सम्मिलित हो। विवाह से धन की सम्भावना है और यह भी सम्भव है कि किसी सम्बन्धी की मृत्यु से आकस्मिक लाभ हो। समुद्र यात्रा से कोई लाभ नही। हानि की ही आशका है। पृष्ठपोषक बहुत होंगे और उनकी सहायता से अच्छी जगह विवाह और अच्छे पद की प्राप्ति होगी। किसी वकील या किसी विद्वान से या किसी नेता व्यक्ति से शत्रुता हो सकती है। ऐसे व्यक्ति स्वय अपने लिए मुसीबत मोल लेते हैं और अपनी मृत्यु का कारण भी स्वय बनते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहता है पर शारीरिक ढाचा मजबूत नही होता। मसाने व मलाशय कमजोर होते हैं। सारावाली के अनुसार ऐसा व्यक्ति बहुत खर्च करने वाला विदेशों में घूमने वाला और लोहे तथा दुकानदारी से जीविका कमाने वाला होता है या दूसरों की नौकरी करता है। यह लोग अगर शराब की दुकान या पान की दुकान सुनार का काम या ट्रेवलिंग, सैल्समैन घूम घूमकर चीजें बेचने का काम समाज में कुछ नीचा समझा जाने वाला काम करें तो उसमें अच्छा लाभ हो सकता है। वृष सौर मास में उत्पन्न व्यक्तियों से मित्रता नहीं हो सकती पर अन्य राशियों की तरह तुला सौर मास वालों की इस मास में उत्पन्न व्यक्तियों से मित्रता हो सकती है। इनकी मित्रता 21 जनवरी से 27 फरवरी के बीच 21 मई से 27 जून के बीच तथा 21 मार्च 26 अप्रैल के दौरान पैदा हुए व्यक्तियों के साथ भी हो सकती है शुक्रवार का दिन 6 की सख्या नीला या हल्का नीला रग शुभ होता है और शुभ रत्न मोती ओपल तथा हीरा पर सूर्य के लिए माणिक पहनना लाभदायक होगा।

वृश्चिक

वृश्चिक का सूर्य 14 नवम्बर से 14 दिसम्बर तक रहता है। पाश्चात्य मत से 24 अक्टूबर से 21 नवम्बर तक और पजाब तथा बगाल में 1 से 30 मगसिर

(मार्गशीर्ष) तक रहता है। वृश्चिक मगल की राशि है। इस कारण ऐसे समय में उत्पन्न व्यक्तियों में मगल तथा वृश्चिक दोनों के गुण अवगुण आते हैं। यह लोग तीक्ष्ण बुद्धि चचल स्वभाव तथा आदर्शवादी होते हैं। अपनी धुन के पक्के और धार्मिक विचार के होते हैं। इच्छा शक्ति मजबूत होती है और धैर्य के साथ काम में लगे रहते हैं। स्वभाव जोशीला और क्रोधी होता है। भय के काम में भयानक कार्यों में पडने से नही झिझकते। एक बार क्रोध आने पर क्षमा नहीं करते और प्रतिहिंसा की भावना बहुत दिनों तक मन में बनी रहती है और अपने प्रतिद्वन्द्वी को निर्दयतापूर्वक हानि पहुचाकर बदला लेने की चेष्टा करते हैं। अपने व्यक्तित्व से ही अपने विरोधी को दबा लेते हैं। यदि शिक्षित या सुसस्कृत न हों, तो झगडालु स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग हर काम में निपुण और धैर्यवान होते हैं और अगर सुविधा व सयोग मिले, तो ग्राम जीवन तथा खेती करना पसन्द करते हैं। विचारों से जिद्दी दूसरों के समझाने से नही मानते। अपना हठ पूरा करते हैं।

ऐसे व्यक्तियों का भाग्योदय जीवन के उत्तरार्ध में होता है। सर्वश्री प जवाहरलाल नेहरू डॉ राजेन्द्र प्रसाद राजगोपालाचारी और मावलकर आदि बहुत से उदाहरण हैं जिनका विश्वास अभ्युदय जीवन के उत्तरार्ध में हुआ। वृश्चिक बिच्छू को कहते हैं। इसका आधा हिस्सा मृदु और अप्रभावशाली है। विष की तीक्ष्णता उत्तरार्द्ध में है। इन व्यक्तियों को विरासत में सम्पत्ति मिलने का भी योग होता है। भाई कम होते हैं और उनमें से एक को ऊचे से गिरने या पानी से खतरा होता है। अगर मध्य रात्रि के बाद तथा मध्याह्न से पहले पैदा हुआ हो तो पिता का पद और भाग्य नष्ट हो जाता है। सन्तान कई होती हैं। अत्यन्त परिश्रम अत्यन्त भोग या अनियमित आहार विहार से ज्वर सिर दर्द, स्नायु दर्द की शिकायत होती है। एक कडी बीमारी होती है जिससे जीवन बच जाता है। विवाह तो अवश्य होता है दूसरा विवाह ही पत्नी को चौपाए से दुर्घटना में चोट लगने से खतरा होता है। 30 वर्ष की आयु से पहले किसी निकट सम्बन्धी घनिष्ठ मित्र या प्रेमी की मृत्यु से हृदय को आघात लगने की सभावना है। वैसे यात्राए काफी होती हैं पर उनसे कोई आर्थिक लाभ नहीं होता। जीवन का पूर्व भाग सघर्ष में बीतता है। मित्र बहुत होते हैं और उच्च पदस्थ व्यक्तियों की कृपा भी प्राप्त होता है। शत्रुता भी कई और प्राय स्थायी होती है। समुद्र यात्रा में

विदेश में शारीरिक आघात का भय रहता है। इनमें क्रोध व ईर्ष्या की मात्रा ज्यादा होती है। कमर के नीचे भाग में रोग होने की ज्यादा संभावना रहती है। इस प्रकार के संक्रमक रोगों से बचना चाहिए। राजनीतिज्ञ डाक्टर आलोचक, इन्जीनियर, मशीन का कार्य करने में यह लोग ज्यादा सफल होते हैं। ऐसे लोग दूसरों की मन की बात जल्दी भाँप लेते हैं, पर इनके मन की थाह पाना कठिन होता है। सारावली के अनुसार ऐसे व्यक्ति क्रोधी स्त्री सुख से रहित होते हैं। वराहमिहिर के अनुसार साहसी शास्त्र में पडित व विद्वान होते हैं। इनको अपने सौर मास में उत्पन्न 21 मार्च से 26 अप्रैल के बीच उत्पन्न या जुलाई 21 से 27 अगस्त के बीच पैदा हुए लोगों से मित्रता, साझेदारी, विवाह सम्बन्ध ठीक निभते हैं। 21 मई से 27 जून के बीच उत्पन्न व्यक्तियों से भी मिलाप ठीक रहता है। गले की, गठिया की फेफड़ों की फोड़ा फुन्सी, चर्म रोग की शिकायत हो सकती है। अधिक आयु पर लकवे का खतरा भी रहता है। मगलवार का दिन 9 की संख्या, श्यामलता लिए लाल रग चाकलेटी रग शुभ व अनुकूल रहता है। इनका शुभ रत्न मूगा है। फीरोजा और नीलम भी ठीक ही होते हैं।

आगे के सौर मासों का फल अगले पृष्ठों में दिया गया। यह सूर्य की भिन्न भिन्न राशियों पर रहने का सामान्य फल है। प्रत्येक राशि में 2 1/4 नक्षत्र और एक नक्षत्र में चार चरण होते हैं। और सूर्य के भिन्न भिन्न नक्षत्रों के अलग अलग चरणों में रहने से फल भी अलग अलग होता है। अन्य ग्रहों के बलाबल के हिसाब से उनका प्रभाव भी जीवन पर पडता है और स्वभाव और घटनाओं में भी परिवर्तन हो सकता है फिर भी ऊपर दिए गए फलादेश की बहुत सी बातें साधारणतया ठीक मिलती हैं।

जन्म कुडली में सूर्य चलित के हिसाब से जिस राशि में पडा हो उसका फल मिलेगा। यह बात विचार योग्य है। कि किसी राशि में आते समय सूर्य 7 दिन तक पिछली राशि से प्रभावित रहता है और इन दिनों में उत्पन्न व्यक्तियों में पिछली राशि की भी कुछ विशेषताए आ जाती हैं। अगली राशि में जाने से 7 दिन पूर्व वर्तमान राशि में उसकी शक्ति कम हो जाती है और वह अगली राशि की विशेषताओं से प्रभावित होना आरम्भ कर देता है। ऐसे सधि काल में उत्पन्न व्यक्तियों में अगली राशि की कुछ विशेषताओं का आ जाना असभव नहीं होता।

जिन व्यक्तियों का जन्म 22 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक पाश्चात्य मत से तथा 15 दिसम्बर से 13 जनवरी तक भारतीय मत से है उन सब पर यह फलादेश लागू होगा। सायन सूर्य 22 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक और निरयन सूर्य 15 दिसम्बर से 13 जनवरी तक धनु राशि में रहता है। भारतीय ज्योतिष निरयन मत को मानती है और पाश्चात्य ज्योतिष सायन मत को। अस्तु जिन व्यक्तियों का जन्म इस समय में होता है,उन पर बृहस्पति का शुभ प्रभाव रहता है,क्योंकि धनु राशि का स्वामी बृहस्पति है। ये लोग बुद्धिमान ईमानदार और उदार हृदय होते हैं तथा बिना प्रत्युपकार की भावना के दूसरों के साथ भलाई करते हैं। इनको क्रोध जल्दी आता है परन्तु शीघ्र शान्त हो जाता है। छोटी छोटी बातों पर यह लोग चिन्ता करते रहते हैं। और भविष्य में आशंकित विपत्ति से परेशान रहते हैं। स्वतन्त्रता के प्रेमी, वक्ता तथा अध्ययनशील होते हैं और कारीगरी, दस्तकारी के कामों में निपुण होते हैं। चाहे पेशे के रूप में लें या शौकिया तरह से लें,इनके विचारों में परिवर्तन होता रहता है।

बचपन में इनकी आर्थिक अवस्था अच्छी नही रहती। इनके पिता की माली हालत को नुकसान पहुचाने का खतरा रहता है। यह अपने उद्यम से उन्नति करते हैं। भाई बहिन कम ही होते हैं एक भाई या बहन को कम उमर में जीवन का खतरा रहता है। माता पिता या सास ससुर में से किसी एक से मतभेद हो सकता है और सबसे बडी सन्तान भी काफी परेशानी पैदा करती है। हो सकता है कि सन्तान से विचार वैमनस्य रहे। सभवत विवाह दो हों उनमें से एक कारण काफी नुकसान उठाना पडे। दो प्रकार के काम साथ साथ चलते रहें जिससे मुख्य काम में बाधा न पडे। 30 वर्ष की अवस्था तक ऊपर से गिरने या ऊचे पद से,गिरकर नीचे पद पर काम करने का काफी अन्देशा रहता है। जीवन में यात्रायें काफी करनी पडती हैं और ऐसी ही किसी एक यात्रा के मध्य में किसी निकट सबधी की मृत्यु का समाचार मिलता है। मित्र भी बहुत होते हैं। एक मित्र के विश्वासघात से काफी नुकसान पहुचने का खतरा है। व्यवसाय तथा प्रेम दोनों ही क्षेत्रों में शत्रुता तथा प्रतिद्वन्द्विता का सामना करना पडता है। आम तौर पर यह लोग खेलकूद के बहुत शौकीन होते हैं। और यदि अवसर मिले तो घुडसवारी तथा निशाना लगाने में,गोली चलाने में कुशल होते हैं। सेना में प्रविष्ट हों तो

अच्छी उन्नति करते हैं। स्नायुमडल की कमजोरी से या वायुजनित पीडा से शरीर रोग होने की आशका रहती है। बृहस्पतिवार का दिन,3 की सख्या गहरा पीला रग अनुकूल होता है। वाराहमिहिर के मतानुसार ये सत्यपूजक वैदिक कार्यों में कुशल, धनवान तथा शिल्पकला में कुशल होते हैं और प्रकृति तीक्ष्ण होती है। सारावली के अनुसार भी ऐसे व्यक्ति धनी सरकार से सम्मानित बन्धुवर्ग के हित करने वाले और अस्त्र शस्त्र में निपुण होते हैं। इनकी मित्रता, विवाह साझेदारी आदि मार्च 21 से 26 अप्रैल जुलाई 21 स 27 अगस्त या 22 नवम्बर से 22 दिसम्बर के मध्य जन्मे व्यक्तियों के साथ और मई 21 से जून से 27 के बीच जन्मे व्यक्तियों के साथ अच्छी ही निभती है। सम्भावित रोग गले, फेफडों, फोडा फुन्सी, चर्म रोग वात रोग। अनुकूल रगों में बैंगनी भी अच्छा रग है। रत्न फीरोजा तथा नीलम शुभ रत्न हैं। जिसमें नीलम को सावधानी से पहिनना चाहिए।

मकर

मकर का सूर्य भारतीय मत के अनुसार 13 या 14 जनवरी से 13 फरवरी तक तथा पाश्चात्य मत में 23 दिसम्बर से 20 जनवरी तक रहता है। मकर राशि का स्वामी शनि है, इस कारण इस अवधि में उत्पन्न व्यक्तियों में शनि के गुण पाए जाते हैं। वे अपना भाग्य स्वय निर्माण करते हैं और जो धन सम्पति अर्जित करते हैं उसको नष्ट नही होने देते। ये लोग फुर्तीले व मेहनती होते हैं। यदि जन्म मध्याह्न से पहले और मध्यरात्रि के बाद का हो तो ये गुण विशेष मात्रा में होते हैं। यदि जन्म मध्याह्न के बाद तथा मध्यरात्रि से पहले का हो तो कोई अग या शरीर का अवयब दोषयुक्त होता है या किसी दुर्घटना से ऐसा दोष पैदा हो जाने की आशका रहती है। स्वभाव में उत्साह के साथ साथ कुछ झगडालू प्रकृति भी होती है जो शिक्षा व सुसगति से कम हो सकती है। एकान्त में होने पर मन कभी कभी उदास हो जाता है। ऐसे व्यक्ति धन जमा करके रखना चाहते हैं। व्यापारी बुद्धि इनमें बहुत अच्छी होती है। जिस काम में आर्थिक लाभ न हो उसे नहीं करते। इच्छा शक्ति प्रबल होती है और एक से अधिक कामों में समान रूप से दक्ष होते हैं। अध्यवसायी होने के कारण अपने ध्येय में प्राय सफल होते हैं। स्वभाव में उद्दडता का प्रभाव तथा विश्वास की कमी होती है। क्रोध देर से आता है और देर से ही शात होता है। बिना सोचे विचारे ऐसे व्यक्ति कोई काम नहीं

करते और यदि जन्म कुंडली के 2, 12, 6, 8 खानों में क्रूर ग्रह न बैठे हों, तो दूर की, पास की व अन्तर की दृष्टि अच्छी होती है। अपने उद्यम से धन प्राप्त होगा भाई बहिन कई होंगे परन्तु उनसे किसी सहायता की अपेक्षा हानि की सभावना रहती है। छोटी छोटी यात्राएं भी बहुत होंगी। पिता के किन्ही व्यवहारों से खिन्नता होगी और कौटुम्बिक परिस्थितिया भी असन्तोष का कारण बनती हैं। इनके वैवाहिक सुख में भी कुटुम्ब तथा घर के लोगों द्वारा अडचनें डाली गई हैं। जीवन के पूर्वार्द्ध में चोट लगने तथा अधिक बीमार पडने का डर रहता है। बच्चे बहुत नहीं होते और इनके अपने उदासीन व्यवहार के कारण बच्चे भी उतने सक्रिय नही हो पाते और इस कारण इनके अपने जीवन में सफलता में बाधा पडती है। यात्राओं से असुविधा होती है और सम्बन्धियों के कारण भी काफी परेशानिया उठानी पडती हैं।

शनि की राशि होने के कारण वात व्याधि होने का जोडों में दर्द का भय रहता है, वायु के कारण पाचन शक्ति में गडबड रहती है। ऊंचे से गिरकर चोट लगने का भी डर रहता है। बिना किसी बीमारी के भी उसका वहम बना ही रहता है।

विवाहित जीवन में पूर्ण सुख प्राप्त नही हो पाता और विवाह एक से अधिक भी हो सकते हैं। शत्रु काफी होते हैं और ऊंची स्थिति के व निम्न श्रेणी के दोनों ही प्रकार के लोगों से शत्रुता होती है। भाई बहिनों से भी ठीक से नही बनती। कम से कम एक से तो शत्रुता हो सकती है। ये लोग बहुत महत्त्वाकांक्षी तथा परिश्रमी होते हैं और ऐसे कार्मों में धन कमाते हैं जिनमें घाटे की कोई सम्भावना नही होती। इनको रोग बहुत पाचन शक्ति की खराबी के कारण होते हैं और वृद्धावस्था में हृदय रोग की भी आशका रहती है। वायु विकार से शरीर में भी पीडा हो सकती है।

वाराहमिहिर के अनुसार मकर के सूर्य में उत्पन्न व्यक्ति अनुदार, अज्ञानी गलत व्यापार करने वाला और कम धनवान होता है।

सारावली के अनुसार ऐसे आदमी के बधु उसका साथ नही देते। वह भीरु, डरपोक तृष्णा सहित कार्यों में रत तथा लोभी होता है।

इनके विवाह सम्बन्ध साझेदारी, मित्रता आदि 21 दिसम्बर से 31 जनवरी 20 अप्रैल से 31 मई 21 जून से 27 जुलाई, 21 अगस्त से 27 सितम्बर के मध्य

में उत्पन्न व्यक्तियों के साथ अच्छी निभ सकती है। खाकी बैंगनी,काला हरा रंग इनको ठीक रहता है। शनिवार का दिन 8 की सख्या फीरोजा मोती, मूनस्टोन पहिनना शुभ रहता है।

कुम्भ

कुम्भ का सूर्य भारतीय मत से 14 फरवरी से 14 मार्च तक रहता है और पाश्चात्य मत से 21 जनवरी से 19 फरवरी तक। इस समय में उत्पन्न व्यक्ति ललित कलाओं में विशेष रुचि लेते है। बहुधा सफल भी होते हैं। आयु लम्बी होती है और वक्तृत्व या लेखन शक्ति अच्छी पायी जाती है। प्रकृति में सादगी, मधुरता तथा ईमानदारी होती है और क्रोध आने पर ईर्ष्या का भाव अधिक दिन तक मन में नही रखते। एकान्तप्रिय धैर्यशील और परिश्रमी होते हैं। एक बार जो राय कायम कर लेते हैं उस पर स्थिर रहते हैं। तर्क की अपेक्षा इच्छा शक्ति प्रबल होती है। शत्रुता का भाव रखने वाले व्यक्तियों के षडयन्त्र के कारण जायदाद से वंचित होने की सम्भावना रहती है। बाहर से मित्र प्रतीत होने वाले व्यक्ति भी शत्रुता का भाव मन में रख सकते हैं।

यात्रा काफी करनी पडती है परन्तु उनसे कोई लाभ नहीं होता धन व स्वास्थ्य की हानि होती । भाई बहिन कम हो हों उनसे सम्बन्ध प्रेम नही रहें। किसी यात्रा में जल शस्त्र या चौपाये से या चार पहिए वाले वाहन से चोट लगने का अन्देशा रहता है। पिता की आकस्मिक मृत्यु हो या उनके धन का सहसा नुकसान हो। इनको कभी कभी जुडवा सन्तान होती है और स्त्रियों के प्रसव के समय भारी कष्ट होता है। जो बच्चे होते हैं उनका स्वास्थ्य भी खास अच्छा नही होता और उनके लालन पालन में भी काफी परिश्रम करना होता है। इनके भाग्योदय में भी खासा उतार चढाव होता रहता है। उच्च श्रेणी के व्यक्तियों की सहायता भी प्राप्त होती है शत्रु भी बहुत होते हैं परन्तु अन्त में सभी कठिनाइयों को पार करके ये लोग समाज में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं।

इस समय में उत्पन्न व्यक्तियों का कंठरोग (टान्सिल) सिर दर्द की शिकायत पेट व फेफडों से सम्बन्धित रोग व वायु जनित पीडा हो सकती है। रक्त को शुद्ध रखना चाहिए अधिक अवस्था में रक्तचाप का भय रहता है। जिसका जन्म सूर्योदय के आसपास होता है उनको हृदय रोग की आशंका रहती

है। उनको सूर्य की उपासना करनी चाहिए। वाराहमिहिर के अनुसार ऐसा मनुष्य निम्न वृत्ति का, धन रहित भाग्यच्युत होता है। उसे सन्तान कष्ट उठाना पडता है या सन्तान आज्ञाकारी नही रहती। यदि और कोई शुभ ग्रह या योग न हों तो यह फल होता है। सारावली के अनुसार ये व्यक्ति चुगली करने वाले शठ होते हैं। इनकी किसी से स्थायी मित्रता नही होती, धन सग्रह में सफल नही होते और उन्हें दुख उठाना पडता है। यह सूर्य का राशिगत सामान्य फल है।

हल्का नीला या बैंगनी रग शुभ होता है। 4 की सख्या तथा शनिवार का दिन अच्छा जाता है। शुभ रत्न नीलम पीला पुखराज व चन्द्रमणि हैं।

इनकी मित्रता, प्रेम सबध साझेदारी आदि मई 21 से 20/27 जून 21 सितम्बर से 27 नवम्बर तक इसी सौर मास में उत्पन्न व्यक्तियों से अच्छी निभती है।

मीन

मीन का सूर्य 14 मार्च से 12 अप्रैल तक रहता है। पाश्चात्य मत से 20 फरवरी से 20 मार्च तक है। मीन जल राशि और इसका स्वामी बृहस्पति है। इस समय उत्पन्न व्यक्ति कला विज्ञान या साहित्य में विशेष निपुण होते हैं और अपने गुणों द्वारा प्रसिद्धि प्राप्त करते हैं। बिना चेष्टा किये इनको लोकप्रियता प्राप्त हो जाती है। प्रकृति में बेचैनी रहती है अपने कार्य की स्वय ही आलोचना करते रहते हैं। विचारों में परिवर्तन होता-रहता है और चाहते हैं कि शीघ्र से शीघ्र अपने उद्देश्य पर पहुच जायें। ईमानदार होते हैं, पर कल्पनाशील भी अधिक होते हैं। विलासी होते हैं परन्तु स्वाभिमान के कारण अपनी प्रतिष्ठा का ध्यान रखते हैं और नीचे गिरने की प्रवृत्ति को रोकते हैं। हुकूमत करने की भावना प्रबल होती है। मिलनसारी और मित्रता का भाव रखते हुए भी अपने मन की बात किसी से नहीं कहते। परिश्रमी होते हैं और दूसरों का अच्छा आतिथ्य करते हैं। बातचीत में निपुण, लिखने पढने में प्रवीण एक से अधिक कामों में समान रूप से दक्ष होते हैं। स्वय अच्छा भोजन करने के शौकीन दूसरों को भी अच्छी दावत खिलाकर खुश होते हैं। यह लोग अपने गुणों के कारण काफी धन उपार्जित करते हैं परतु फिजूलखर्ची, सट्टा आदि सम्बन्धियों पर धन अपव्यय करते हैं। दो काम एक साथ करत रहते हैं अर्थात् आमदनी के जरिये एक से अधिक होते हैं।

भाइयों को अपेक्षा बहिनें अधिक होती हैं। उनमें ऐसे एक की कम आयु में मृत्यु होने की आशका होती है। बचपन में इनके पिता को आर्थिक क्षति की सम्भवना रहती है। यात्रा काफी अधिक मात्रा में करते हैं और उससे धन उपार्जन भी। जीवन जायदाद सम्बन्धी मुकदमा भी करना पडता है। थोडी अवस्था में घर छोडकर जाना पडता है कम या ज्यादा समय के लिए। विवाह आम तौर पर दो होते हैं और उनमें से एक में काफी परेशानी उठानी पडती है। स्थान परिवर्तन भी जीवन में कई बार होता है। कुटुम्ब में आकस्मिक दुर्घटनायें भी होती रहती हैं। इस समय में पैदा होने वाली स्त्रियों को गर्भाशय सम्बन्धी रोग होने की सभावना रहती है। पुरुषो को भी कई गुप्त रोग का भय रहता है।

वाराहमिहिर के अनुसार ये लोग यदि जल से निकली हुई वस्तुओं का या समुद्र पार देशों से माल मगाने या भेजने का काम करें तो धन लाभ हो सकता है। सारावली के अनुसार यह लोग मीठी वाणी बोलते हैं पर उनमें क्रोध की मात्रा अधिक होती है। स्त्रियों के सम्पर्क से इनका भाग्योदय होता है।

इनकी मित्रता साझेदारी व विवाह सम्बन्ध 20 फरवरी से 20 मार्च 21 जून से 20 जुलाई, 21 अगस्त से 27 सितम्बर 21 अक्टूबर से 27 नवम्बर के बीच में पैदा व्यक्तियों से अच्छी निभती है।

गहरा नीला व बैंगनी रग अनुकूल रहता है। बृहस्पति का दिन और 3 व 7 की सख्या शुभ है। शुभ रत्न, नीलमणि फीरोजा नीलम तथा पन्ना हैं।

ऊपर सूर्य के विभिन्न राशियों में रहने से स्वभाव शरीर भाग्योदय आदि पर जो प्रभाव पडता है उसका सामान्य फल दिया गया है किन्तु अन्य ग्रहों का अपना अलग प्रभाव होता है और दिन में 12 लग्न होते हैं और नक्षत्र के चार चरणों में से सूर्य के भी नक्षत्र चरणानुसार फल में अन्तर आता है। प्रत्येक मनुष्य की सामाजिक स्थिति वातावरण देश काल पात्र के अनुसार भिन्न होती है। उपर्युक्त फल की मुख्य मुख्य बातें सामान्यत ठीक ठीक मिलती हैं।

ग्रह विचार

सूर्य

सूर्य आत्मस्वरूप है। ग्रहों का राजा है। इसकी किरणों से अन्य ग्रह प्रकाशित होते हैं। सूर्य बलवान् हो, तो राजा के समान पदवी, महत्त्वाकाक्षा, अधिकार भावना स्वाभिमान हुकूमत करना अपनी शक्ति से, सामर्थ्य से प्रगति करना अपने पर भरोसा रखना इस प्रकार का स्वभाव बनता है। शूरवीर चतुर बलवान्, बुद्धिमान राजसी ठाट बाट पसन्द करने वाला गम्भीर स्पष्ट वक्ता यशस्वी परोपकारी उदार हृदय विरोधी को परास्त करने वाला सत्य आचरण करने वाला होता है। अक कुडली में सूर्य का अक आने पर उपर्युक्त सामान्य फल और सूर्य के अक एक से अधिक बार आने पर उपरोक्त फल अधिक मात्रा में होते हैं। यदि सूर्य का अक न हो, तो सूर्य के गुण नही होते। सूर्य का अक 1 है, इसका पूरक अक 8, शनि का अक 8 है। शनि सूर्य के गुणों व उत्तम प्रभावों को नष्ट करने वाला है। यदि सूर्य का अक 1 न हो और 8 का अक कुडली में हो तो सूर्य के उपर्युक्त गुण नहीं होते। आत्मशक्ति, स्वाभिमान वीरता, उदारता आदि के विपरीत आत्मबलहीनता स्वार्थपरता, भीरुता आदि पायी जाती है।

सूर्य व बुध का योग (4 जमा 5) विद्या बुद्धि बढाने वाला सूर्य शुक्र का योग कला साहित्य यात्रिक कलाओं का ज्ञान देता है। सूर्य गुरु योग विद्वत्ता व

श्रेष्ठता, प्रतिष्ठा, मान सम्मान यश की वृद्धि करता है। सूर्य मगल योग उष्ण प्रकृति तेजस्वी साहसी, अग्नि क्रिया सबंधी कार्य साहसिक कार्यों में सफलता देता है। सर्य चन्द्र का योग उत्तम राजयोग कारक है। राजसी ठाट-बाट तथा अधिकार पदवी देता है।

चन्द्रमा

चन्द्रमा मन का स्वामी है। कुडली में चन्द्रमा के अक आयें, तो राज्य के उच्च अधिकारियों की कृपा प्राप्त होती है। सम्पत्ति धनधान्य से सुखी रहता है। दयालु हृदय सत्यवक्ता, धर्म में विश्वास रखने वाला व्यापार में रुचि व्यवहार कुशल बुद्धिमान होता है। सफेद रग के पदार्थ, वस्त्र भूषण भोज्य पदार्थों से प्रेम करने वाला चचल प्रकृति आराम तलब सौन्दर्य प्रेमी, विषयी कल्पना शक्ति अच्छी होती है। चन्द्रमा बलवान न हो तो उच्छृखल स्वभाव विषयी स्त्रियों के पीछे भागने वाला अनियमित आहार विहार वाला अविश्वासी धन का गोलमाल करने वाला, अस्थिर चित्त का होता है। कभी कभी दम्भी पाखडी, बढ चढकर बातें करने वाला बुराई करना चुगली करना बदले की भावना रखना—यह भी होता है। चन्द्र मगल योग साहसिक कार्यों से लक्ष्मी देता है, पर रोग भी देता है। चन्द्र बुध का योग बुद्धिमत्ता व उत्तम वक्ता लेखन शक्ति देता है। चन्द्र गुरु का योग महत्त्वपूर्ण पदवी उच्च अधिकार, सस्था का स्थापक स्वामी बनाता है। शिक्षक गुरु अध्यात्मवादी कीर्तिवान्, सम्पत्तिशील ज्ञानवान बनाता हैं। चन्द्र शुक्र योग कामदेव को बढाता है। सुन्दर रूप विलास प्रिय शान शौकत का प्रेमी सौन्दर्य प्रेमी तथा ललित कलाओं का ज्ञाता बनाता है। चन्द्र शनि का योग खराब हो दुख दरिद्रता सकटादि मूर्खता कई व्यसन देने वाला है।

मगल

मगल बल पौरुष साहस का प्रतीक है। मगल बलवान हो तो शक्ति सामर्थ्य भू सम्पत्ति कृषि कार्य से लाभ धैर्य आदि गुण देता है। सेना पुलिस आदि में उच्च पद पराक्रम वृद्धि लाल रग की वस्तुओं से लाभ देने वाला है। साहसिक कार्मों में सफलता देता है अग्नि भट्ठी आदि के काम से भी लाभ कराता है। तमोगुणी क्रोध उतावलापन तेजी देता है। तरुण तेजस्वी उदार

हृदय वीर, बलवान्, विजय प्राप्त करने वाला खुला साफ व्यवहार करने वाला निष्कपट मित्रता रखने वाला, सुधारवादी, युद्धविशारद, आत्मनिष्ठ अपने में ही खुश रहने वाला रसायन शास्त्री डाक्टर, सर्जन सेनापति आदि होता है। मगल निर्बल हो तो क्रोधी, आलसी, दूसरों को धोखा देने वाला, मूर्ख हठी क्रूर दुसाहसी स्वभाव झगडालू प्रकृति हठी सनकी दूसरों को लडाकर अपना स्वार्थ साधन करने वाला, उडाऊ खाऊ बेफिक्र, धर्म पर अश्रद्धा रखने वाला होता है आचार भ्रष्ट क्रूरकर्मी होता है। मगल शनि के साथ निर्बल है। मगल शनि का योग भयकर दुर्घटनाकारक है। चोट, घाव, रोग देता है। धन समह में बाधा दरिद्रता, धनहीनता दिवाला तक निकल सकता है। अकाल मृत्यु भयकर व्याधिया देता है। धन व कुटुम्ब का नाशकता कर्जा बढाने वाला भाइयों से विरोध करने वाला स्त्री, सतान, माता पिता मित्रों से विरोध करने वाला मान हानि दण्ड, बन्धन राजकोप की आशका रहती है। कपटी, धूर्त जादूगर होता है।

मगल बुध का योग साहसिक व्यापार कर्म में लाभ, बुद्धि व साहस का योग धनवान्, साहसी स्पष्टवक्ता वैद्य डाक्टर इन्जीनियर शिल्पज्ञ बनाता है। मगल और गुरु का योग गणितज्ञ, शिल्पज्ञ विद्वान्, गानवाद्य प्रिय, ज्योतिष खगोल शास्त्री बनाता है। मगल शुक्र का योग व्यापार कुशल धातु सशोधक कर्तव्यपरायण, योगाभ्यासी विमान चालक दुसाहस के कार्य करने वाला है। मगल सूर्य, मगल चन्द्र के योगों का फल सूर्य व चन्द्रमा के फलों में लिखा जा चुका है।

बुध

यह वाणी का स्वामी है। ग्रहों के राजकीय परिवार में जहा सूर्य व चन्द्रमा को राजा व रानी की पदवी प्राप्त है, मगल सेनापति है वहा बुध युवराज है राजकुमार है। चिकित्सा शास्त्र गणित विद्या लेखन कला शिल्पकला वाणिज्य वकालत, व्यवसाय का कारक है। यह शुभ ग्रह है परन्तु क्रूर ग्रहों के साथ रहने से क्रूर हो जाता है। प्रसन्नचित्त मजाकिया प्रकृति उत्तमवक्ता, दिल्लगीबाज बातूनी वाकपटु नई नई स्कीमें बनाने वाला अपने भेदों को गुप्त रखन वाला बुद्धिमान विद्वान् होता है। हस्त कला कौशल वैद्य शास्त्र का ज्ञाता होता है। सूर्य के साथ योग होने पर अच्छी विद्या बुद्धि वणिक् बुद्धि व प्रभाव देता है। अन्य ग्रहों में जिस ग्रह के साथ रहता है उसी के गुणों के समान फल देता है।

मगल के साथ व्यर्थ की बातें करना झूठ बोलने की प्रवृत्ति होती है। बृहस्पति के साथ हो तो विद्वान्, काव्य रचना ग्रन्थ रचना, अध्यात्म ज्ञान देता है। शुक्र के साथ ललित कला, यन्त्र रचना इन्जीनियरी कला कौशल शिल्पकला का ज्ञान देता है। शनि के साथ हो तो कम बोलने वाला, गभीर स्वभाव का होता है।

बृहस्पति

यह देवताओं व ग्रहों का आचार्य व गुरु है। बुद्धि मन्त्री सलाहकार पुरोहित है। दानी उदार सच्चरित्र ज्ञानी वेदान्ती शान्त स्वभाव विद्वान्, सत्य आचरण करने वाला, परोपकारी सामाजिक कार्यकर्त्ता, राज्य में उच्च पद प्रतिष्ठा प्राप्त अधिकारी, कोमल हृदय मृदुवाणी वाला बनाता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति सत्य व न्याय का प्रेमी सहनशील, दीनों का सहायक ईश्वर भक्त अच्छी सलाह देने वाला तथा दीनों का हितकारी होता है। ज्ञान सुख सम्पत्ति, चतुराई परमार्थ तीर्थ योग मार्ग दीर्घायु देता है।

सूर्य के साथ हो तो महत्त्वाकांक्षा तथा अधिकार भावना की वृद्धि करता है। राजमान्य ज्ञानवान् बनाता है। चन्द्रमा के साथ बहुत शुभ होता है। विद्या कीर्ति यश पराक्रम, योग विद्या धार्मिकता धन वैभव अधिकार देता है। मगल के साथ हो तो गणितज्ञ शिल्पज्ञ विद्वान् तथा गान वाद्य प्रिय होता है।

बुध गुरु योग का उत्तम वक्ता पडित सभा चतुर प्रख्यात कवि और सशोधक होता है।

शुक्र गुरु का योग बलवान्, चतुर नीतिवान् और भोगी बनाता है। शनि गुरु योग का कार्यदक्ष धनी यशस्वी तथा कीर्तिवान् होता है।

शुक्र

यह काम चेष्टा सौन्दर्य प्रजनन शक्ति ललित कलाओं का स्वामी है। सुन्दर शरार विशाल नेत्र काले घुघराले बाल सगीत काव्य गायन वादन् प्रिय सफाई पसन्द सुरुचि वाला विनयी मिलनसार उदारहृदय यशस्वी बनाता है। कला कौशल नाटक अभिनय यन्त्र विद्या चित्रकला में रुचि देता है। सूर्य के साथ हो तो कलाकार चित्रकार नेत्र रोगी विलासी कामुक अविचारी होता है। चन्द्रमा के साथ बलवान् होता है। व्यापारी धनवान सुखी व भोगी होता है। मगल के साथ हो तो व्यापार कुशल धातुओं का कार्य करने वाला यागी

कार्यपरायण तेज वाहन चलाने वाला चालक गतिशील, अनेक स्त्रियों का उपभोग करने वाला होता है। बुध के साथ विद्या, बुद्धिमत्ता, साहस आदि देता है, मुशी, लेखक, सुखी विलासी, राजमान्य, राज अधिकारी, शासक होता है। गुरु के साथ भी सुखी बलवान् तथा विद्वान बनाता है। शुक्र शनि का योग निम्न मनोवृत्ति का सूचक है। पाखण्डी दम्भी, स्वार्थी बनाता है।

शनि

श्याम वर्ण तमोगुणी प्रकृति, पश्चिम दिशा का स्वामी, आलसी, वक्र दृष्टि वाला, ऊचा कद बडे दात रूखे केश, उभरी नसों वाला दुबला पतला मूर्ख लालची, क्रोधी धूर्त दुष्ट बुद्धि मन्द दुर्बल मन वाला विश्वासघाती मलिन बुद्धि भाई बन्धुओं से कलह करने वाला दूसरों के दोष देखने वाला परधन, कुतर्क करना, परस्त्री हरण करना, चुभने वाली बात करना उग्र आन्दोलन करना स्वभाव होता है। बात को मन में रखना भेदों को छुपाना दीर्घायु कारक है। गम्भीर उदासीन होने से त्यागी वैरागी, नैराश्य में आत्महत्या करने की ससार छोडने की प्रवृत्ति भी इस ग्रह से पैदा होती है।

चन्द्र शनि का योग शक्तिहीन, मूर्ख, धनहीन वचक कपटी धोखेबाज, घातक होता है। शनि मगल योग धूर्त जादूगर ढोंगी अविश्वासी बनाता है। शनि बुध का योग कुछ उत्तम है। धनार्जन कराता है पर कजूस बनाता है। कवि वक्ता व्याख्याता सभापडित, कलाकार गम्भीर विषयों का ज्ञाता बनाता है। गुरु शनि का योग लोकमान्य, प्रसिद्धि कार्यदक्षता धन, मान प्रतिष्ठा देता है। शनि शुक्र का योग परायी स्त्री धन पर लोलुप दृष्टि, नीच विचारों को बढाता है।

इस प्रकार सक्षेप से समस्त ग्रहों व उनके योगों के बारे में बताया गया है।

जिस कुडली पर विचार हो रहा है उसमें प्रथम भौतिक घर चन्द्रमा का 2 अक आया है। शरीर में चन्द्रमा के गुण प्रधान होने चाहिए। सुन्दर कोमल गौर वर्ण शरीर परमहस देव का था और चन्द्रमा के साथ बलवान शुक्र का योग होने से ललित कलाओं के प्रेमी गायन वादन में प्रवीण, अभिनय कला प्रवीण विशाल नेत्र सुन्दर शरीर, विनयी मिलनसार, उदार हृदय यशस्वी हुए। मध्य की पक्ति अक कुडली में मानसिक धरातल की होती है। इसमें बलवान् शुक्र होने से उपर्युक्त गुण अधिक मात्रा में थे क्योंकि आत्मिक स्तर पर सूर्य गुरु का योग है जिसने आत्मशक्ति को प्रबल करके विद्वत्ता श्रेष्ठता मान सम्मान प्रतिष्ठा,

यशकीर्ति दी और महान् सन्त बनाया। सहस्रों ही अनुयायी शिष्यों के हृदय पर शासन दिया। यदि उपर्युक्त बलवान् शुक्र के साथ गुरु का योग न होता सूर्य भी बलवान् न होता तो शुक्र के प्रभाव से कामचेष्टा, सौन्दर्य उपासना की वृद्धि होती परन्तु शुभ योगों के प्रभाव से गुरुदेव गृहस्थ होते हुए भी सन्यासी तथा आजन्म ब्रह्मचारी रहे। 16 2 36 का सयुक्ताक 9 है जिसका फल उचित होता है। परमहस देव में अद्भुत साहस था। मा का दर्शन न मिलने पर तलवार से अपना सिर काटने को तैयार हो गए थे। श्मशान में निर्भय होकर साधना की थी और कामदेव पर विजय पाना तो बिरले ही वीर का काम होता है, वह आपने प्राप्त की थी।

वार स्वामी बुध का प्रभाव उनकी बुद्धिमत्ता तथा विद्वता में प्रकट हुआ और होरा स्वामी शनि प्रभाव से ही ससार त्यागी विरागी रहे थे।

इस प्रकार आपने अक कुडली बनाना सीखा और उससे स्वभाव प्रकृति शारीरिक मानसिक, आत्मिक धरातलों पर फल कथन करने के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। जीवन के भविष्य घटनाओं के बारे में अक ज्योतिष से किस प्रकार जाना जाता है यह आगे बताया गया है। किस माह का क्या फल है। यह अक ज्योतिष की दृष्टि से आगे वर्णित है।

मासिक विचार

जनवरी

यह मास मकर राशि में है। यह राशि 21 दिसम्बर के आस पास प्रारम्भ होती है। सात दिन तक धनु के साथ राशि संधि चलती है और इस राशि का पूरा प्रभाव 28 दिसम्बर से प्रारम्भ होकर 21 जनवरी तक रहता है। फिर मकर और कुम्भ का सात दिन का संधि काल शुरू हो जाता है।

मकर थल त्रिकोण की तीसरी राशि है। इसका स्वामी शनि (ओज) है जिसे शनि की राशि भी कहते हैं।

यदि आप इस मास में जन्मे हैं तो आपके चरित्र और स्वभाव में निम्न बुनियादी विशेषताएं होंगी—

प्रकृति से महत्वाकांक्षी उग्र,जीवट और लगन वाले लक्ष्य सिद्धि के लिए अपार प्रयासों की क्षमता। आपका प्रतीक ग्रह शनि सावधानी और विवेक का मूर्त रूप है। गम्भीर चिन्तन और फल के बारे में पूर्ण विश्वास के बिना कोई महत्त्वपूर्ण कदम नहा उठाएंगे। शनि में दांव लगाने का तत्त्व नहीं है। आप शंकालु बाल की खाल निकालने वाले,कुछ-कुछ संदेही हैं नए सिद्धांतों को देर से अपनाने वाले लेकिन उदार मन तर्क सम्मत बात को स्वीकारने वाले। दृढ मानसिक शक्ति स्वभाव से दार्शनिक और वैज्ञानिक, गम्भीर चिन्तक और

तर्कशील। धार्मिक विश्वासों में या तो एकदम कट्टर या इसके एकदम विपरीत अनास्थावादी। सबसे अधिक बुद्धिपूजक और असाधारण बुद्धि या प्रतिभा वाले मित्रों के सभी दोष क्षमा करने को तत्पर।

व्यक्तियों तथा वस्तुओं के बारे में तत्कल राय बनाने वाले, लेकिन अपनी योजनाओं में शीघ्र हतोत्साह होने की प्रवृत्ति और पहली असफलता या निराशा पर ही टूटने वाले। प्रेम, कर्तव्य और सामाजिक अर्थशास्त्र के बारे में आपके विचार सदा अनोखे रहेंगे, जिससे आपको प्राय झक्की और सनकी समझा जाएगा। अभिमानी और स्वतंत्र विचारों के कारण आपका हर काम में अगुआ होना चाहिए या योंही आपकी दिलचस्पी खत्म हो जाएगी। आप किसी प्रकार के अकुंश को नापसद करते हैं और हर बंधन का विरोध करते हैं। यह अजीब विरोधाभास है कि परम्परा और सत्ता के लिए आपके मन म गम्भीर स्थान है। जीवन आपके लिए बहुत गम्भीर किन्तु समस्याओं से भरा है और घोरतम निराशा के दौर से भी आप सबसे अधिक चमकेंगे।

लगातार काम और परिश्रम आपके लिए एक तरह से सनक बन जाती है, लेकिन उत्तेजना या जल्दबाजी के बजाय लक्ष्य को सामने रख धीरे धीरे और चुपचाप काम करते रहने से आपको कहीं अधिक लाभ होगा। निजी प्रयासों और व्यक्तित्व के बल पर जन्म काल की परिस्थितियों से ऊपर उठने की सम्भावना है। चरित्र मूलत ओजस्वी किन्तु निराशावाद की गहरी प्रवृत्ति के कारण मन में प्रसन्नता पैदा करने की आवश्यकता।

आम तौर से आपको काफी गलत समझा जाएगा। आसानी से लोगों से मिलेंगे जुलेंगे नहीं। घनिष्ठ मित्र कम होंगे। मन में बहुत अकेलेपन का अनुभव करेंगे।

विवादों में प्राय सदा अलोकप्रिय हितों या छिपे रुस्तमों का पक्ष लेने से आप अपने दुश्मन पैदा कर लेंगे।

आपके लिए सबसे अच्छा सार्वजनिक जीवन अपनाना रहेगा जैसे नगरपालिका, राजनीति, सरकारी नौकरी या जिम्मेदारी और विश्वास के पद।

शनि के प्रभाव से सुगठित काया और अच्छी कार्य क्षमता साथ ही निराशा की गहरी प्रवृत्ति। इस कारण से पित्त के प्रकोप, पित्ताशय में गडबडी आमाशय में घाव पाचन अगों में खराबी और आंतों में रुकावट की सम्भावना।

स्वस्थ बने रहने के लिए आशावाद और प्रसन्नता का वातावरण पैदा कीजिए। शीत से सावधानी न बरतने पर श्वास दमा, रोग जैसी बीमारियों की आशका। निचले स्थानों की अपेक्षा ऊचे और शुष्क जलवायु वाले स्थान अधिक अनुकूल होंगे। भोजन पर ध्यान दीजिए और समुचित व्यायाम से 'रक्त सचार' ठीक रखिए। नम और ठढी हवाओं से बचिए। आपके लिए बार बार हवा बदलना अत्यत आवश्यक है किन्तु एकात स्थल पर कभी मत जाइए।

देहात में सम्भव हुआ तो किसी पर्वत की तलहटी में कुछ ऊचाई पर या किसी पहाडी स्थल पर घर बनवाने की आपकी बलवती इच्छा रहेगी। निचले और नम स्थानों में कभी मत रहिए क्योंकि तब गठिया पैरों में दर्द तथा सूजन पाल लेने की निश्चित प्रवृति है। दुर्घटनाए भी एडियों पावों और टागों में अधिक होंगी।

शनि का व्यापक प्रभाव आर्थिक स्थिति के लिए अच्छा सकेत नही है। इससे आर्थिक उन्नति में, कम से कम प्रारम्भिक वर्षों में विलम्ब बाधाए और अकुश पैदा होंगे।

उद्यम सावधानी लगन और मितव्ययिता से धन के लाभ का योग है। दरअसल भाग्य की बजाय निजी प्रयासों से सम्पत्ति प्राप्त होने की सम्भावना अधिक है। भूमि या गृह सम्पत्ति में धन लगाना कारखाने खडे करना, विशेषकर कोयला शीशम या लोहे की वस्तुओं, परिवहन या कृषि की मशीनों के क्षेत्र में, कृषि उद्योगों का विकास और अन्य ठोस उद्यम लाभ के रहेंगे।

अपना ही पैसा वापस पाने में अपको कठिनाई सामने आएगी। जमानत के बिना किसी को पैसा उधार मत दीजिए, नहीं तो उसका डूबना सुनिश्चित है।

फरवरी

फरवरी माह कुम्भ राशि के प्रभाव में है। इसे शनि (सौम्य) की राशि भी कहते हैं। यह लगभग 21 जनवरी से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि के साथ इसका सधि काल रहता है। 28 जनवरी से 19 फरवरी तक ही यह अपना पूर्ण प्रभाव दिखाती है। फिर नई राशि मीन के साथ सधि काल शुरू हो जाने से उत्तरोत्तर यह अपना प्रभाव खोती जाती है। सधि काल में जन्मे व्यक्तियों में दोनों राशियों के गुण मिलते हैं।

आप अति संवेदनशील हैं। वाग्बाणों से शीघ्र तिलमिला उठने की प्रवृत्ति है। बहुत से लोगों के सम्पर्क में आएगे फिर भी अकेलापन महसूस करेंगे। प्यार का प्रदर्शन नही करेंगे लेकिन जिन्हें प्यार करेंगे, उनके प्रति पूरी तरह से समर्पित होंगे। मित्र के लिए या अपने किसी उद्देश्य के लिए अंतिम क्षण तक संघर्ष करते रहेंगे।

सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों को पूर्वाभास या अंत प्रेरणा से प्राय सही सही तो जान लेंगे लेकिन चोट न पहुचाने की भावना से अपनी राय को मन में ही छिपाकर रखेंगे। इससे मन का भार कभी कभी सीमा से अधिक बढ जाएगा और उसे सहन न कर पाने के कारण आप उसे उगल देंगे तो मन में बुरी तरह पछताएगे। क्षति पूर्ति के लिए आप किसी भी सीमा तक जा सकते हैं।

आपके मन में आम जन का भला करने की तीव्र भावना रहेगी। दूसरों का कष्ट दूर करने में प्राय सामान्य से अधिक उदार होंगे। औसत से अधिक दान करेंगे।

आप बहुत तार्किक बुद्धिवाले हैं। चाहेंगे कि मतभेदों को तर्क द्वारा शांतिपूर्वक सुलझा लिया जाए आप में बहुत बढिया व्यापार बुद्धि भी होगी और दूसरों को उत्तम सलाह देंगे। लेकिन जिम्मेदारी के पदों पर रहते हुए आमतौर से दूसरों को ही अधिक लाभ पहुचाएगे।

अपने उत्तम गुणों को प्रकट करने के लिए आपको कर्तव्य की पुकार या परिस्थितियों की दरकार ऐसा होने पर आप स्वय को अवसर के अनुकूल ढाल लेंगे। अपनी छिपी शक्तियों और योग्यताओं का प्रदर्शन कर सभी को आश्चर्य में डाल देंगे। संवेदनशीलता पर काबू पा सकें और आत्म विश्वास पैदा कर सकें तो ऐसा कोई पद नही जिसे आप न प्राप्त कर सकें।

सबसे अधिक सफलता आपको तो ऐसे बडे कार्य क्षेत्र में मिलेगी जिसमें दूसरों की भलाई करने का अवसर हो। जिन्हें बोध हो जाता है वह मानव कल्याण का कोई बडा काम या खोज कर दुनिया में अपना नाम छोड जाते हैं।

ऐसे जन आंदोलनों में, जिनमें बडी संख्या से लोग शामिल हों आपकी गहरी दिलचस्पी होगी। राष्ट्रीय हित के महत्वपूर्ण समारोहों में आप भाग लेते नजर आएगे। अपनी दुनिया में रहते हुए भीड और भीड वाले स्थानों जैसे आम सभाए थिएटर मनोरंजन स्थल आदि से आपका लगाव होगा। एक विचित्र बात यह है कि स्वयं भारी मानसिक तनाव की स्थिति में रहने पर भी आप शीघ्र

उत्तजेना या आवेश में आने वालों अथवा मानसिक रोगियों पर अपना प्रभाव डाल सकेंगे। आप स्वय को प्राय ऐसे लोगों के बीच में पाएगे।

यदि आप धनी परिवार के जन्मे हैं, ते अपने सर्वोत्तम गुणों का विकास कर पाने की सम्भावना नहीं के बराबर है। बस धारा के साथ बहते जाएगे। ज्ञान होने तक परिवर्तन के लिए बहुत देर हो चुकी होगी।

अन्य वर्ग की अपेक्षा शायद आपको अपने साथियों के चुनाव में सावधानी की आवश्यकता अधिक है। आत्म विश्वास की कमी के कारण सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों से आप बहुत ही आसानी से प्रभावित हो सकते हैं।

नसों, आमाशय, जिगर और पित्ताशय की बीमारियों से आपके ग्रस्त होने की सम्भावना है। डाक्टरों के लिए भी उनका निदान और उपचार करना कठिन होगा। आप विज्ञापन वाली नीम हकीमी दवाए खरीदते नजर आएगे। मित्रों के लिए भी आपके पास कोई न कोई नई गोली या बलवर्धक दवा मिल जाएगी। बुढापे में शरीर रक्त सचार में गडबडी और रक्ताल्पता सिर और पीठ में दर्द दिल की धडकन में तेजी और कमजोरी मसाने और गुर्दों की कमजोरी, पावों में अजीबों दुर्घटनाओं एडियों में मोच या हड्डी टूटने जैसी परेशानियों के शिकार हो सकते हैं।

शनि और यूरेनस के प्रभाव से भाग्य में बडे बडे और आकस्मिक उतार चढाव की सम्भावना है। अनिश्चयात्मक या खतरनाक ढग के मामलों में बहुत सावधानी की जरूरत है। बीमा कम्पनियों बैंकों न्यासों, रेलवे कम्पनियों बिजली सस्थानों उडयन और नई नई खोज परियोजनाओं से भी अच्छा लाभ हो सकता है। पूरी बुद्धिमत्ता से काम नही लेंगे तो आय बहुत कुछ अनिश्चित रही आएगी, कभी बहुत कम, कभी बहुत अधिक। एक बार एकदम अप्रत्याशित सूत्र से और बडे विचित्र ढग से भारी धन लाभ हो सकता है।

मार्च

19 फरवरी से मीन राशि शुरू होती है, सात दिन तक पूर्व राशि के साथ उसकी सधि रहती है। अत उसका पूर्ण प्रभाव 26 फरवरी से 21 मार्च तक रहता है। इसके बाद नई राशि मेष के साथ उसकी सात दिन की सधि शुरू हो जाती है।

इस अवधि में 19 फरवरी से 28 मार्च तक जन्मे व्यक्तियों में रक्त बुद्धि और अतर्ज्ञान होता है। विशेषकर ऐतिहासिक ज्ञान को और यात्रा तथा भूमि के उपयोग अन्वेषण आदि विषयों को शीघ्र आत्मसात् कर लेते हैं। साधारणत जितने दिखाई देते हैं, विचारों में उससे कहीं अधिक महत्वाकांक्षी होते हैं लेकिन किसी विषय पर बोलने या लिखने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लेना चाहते हैं।

यदि उन्हें यह अहसास हो जाए कि उन पर विश्वास किया जा रहा है या उनको सम्मान दिया जा रहा है, तो मित्रों या अपने ध्येय के प्रति वे भारी निष्ठा का परिचय देते हैं। सभी जिम्मेदारी के पदों पर वे आम तौर से सफल रहते हैं; साथ ही अपने को धकेलने की प्रवृत्ति नहीं दिखाते और अपनी राय प्रकट करने से पहले प्राय इन्तजार करते हैं कि कोई उनकी राय पूछे ?

वे कानून और व्यवस्था का भारी सम्मान करते हैं तथा अपने क्षेत्र की परम्पराओं का पालन करते हैं।

सबसे दृढ और सबसे दुर्बल चरित्र इसी राशि के मिलते हैं। कुछ भावनाओं में बहकर भोग विलास का मार्ग अपना लेते हैं। वातावरण के दास हो जाते हैं या झूठे मित्रों के चक्कर में फस जाते हैं। कुछ मादक पदार्थों या शराब के आदी हो जाते हैं। लेकिन यदि उन्हें जीवन का कोई लक्ष्य मिल जाए, तो अवसर के अनुकूल अपने को ढाल लेते हैं। कभी तो वे अपने स्वभाव में आकस्मिक परिवर्तन से मित्रों को आश्चर्य में डाल देते हैं। एक क्षण में ही वे अपनी दुर्बलता या आत्म रति को उतार फेंक आत्म सर्वय की किसी सीमा तक उठ सकते हैं। इस अवधि में जन्मे सभी व्यक्ति द्विस्वभावी होते हैं। अब क्या पता कि वे कौन सा मार्ग अपनाते हैं ?

वे प्राय सागर यात्रा के बहुत शौकीन होते हैं। यदि परिस्थितिवश सागरयात्रा न पाए तो अपना घर सागर तट पर या किसी झील अथवा जल के किनारे बनाते हैं।

प्राय सभी के स्वभाव में आध्यात्मिकता और व्यावहारिकता का पुट रहता है। लोग उन्हें अंधविश्वासी समझते हैं। सभी गुप्त विद्याओं के प्रति वे एक या दूसरे रूप में आकर्षित होते हैं। अज्ञात, दार्शनिक या रहस्यमय को खोज करना उन्हें पसन्द है। प्रकृति से उदार होते हुए भी उनके मन में गरीबी का अज्ञात भय

ममाया रहता है,इसलिए अपनी उदारता को तब तक हावी नही होने देते जब तक किसी प्रियपात्र के प्रभाव में न हों। फिर तो वे अपना सर्वस्व तक निछावर कर सकते हैं।

उनकी दृष्टि में रुपय पैसे का कोई मूल्य नही है। उनके लिए वह मात्र लक्ष्यपूर्ति के साधन से अधिक कुछ नही है।

इस राशि में जन्मे व्यक्तियों के स्वास्थ्य को सबसे अधिक खतरा शारीरिक न होकर मानसिक होता है। अत्यधिक चिन्ता से जन्मी निराशा का कुप्रभाव पाचन अगों पर पडता है स्वाभाविक गडबडी की प्रवृत्ति बनती है और अनेक लोगों को प्राय पक्षाघात भी हो सकता है। फेफडे कमजोर हो सकते हैं। उन्हें क्षयरोग की सम्भावना अधिक रहती है। शरीर से विशेपकर हाथ पैरों से शीघ्र पसीना निकलने लगता है। आतों में वृद्धि या फोडा इस राशि की विशेष बीमारी है।

महत्वाकाक्षा जाग जाने पर ये व्यक्ति जीवन में काफी सफलता प्राप्त करते हैं लेकिन गुरु (सौम्य) के प्रभाव से महत्वाकाक्षा भौतिक से अधिक मानसिक होती है। वे भविष्य के बडे बडे सपने देखते हैं,लेकिन प्राय लगन या प्रयासों का अभाव होता है। अत धन की दृष्टि से इसे हम चचल राशि कह सकते हैं और जब तक ये व्यक्ति अपनी महत्वाकाक्षा को अतिम सीमा तक पूरने के लिए अपने को तैयार नही करते उनके भाग्य में अनेक उतार चढावों को खतरा रहता है। स्वाभाविक प्रवृत्ति—लगने के अभाव—पर काबू पा लेने पर फिर ऐस कोई पद नहीं जिसे वे प्राप्त न कर सकें। समय समय पर महान अवसर मिलते ही रहते हैं।

ये व्यक्ति धन के मामले में कुछ लापरवाह होते हैं और उनमें बुरे दिनों के लिए पैसा बचाने की प्रवृत्ति नहीं होती। बुढापे में प्राय अपने साधनों को बर्बाद करते और गराब होते या पद खाते देखे गए हैं। भाग्य से यदि किसी सुतिथि को पैदा हो गए तो सब कुछ ठीक रहेगा और पद या रुपए पैसे के बारे में उनके सपने पूरे हो सकेंगे।

अप्रैल

अप्रैल मास मेष राशि के प्रभाव का है। यह राशि 21 मार्च से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि के साथ इसकी सधि चलती है। 27 मार्च के

बाद 19 अप्रैल तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर अगले सात दिन तक आगामी राशि के साथ सधि काल चलन के कारण इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी-आती होती है। आगामी राशि शुक्र स्वामित्व वाली वृष है।

21 मार्च से 19 अप्रैल तक जन्मे व्यक्तियों में दृढ इच्छा शक्ति सकल्प और अपना लक्ष्य पूरा करने का हठ पाया जाता है। जन्मजात योद्धा होते हैं। उनमें बडे बडे व्यावसायिक या जनबहुल सगठनों के सचालन की भारी योग्यता रहती है।

वे काम करने में अत्यत स्वच्छन्द होते हैं। सभी बातें उनकी अपनी मर्जी की होनी चाहिए। हस्तक्षेप होने पर वे प्राय बाहर निकल आते हैं और दूसरों को काम सम्हालने देते हैं।

जहा तक भौतिक सफलता या अधिकार की बात है ऐसी कोई ऊचाई नहीं जहा तक वे न पहुच सकें। शर्त यह है कि अपने आपे में रहें किन्तु सफलता प्राय उनके विनाश का कारण बन जाती है। प्रशसा और चापलूसी से उनका सिर फिर जाता है। वे सीधे नहीं देख सकते और अनेक मामलों में हठ और अहकार से अपने पावों पर कुल्हाडी मार लेते हैं।

उनमें भारी मानसिक उर्जा होती है। जिस बात में भी उनकी दिलचस्पी होती है उसी के बारे में उनके पास नई नई और मौलिक योजनाए रहती हैं। वे अपने में खोए रहते हैं और केवल कठोर सचाई और तर्क से ही वे अपने अलावा किसी और के दृष्टिकोण से देख सकते हैं। उनमें सतर्कता का अभाव होता है। स्वभाव से शक्की तथा काम करने में जल्दबाज होते हैं।

हर बात में प्राय अति तक जाते हैं। बहुत खुले दिल के और मुहफट होते हैं और व्यवहार कुशलता के अभाव में दुश्मन पाल लेते हैं। वे अत्यन्त महत्वाकाक्षी होते हैं। जीवन में प्राय सफलता प्राप्त करते हैं—या तो सम्पत्ति अर्जित करते हैं या उत्तरदायित्व के पदों पर पहुचते हैं।

हीन भावना वाले अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। मालिक के रूप में वे नृशस और अत्याचारी होते हैं तथा प्राय हिंसक मृत्यु को प्राप्त करते हैं।

मई

मई मास वृष राशि के प्रभाव में है। यह राशि 19 अप्रैल से प्रारम्भ होती

- है किन्तु सात दिन तक पूर्व राशि के साथ उसका सधि काल रहता है। अत 26 अप्रैल तक इसका पूर्ण प्रभाव दृष्टिगोचर नही होता। उसके बाद 20 मई तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर सात दिन तक आगामी राशि मिथुन के साथ इसका प्रभाव क्रमश कम होता जाता है। वृष राशि शुक्र का ओज भाव है। जो थल त्रिकोण का पहला भाव है। मिथुन राशि का स्वामी बुध (ओज) है। यह राशि वायु त्रिकोण का पहला भाव है।

जैसा नाम से विदित होता है वृष राशि स्थिर और दृढ स्वभाव काम के प्रति भारी लगन और दृढ सकल्प प्रदान करती है। 21 मई के बाद इन गुणों में कमी होती जाती है। अत मई में शुरू की तिथिया बाद की तिथियों से अधिक ओजस्वी होती हैं।

कुछ मामलों में यह सबसे अधिक विरोधाभासवाली राशियों में एक है। इस राशि में जन्मे लोगों में वृष या बैल के गुण पाए जाते हैं। जब तक क्रोध या अन्याय से फुफकारें नही, धीरे धीरे धैर्यपूर्वक अपना काम करते रहते हैं। वे अपने सकल्प में अडिग रहते हैं और प्राय जिद्दी कहलाते हैं। लेकिन यदि कोई व्यक्ति उनके प्रेमी स्वभाव को कुरेद सके तो उन्हें सबसे अधिक आसानी से वश में किया जा सकता है।

वे अपनी शारीरिक व मानवसिक सहन शक्ति के लिए प्रसिद्ध होते हैं। जब तक सकल्प कायम रहता है कितना भी तनाव सहन कर सकते हैं।

वे अत्यन्त सामाजिक होते हैं और सबसे अधिक प्रसन्नता उन्हें अपने मित्रों या प्रेमपात्रों का सत्कार करने में मिलती है। वे उत्तम मेजवान होते हैं। भोजन के बारे में सुरुचिपूर्ण और अवसर पडने पर श्रेष्ठ व्यजन तैयार कर सकते हैं। कलात्मक साज सज्जा में निपुण और हर वस्तु को करीने से रखने वाले हाते हैं। उसमें नाटकीय प्रदर्शन की गहरी समझ होती है। अवसर के अनुकूल जीवन के मच पर कोई भी रूप रख सकते हैं और उसकी भूमिका को पूर्णत से निभा सकते हैं। आम तौर से वे वास्तव से कहीं अधिक अमीर समझे जाते हैं। अपने हर काम में कम अधिक दिखावटी होने हैं।

वे अधिकतर अपनी भावनाओं और सवेदनाओं के वश में रहते हैं लेकिन काम से अधिक प्रेम उन पर हावी होता है।

आम तौर से पुरुषों के चौडे कधे मोटी गर्दनें और चौडे माथे होते हैं।

महिलाओं के उन्नत उरोज और प्राय छोटे हाथ पैर रहते हैं।

स्त्री पुरुष दोनों अंतिम सीमा तक उदार होते हैं। जिसे चाहते हैं उनके लिए किसी बलिदान को कम नहीं समझते किन्तु जिन्हें घृणा करते हैं उससे मृत्युपर्यन्त टक्कर लेते हैं। वे खुले और धर्मयुद्ध में विश्वास करते हैं। अत प्रारम्भ में हर प्रकार की क्षति उठाते हैं लेकिन रक्त में एक बार उबाल आ जाने पर समर्पण करना कभी नहीं जानते।

अपने वातावरण के प्रति विशेषकर सवेदनशील होते हैं। घटिया और प्रतिकूल परिस्थितियों में रहने को विवश होने पर प्राय उदास या दुखी हो जाते हैं।

इस राशि वाले न तो पुरुषों को और न महिलाओं को छोटी आयु में विवाह करना चाहिए। उनका पहला प्रेम प्रसग या विवाह आम तौर से गलत रहता है लेकिन वे जल्दी युवा होते हैं और विवाह भी शीघ्र करते हैं।

पुरुष और स्त्री दोनों प्रेम के मामले में ईर्ष्यालु होते हैं। उनकी ईर्ष्या तर्कहीन कार्यों या आवेश से उपजती है। बाद में उसका ज्वर उतर जाने पर बुरी तरह पछताते हैं। थोडी सी भी सहनुभूति या दया दिखाने पर वे सारा गुस्सा थूक देते हैं। अपने इस स्वभाव के कारण ऐसे काम करते हैं जिन्हें दुनिया मूर्खता कहती है।

किसी ध्येय के लिए नेता के रूप में वे अनुयायियों से प्रेम और लगन प्राप्त करते हैं और प्राय उन पर भारी जिम्मेदारी सौंप दी जाती है।

इनमें सामजस्य लय और रग की अतर्निहित समझ होती है और वे प्राय सगीत काव्य तथा कला में अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं लेकिन विचित्र बात यह है कि कुछ खास तिथियों को जन्मे व्यक्तियों को छोड कर अपने गुणों या प्रतिभाओं का पूरा आर्थिक लाभ नही उठा पाते।

ऐसे राशि में पैदा हुए लोग अत्यत निष्ठावान मित्र उत्तम सरकारी कर्मचारी सरकार में या सेना और नौसेना में अधिकारी या प्रमुख बनते हैं। वे अच्छे नर्स व डाक्टर बनते हैं। प्राय सभी को बागबानी फूलों और घर से बाहर के जीवन के प्रति गहरा लगाव होता है।

जहाँ तक धन प्राप्ति का सवाल है इस मास में जन्म लेना आमतौर से शुभ है। सहकारिता साझेदारी, सम्पर्कों तथा विवाह से लाभ होने की आशा है।

लेकिन शुक्र का प्रभाव उन्मुक्त प्रेम की प्रकृति प्रदान करता है और दूसरों की सहायता करने में कुछ कटु अनुभव भी हो सकते हैं।

इन लोगों को धन कमाने ओर सम्पत्ति जमा करने की प्रबल इच्छा रहती है किन्तु इसके मूल में स्वार्थ उतना नहीं होता जितना आराम से जीवन बिताने और अपने प्रेमपात्रों की सहायता करने का भाव होता है।

जून

21 मई से मिथुन राशि प्रारम्भ हो जाती है लेकिन सात दिन तक पूव राशि वृष के साथ इसका सधि काल चलता है अत 28 मई तक यह पूण प्रभाव में नही आ पाती। उसके बाद 20 जून तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि कर्क के साथ सात दिन तक के सधि काल में इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

21 मई से 20–27 जून तक जन्म लेने वाले व्यक्तियों में मिथुन राशि के गुण पाए जाते हैं। वे बहुत कुछ दुहरे स्वभाव और मानसिकता वाले होते हैं। उनका दिमाग तीक्ष्ण बहुमुखी और प्रतिभाशाली होता है। सभी राशियों वालों में इन्हें समझ पाना सबसे कठिन होता है। वे सोचने में तेज होते हैं और जहाँ कुशाग्र बुद्धि की आवश्यकता होती है वे अपने सभी प्रतिद्वन्द्वियों को पीछे छोड देते हैं।

समाज को वे अपनी बातों से मोह लेते हैं। यदि उनके उस समय के मूड को देखें तो उनसे मिलकर आपको सबसे अधिक प्रसन्नता होती है। लेकिन यह आशा करना व्यर्थ है कि आप उन पर कोई गहरा प्रभाव डाल सकेंगे या वे अपने वादे का पालन करेंगे। हाँ उनका मतलब सधता हो तो दूसरी बात है।

अपने दिल में वे यही समझते हैं कि वे न बदलने वाले और वफादार हैं। उस क्षण के लिए यह बात ठीक भी हो सकती है लेकिन हर क्षण का उनके लिए अलग अस्तित्व है।

उनके सामने यदि कोई योजना रखी जाए तो व शीघ्र ही उसकी एक एक बात को हृदयगम कर लेते हैं या फिर अपने तर्कों व्यग्य वाणों या आलोचना से उसकी बखिया उधेडकर रख देते हैं। यदि वे एक बात पर जमे रहने में अपनी इच्छा शक्ति का उपयोग करें तो जो भी काम करेंग उसी में बहुत शानदार सफलता प्राप्त करेंगे।

जहा तक धन कमाने की बात है, इस अवधि में पैदा हुए कुछ लोग सट्टेबाजी में शेयरों में कम्पनी प्रोमोटरों के रूप में अथवा व्यापार में नए आविष्कारों या नए विचारों से लाभ उठाने में सबसे अधिक सफलता प्राप्त करते हैं। वे कूटनीतिक वार्ताओं में लोगों से भटवार्ता करने में, देश विदेशों में घूमने और अजनबियों को मोहने में भी ठीक रहते हैं।

प्रेम प्रसगों में सबसे बडी पहेली होते हैं। एक ही क्षण में कसकर प्यार कर सकते हैं, और तुरन्त गैर वफादार भी हो सकते हैं।

जुलाई

जुलाई त्रिकोण की पहली राशि कर्क 21 जून को प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि मिथुन के साथ इसका सधि काल रहता है। अत यह 28 जून तक पूर्ण प्रभाव में नही आती। उसके बाद 20 जुलाई तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि सिंह के साथ इसका सधि काल प्रारम्भ हो जाता है और सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है। सधि काल में पैदा हुए व्यक्ति दोनों राशियों के गुण ग्रहण कर लेते हैं। अस्त होती राशि के और उदित होती हुई राशि के भी।

प्राचीन काल में इसे कर्क राशि इसलिए कहा गया क्योंकि इस समय सूर्य आकाश में कर्क (केकडे) की भाति गति करता हुआ आगे बढता और पीछे हटता दिखाई देता है।

21 जून से 27 जुलाई तक कर्क राशि के मध्य पैदा हुए व्यक्ति अपने सभी कामों में मेहनती और उद्यमी होते हैं किन्तु उनके भाग्य में अत्यन्त शुभ और अत्यन्त अशुभ रहने की प्रवृत्ति होती है। शेयरों पर दाव लगाने से वे प्राय हानि उठाते हैं जबकि सीधे सच्चे व्यापार में वे सर्वाधिक सफल हो सकते हैं। फिर भी आमतौर से उनमें सट्टेबाजी की प्रबल भावना होती है। प्राय अपने स्वभाव की इस प्रवृत्ति के कारण वर्षों के कठोर परिश्रम से जमाए परिवार को भी चौपट कर बैठते हैं।

कर्क के प्रतीक की भाति वे काम और विचारों में प्राय आगे बढते हैं, पीछे हटते हैं। एक निश्चित योजना या वृत्ति में वे एक खास बिन्दु तक पहुंच जाते हैं और फिर अत्यन्त नाजुक क्षण में रुककर या पीछे मुडकर सभी को आश्चर्य में डाल देते हैं।

यदि उन्होंने प्रारम्भिक जीवन में अपनी सट्टेबाजी की प्रवृत्ति को काबू में नही किया और धन बचाकर उसे आपात् काल के लिए सुरक्षित नही रखा, तो आम तौर से उनके जीवन में रुपए पैसे के मामलों में भारी उतार चढाव आ सकते हैं।

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्ति प्राय बहुत ऊचे पदों पर पहुचते हैं या भारी यश प्राप्त करते हैं और प्रचार की चकाचौंध से बच नही पाते। लेकिन पारिवारिक जीवन में वे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पडता है और शायद ही कभी प्रसन्नता में डूबते हों, वैसे बाहर वालों की निगाहों में वे कितने ही सफल क्यों न दिखाई दें।

अगस्त

सिंह राशि का प्रारम्भ 21 जुलाई को होता है लेकिन पूर्व राशि कर्क के साथ इसका सधि काल चलने के कारण यह 28 जुलाई को ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती हैं। इस तिथि से 20 अगस्त तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि कन्या के साथ इसका संधि काल प्रारम्भ हो जाता है। इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

सिंह राशि का स्वामी सूर्य है। 21 जुलाई से 20--28 अगस्त तक जन्मे व्यक्तियों में प्रबल विशिष्ट गुण पाए जाते हैं। आम तौर से वे महत्वाकांक्षी होते हैं। उनका लक्ष्य आम लोगों से ऊपर उठने का होता है। वे भले ही छोटे परिवारों में जन्म लें पर इच्छा शक्ति सकल्प और योग्यता से खास तौर से ऊचे अधिकारी पदों पर पहुचते हैं।

अन्य दबग व्यक्तियों के प्रति गहराई से आकर्षित होते हैं। दरअसल जब तक अपना अलग व्यक्तित्व और उद्देश्य रहता है, वे उनके सौ कसूर भी माफ करने को तैयार रहते हैं। -

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्ति विशाल हृदय और उदार होते हैं। वे अत्यत स्वतत्र भावना वाले होते हैं। अकुश लगाए जाने या आदेश दिए जाने स घृणा करते हैं। उनमें अपने ध्येय के प्रति काफी आग्रह और इच्छा शक्ति होती है। यदि किसी योजना उद्देश्य या पद पर ध्यान लगाए तो हर कठिनाई या बाधा के बावजूद आमतौर से अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं। लक्ष्य प्राप्त न होने पर उनमें निराशा और असंतोष पैदा होता है, लेकिन अपनी कमियों के लिए वे स्वय

को ही दोष देते हैं।

उनमें आश्चर्यजनक आकर्षण शक्ति होती है। दूसरों को महान कार्य करने की प्रेरणा दे सकते हैं। इस राशि (16 अगस्त) में जन्मे नेपोलियन की भांति दूसरों के प्रति भाव को आकर्षित करते हैं और अत्यन्त कठिन परिस्थितिया में भी लोगों को अपने पीछे चलने को प्रेरित कर सकते हैं। ऐसे लोगों को हमेशा सक्रिय बने रहना चाहिए। यदि परिस्थितिवश जावन संघर्ष की सरगर्मी और हलचल से अलग हुए तो उदास और निराश हो जाते हैं।

सितम्बर

कन्या राशि 21 अगस्त से प्रारम्भ होती है। लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि सिंह के साथ इसका सधि काल चलता है इसलिए 28 अगस्त से ही यह पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 सितम्बर तक इसक पूरा प्रभाव रहता है। फिर सात दिन तक आगामी राशि तुला क साथ इसकी सधि के कारण इसका प्रभाव उत्तरोतर कम होता जाता है।

इस अवधि में अर्थात् 21 अगस्त से 20—28 सितम्बर तक पैदा हुए व्यक्ति आम तौर से जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। उनमें आश्चर्यजनक स्मरण शक्ति वाली बुद्धि होती है। अपने सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहते हैं और उनके प्रति अच्छे बुरे की समझ होती है। आम तौर से उन पर न हावी हुआ जा सकता है और न उन्हें धोखा दिया जा सकता है।

हर बात का गहराई से विश्लेषण और परख करते हैं। वह अच्छे आलोचक होते हैं आम तौर से इतने अधिक कि उन्हें भलाई या प्रसन्नता नही मिल पाती। बेमेल वस्तुओं पर उनका ध्यान बडी जल्दी जाता है। अपने घरों के बारे में उनकी उत्तम रुचि होती है।

आमतौर से किसी काम के प्रारम्भकर्ता नही होते हैं लेकिन जो योजनाए या काम उन्हें आकर्षित करते हैं अथवा जिन्हें दूसरे लोग पूरा करने में विफल रहत हैं उन्हें वे सफलतापूर्वक पूरा कर देते हैं। जिस लक्ष्य की आर उनका ध्यान जाता है पूरे दत्तचित्त होकर उसके लिए काम करते हैं और जब तक उसे प्राप्त नही कर लेते चैन से नही बैठते।

वह पद का बहुत अधिक सम्मान करते हैं। कानून तथा कानून के फैसले का उत्साह से समर्थन करते हैं। उत्तम वकील और वक्ता बन सकते हैं लेकिन

उनका झुकाव नए विचारों को जन्म देने के बजाय पूर्व दृष्टांतों का समर्थन करने की ओर अधिक रहता है। मेहनती स्वभाव इच्छा शक्ति और संकल्प के कारण वे वैज्ञानिक खोज और व्यापार में भी सफल होते हैं।

उनमें अपने तक और अपने विचारों तक सीमित रहने की प्रवृति होती है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए वे स्वार्थ से भी काम लेते दिखाई देते हैं। अन्य किसी वर्ग की अपेक्षा उनमें अच्छाई और बुराई की हद तक जाने की क्षमता अधिक होती है। यदि उनमें पैसे का मोह पैदा हो जाए तो उसे पाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। वे प्राय किसी भी काम के अनुरूप अपने को ढाल सकते हैं।

प्रेम के विषय में उन्हें समय पाना सबसे कठिन होता है। सबसे अच्छे सबसे बुरे स्त्री पुरुष वर्ष के इसी भाग में पैदा हुए हैं। प्रारम्भिक वर्षों में [illegible] सभी नेक और साफ दिल वाले होते हैं। लेकिन जब बदलते हैं तो पूरी [illegible] से बदलते हैं और इसके ठीक उल्टे बन जाते हैं। फिर भी [illegible] जन्मजात सम्मान भावना और अपनी स्वाभाविक कुशलता के [illegible] वर्ग के लोगों की अपेक्षा अपनी भावनाओं को छिपाने में [illegible] हैं। यदि स्वयं पर काबू नहीं हुआ तो उनमें प्राय मादक [illegible] सेवन की प्रवृति पैदा हो जाती है।

स्वास्थ्य के बारे में आमतौर से वे रोगों के [illegible] लेकिन उनमें एक विचित्र बात यह होती है—[illegible] स्वयं के पीड़ित होने की कल्पना करने लगते हैं।

होते हैं। भीड का साथ देने के बजाय वे एक अलोकप्रिय उद्देश्य की हिमायत करते हैं।

स्वभाव के उत्तम पारखी ज्ञाता भी होने के कारण आमतौर से अपनी पहली धारणा पर भरोसा कर सकते हैं लेकिन वे बाल की खाल निकालने वाले होते हैं और यदि इस प्रवृत्ति को ठीक से नियत्रण में नही रखेंगे तो बाद में रोगग्रसित हो जाएगे। इन लोगों के लिए पैसे की बहुत कीमत होती है।

साहित्य समीक्षक और कला समीक्षक के रूप में प्राय अत्यत कुशल रहते हैं। स्मरण शक्ति अच्छी होती है तेजी से पढ सकते हैं और उनका ध्यान कमजोरियों की ओर शीघ्र चला जाता है। कडी मेहनत दूरदर्शिता और असाधारण शुद्धता से वह प्राय सफलता प्राप्त कर लेते हैं हालाकि वर्षों तक वे छिप रहे आते हैं। देर सबेर उन्हें प्रमुखता मिलती है।

उनमें प्रेम का बहुत गहरा भाव होता है लेकिन भावुक या दिखावे वाला नही। एक बार प्रेम पैदा हो जाने पर वे बहुत वफादार रहते हैं।

अक्तूबर

तुला राशि 21 सितम्बर से प्रारम्भ होती है लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि कन्या के साथ इसका सधि काल चलन से यह 28 सितम्बर से ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 अक्तूबर तक इसका प्रभाव पूर्ण रहता है। फिर आगामी राशि वृश्चिक के साथ इसकी सधि प्रारम्भ हो जाने से सात दिन तक इसके प्रभाव उत्तरोतर कमी होती जाती है।

इस अवधि में अर्थात 21 सितम्बर से 20–27 अक्तूबर तक जन्म व्यक्तियों के चरित्र में भारी विविधता मिलती है लेकिन अपने सभी कामों में वे स्पष्टत मन से प्रभावित होते हैं। उनमें इतनी प्रबल तर्कभावना होती है कि प्राय अपने को भी उस पर कसने से नही चूकते। लेकिन एक बार अपना मार्ग चुन लेने पर हर मूल्य पर उस पर आगे बढते हैं।

उनके सामने जो भी तर्क आता है उसे अपने मन में अच्छी प्रकार तौलते हैं। उनका भाषा पर या तो पूरा अधिकार होता है या वे अपनी बात छोटे छोटे सशक्त वाक्यों में करते हैं लेकिन दोनों ही स्थिति में उनके लिए वा भारी महत्व होता है।

इस अवधि में जन्मे व्यक्ति प्राय सार्वजनिक जीवन में घुलते हैं, लेकिन आम तौर से इसे अपने लोगों की दशा सुधारने के लिए सतुलन ठीक करने की भावना से अपनाते हैं।

साधारण परिस्थितियों मे इनमें से अनेक लोग स्वभावत कानून के अध्ययन की ओर उन्मुख होते हैं। उनमें तर्क की आश्चर्यजनक समझ होती है। उनमें कानून बनाने या ऐसे विषयों पर लिखने की काफी प्रवृत्ति रहती है। अनेक लोग अपना जीवन किसी विशेष अध्ययन या शोध कार्य में लगा देते हैं। कुछ उत्तम वैज्ञानिक और डाक्टर बनते हैं और अपने क्षेत्र मे विशेष शाखा का अध्ययन करते हैं। वे कुछ भी करें आम तौर से बहुत अच्छी तरह करते हैं।

वे अपने वातावरण के प्रति असामान्य रूप से सवेदनशील होते हैं। यदि वह अनुकूल न हो तो शीघ्र उदास हो जाते हैं, उनका मन बुझ जाता है और वे अपने खोल में सिमिट जाते हैं।

आम तौर से शात स्वभाव के होते हैं। वे जन्म जात शाति दूत होते है, क्योंकि विवाद और झगडों के दृश्यों को पसद नही करते। साफ सुथरे हैं और अस्त व्यस्तता उन्हें नही सुहाती। अपने दिखावे और परिधान का काफी ध्यान रखते हैं किन्तु वस्त्रों का दिखावा नहीं करते।

उनका राशि का स्वामी शुक्र (सौम्य) है। शनि इस राशि में उच्च का और सूर्य नीच का। इस राशि में सूर्य की विशेष स्थिति उनकी जटिल प्रकृति समचित्तता की उनकी प्रबल समझ और उनके स्वभाव में आशावादिता तथा उदासी के मिश्रण के लिए जिम्मेदार है। अपना बहुरूपा प्रकृति के अनेक विचारों को वे अनेक प्रकार से अभिव्यक्ति करते हैं। उदात्त आदर्शवाद और उच्च नैतिक सिद्धात उनके चरित्र का आधार है। वे विचारों और कार्य में स्पष्ट और निर्णयात्मक होते हैं। अपनी आश्चर्यजनक स्वाभाविक अत प्रेरणा को समीक्षात्मक तर्क से दबाए रखने को उनमें प्रबल भावना होती है। निश्चित प्रमाण के बिना वे किसी बात को स्वीकार नहा करते।

प्रेम सम्बन्धों में य व्यक्ति बहुत दिखावा करने वाले नहीं होते बल्कि बाल की खाल निकालने वाले और उसके प्रयोजन को तौलने वाले होते हैं। वे भूल जाते हैं कि प्यार के पखों को इस तरह से नही देखा जाता। अत वे प्राय भ्रम और निराशा के शिकार होते हैं। आम तौर से तुला वाले व्यक्ति भारी

लोकप्रियता प्राप्त करते हैं ढेर सारे मित्र बना लेते है और साथ ही बहुत कुछ अपने तक सीमित रहते हैं।

उनके लिए धन का बहुत कम या नगण्य महत्व ह। शायद ही सट्टेबाजी या अविचारित उद्यम के चक्कर में फसते हों।

वे अच्छा वातावरण पसद करते हैं और उससे काफी प्रभावित भी होते हैं। अपने आस पास के लोगों के मनोवैज्ञानिक प्रभाव के प्रति वे अत्यत सवेदनशील रहते हैं। उनके स्वभाव का कलात्मक पक्ष बहुत प्रबल होता है। सगीत और कला के भारी शौकीन होते हैं। प्राय उनमें काफी दखल रखते है। अध्ययनशील खोजी और शोध प्रेमी होने से वे शिक्षा क्षेत्र म भी प्रमुखता प्राप्त करते हैं। स्वभावत वर्तमान में रहे आने के कारण उन्हें विगत के बधनों की कम और भविष्य की कल्पनाओं की और भी कम चिन्ता होती है। शुक्र और शनि के सहयोग के कारण वे प्रेम या कर्तव्य भावना से प्राय भारी त्याग करते हैं। आम जीवन में साधारणत उन पर किसी बुजुर्ग की छत्रच्छाया रहती है। ऐसा न हो तो पर वे कम आयु में ही विवाह कर लेते हैं। प्राय अपने पति या पत्नी या जन्मे उनकी महत्त्वाकाक्षाए पूरी होने में बाधा पहुचाते हैं।

नवम्बर

21 अक्तूबर से वृश्चिक राशि प्रारम्भ हो जाता है लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि तुला के साथ इसका सधि काल चलता है। अत 28 अक्तूबर तक यह पूर्ण प्रभाव में नही आ पाती। उसके बाद 20 नवम्बर तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि धनु के साथ सधिकाल प्रारम्भ हो जाने के कारण सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

वृश्चिक जल त्रिकोण का दूसरा भाग है यहा इसका स्वामी मगल (सौम्य) है। इस अवधि में अर्थात् 21 अक्तूबर से 20—28 नवम्बर तक जन्मे व्यक्ति या तो बहुत अच्छे होते हैं या बहुत बुरे। लगभग इक्कीस वर्ष की आयु तक वे अत्यत पवित्र हृदय और धर्मात्मा होते हैं। लेकिन यदि उनकी काम वासना जाग उठे तो प्राय वे इसकी उलटी दिशा में मुड जाते हैं। फिर भी कुछ अत्यत उदात्त मनुष्य इस राशि में पैदा हुए हैं लेकिन सभी अत्यत भावुक होते हैं जो उनकी प्रकृति के सभी रूपों की विशेषता है।

इस अवधि में पैदा हुए लोगों में असाधारण आत्मिक शक्ति होती है। वे

उत्तम डाक्टर, सर्जन, कथहर्ता उपदेशक और वक्ता बनते हैं। सार्वजनिक जीवन में श्रोताओं पर उनका भारी प्रभाव पडता है जिन्हें वे अपनी इच्छानुसार किसी भी दिशा में मोड सकते हैं। उनका भाषा पर अधिकार होता है बोलने और लिखने दोनों में, और अपनी वर्णन शैली में अत्यत नाटकीय होते हैं।

उनकी सबसे बडी कमजोरी यही है कि जिसके सम्पर्क में आते हैं, उसी जैसे बन जाते हैं। फलस्वरूप उन्हें प्राय दूसरों के दोषों के लिए भुगतना होता है।

यदि वे इस राशि के उच्च धरातल वाले हों तो मानवीय, अत्यत उदार और आत्म त्यागी होते हैं। सकट काल और आपात स्थिति में शांति और दृढ सकल्पी रहते हैं तथा उन पर पूरा भरोसा किया जा सकता है। व्यापार राजनीति साहित्य या जिस ओर भी दिमाग लगाए विचारो में अत्यत भौतिक होते हैं तथा आमतौर से सफल रहते हैं।

वे भाग्य की विचित्र प्रतिकूलता के भी शिकार होते हैं। प्राय गलत अफवाहें और कहानिया फैलाकर उन्हें बदनाम किया जाता है। जीवनसघर्ष में वे बहुत कुछ भाग्य की सतान होते हैं।

शरीर के बजाय वे बुद्धि से अधिक लडने वाले होते हैं। यदि युद्ध के लिए विवश हो ही जए, तो अच्छे सगठनकर्ता बनते हैं लेकिन आमतौर से वे रक्तपात से घृणा करते हैं।

कूटनीतिज्ञ या वार्ताकार के रूप में वे उत्तम कार्य करते हैं। दूसरे लोगों के झगडे निपटाने या शत्रुओं को एक स्थान पर लाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

बिच्छू की तरह डक भी मार सकते हैं लेकिन थोडा सा भी दुख प्रकट कर दने पर आम तौर से उनका क्रोध उतर जाता है वह तत्काल अपने शत्रुओं का क्षमा कर देते हैं लेकिन अच्छे गुणों की प्रधानता हो या बुरे गुणा की उनमें दुहरा जीवन जीने की प्रवृत्ति होती है एक दुनिया को दिखाने के लिए, दूसरा अपने लिए। निचल या अधिक भौतिक धरातल पर यह प्रवृत्ति अधिक विकसित होती है। ऐसी दशा में एक सुखी पारिवारिक जीवन बिताते भी देखे गए हैं और एक दूसरी गृहस्थी को भी पालते गए हैं। उच्च धरातल पर यह प्रवृति मानसिक जीवन को अधिक प्रभावित करती है। आम तौर से वे दो धधे अपनाते हैं और

दोनों में सफल होते है।

देर सवेर गुप्त विद्याओं में दिलचस्पी लने लगते हैं तथा शीघ्र अतर्ज्ञान की शक्ति पा लेते हैं और प्राय लेखक चित्रकार कवि और सगीतज्ञ के रूप म नाम कमाते हैं। वे स्वाभाविक दार्शनिक और प्रकृति के अध्यता हाते हैं। दूसरों के चरित्र को बहुत अच्छी तरह से देख पढ भी सकते हैं।

जो उन्हें जानते है वे आमतौर से प्यार और सराहना करत हैं लेकिन शायद ही कुछ लोग कभी न कभी बदनामी या घोटालों के शिकार होने स बच पाते हों।

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्तियों की आय के आमतौर से दो साधन होते हैं। प्रारम्भिक वर्षों में उन्हें काफी परेशानियाँ और कठिनाइयों का सामना करना होता है। प्राय एकातवास भी करना होता है लेकिन एसी परीक्षाओं से उनकी इच्छा शक्ति और महत्वाकाक्षा बढती ही है तथा देर सवेर सफलता आर यश मिलता है।

जिस धधे या व्यवसाय में लगे होते हैं उसी में कठोर परिश्रम करते हैं। कोई कोर कसर नही छोडत। उनकी इच्छा शक्ति और सकल्प उन्हें काम करते रहने को प्रेरित करते रहते हैं। उनमें खोज की अच्छी योग्यता हाती है आर अपन काम में उपाय कुशल होते हैं।

वे अच्छे सरकारी कर्मचारी बनते हैं। विशषकर उन्हें कूटनीतिक स्थितियों से निपटने और गुप्त मिशन पूरे करने का वरदान मिला होता है। वे प्राय सफल और अपराधों का पता लगाने वाले पुलिस अधिकारी भी बनते हैं।

दिसम्बर

धनु राशि 21 नवम्बर से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि वृश्चिक के साथ इसका सधिकाल चलता है जिससे यह 28 नवम्बर को ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 दिसम्बर तक इसका पूरा प्रभाव रहता है। उसके बाद आगामी राशि मकर के साथ सधि काल प्रारम्भ हो जाने स सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

इस अवधि में अर्थात् 21 नवम्बर से 20–27 दिसम्बर तक पैदा होन वाले व्यक्तियों में इस राशि के प्रतीक धनुर्धारी के गुण मिलत हैं। व अपने काम में सीधा लक्ष्यवेध करते हैं। वे स्पष्ट बोलने वाल और मुहफट हाते हैं जिससे

प्राय जानी दुश्मन पाल लेते हैं। वे अपना सारा ध्यान उस क्षण कर रहे काम पर केन्द्रित रखते ह और जब तक पूरे प्रयास कर थक नही जाते किसी दूसरी ओर ध्यान भी नही करते हैं।

उनक मस्तिष्क में इतनी शीघ्रता से विचार कौंधते हैं कि व प्राय दूसरों के वातालाप में बीच में टपक पडते हैं और धीरे या रुककर बालने वालों क प्रति अधीरता प्रकट करते हैं।

एकदम सत्यवादी होने स वे दूसरों को ठगने के प्रयासों का भडाफोड कर दते हैं। भल ही उनका यह कार्य अपने हितों के विरुद्ध हो। वे अपने काम में तब तक विश्राम नही लेते जब तक थककर चूरचूर नही हो जाते अथवा काम करत हुए मृत्यु को प्राप्त नही हो जाते है।

व्यापार या अन्य किसी कार्य में वे भारी उद्यमी होते है लेकिन अपने को कभी एक ढग के काम से बँधा महसूस नही करते। अत वे तेजी से अपने विचार बदलते रहते हैं। राजनीतिज्ञ के रूप में वे अपनी नीतियों में अनेक बार परिवर्तन करेंगे। धर्म प्रचारक के रूप में वे धर्म के बारे में प्राय अपने विचार बदल सकते हैं। वैज्ञानिक प्राय अपना धधा छोडकर किसी उद्योग को अपना सकते हैं।

उनमें अति तक जाने की प्रवृत्ति होती है। तत्काल निर्णय ले लेते हैं जिसके लिए बाद म पछता भी सकते हैं, लेकिन अभिमानी इतने होते हैं कि अपनी गलतियों को स्वीकार नही करते।

अधिकार से प्रेम उनका उनका प्रमुख गुण होता है। यदि वे महसूस करें कि अपना लक्ष्य प्राप्त नही कर सकते, तो बीच में ही रूक जाते हैं। अपनी को तिलाजलि दे एकदम नया काम शुरू कर देते हैं अथवा फिर जीवन भर कुछ नही करते।

इस राशि क नर नारी प्राय भावुकता के क्षण में विवाह करते हैं और फिर बाद में पछताते हैं लेकिन अभिमान के कारण अपनी गलती स्वीकार नही करते और लोग प्राय उनके वैवाहिक सुख को एक आदर्श समझ बैठते हैं।

वे कानून और व्यवस्था के पक्के समर्थक होते हैं। पूजा स्थलों पर नियमित रूप स जाते हैं। दूसरों के लाभ के लिए अपना उदाहरण प्रस्तुत करने के विचार स अधिक, स्वय धार्मिक वृत्ति के होने के कारण कम। वे प्राय भारी लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। जिन आदर्श बन जाते हैं और उन पर यश तथा पद

थोप दिए जाते हैं।

इस राशि में महिलाए पुरुषों से अधिक उदात्त होती हैं। अपने पति और ब ा ा की सफलता के लिए जितना कर सकती हैं, करती हैं ओर आत्म त्याग को भी तैयार रहती हैं। घर से उन्हें गहरा प्रेम होता है तथा विवाह सुखी न होने पर भी व इस घाटे के सौदे से अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करन का प्रयास भी करत हैं। सम्मान और कर्तव्य के प्रति ऊची समझ होती है। जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण बहुत स्वतत्र होता है।

इस अवधि में जन्मे लोग स्नायुओं के रोगों से भी पीडित हो सकते हैं। आयु बढने पर वे टागों के दर्द से परेशान हो सकतो हैं। यदि महीने के उत्तरार्ध में पैदा हुए हों तो पावों के दर्द पक्षाघात के भी शिकार हो सकते हैं। नाक का रोग भी हो सकता है।

जन्म काल पर धनु में सूर्य की स्थिति से स्वभाव पर गुरु का जो प्रभाव पडता है यह प्रवृत्ति को कुछ दुरगी बनाता है। ये लोग एक पल में सवेदनशील दूसरों के बहकाने में आने वाल शान्त हो सकते हैं दूसरे ही क्षण वे विश्वास से पूर्ण आवेशी और दुस्साहसी हो सकते हैं।

सत्य शाति औ ‍ न्याय के पथधर होने के कारण उनका सच्चा धधा पीडितों की सेवा है। सताए हुए और दबाए हुए लोगों के साथ उनकी प्रबल सहानुभूति होती है। कभी न कभी वे किसी मानवीय या सुधार कार्य में अपना झडा गाडते हैं। उनमें परिहास की समझ होती है और तर्क करना पसद करते हैं। वस्तुत मित्रों में वाद विवाद की असाधारण कुशलता के लिए जाने जाते हैं।

मूक प्रश्न

मूक प्रश्न एक प्रकार से दूसरों के विचारों को जानना है। इसके लिए आपकी अपनी मानसिक व आत्मिक शक्ति का भी प्रबल होना आवश्यक है।

जब कोई आपसे प्रश्न करे और कहे कि आप ही बताइये कि मैं क्या पूछना चाहता हू तो उससे एक कागज पर नो अकों की एक सख्या लिखवाए। शास्त्रों में यह कहा गया है कि जिनका ज्योतिप पर विश्वास नही है जो इसका या ज्योतिपी का मखौल उडाने या परीक्षा लेने के लिये आये हैं या जहा भीड भाड और शोर शराबा हो रहा है वहा भविष्य कथन नही करना चाहिए। फिर भी मूक प्रश्न बताने का कभी अवसर पड ही जाय तो प्रश्नकर्ता से कहिए कि वह विना रुके एक साथ 9 की सख्या लिख दे यानो जो उसके मन से स्वत ही निकलती आय सोच सोच कर या रुककर नहा। मान लो उसने निम्न सख्या लिखी—

985627143

इसका जोड हुआ 45

इसमे 3 जोड दीजिए— 3 (सदैव 3 ही जोडे जाते हैं)

48

अगर कोई 9 बार 000000000 लिख दे तो 3 जोडकर भी 3, आएगा और सबसे वडी सख्या तब बनेगी जब 9 बार 9 ही लिखा जाएगा यथा

999999999 बराबर 81। तो नीचे 3 से लेकर 84 तक अंकों की संख्याओं के फल दिए जा रहे हैं। अगर किसी को लिखना न आता हो तो 81 तक की कोई संख्या जो उसके मन में पहले आए तुरन्त बता दे। उसमें 3 जोड़कर फल देखें। अधिक बातें लिखी मिलेंगी। ऐसी हालत में आप अपनी सहज बुद्धि से निर्णय करिए कि उन दो तीन बातों में कौन सी उस प्रश्नकर्ता के लिए उपयुक्त हो सकती हैं कौन सी नहीं।

यह भी हो सकता है कि निकाले हुए अंक के सामने जो बातें लिखी हों उनमें से कोई बात जचती नजर न आये। जैसे कोई वृद्ध पुरुष प्रश्न कर रहा है और उत्तर विवाह या पुत्र सम्बन्धी आता है तो यह हो सकता है कि यह बातें अपने पुत्र या पुत्री के लिए पूछने आया हो। इस कारण प्रश्नकर्ता की स्थिति आयु को देखकर ही निर्णय करना चाहिए। यदि फिर भी आपका उत्तर ठीक न हो और प्रश्नकर्ता का संतोष न हो तो उससे 81 तक की कोई संख्या एकदम से बोलने के लिए कहो जो संख्या उसके दिमाग में पहले आए वह बोल दे। जो लोग अक्सर सोचते रहते हैं और मन में ऊहापोह करते रहते हैं कि यह संख्या बोलें या वह संख्या बोलें इसलिए आप उनसे कह दीजिये कि जिस संख्या की इच्छा आपके मन में सबसे पहले हो उसे ही तुरन्त बोल दें।

सेफेरियल एक प्रसिद्ध अंग्रेज अंक विद्या विशारद हो गया है और उसकी पुस्तक कबाला आफ नम्बर्स के दसवें अध्याय का शीर्षक है—अंक विद्या के मूक प्रश्न—हिन्दू शास्त्रानुसार उसी पाठ में उसी के आधार पर मूक प्रश्न बनाना बताया जाता है। जो अनुभव से भी काफी ठीक निकलता है। शर्त यही है कि मन में जो संख्या पहले आये वही लिखी या बताई जाय। जिस हिन्दू शास्त्र के आधार पर सेफेरियल ने यह प्रकरण लिखा है वह भारत में उपलब्ध नहीं है। हो सकता है कहीं हस्तलिखित रूप में पड़ा हो। अब नीचे 3 से लेकर 84 तक की संख्याओं के उत्तर या फल दे रहे हैं।

3 आप अपने बारे में सोच रहे हैं किसी बीमारी रोग बुखार क्रोध या झगड़े के बारे में।

4 आप किसी घरेलू विषय पर सोच रहे हैं परिवार के बारे में प्रेम आनन्द मौज मजा करने या किसी ऐसे विषय के सम्बन्ध में जिसका हृदय से दिल से घनिष्ठ नाता है।

5 विवाद के विषय में किसी इकरारनामे या साझेदारी के विषय में शान्ति एकता और मेल मिलाप के बारे में मन की शान्ति या औरों से सुलह के बारे में।

6 किसी समाचार या खबर के विषय म यात्रा भाई सचार के साधन डाक से आने जाने वाली वस्तु या तत्सम्बन्धी वस्तुओ के विषय म सोच रहे हैं।

7 मकान जमीन जमीन के नीचे की भूमिगत वस्तु के विषय में समुद्र अपार जलराशि सागर के विषय म या परिवर्तन या स्थानान्तरण के विषय में सोच रहे हैं।

8 प्राचीनता पुरानी वस्तुए विदेश या विदेशी वस्तुए के बारे में पूर्व दिशा या प्राचीन भारतीय सभ्यता के बारे म सोच रहे हैं।

9 किसी मृत्यु या घाटे हानि नुकसान के बारे म या कोई गलत इकरारनामा हो गया है और कैसे ठीक हो यह सोच रहे हैं।

10 कोई दुर्भाग्यपूर्ण कष्टदायक मित्रता समझौता या सम्बन्ध हो गया है कोई ऐसा इकरारनामा जिससे हानि की सम्भावना है, हो गया है या झगडा हो गया है।

11 किसी खान जमीन जायदाद मकान सम्पत्ति के मूल्य निर्धारण के बारे में।

12 खुशनुमा वातावरण कोई जलसा उत्सव आराम फरमायश की चीजें उत्तम वस्त्र या इस प्रकार की किसी पार्टी में सम्मिलित होने के विषय में।

13 रुपये पैसे के बारे में तत्काल धन लाभ के बारे में या सट्टा लॉटरी के बारे में।

14 किसी स्त्री के विषय म जैसे पुत्र बहिन मौसी चाची ताई मामी दादी नानी आदि के बारे में। किसी छोटी यात्रा के बारे में नदी पार या समुद्र पार किसी दूर देश से आने वाले सवाद के विषय में।

15 किसी मृत्यु या अन्य दुखदायी समाचार के विषय में या किसी अन्य दुखदयी कष्टप्रद समाचार के बारे में या किसी घाटा या नुकसान या दुर्भाग्य के बारे में।

16 किसी अच्छे शुभ समाचार के विषय में किसी लाभप्रद सपर्क किसी अच्छे सुखदायक इकरारनामे समझौते या बातचीत के विषय में।

17 किसी रोग तकलीफ के बारे में नौकर के बारे में या पास की किसी

चीज के बारे में।

18 किसी हर्षदायक यात्रा के बारे में, प्रेम हर्ष, इच्छित सदेश प्राप्ति सुवर्ण भ्राता या कुटुम्ब से सम्बन्धि किसी बात के बारे में।

19 किसी काम में रुकावट एकान्तवास अस्पताल या नर्सिंक होम में निवास जेल, सजा या किसी बच्चे क बारे में।

20 किसी यात्रा या पत्र के बारे में किसी पत्र व्यवहार के बार में किसी वस्तु के लाने ले जाने के विषय में या रास्ते से सम्बन्धित प्रश्न है।

21 आर्थिक लाभ के विषय में लाभ रुपया पैसा अपने पास की कब्जे में हाने वाली वस्तुओं के बारे में चादी की चाज या सफेद वस्तु के बि ए में।

22 किसी ऐसे विवाह सम्बन्ध के बारे में जो इच्छा क प्रतिकूल हो रहा है या जिसके बुरे परिणाम निकलने की आशका हो किसी बीमार साझीदार पति या पत्नी के बारे में किसी शत्रु या प्रतिद्वन्द्वी के बारे में या कठिनाइयों के बारे में।

23 अच्छी सम्पन्न स्थिति रहने के बारे मे अच्छे कपडे उत्तम भोजन स्वामिभक्त नौकरों के बार में अच्छे पद, आराम और उत्तम स्वास्थ्य के बार में।

24 किसी डावाडोल स्थिति के बारे में किसी कौटुम्बिक कलह के बारे में किसी ऐसे नये काम या आयोजन के बार में जिसमें कठिनाइयां या बाधाए उपस्थिति हो रही हों।

25 अत्यधिक लाभ प्रचुर सम्पति सुवर्ण धन दौलत के बारे में सूय या अन्य किसी चमकीली चीज के बारे में।

26 किसी वस्तु पर शान्तिपूर्वक अधिकार प्राप्त करने के बार में अच्छी जायदाद मकान बुनियाद समतल भूमि प्लाट आदि के बारे में।

27 किसी बन्द कमरा या जगह के बारे में नाव द्वारा छोटी जल यात्रा क बारे में भाई या किसी अन्य निकट सम्बन्धी के बारे में किसी पत्र के विषय में या पत्र लाने के विषय में।

28 अपनी कल्पना के बारे में सफद कपडा प्यालानुमा चीज या चादी की चीज में नये चन्द्रमा के बारे में।

29 अस्वास्थ्य खराब तन्दुरुस्ती के बारे में, गरीबी तथा कठिनाइयों के परिस्थिति के बार में रक्त विकार बीमारी या सघर्षमय जीवन के बारे में।

30 बच्चों की प्रसन्नता सम्बन्धी आनन्दायक अनुभव, अच्छे दहेज या

विराम्न में धन प्राप्ति क बारे में किसी मेल मिलाप या सघ के विषय में।

31 जमीन के नाचे भूगर्भ में स्थित वस्तु के विषय में मकान में स्थित सर्प बिच्छू या अन्य जानवर के बारे म विदेश के बारे में।

32 किसी बादशाह राजा या सरकार के बारे में, सोने (स्वर्ण) या अन्य अच्छी जगह धन लगाने के बारे म अपने स्वय के व्यक्तित्व चरित्र व कार्य सम्बन्धी।

33 किसी हर्षदायक समाचार के बारे में अच्छे पद या स्थिति के बारे म या किसी अन्य विशिष्ट उपलब्धि के बारे में या किसी भाई के बारे में।

34 आर्थिक लाभ से सम्बन्धित, भोजन अन्न या रोजमर्रा की जरूरत की चीजों से सम्बन्धित इनके ग्रहण करने के बारे में या किसी शारीरिक भौतिक लाभ के बारे म।

35 किसी स्त्री के विषय में किसी बालक के जन्म की बाबत सतान लड़का होगा या लडकी कोई गुप्त योजना कार्यवाही या षडयत्र के बारे में जिसकी जानकारी प्रश्नकर्ता को नही है। अपनी किसी गुप्त बात या एकान्तवास के बार म।

36 सट्टे या रोजगार में हानि के बारे में बीमार बच्चे के बारे में दुखदायक घरेलू स्थिति के बारे म।

37 किसी ऐसे इकरारनामे के बारे में जिसका परिणाम अच्छा न हुआ हो। किसी विवाह के बारे म जिसका परिणाम अच्छा न हुआ हो सुखी वैवाहिक जीवन न रहा हो, किसी मकान जायदाद शादी के बारे में।

38 बुखार मलेरिया मोतीझिरा से शारीरिक कष्ट या मृत्यु के बारे में पास के किसी तालाब या जलाशय के बारे में।

39 किसी बन्द जगह या मन्दिर के बारे म राजभवन सिनमा या किसी चमकील जगमगाते भवन के बारे में या बाहर जाने के बारे में।

40 बहुमूल्य वस्तुओं जवाहरात जेवर पहिनने के वस्त्रों के बारे में।

41 अपने स्वय के बारे में या अपनी पोशाक, भोजन स्थिति नेकनामी बदनामी प्रतिष्ठा के बारे में।

42 किसी मित्र या उच्च पद की आकर्षक महिला के विषय में किसी उच्च पदाधिकारी की कृपा प्राप्ति के बारे से विशाल जनसमूह, मेला या सभा के

बारे में।

43 मारूसी जायदाद, पैतृक सम्पत्ति के बारे में पुरानी इमारत श्मशान खान शनिज पदार्थों या किसी वृद्ध पुरुष के सम्बन्ध में।

44 भाई के विषय में स्वास्थ्य आराम की वस्तुओं के शौकीनी के बारे में धार्मिक ग्रन्था शास्त्र सम्बन्धी विषयों के बारे में समुद्रपार या दूर से आने वाल पत्र के सम्बन्ध में।

45 विवाह सम्बन्ध या लाभ हानि सम्बन्धी धोखाधडी, पक्षपात असमानता अन्याय या किसी कम मूल्य की वस्तु के बारे में।

46 किसी मित्र या उच्च पदाधिकारी के बारे में सोने की वस्तु अगूठी जवाहरात या किसी बहुमूल्य वस्तु के बारे में।

47 स्वय के बारे में न्याय, इन्साफ, मुकदमे के बारे में नाप तौल आराम शान्ति या मृत्यु के बारे में।

48 पोशाक, गृह, श्रृगारगृह या भवन के किसी अन्दरूनी हिस्से के बारे में किसी छिपे हुए या भागे हुए नौकर के बारे में किसी महिला के स्वास्थ्य के बारे में या दूर से आन वाले सवाद के बारे में।

49 पद परिवर्तन या स्थान परिवर्तन के बारे मं अपनी माता या किसी विशिष्ट वस्तु के बारे में, किसी रानी या उच्च पदस्थ महिला के बारे में।

50 किसी कष्टदायक यात्रा में कष्ट में पडी हुई किसी महिला के बारे म कर्तव्य की पुकार, बुलाहट या किसी दुखद समाचार के बारे में।

51 प्रचुर आर्थिक लाभ के बारे में किसी शर्त सट्टा लाटरी या किसी रोजगार के बारे में बच्चों के बारे में।

52 शारीरिक रोग या मृत्यु सम्बन्धी खोई हुई छिपी हुई वस्तु की बाबत नौकर गरम भोजन, डाक्टर वैद्य लाल कपड़ा यमराज तन्त्र विद्या योग विद्या के बारे में

53 किसी उच्च पद नौकरी के बारे में राजा या उच्च पदाधिकारी मृत सिर या खोये हुए सोने के बारे में।

54 साघातिक रोग के बारे में कष्ट में पडी किसी महिला के बारे में पत्नी कन्या आदि के बारे में। किसी वायदे इकरारनामे या चारदीवारी के बारे में।

55 मृत्यु के विषय में किसी खोये हुए कागज दस्तावेज या गलत जगह

पहुचे हुए सदेश के बारे में किसी नई उम्र की लडकी जन समूह या मित्र के बार म।

56 समुद्र पार विदेश सम्बन्धी समुद्र यात्रा क बार में धार्मिक सम्मेलन प्रकाशन जहाज भूत या शक्ति के विषय म।

57 किसी खजाने भडार या प्राप्त धनराशि के विषय म किसी विरासत पेंशन या किसी पुरुष सम्बन्धी के बारे में।

58 वकील जज गुर, पुरोहित शास्त्र वद ब्राह्मण व्यक्तिगत जायदाद व्यक्तिगत प्रभाव या व्यक्तिगत प्राप्ति के बार म।

59 मृत्यु ग्रह अस्पताल रोगी का कमरा बच्चा घर में जलती हुई अग्नि साहसिक कार्य या उद्योग सम्बन्धी प्रश्न।

60 किसा पारसी अग्निपूजक हवनकर्त्ता क विषय म धार्मिक सस्कार विदशी राजा ऋषि, समाधि अवस्था ब्रह्म आकाश स्थित सूर्य ईश्वर या काल (समय) सम्बन्धी।

61 भोजन या खाद्य विषयक व्यापार उत्तम वस्त्र पुरुष मित्र व्यापार स्थान या बाजार नौकर या वैष्णव ब्राह्मण सम्बन्धी प्रश्न।

62 किसी लेख या इकरारनामे के सम्बन्ध म किसी वायदे मुहावरे की बाबत कानूनी कार्यवाही क बारे में, पद मिल्कियत या पिता सम्बन्धी प्रश्न।

63 मृत स्त्री से सम्बन्धित खोई हुई जायदाद या वस्तु के बारे में कफन का वस्त्र स्त्री का दहेज, स्त्री धन या स्नान सम्बन्धी प्रश्न।

64 अपने पद व स्थिति के बारे में प्राप्त जायदाद विरासत वृद्ध मनुष्य सौदा या विनिमय वस्तुओं की अदला बदली, समय की अवधि सम्बन्धी प्रश्न।

65 छोटी यात्रा व उसमे लौट आने का प्रश्न जाना और आना आवागमन पैदल यात्रा बन्द कमरा, सुखद कमरे में रहना बहिन या मन्त्र या गुप्त मन्त्रणा के बारे म।

66 श्मशान पर्वतीय स्थल या स्थान खनिज पदार्थ वैद्य मित्र जलता हुआ घर सूखी भूमि या रेत सम्बन्धी प्रश्न।

67 मृत राजा, खोया हुआ सोना स्त्री का दहेज करधनी अथवा बीमार बच्चे के बारे में।

68 छोटी कम उम्र की कन्या के बारे में कुटुम्ब सम्बन्धी विश्वास योग्य

पद या जमानत सम्बन्धी प्रश्न।

69 वस्त्र नौका जहाज सौदागरी का सामान भोजन की वस्तुए व्यापार वेदाग विज्ञान की वस्तु क सम्बन्ध में।

70 पत्नी के बारे में इकरारनामा जनता के एकत्र होने क स्थान क बारे में, पूर्ण चन्द्र पूर्णमासी सम्बन्धी प्रश्न।

71 जलपात्र कुम्भ घडा विषयक प्रश्न किसी पुरान परिचित स्थान या मित्र के बारे म अन्य लोगों से अपन सम्पर्क के बारे म।

72 धन के बारे में किसी रईस मित्र ब्राह्मण धार्मिक सम्मेलन खडाऊ या किसी एसी वस्तु क बारे में जो कि जोडे वाली होती हो, जैसे जूता कैंची चप्पल पायजामा आदि के बार मं।

73 भाई पद किसी शासक की मृत्यु शीघ्र यात्रा क्रोधयुक्त सदेश सम्मान प्रतिष्ठा उत्तराधिकार अथवा लखन सम्बन्धी।

74 चमकते हुए सूर्य क विषय म गर्विता पत्नी, शक्ति सम्पन्न शत्रु आखेट शिकार नत्र ज्योति या किसी चमकीले पदार्थ के बारे मे।

75 खुशनुमा जगह सम्पन्न जमादारी मोक्ष, दफाना गडा धन मवेशी पशुआ के बारे म।

76 पुत्र विद्या स्थान, पाठशाला स्कूल नव परिणीता वधू, नई बहू या ब्रह्मचारी कुमार/कुमारी सम्बन्धी प्रश्न।

77 धोती साफा पगडी नौकरानी औषधि जल या पीने पिलाने के बारे में।

78 किसी वृद्ध मित्र सस्था प्राचीन सम्बन्धी क बारे में अस्पताल या [illegible] कारागार या बन्धन म पडे व्यक्ति के बार में।

79 अपने बारे में वृद्धि और समृद्धि सम्बन्धी प्रश्न पद शक्ति चरण खडाऊ उन्नति और सुख किसी वस्तु की अन्तिम [illegible] सम्बन्धी जज वकील या समझ बुद्धि व ज्ञान के बारे में।

80 लाभ हानि की आशका अग्नि से हानि विदेश की भूमि दूर दश में मृत्यु समुद्र यात्रा सम्बन्धी प्रश्न।

81 किसी धनवान सम्बन्धी क विषय में उत्तम वस्त्र सोने के आभूषण व्यक्तिगत स्वास्थ्य पक फलों क सम्बन्ध में।

82 शान्तिपूर्ण अन्तिम समय बहुमूल्य दहेज हर्षदायक समाचार हाथी की सवारी लाभ के लिए कोई यात्रा या बहिन के सम्बन्ध में।

83 व्यापार सम्बन्धी सन्धि या इकरारनामा सम्बन्धी जायदाद को ठेका या किराये पर देने के बारे में, रास्ता या फाटक नई बहू या सगाई के सम्बन्ध में।

84 कन्या के विषय में तालाब या स्नान स्थान जन महोत्सव इष्टदेवी, छुट्टी साफ कपडा या प्रिय मित्र के बारे में।

सिफारियल ने भारतीय ज्योतिष का गहन अध्ययन किया था। उसने अक ज्योतिष के द्वारा चोरी या चोरी गई वस्तु का भी ज्ञान प्राप्त करने की विधि बतायी है। प्राचीन भारतीय सिद्धान्तों पर आधारित उसने अपना गणित बनाया है।

सिफारियल ने अपनी इस पुस्तक में जिसका नाम कबाला आफ नम्बर्स है मन्त्र ईश्वर ऋषि, समाधि ब्रह्म वैष्णव गुरु पुरोहित यम वेद शास्त्र वेदाग मोक्ष, कुम्भ, ब्रह्मचारी आदि संस्कृत भाषा के शब्दों का भी प्रयोग किया है और लिखा है कि अक विद्या भारतवर्ष में बहुत प्राचीन काल से अध्ययन की जाती रही है।

सिफारियल ने इसी पुस्तक में भारतीय प्राचीन शास्त्रों के अनुसार ही खोई हुई वस्तुओं का पता बताने की रीति का उल्लेख किया है, अपने अनुभव से इस प्रक्रिया का सही बताया है। अपने अनुभव में भी यह सिद्धात ठीक पता बताता है। इसकी रीति यही है कि उपर्युक्त प्रकार से जो सख्या आती यदि मूक प्रश्न खोई हुई वस्तु के बारे में है तो उसी सख्या को ले लो, नही तो उसी प्रकार अक 9 अकों की एक सख्या प्रश्नकर्त्ता से लिखवा लो और उसके जोडे में 3 मिलाकर अन्तिम सख्या बना लो तथा नीचे लिखे फल के अनुसार उत्तर देखो—

1 घर से दूर भूल आए हैं। नही मिलेगी।

2 किसी को देकर स भूल गए है। प्रतीक्षा करें।

3 रास्ते मे गैलरी या गलियारे में कागजों के बीच में।

4 तुम्हारे ही कब्जे में है। वस्तु खोई नही है।

5 वस्तु थोडी सी खोज व परिश्रम स मिल जायेगी। टोपी साफा पगडी हैट के नीचे देखो।

6 जहा चप्पल जूते आदि रखे जाते हो वहा किसी आले सोफे रैक आलमारी में देखो।

39 चीज खोई नही है किसी अलमारी टाड या खाने में उठाकर रख दी है।

40 पहनने के कपडों धोती, कुरता पाजामा आदि में खोजने से मिल जायेगी। पगडी साफा तहमद तौलिया आदि को अच्छी तरह देख लीजिये।

41 घर में जहा आपकी पत्नी/पति के जूते रखे जाते हैं वहा पर खोजा।

42 रसोइया या बावर्ची के घर में, रसोई/किचिन में पानी के बरतन या घडे के पास देखो।

43 गौशाला अस्तबल या गैराज में, उसके सामने के मैदान में मिलेगी। दूर नही है।

44 तेल के बर्तन तेल से जलने वाले दिये लालटेन, आदि में देखो। वस्तु गदी हालत में मिलेगी। उसे साफ करना पडेगा।

45 समझो मिल ही गई। अलमारी पर हाथ रखो और ले लो। जल्दी ही प्राप्त होगी।

46 तुम्हारे साझीदार मित्र या पत्नी के पास में सही सलामत रखी हुई है।

47 दो नौकर साथ साथ काम कर रहे हैं उनसे पूछो जिसके पैर अस्थिर हैं हिल रहे हैं वह पता बतायेगा।

48 पीने का पानी जहा रखा जाता है, वहा मिलेगी।

49 शायद हमेशा के लिए खो गई मिली भी तो बुरी तरह क्षत विक्षत हालत में मिलेगी।

50 खोई नही है। दो भागों वाले किसी पात्र में या बक्से में मिलेगी।

51 धार्मिक कृत्य से पूर्व स्नान स्थल पवित्र नदी सरावर जलाशय स्नानागर बाथरूम स या उसके आसपास में मिलेगी।

52 तुम्हारे साझेदार या पति/पत्नी से पता करने पर मिलेगी या घर की मुखिया से या उसके नजदीकी रिश्तेदारों में कुछ आपकी सहायता पता लगाने में, बताने में कर सकते हैं।

53 खोई वस्तु एक हाथ से दूसरे हाथ में पहुच चुकी है।

54 घर के लोगों के परिवार के बीच में ही किसी के पास है। बच्चों की चीजों में तुरन्त तलाश करे।

55 मकान की दीवार या चारदीवारी के पास बरसात का पानी निकालने वाली नाली मोरी या पाइप के पास देखो या पानी के पास जहा पानी है उसके पास मिलेगी।

56 थोडी दूर पर ही जहा आप अब से पहले ठहरे थे वहा मिलगी। जाकर खोज लो।

57 तुम्हारे ही पास है। किसी थैल में,जेबों में औजार यन्त्र या छडी रखने के स्थान के साथ देखो।

58 दो व्यक्तियों क कब्जे में है और कठिनाई से ही प्राप्त हो सकेगी। वह खर्च हो चुकी है,प्रयोग में ली जा चुकी है। व्यवहार मे ली जा चुकी है बरत ली गई है।

69 पुराने या वृद्ध नौकर के पास है। रोटी, आटे केक या ऐसी ही किसी वस्तु क अन्दर मिलेगी या नौकर ने जहा छिपा दी हो।

60 मिलने की कोई आशा नही है।

61 घर के नीचे के भाग में, जूते चप्पल, मोजे, पाजामा, पानी छिडकने की नाली के पास देखो।

62 हाथ से गई, नही मिलेगी।

63 तुम्हारे ही पास है। पुरानी अधेरी जगह में पुराने काठ कबाड में पडी है।

64 तुम्हारे ही कब्ज में है। इधर उधर रखकर भूल गए हो। अधेरे कोनों में और ऊचे स्थानों में टाड वगैरा पर देखो। कुछ समय बाद मिल जायेगी।

65 तुम्हारे पास से चली गई है और यदि मिली भी तो किसी दूसरे आदमी की मदद से मिलेगी।

66 नौकरों के षडयन्त्र स ली गई। मिलना कठिन है। जिसके हाथों म दोष है,जिस नौकर के हाथों में कोई रोग अगहीनता है उमसे तहकीकात करो।

67 किसी नवयुवक या बच्चे की सहायता से मिलेगी।

68 घर की छत पर या ऊपर के भाग में है। नौकर के द्वारा प्राप्त होगी।

69 जहा आप चीज के खोने का पता लगने पर या उससे पहले ठहरे थे या खडे हुए थे वही पर थोडी दूर पर ही किसी सम्बन्धी के द्वार के पास या प्याले के पास देखो।

70 जहा पानी रखा जाता है वही आसपास देखन से मिल जाएगी।

71 जहा खोई है वही खडे होकर आसपास ही देखो दिखाई दे जाएगी। पैरों के पास ही है।

72 पानी के घडे सुराही जग आदि के पास तुम्हारे ही अधिकार में है।

73 पुलिस की तहकीकात के बाद मिल जाएगी।

74 आपका वफादार नौकर उसका पता लगा देगा।

75 नवयुवकों या बालकों के हाथ में पड गई है। क्षत विक्षत हालत में टूटी फूटी ही मिलेगी।

76 घर में ही है जहा मसाले आटा आदि रखा जाता है रसोई भडारगृह में देखो।

77 कुछ दूरी पर है। कोई नौकर उसे लेकर आपके पास आएगा।

78 कुछ दूर पर गाय बैलों के पास में है। मिलने की आशा नही है नष्ट हो चुकी है।

79 तुम्हारे घर में अधिकार क्षेत्र में लोहे या स्टील के पात्रों में है।

80 तुम्हारे कब्जे में दो खानों वाले किसी बक्स डिब्बे केस जूते, मोजे आदि में देखो।

81 पहनने ओढने के कपडों में देखो मिल जाएगी।

82 रसोई में खाना खाने के स्थान पर देखो खानसामा रसोइए से भी पूछो निगाह रखो।

83 कुमारी कन्या या कोई नवयुवती पता लगाकर देगी किसी तालाब या पानी से भरे गढे के पास में है।

84 घर में है किसी बक्स सन्दूक केस या डिब्बे में या दो भागों वाले पात्र टिफिन कैरियर आदि में है।

यदि किसी सज्जन ने मूक प्रश्न किया है तो उनके प्रश्न को निरन्तर अपने ध्यान में रखते हुए 9 अकों की सख्या लिखाओ। यदि उत्तर ठीक मिलता है और मूक प्रश्न आप ठीक बता देते हैं तो फिर उत्तर देने की सोचो नही तो फिर सख्या लिखवाओ या 81 तक की सख्या ही बुलवा लो। यदि कोई सज्जन खोई वस्तु का प्रश्न लेकर आए हैं तो उनसे भी प्रश्न विषय को मन में ध्यान में रखत हुए उन ही से ही 9 अकों की सख्या लिखवा कर या अक बुलवाकर उत्तर दखो।

यदि उत्तर प्रश्न की विषय वस्तु से मल नही खाता तो दुबारा सख्या या अक ला और उत्तर देते समय खोई हुई वस्तु का आकार प्रकार ध्यान में रखा । उत्तर में वताए गए सकेतों से अपनी बुद्दि व समझ के अनुसार वे सकेत जिस तरह प्रश्नकर्ता की स्थिति में उपयुक्त रूप से फिट बैठते हों उत्तर दो ।

मान लो कोई सोने की चीज खोई है और उत्तर की सख्या 83 आती है तो प्रश्नकर्ता की बातों से खोने का पूरा विवरण मुनने से जिस कुमारी कन्या या नवयुवती पर या अधिक कन्याओं या नवयुवतियों पर सदेह होता है उनसे पूछताछ करने को कहो, चतुराई से पता करो और उनकी पहुच के अन्दर जितने पानी से भरे स्थान हैं उनमें देखो । तालाव जलाशय गड्ढ आदि नहीं है और शायद हो भी नही सकने परन्तु पानी से भरे घडे सुराही आदि में छिपाकर रखन की पूरी सभावनाए है । पुलिस या जासूस जिस प्रकार मामूली से सूत्र से अपनी सूचबूझ के द्वारा पता लगाते हैं कुछ उसी प्रकार से उपर्युक्त सकेतों के आधार पर आप उत्तर दीजिए सफलता मिलेगा । यदि कोई वस्तु बडे आकार की वस्तु या छाटे आकार की वस्तु है । मान लो किसी का स्कूटर खो गया है और उत्तर की सख्या 59 आती है । अव स्कूटर जैसी चीज रोटी केट आटे आदि के अन्दर ता हो नहा सक्ती लकिन किसी आटा मिल ढाबे या होटल में हा सक्ती है और किसी पुराने या ज्यादा उमर के नौकर या निम्न श्रेणी क व्यक्ति द्वारा चुराई गई है । इस प्रकार अलग अलग परिस्थितियों में वस्तु क आकार प्रकार क अनुसार अपनी बुद्धि का उपयोग कर उत्तर देने से ठीक रहता है । मूल प्रश्न के सम्बन्ध में जो भी उत्तर आए उसको कुछ जोर से पढो और देखो कि प्रश्नकर्ता के मुख पर क्या प्रतिक्रिया होती है । उत्तर के विषयों म जिस बात को सुनकर वह कुछ चौंके समझो यही उमके प्रश्न का विषय है ।

इस प्रकार आप बिना पूछे जिज्ञासु की समस्या का समाधान कर सक्ते हैं ।

अक ज्योतिष एक मनोवैज्ञानिक वैज्ञानिक गणितीय पद्धति है । इसका खूब मनन अभ्यास कर आप इसमें निपुणता प्राप्त कर सक्ते हैं ।



हमारे ज्योतिष सम्बन्धी अन्य प्रकाशन

S-834 अंग लक्षण और रेखाएं-कीरो
S 665 रेखाएं बोलती हैं-कीरो
S 666 आपका जन्म दिन
S-726 आपके सितारे
S-568 ज्योतिष और काल निर्णय
डा० नारायणदत्त श्रीमाली
S 664 नाइयसस्ट्रेडम की भविष्यवाणियां
S-615 वृहद हस्तरेखा विज्ञान सत्यवीर शास्त्री
S-616 बृहद अंक ज्योतिष
S-293 शकुन और स्वप्न
गोविन्द शास्त्री
S 610 तंत्र सिद्धि रहस्य
S 611 मंत्र सिद्धि रहस्य
S-667 मंत्र और ज्योतिष
S-668 ज्योतिष रहस्य
S-727 आप की राशि
गोविन्द माली
S-715 शनि और साढ़ें साती
श्री माली
S-716 कुण्डली दर्पण
S-738 स्वप्न संहिता
पं० राकेश शास्त्री
S 599 आपकी भाग्य रेखायें
S-751 सर्वमनोकामना सिद्धि
S-752 महिला ज्योतिष और रत्न